२१९२

GITA-LIST.

मूल्य आठ आना
॥)

गीता-पुस्तकालय,
कलकत्ता

गीता-सूची

A List of Printed and Manuscript books of Gita-Literature.

(Collected from the Universal Gitaic-Literature.)

PUBLISHED BY

Gita-Library,

30 Banstolla Gali,

Calcutta.

प्रकाशक—
गीता-पुस्तकालय,
३० बाँसतल्लागली, कलकत्ता

मुद्रक—
गीता-प्रेस, गोरखपुर

प्रथम संस्करण १०००
सं० १९८७

Ed. 1--1930

पता—१ गीताप्रेस,
गोरखपुर
२ गीतापुस्तकालय,
३० बाँसतल्लागली
कलकत्ता

श्रीहरिः

निवेदन

संसारके साहित्यमें आज श्रीमद्भगवद्गीता ही एक ऐसा सार्वभौम धर्मग्रन्थ है जिसको सब धर्मोंके लोग मानते हैं। गीता ही एक ऐसा ग्रन्थ है जो सभी देश, सभी वर्ण, सभी जाति, सभी धर्म, सभी सम्प्रदाय, सभी श्रेणी और सभी स्थितिके स्त्री-पुरुषोंको उन उनके अधिकारके अनुसार सरल सुखसाध्य सुन्दर मार्ग बनाकर इहलोक और परलोकमें परम कल्याण कर सकता है। प्रचारके खयालसे आज जगत्में बाइबलका प्रचार सबसे अधिक है। दुनियाकी सैकड़ों बोलियोंमें उसका भाषान्तर, रूपान्तर और सार छप चुका है। उसको देखते गीताका प्रचार बहुत ही कम है। तथापि गीताप्रचारका महत्त्व बहुत अधिक है। यद्यपि बाइबल अच्छी पुस्तक है पर बाइबलका अनुवाद और उसका प्रचार सर्वमान्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थके नाते नहीं हो रहा है। शासनशक्ति और रुपयेके बलपर ही यह कार्य होता है। बाइबलके अनुवाद प्रायः ईसाइयों-द्वारा ही हुए हैं या धन देकर भिन्न-भिन्न बोलियोंमें दूसरोंसे करवाये गये हैं। प्रचारके लिये भी स्थान-स्थानपर प्रधानतः धनके बलपर ही अनेक संस्थाएँ काम कर रही हैं। परन्तु गीताके लिये ऐसी बात नहीं है। गीतापर जो कुछ लिखा गया है उसका कारण उसके अन्दर छिपा हुआ महान् तत्त्व है। इसमें लोगोंने श्रद्धा और भक्तिपूर्वक ही उसपर कलम उठायी है। केवल हिन्दुओंने ही नहीं, जगत्की भिन्न-भिन्न जातियोंके बड़े-बड़े विद्वानोंने लिखा है। धनसे, लोभसे नहीं, गीताकी महत्ताके सामने सर झुकाकर। इस प्रस्तुत गीतासूचीसे इसका कुछ अनुभव पाठकोंको होगा। गीतासम्बन्धी ग्रन्थोंके संग्रह और उसकी सूची-प्रकाशनका यह कार्य बड़ा ही पवित्र है, बड़े-बड़े विद्वानोंने इसके लिये हर्ष और सन्तोष प्रकट किया है। गीतापर किस भाषामें कितना साहित्य है इसकी जानकारी भी इस सूचीसे सहज ही हो सकती है। अवश्य ही यह सूची अभी अधूरी है और आगे चलकर भी अधूरी ही रहेगी, क्योंकि गीतासम्बन्धी नयी-नयी पुस्तकें नित्य निकलती ही जा रही हैं। यह सारा कार्य गीतापुस्तकालयके मन्त्री भाई रामनरसिंहजीकी लगन और उनके परिश्रमका फल है। यदि गीतासम्बन्धी साहित्यके प्रकाशक महोदय अपनी-अपनी नयी पुस्तकें प्रकाशित होते ही एक प्रति पुस्तकालयमें भेज दें तो श्रीरामनरसिंहजीके कार्यमें बड़ी सुविधा हो सकती है। आशा है गीताप्रकाशक महोदय इस अनुरोधपर कुछ-न-कुछ ध्यान अवश्य देकर इस पवित्र पुण्यकार्यमें सहायता करेंगे।

हनुमानप्रसाद पोद्दार

'कल्याण'-सम्पादक

विषय-सूची

† परिशिष्ट-प्रकरणमें केवल उसी गीता-साहित्यकी सूची रक्खी गई है, जो अभी तक गीता पुस्तकालयकी संगृहीत सूचीमें नहीं आयी है।

एवमुक्त्वार्जुनः संख्ये रथोपस्थ उपाविशत् ।
विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः ॥

क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परंतप ॥

ॐ श्रीपरमात्मने नमः

श्रीमद्भगवद्गीता-सूची

[श्रीमद्भगवद्गीतापर संसारकी भिन्न भिन्न भाषाओंमें बहुत कुछ लिखा गया है और लिखा जा रहा है, इसपर सैकड़ों टीकाएं लिखी गयी हैं और हजारों संस्करण प्रकाशित हुए हैं। गतवर्ष कलकत्तेमें गोविन्दभवनके गीता-जयन्ती-उत्सवपर एक 'गीता-प्रदर्शनी' की गयी थी, जिसमें भिन्न भिन्न भाषाओंकी गीताएं आयी थीं। वहीं एक गीतापुस्तकालय स्थापित किया गया है, जिसमें गीताओंका संग्रह हो रहा है, अबतक जितनी पुस्तकें संग्रहीत हुई हैं, उनमेंसे अधिकांशकी सूची निम्नलिखित है। शेष पुस्तकोंकी सूची, कल्याणमें क्रमशः प्रकाशित होती रहेगी। इस सूचीसे जनताको बहुत लाभ होनेकी आशा है, गीतासम्बन्धी साहित्यका बहुत कुछ परिचय इससे मिल सकेगा। हमारे पास इस सूचीके लिये कई जगहसे मांगें भी आ चुकी हैं। यह सूची हमें श्रीयुत रामनरसिंहजी हरलालका, मन्त्री गीता-जयन्ती-उत्सव तथा गीतापुस्तकालयकी कृपासे प्राप्त हुई है, इसके लिये उन्हें अनेक साधुवाद। —सम्पादक]

सांकेतिक चिह्न

(१) भ० = भगवद् (२) टी० = टीकाकार (३) स० = सम्पादक (४) ले० = लेखक (५) अ० = अनुवादक (६) प्र० = प्रकाशक (७) मु० = मुद्रक (८) पृ० = पृष्ठ-संख्या (९) वि० = विक्रम संवत् (१०) ई० = ईसवी सन् (११) बं० = बंगाब्द (१२) सं० = संस्करण (१३) मू० = मूल्य (१४) खं० = खण्ड (१५) गु० = गुटका (१६) ※ = अप्राप्य

१-लिपि-देवनागरी ✤ १ भाषा-संस्कृत

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१	१	श्रीमद्भगवद्गीता (टीका १५, खण्ड ४) टीकाकार १ स्वा० शंकराचार्य–भाष्य (अद्वैत); २ आनन्दगिरी–टीका; ३ स्वा० आनन्दतीर्थ (मध्वाचार्य)-माध्वभाष्य (द्वैत); ४ जयतीर्थ-प्रमेय दीपिका; ५, स्वा० रामानुजाचार्य-भाष्य (विशिष्टाद्वैत); ६ श्रीपुरुषोत्तम-अमृततरंगिणी (शुद्धाद्वैत); ७ नीलकण्ठ–भावप्रदीप या चतुर्धरी टीका; ८ पं० केशव काश्मीरी-तत्त्वप्रकाशिका (द्वैताद्वैत); ९ मधुसूदन-गूढार्थदीपिका; १० शंकरानन्द–तात्पर्यबोधिनी; ११ श्रीधर स्वामी–सुबोधिनी; १२ सदानन्द-भावप्रकाश (श्लोकबद्ध); १३ धनपतसूरि–भाष्योत्कर्षदीपिका; १४ सूर्यदेव दैन्य–परमार्थप्रपा; १५ राघवेन्द्र–अर्थसंग्रह या गीताविवृति। स०-खं० १ पं० विट्ठल शर्मा; खं० २, ३, ४ पं० जीवाराम शास्त्री। प्र० और मु० गुजराती प्रेस, सासून बिल्डिंग, फोर्ट, बम्बई सं० १ १९०८, १९१२, ९१३, १९१५ ई० मू० २०) पृ० २१५०
२	२	श्रीमद्भगवद्गीता (टीका ८) टी० १ शंकराचार्य; २ आनन्दगिरी; ३ नीलकंठ; ४ मधुसूदन; ५ श्रीधर; ६ धनपति-सूरि; ७ अभिनव गुप्त पादाचार्य व्याख्या; ८ धर्मदत्त (बच्चा शर्मा) गूढार्थ तत्त्वालोक। स० पं० वासुदेव शर्मा; प्र० मु०–निर्णयसागर प्रेस, बम्बई स०–१९१२ ई०; मू० ८) पृ० ६४०
३	३	श्रीमद्भगवद्गीता (टी० ७, खं० ३) टी०; १ रामानुजाचार्य; २ वेदान्ताचार्य वेङ्कटनाथ–तात्पर्यचन्द्रिका; ३ शंकराचार्य; ४ आनन्दतीर्थ; ५ जयतीर्थ; ६ यामुन मुनि–गीतार्थसंग्रह; ७ निगमान्त महादेशिक–

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		गीतार्थसंग्रहरक्षा । स०-अ० वि० नरसिंहाचार्य, प्र० मु० आनन्द प्रेस, मद्रास सं०--१९१०, १९११ १९११, ई० मू० ७॥) पृ० ६७५
४	४	श्रीमद्भगवद्गीता-टी० सदानन्द-भावप्रकाश (श्लोकबद्ध) प्र० मु० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं०-१८०८ शक मू० ४) पृ० ३६०
५	५	श्रीमद्भगवद्गीता-टी० स्वामी राघवेन्द्र, मु० चित्रशाला प्रेस, पूना सं० १८४१ शक मू० २) पृ० १५०
६	ॐ६	श्रीमद्भगवद्गीता-टी० १ रामानुज भाष्य ; २ शांकर-भाष्य ; ३ श्रीधरी टीका (यामुन मुनिकृत गीतार्थ-संग्रह सहित) प्र० मु० गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास, जगदीश्वर प्रेस, बंबई सं० १-१९३६ वि० मू० ५) पृ० २३०
७	ॐ७	श्रीमद्भगवद्गीता-समन्वय भाष्य स० उपाध्याय भाई गौर गोविन्दराय (नवविधान मण्डल) मु० मंगलगंज मिशन प्रेस, कलकत्ता, पता प्रचार आश्रम, आमहर्स्ट स्ट्रीट, कलकत्ता । सं० २-१८३६ शक मू० ३) पृ० ५७५
८	ॐ८	श्रीमद्भगवद्गीता टी० १ विप्रराजेन्द्र : (तत्त्वैकदर्शन भाष्य) २ विप्रराजेन्द्र-आत्मज ; (भाष्य प्रदीप) मु० राजराजेश्वर प्रेस सं०-१९२७ वि० मू० (अज्ञात) पृ० २५६
९	९	भ० गीता-टी० मधुसूदन सरस्वती, मु० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०-१९७३ वि० मू० २॥) पृ० २८०
१०	१०	भ० गीता-टी० शंकराचार्य, मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना सं० १९०८ ई० मू० २) पृ० ३००
११	११	भ० गीता-टी० १ शांकर-भाष्य ; २ आनन्दगिरी-टीका ; मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना सं० २-१९०९ ई० मू० ६।) पृ० ६००
१२	१२	भ० गीता-टी० श्रीहनुमत् (पैशाच-भाष्य) मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना सं०-१९०१ ई० मू० १॥) पृ० १५०
१३	१३	भ० गीता-टी० १ मधुसूदन सरस्वती ; २ श्रीधर स्वामी, मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना ; स० २-१९१२ ई० मू० ५।) पृ० ५२५
१४	१४	भ० गीता-टी० १ रामानुज भाष्य ; २ वेदान्ताचार्य वेंकटनाथ-तात्पर्यचन्द्रिका ; ३ यामुनमुनि गीतार्थ संग्रह ; मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना स०-१९२३ ई० मू० ७॥) पृ० ७५०
१५	१५	गीतार्थसंग्रह दीपिका-टी० वरवरमुनि, स० प्रतिवादीभयंकर स्वामी श्रीअनन्ताचार्य, श्रीकाञ्ची, मु० सुदर्शन प्रेस, श्रीकाञ्ची, सं० १९०६ ई० मू० २=) पृ० ३२५
१६	१६	भ० गीता-टी० मुनि यामुनाचार्य (गीतार्थ संग्रह, प्रदिपद्व्याख्या सह) स० स्वामी श्रीअनन्ताचार्य, श्रीकाञ्ची मु० सुदर्शन प्रेस, श्रीकाञ्ची, सं० १९०१ ई० मू० १॥।=) पृ० १८२
१७	१७	गीतार्थ संग्रह-टी० १ यामुनमुनि (गीतार्थ संग्रह) २ वेदान्ताचार्य (गीतार्थ संग्रह रक्षा) ; स० स्वामी श्री-अनन्ताचार्य, मु० सुदर्शन प्रेस, श्रीकाञ्ची सं०-१९०१ ई० मू० ।=) पृ० ३५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१८	१८	भ० गीता-टी० केशव काश्मीरी, प्र० पं० किशोरदास, बंशीवट, वृन्दावन स० १-१६६५ वि० विना मू० पृ० ३८०
१६	१६	भ० गीता-रामानुजाचार्य-भाष्य, स० पं० महावन शास्त्री, मु० लक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं० ३-१९५९ वि० मू० २) पृ० ३०५
२०	२०	भ० गीता-टी० शंकरानन्द, प्र० निर्णय० बंबई, सं० ३ मू० २॥) पृ०
२१	२१	भ० गीता-टी० श्रीधर स्वामी प्र० ,, ,, मू० १) पृ०
२२	*२२	भ० गीता-टी० पं० गणेश शास्त्री पाठक (बालबोधिनी प्र० के० एम० पाठक, मु० एजुकेशन सोसाइटी स्टीम प्रेस, बम्बई सं० १-१८६३ ई० मू० ३।) पृ० ३५०
२३	२३	भ० गीता-टी० स्वामी वेंकटनाथ (ब्रह्मानन्दगिरिव्याख्या) मु० वाणीविलास प्रेस, श्रीरङ्गम् सं० १६१२ ई० मू० ४।) पृ० ६१०.
२४	२४	भ० गीता-टी० पं० गयाप्रसाद शास्त्री 'श्रीहरि' (१ बालबोधिनी संस्कृतटीका, २ गीतार्थचन्द्रिका भाषाटीका) प्र० रामनारायण लाल, प्रयाग सं० १-१६८३ वि० मू० १) पृ० ५००
२५	२५	भ० गीता-(खं० २)टी० हंसयोगी भाष्य प्र० शुद्धधर्ममण्डल, मद्रास सं० १ १६२८, १६२४ ई० मू० ३॥।) पृ० ७५०
२६	२६	भ० गीता-टी० १ महर्षि गोभिल (गीतार्थसंग्रह); २-२६ अध्यायी गीता, प्र० शुद्धधर्ममण्डल, मद्रास सं० २-१६१७ ई० मू० ।) पृ० २१०.
२७	२७	भ० गीता-मूल,पंचरत्न प्र० सस्तुं साहित्यवर्धक कार्यालय, अहमदाबाद, सं० १ १६७६ वि० मू० ॥।) पृ० २००
२८	२८	भ० गीता-मूल प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १-१६८३ वि० मू० ।-) पृ० १ ०
२६	२६	भ० गीता प्रतिकानुक्रम ले० पं० केशव शास्त्री, मु० निर्णयसागर प्रेस, बम्बई सं० १६१६ ई० मू० -) पृ० १०
३०	३०	भ० गीता-मूल, पञ्चरत्न, प्र० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं० १६७६ वि० मू० १) पृ० २२५
३१	❀३१	भ० गीता-मूल, मु० चित्रशाला प्रेस, पूना सं० १६१२ई० मू० ।=) पृ० १००
३२	३२	भ० गीता-मूल प्र० मु० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १-१६८२ वि० मू० ≡) पृ० २१५
३३	३३	भ० गीता-(गुटका, मूल, श्लोक चरण प्रतीक वर्णानुक्रम सहित) प्र० थियोसोफिकल संसायटी, अडियार, मद्रास, मु० वसन्त प्रेस, मद्रास सं०-१६१८ ई० मू० ॥।) पृ० २७५
३४	३४	भ० गीता-(द्वादश रत्न, मूल, गु०) मु० लक्ष्मीवेंकटेश्वरप्रेस, बम्बई सं०-१६७८ वि० मू० १) पृ० २२०

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
३५	३५	भं० गीता-(मूल, पञ्चरत्न, गु०) प्र० सस्तुं साहित्य वर्धक कार्यालय, अहमदाबाद सं०-१९७९ वि० मू० ।=) पृ० १६०.
३६	३६	भ० गीता-(मूल, पञ्चरत्न, गु०) प्र०स० सा०वर्धक कार्या०, अहमदाबाद सं० १९७६ वि मू० ।)पृ० २००.
३७	३७	भ० गीता-(मूल, पञ्चरत्न, गु०) मु० गुजराती प्रेस, बम्बई सं०-१९२५ ई० मू० ।=) पृ०२००.
३८	३८	भ० गीता-(मूल, गु०) प्र० रामस्वामी शास्त्री एन्ड सन्स, मु० बभाभिल्ला प्रेस, मद्रास सं०-१९२६ ई० मू० ।=) पृ० १६५.
३९	३९	भ० गीता (मूल, समश्लोकी, गु०) प्र० के० के० जोशी एन्ड ब्रादर्स, कांदावाडी, बम्बई मू०।।) पृ० १४०.
४०	४०	भ० गीता-(गु०) त्रिकाण्ड संग्रह प्र० स्वामी गोविन्दानन्द मु० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० १ १९२७ ई० मू० ।=) पृ० ३०.
४१	४१	भ० गीता-विष्णुसहस्रनाम सहित (मू०, गु०) प्र० मु० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० ५-१९२८ ई० मू० =) पृ० १३०.
४२	४२	भ० गीता-विष्णुसहस्रनाम सहित (मूल,गु०)प्र० गीताप्रेस,गोरखपुर सं० २-१९८१ वि०मू० =)।। पृ० २२०.
४३	४३	भ० गीता-(मूल, गु०) प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० २-१९८० वि० मू० -) पृ० १२६.
४४	४४	गीताडायरी-प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १-१९२७ ई० मू० ।) पृ० ४००
४५	४५	गीताडायरी-प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० २-१९२८ ई० मू० ।) पृ० ४००.
४६	४६	गीताडायरी-प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० ३-१९२९ ई० मू० ।) पृ० ४००.
४७	४७	भ० गीता-मूल प्र० ब्रह्मज्ञानसमाज मन्दिर, अडयार, मु० वसन्तप्रेस, अडयार, पता थियोसोफिकल सोसाइटी, मद्रास सं०-१९१४ ई० मू० ।) पृ० १६०
४८	४८	भ० गीता-(मूल, तावीजी) प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १ १९८४ वि० मू० =) पृ० ३००.
४९	४९	भ० गीता-(,, ,,) प्र० निर्णय०, बम्बई सं० १९२६ ई० मू० ।=) पृ० २१०
५०	५०	भ० गीता-(मूल, तावीजी) प्र० निर्णय०, बम्बई सं०-१९२३ ई० मू० ।) पृ० २९०.
५१	५१	भ० गीता-(मूल, तावीजी, लोकेट) विष्णुसहस्रनाम सहित, फोटोमें जर्मनीमें छपी हुई, पता-संस्कृत बुकडिपो, काशी मू० १) पृ० २००.
५२	५२	भ० गीता-(मूल, तावीजी, लोकेट) अष्टरत्न-फोटोमें जर्मनीमें छपी हुई, पता-किताब महल, हार्नबी रोड, बम्बई मू० ३) पृ० ३७५.

१ लिपि–देवनागरी ✤ २ भाषा–हिन्दी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
५३	*१	श्रीमद्भगवद्गीता–(खण्ड २) टी० पं० उमादत्त त्रिपाठी, नवल-भाष्य या तत्त्वविवेकामृत-टीका (१. शंकर-भाष्य ; २. आनन्दगिरी टीका ; ३. श्रीधरी टीका सह) मु० नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ सं० १–१८८८ ई० मू०) पृ० ८८४
५४	२	श्रीमद्भगवद्गीता–(केवल भाषा, भीष्मपर्व पृ० ५३ से ११७) टी० पं० कालीचरण गौड़, मु० नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ, सं० ४–१९२६ ई० मू० १॥) पृ० ६५
५५	*३	श्रीमद्भगवद्गीता–टी० पं० जगन्नाथ शुक्ल, मनभावनी भाषा-टीका (१ शङ्कर-भाष्य; २. आनंदगिरी टीका; ३. श्रीधरी टीका सहित) प्र० ग्रन्थकार, मु० ज्ञानरत्नाकर प्रेस, कलकत्ता, सं०–१९२३ ई० मू० १०) पृ० ६८०
५६	४	श्रीमद्भगवद्गीता (भीष्मपर्व, पृ० ८ से १०) ले० सबलसिंह चौहान (पद्य) मु० नवल० प्रेस, लखनऊ, सं० २१–१९२८ ई० मू० ।=) पृ० ३
५७	५	भ० गीता–(भीष्मपर्व पृ० ११३ से २२०) टी० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, पता–ग्रन्थकार, स्वाध्याय मण्डल, औंध, सतारा सं० १–१९८३ वि० मू० १) पृ० १०८
५८	६	भ० गीता–(खंड ६) ले० पं० रामनारायण पाठक (पद्य) प्र० और पता–राधेश्याम पुस्तकालय, बरेली। सं० १–१९२४; २–१९२७; २–१९२८; २–१९२८; २–१९२८; २–१९२६ ई०; मू० ।=) पृ० १५०
५९	७	भ० गीता–(पद्य) ले० पं० रामधनी शर्मा व्यास, प्र० ग्रन्थकार, सदीसोपुर (पटना) सं० १–१९६५ वि० मू० ॥) पृ० १३०
६०	८	गीतानुशीलन (खंड ३) टी० स्वामी मायानन्द गीतार्थी (मायानन्दी व्याख्या) प्र० राष्ट्रीय हिन्दी मन्दिर जब्बलपुर, स० और पता–गणेशचन्द्र प्रामाणिक, इण्डियन प्रेस, प्रयाग, सं० १–१९७७ वि० मू० ?।≈) पृ० १००
६१	९	भ० गीता–(खं० १८) टी० स्वामी हंसस्वरूपजी (हंसनादिनी टीका) प्र० और पता–हंसाश्रम, अलवर, सं० १–१९८२ वि० मू०) पृ० ४५००
६२	१०	भ० गीता–टी० स्वामी चिद्घनानन्द(गूढार्थ दीपिका)मु० वेंकटेश्वर प्रेस,बम्बई सं०–१९७८ वि० मू०८) पृ० १३५०
६३	११	भ० गीता–(स्वाध्याय संहिता, पृ० ३६६ से ४६२ तक) टी० स्वामी हरिप्रसाद वैदिक मुनि, प्र० महेश औषधालय पापड़ी मंडी, लाहौर, सं० १–१९८४ वि० मू० ४।) पृ० ९७
६४	१२	महाभारत मीमांसा–(१८ वां प्रकरण या श्रीमद्भगवद्गीता विचार, पृ० ५५९ से ६०३) ले० सी० वी० वैद्य, एम० ए०, एल० एल० बी० (मराठी) अ० माधवराव सप्रे, बी० ए० प्र० बालकृष्ण पांडुरंग ठक्कर, पता–इण्डियन प्रेस प्रयाग सं० १–१९७७ वि० मू० ४) पृ० ४५
६५	१३	भ० गीता–टी० महाराजदीन दीक्षित, प्र०–बैजनाथप्रसाद बुकसेलर, काशी मू० २) पृ० २३६

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६६	१४	ब्रह्मदर्शन (गीता-निबन्ध पृ० १९, ३०, ८४, १७५ से १८०, २२८ आदिमें) ले० पं० जानकीनाथ मदन, दिल्ली मु० रामनारायण प्रेस, मथुरा सं०–२ १८१ वि० मू० ३) पृ० २४०
६७	१५	भ० गीता–टी० पं० मदनमोहन पाठक, प्र० भार्गव पुस्तकालय, काशी सं०-१९८४ वि० मू० १।) पृ० २४०
६८	१६	भ० गीता–टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र (मिश्रभाष्य) मु० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०–१९८३ वि० मू० ३) पृ० ३९०
६९	१७	भ० गीता–टी० स्वा० आनन्दगिरि (सज्जन–मनोरंजिनी परमानन्द प्रकाशिका टीका) मु० लक्ष्मीवेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं० ४–१९७७ वि० मू० ४) पृ० ४६६
७०	१८	भ० गीता-टी० पं० सुदर्शनाचार्य शास्त्री (तत्त्वार्थसुदर्शिनी) मु० लक्ष्मीवेंक० बम्बई सं०–१९७१ वि० मू० ४) पृ० ३९२
७१	१९	भ० गीता ले० मुंशी राजधरलाल कायस्थ (राजतरंगिणी टीका) प्र० व्रजवल्लभ हरिप्रसाद, रामवाड़ी, बम्बई सं०–१९७५ वि० मू० १।) पृ० २००
७२	२०	भ० गीता टी० वैष्णव हरिदासजी (वैराग्यप्रकाशिका) मु० लक्ष्मीवेंक० बम्बई सं०-१९८० वि० मू० १) पृ० २००
७३	२१	भ० गीता–टी० श्रीआनन्दराम (व्रजभाषा टीका) मु० ज्ञानसागर प्रेस, बम्बई सं० ८ १९४८ वि० मू० १।) पृ० २२५
७४	२२	भ० गीता टी० पं० रघुनाथप्रसाद (अमृततरंगिणी) मु० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०–१९८१ वि० मू० १।) पृ० २५०
७५	२३	भ० गीता–टी० पं० सत्याचरण शास्त्री और पं० श्रीराम शर्मा (विचारदर्पण सहित) मु० ज्ञान० प्रेस, बम्बई सं० २–१९७९ वि० मू० १।) पृ० ३८२
७६	२४	भ० गीता टी० पं० गिरिजाप्रसाद द्विवेदी मु० नवल० प्रेस, लखनऊ सं० १-१९११ ई० मू० ।।।=) पृ० ११७
७७	२५	भ० गीता–ले० पं० माधवराम अवस्थी (पद्य) प्र० पं० रामचन्द्र अवस्थी, रामकृष्ण औषधालय, कानपुर सं० १–१९८४ वि० मू० १।) पृ० १५०
७८	२६	भ० गीता–विमल विलास (ख० ४) ले० श्रीयुगलकिशोर 'विमल' बी० ए०, एल एल० बी०, प्र० सनातन धर्म सभा, दिल्ली सं० १-१९७९ वि० मू० २।) पृ० ३२५
७९	*२७	भ० गीता–(पद्य) टी० ठाकुर कुंवर बहादुर सिंह (ब्रह्मानन्दप्रकाशिका) मु० राजपूत एंग्लो ओरियण्टल प्रेस, आगरा पता–ठाकुर शिवचरणसिंह, उड़नी पीपरिया (सी० पी०) स० १ १८९९ ई० मू०) पृ० १२५
८०	*२८	भ० गीता–सिद्धान्त टी० श्रीदुर्जनसिंह और पता प्र० ग्रन्थकार, जावली, अलवर सं० १–१९८० वि० मू० १।) पृ० २१०

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
८१	२९	गीता हमें क्या सिखलाती है ? ले० पं० राजाराम शास्त्री पता-आर्ष ग्रन्थावली, लाहौर सं० १-१९१० ई० मू० ।) पृ० ४८
८२	३०	संजयकी दिव्यदृष्टि (निबन्ध) ले० श्रीधर रामचन्द्र देशाई (मराठी) अ० अनन्त रामचन्द्र जवखेडेकर, प्र० विज्ञाननौका कार्यालय, ग्वालियर, सं०-१९८० वि० मू० ।) पृ० ४०
८३	३१	श्रीकृष्णका यथार्थ स्वरूप (निबन्ध) ले० श्रीधर रामचन्द्र देशाई, प्र० विज्ञान० कार्या० ग्वालियर सं०-१९८१ वि० मू० ।) पृ० ५०
८४	३२	भ० गीताके प्रधान विषयोंकी अनुक्रमणिका (प्रत्येक अध्यायके प्रधान विषय) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका प्र० मु० गीता प्रेस, गोरखपुर सं० १-मू०) । पृ० ८
८५	३३	भ० गीताका सूक्ष्मविषय (प्रत्येक श्लोकका भावार्थ) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका, प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १ मू० -)॥ पृ० ३२
८६	३४	त्यागसे भगवत्-प्राप्ति (गीतोक्त त्याग पर स्वतन्त्र निबन्ध) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका, प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १९८० वि० मू० -) पृ० १४
८७	३५	भ० गीता-टी० पं० गौरीशङ्कर द्विवेदी (पद्य) प्र० परमानन्द मिश्र, प्रेम कुटीर, झांसी सं० १-१९७८ वि० पृ० ६६ मू० ॥=)
८८	३६	भ० गीता-ले० श्रीमुन्नीलाल कुलश्रेष्ठ (पद्य) प्र० पं० रामचन्द्र वैद्य, सुधावर्धक औषधालय, अलीगढ़ सं० ३ १९७५ वि० मू० ।।।) पृ० ७०
८९	३७	भ० गीता-ले० पं० प्रभुदयाल शर्मा (पद्य) प्र० मु० स्वा० लुट्टनलाल, स्वामी प्रेस, मेरठ सं० १९२४ ई० मू० ॥) पृ० १००
९०	३८	भ० गीता-ले० गदाधर सिंह, पता इण्डियन प्रेस, प्रयाग सं० १-१८९६ ई० मू० ।-) पृ० ७५
९१	३९	भ० गीता टी० मुन्शी हरिवंशलाल, प्र० नवल० प्रेस, लखनऊ सं० १२-१९२४ ई० मू० ॥) पृ० १६८
९२	४०	भ० गीता-टी० पं० हरिदास वैद्य, प्र० हरिदास कम्पनी बड़ा बाजार कलकत्ता सं० ४-१९२३ ई० मू० ३) पृ० ४६६
९३	४१	भ० गी०-टी० स्वा० शिवाचार्य (भाग पहिला अ० २ श्लोक १० तक) प्र० स्वामी विवेकानन्द स० भारत धर्म महामण्डल, काशी सं० १-१९१८ ई० मू० १) पृ० १३६
९४	४२	भ० गीता-टी० स्वा० तुलसीराम पं० स्वामी प्रेस, मेरठ सं० २-१९१६ ई० मू० ॥=) पृ० ६३१
९५	४३	भ० गीता-टी० पं० आर्यमुनि (योगप्रदीप आर्य भाष्य पं० आर्य बुकडिपो लाहौर सं० १-१९७६ वि० मू० २॥) पृ० ६००

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
९६	४४	भ० गीता–टी० व्रजरत्न भट्टाचार्य-रत्नप्रभा भाषाटीका (श्रीधरी टीका सहित) प्र० भारतहितैषी पुस्तकालय, गिरगांव, बम्बई सं० १–१९७० वि० मू० १॥) पृ० ४२५
९७	४५	भ० गीता–रहस्य ले० लोक० बाल गङ्गाधर तिलक (गीता-रहस्य-संजीवनी टीका) (मराठी) अ० पं० माधवराव सप्रे, प्र० तिलक बन्धु, गायकवाड़ बाड़ा, पूना सं० १-१९७३ वि० मू० ३) पृ० ९००
९८	*४६	भ० गीता–टी० पं० रामप्रसाद एम० ए०, एफ० टी० एस०, मु० निर्णयसागर प्रेस, बम्बई सं०–१८२६ शक मू० ५) पृ० ३००
९९	४७	भ० गीता–टी० बाबू जालिमसिंह प्र० नवलकि० प्रेस, लखनऊ सं० ३–१९२२ ई० मू० ३॥) पृ० ८५०
१००	४८	भ० गीता–(मूल, अन्वय, पदच्छेद, टीका, टिप्पणी, अनुक्रमणिका आदि सहित) पृ० ५००, टी० श्री-जयदयालजी गोयन्दका (साधारण भाषाटीका) प्र० मु० गीता प्रेस, गोरखपुर सं० ४–१९८३ वि० मू० १।) राज सं० २) नवीन ॥=) गुटका =)॥ केवल भाषा ।) केवल द्वितीय अध्याय)।
१०१	४९	भ० गीता–ज्ञानेश्वरी टी० ज्ञानेश्वरजी (भावार्थदीपिका मराठी) अ० पं० रघुनाथ माधव भगाड़ेजी बी० ए० प्र० इण्डियन प्रेस, प्रयाग। संशोधित सं०–१९२४ ई० मू० ४) पृ० ७२०
१०२	५०	भ० गीता–ज्ञानेश्वरी, अ० स्वा० मायानन्द चैतन्य, प्र० इन्दिरा प्रेस, पूना सं० १-१९२० ई० मू० ४) पृ० ५९०
१०३	*५१	भ० गीता–टी० पं० पीताम्बरजी पुरुषोत्तमजी–तत्त्वार्थबोधिनी, प्र० पं० दामोदर देव कृष्ण, गदर्सीसा, कच्छ सं० १९६१ वि० मू० ४) पृ० ६६०
१०४	५२	भ० गीता–टी० श्रीअनन्तरामजी (पदार्थ दोधिनी व्रजभाषाटीका) प्र० पं० कल्याणदासजी, पानीघाट, वृन्दावन सं० १–१९६९ वि० बिना मूल्य पृ० ३४०
१०५	५३	भ० गीता–(खं० २) टी० स्वामी नारायण–भगवदाशयार्थदीपिका, प्र० श्रीरामतीर्थ पब्लीकेशन लीग, लखनऊ सं०–१–१९७४, १९८५ वि० मू० ६) पृ० १३४०
१०६	५४	भ० गीता–टी० बाबू राधाचरण बी० ए०, बी० एस० सी०, एल एल० बी०, प्र० मु० यमुना प्रिंटिंग वर्क्स, मथुरा, सं० ३–१९२८ ई० मू० १॥) पृ० ५५०
१०७	५५	सरल गीता–टी० पं० लक्ष्मणनारायण गर्दे, पता हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, बड़ाबजार कलकत्ता सं० ३-१९८० वि० मू० १॥) पृ० ३५०
१०८	५६	भ० गीता–टी० पं० बाबूराव विष्णु पराड़कर, प्र० साहित्य-सम्बर्धिनी समिति, कलकत्ता, पता-हिन्दी पुस्तक एजेन्सी कलकत्ता सं० १ १९७१ वि० मू० ≡) पृ० २१५
१०९	५७	भ० गीता–केवल भाषा, ले० स्वा० किशोरदास कृष्णदास, प्र० मोतीलाल बनारसीदास, लाहौर सं० ३–१९८३ वि० मू० १॥) पृ० ४६०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
११०	५८	भ० गीता केवल भाषा ले० पं० परशुरामजी, प्र० रामकृष्ण बुकसेलर, लाहौर सं० १–१९८० वि० मू० १) पृ० ३५०
१११	५९	भ० गीता–केवल भाषा ले० श्रीजयनीराज प्र० ग्रन्थकार पता–चरणदास फोटोग्राफर, लंगेमंडी, लाहौर सं० १–१९८२ वि० मू० १॥) पृ० ४१४
११२	६०	भ० गीता–केवल भाषा ले० स्वा० सत्यानन्द प्र० आर्य पुस्तकालय, लाहौर सं० १९८४ वि० मू० १) पृ० ४१४
११३	६१	भ० गीता–केवल भाषा (दोहावली सहित) प्र० लाजपतराय पृथ्वीराज साहनी, लाहौर मू० २) पृ० ४१०
११४	६२	भ० गीता–(खं० २) टी० स्वा० प्रणवानन्द (योगशास्त्रीय आध्यात्मिक टीका) प्र० प्रणवाश्रम, काशी सं० १–१९१४, १९१५ ई० मू० ६) पृ० ११२५
११५	६३	गीता–रहस्य (मूल सहित) ले० नीलकण्ठ मजूमदार एम० ए० (बंगला) अ० श्रीकृष्णानन्द गुप्त, प्र० साहित्य-सदन, चिरगांव (झाँसी) सं० १–१९८५ वि० मू० २॥) पृ० ४००
११६	६४	गीता-दर्शन ले० लाला कन्नोमल एम० ए०, प्र० रामलाल वर्मन कं०, ३६७ अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं० २–१९८३ वि० मू० २॥) पृ० ४५०
११७	६५	भ० गीता टी० एक गीता प्रेमी (पदच्छेद, शब्दार्थ सहित) प्र० मु० ओंकार प्रेस, प्रयाग सं० १–१९८२ वि० मू० १) पृ० ४२०
११८	६६	भ० गीता-टी० पं० राजाराम शास्त्री, प्र० आर्यग्रन्थावली, लाहौर सं० ३–१९८० वि० मू० २।) पृ० ४४०
११९	६७	भ० गीता संस्कृत और भाषाटीका सहित प्र० भगवद्भक्ति आश्रम, रामपुरा, रेवाड़ी, टी० पं०प्रभाकर शास्त्री सं० १ १९८३ वि० मू० ॥=) पृ० ४२५
१२०	६८	गीतार्थचन्द्रिका (खं० २) टी० स्वा० दयानन्द (सरलार्थ और चन्द्रिका टीका) प्र० भारतधर्म महामण्डल, काशी सं० २–१९२७ १–१९२६ । ई० मू० २।। पृ० ५८७
१२१	६९	भ० गीता-सिद्धान्त टी० स्वा० दर्शनानन्द सरस्वती, अ० पं० गोकुलचन्द्र दीक्षित प्र० आर्य-ग्रन्थ-रत्नाकर, बरेली सं० १–१९८१ वि० मू० १) पृ० २२८
१२२	७०	गीता विमर्श (मूल सहित) ले० पं० नरदेव शास्त्री वेदतीर्थ पता वैदिक पुस्तकालय, मुरादाबाद सं० १ १९८१ वि० मू० १॥) पृ० ३५०
१२३	७१	सुबोध गीता–टी० पं० गणपत जानकीराम दुबे बी० ए०, प्र० रामदयाल अग्रवाला, कटरा, प्रयाग सं० १–१९१६ ई० मू० ।=) पृ० १३३
१२४	७२	भ० गीता-टी० पं० ईश्वरीप्रसाद शर्मा, प्र० वर्मन प्रेस, अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं०२–१९८२ वि० मू० =) पृ० १२३
१२५	७३	गीता-रत्नमाला (गद्य और पद्य-अनुवाद) टी० पं० वासुदेव कवि, प्र० हि० पु० एजेन्सी. कलकत्ता सं० १–१९८१ वि० मू० १॥) पृ० ६००
१२६	७४	भ० गीता–(पद्य) ले० पं० सूर्यदीन शुक्ल–मनोरमा भाषाटीका (भारतसार सह) प्र० नवलकि० प्रेस, लखनऊ सं० १ १९१७ ई० मू० १≈) पृ० २६०
१२७	७५	भगवद्गीतोपनिषद् (पद्य) ले० स्वा० मायानन्द चैतन्य, प्र० विज्ञान नौका कार्यालय, ग्वालियर सं० १–१९८० वि० मू० १ =) पृ० १४०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१२८	७६	भ० गीता (पद्य) ले० पं० रघुनन्दनप्रसाद शुक्ल, प्र० गोविन्दप्रसाद शुक्ल, बुलानाला काशी सं० १ १९७९ वि० मू० ॥) पृ० १०८
१२९	७७	भ० गीता (पद्य) ले० पं० हरिवल्लभजी प्र० नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ सं० २--१९२१ ई० ।) पृ० ८५
१३०	७८	गीता--श्रीकृष्ण-उपदेश (पद्य) ले० पं० जगदीशनारायण तिवारी, पता-हिं० पु० एजेन्सी, कलकत्ता सं० १--१९८९ वि० मू० ॥) पृ० १२०
१३१	७९	अच्युतानन्द गीता (पद्य) ले० स्वा० अच्युतानन्द, प्र० अम्बकराव करदत्त मालगुजार, धमतरी, रायपुर, सं० १-१९८५ वि० मू० ॥) पृ० ११२
१३२	८०	भजन गीता (पद्य) ले० बाबू हरदत्तराय सिंघानिया, रामगढ़ प्र० ग्रन्थकार सं० १--१९८१ वि० मू० ।=) पृ० १६०
१३३	८१	गीता सतसई (दोहा) ले० पं० सुदर्शनाचार्य शास्त्री, सं० १९६२ वि० मू० ।) पृ० ८५
१३४	८२	गीतासार (पद्य) ले० पं० अनन्तराम योगाचार्य, प्र० श्रीकृष्ण भक्ति सत्सङ्ग, कसूर (पंजाब) सं० २ १९८१ वि० मू० ।-) पृ० ५५
१३५	८३	भ० गीतासार (पद्य) ले० पं० घासीराम चतुर्वेदी, प्र० गोपाललाल मथुरावाला मु० वेंक० प्रेस, बम्बई पता--गोपाललाल मुरलीधर, इंदौर सं० १ १९७७ वि० मू० १) पृ० ९०
१३६	८४	भ० गीता भावार्थ (पद्य--रंगत लावनी या ख्याल) ले० पं० रामेश्वर विप्र, प्र० वेङ्कटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०--१९८१ वि० मू० १।) पृ० २७५
१३७	८५	श्रीकृष्ण-विज्ञान (पद्य) ले० पं० रामप्रताप पुरोहित, प्र० पारीक हितकारिणी सभा, जयपुर सं० १--१९७७ वि० मू० १।।।) पृ० १७८
१३८	८६	भ० गीता (वेदानुगारत्नसंग्रह) टी० पं० भूमित्र शर्मा, प्र० पं० शिवदत्त शास्त्री, भारतेन्दु पुस्तकालय, मुरादाबाद सं० २--१९८२ वि० मू० ।) पृ० ११५
१३९	८७	गीतामृत नाटक (पद्य) ले० पं० रामेश्वर मिश्र, प्र० मदनलाल गनेड़ीवाला, १५ हंसपोकरिया, कलकत्ता सं० १--१९८० वि० मू० १) पृ० १६६
१४०	८८	गीतामें ईश्वरवाद, ले० हीरेन्द्रनाथ दत्त एम. ए. बी. एल. (बङ्गला) अ० पं० ज्वालादत्त शर्मा, प्र० इंडियन प्रेस, प्रयाग सं० १--१९१९ ई० मू० १।।।) पृ० ४१०.
१४१	८९	गीताकी भूमिका ले० श्रीअरविन्द घोष (अंग्रेजी) अ० पं० देवनारायण द्विवेदी, पता--हिं० पु० एजेन्सी, कलकत्ता सं० १ १९७९ वि० मू० १) पृ० १०५
१४२	९०	आनन्दामृतवर्षिणी (गीता-निबन्ध) ले० स्वा० आनन्दगिरि स० स्वा० युगलानन्द मु० लक्ष्मीवेंक० प्रेस, बम्बई सं०--१९६५ वि० मू० ।।।=) पृ० २००
१४३	९१	धर्म क्या है ? (निबन्ध) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका प्र० गीता प्रेस, गोरखपुर सं० १--१९८४ वि० मू०)। पृ० १३
१४४	९२	गीतोक्त सांख्य और निष्काम कर्मयोग (निबन्ध) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका प्र० गीता प्रेस, गोरखपुर सं० १--१९८३ वि० मू० -)॥ पृ० ४०
१४५	९३	हिन्दी गीता-रहस्य-सार (निबन्ध) ले० लो० तिलक (मराठी) स० पं० झाबरमल्ल शर्मा, पता - हिं० पु० एजेन्सी, कलकत्ता सं० १-१९७८ वि० मू० ।-) पृ० ३०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१४६	९४	रणभूमिमें उपदेश या गीतासार, ले० रामभरोस राव, प्र० मातादीन शुक्ल पता विद्यार्थी पुस्तका०, तिलक भूमि, जबलपुर (सी० पी०) सं० १–१९७८ वि० मू० ।) पृ० ३५
१४७	९५	श्रीकृष्णामृत–रसायन (अनुगीताके भावार्थ सहित) ले० सीताराम गुप्त (भाषानुवाद) प्र० श्रीराम गुप्त पता– ग्रन्थकार, कांधला, मुजफ्फरनगर (यू० पी०) सं० १–१९८५ वि० बिना मूल्य पृ० १८८
१४८	९६	भ० गीतार्थ संग्रह (केवल भाषा) स० चतुर्वेदी द्वारकाप्रसाद शर्मा मु०नेशनल प्रेस, प्रयाग सं० १–१९१२ ई० मू० ।) पृ १२०
१४९	९७	भ० गीता भाषा ले० पं० प्यारेलाल गोस्वामी, प्र० भार्गव पुस्तकालय, काशी सं० १–१९७८ वि० मू० १=) पृ० १२०
१५०	९८	अष्टादश श्लोकी गीता टी० पं० महावन शास्त्री, मु० लक्ष्मीवेंक० प्रेस, बम्बई सं० –१८९३ ई० मू० –) पृ० १०
१५१	९९	भ० गीता टी०–रावत गुमानसिंहजी (अमृतरससार जीवनमुक्तिदायिनी) मु० यज्ञेश्वर प्रेस, काशी सं० १९०३ ई० मू० (अज्ञात) पृ० ३२
१५२	१००	गीता-स्तव-पंचकम् (माहात्म्य) ले० पं० कृष्णदत्त शर्मा, प्र० बाबू रामप्रसाद बंका, मलसीसर सं० १-१९२८ ई० बिना मूल्य पृ० १७
१५३	१०१	प्राचीन भगवद्गीता (७० श्लोकी) ले० स्वामी मंगलानन्द पुरी प्र० गोविन्दराम हासानन्द, २० कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं० २–१९८५ वि० मू० ।–) पृ० ९०
१५४	१०२	गीता और आदि-संकल्प, ले० प्र० चौधरी रघुनन्दनप्रसाद सिंह, महम्मदपुर-सुस्ता (मुजफ्फरपुर) मु० इंडियन प्रेस, प्रयाग सं० १ १९८५ वि० मू० =) पृ० ४५
१५५	१०३	गीता वचनामृत ले० विष्णुमित्र आर्योपदेशक, प्र० वैदिक पुस्तका०, लाहौर सं० १-१९८२ वि० मू० ≡) पृ० ५०
१५६	१०४	भ० गीता तत्त्वविचार ले० सत्येश स्वामी, प्र० ग्रन्थकार, सत्यविचार कुटी, काशी पता–चतुरसिंह, करजालीकी हवेली, उदयपुर मू० =) पृ० १३
१५७	१०५	आर्यकुमार गीता (स्वाध्याय शास्त्र) ले० ईश्वरदत्त भिषगाचार्य, गुरुकुल, कांगड़ी सं० १–१९८१ वि० मू० ।, पृ० ४५
१५८	१०६	भ० गीता (अ० द्वितीय) टी० बलभद्रप्रसाद वैश्य, नं० ३ । ५ टुरनर रोड, काशीपुर, कलकत्ता सं० १-१९२७ ई० मू० =)। पृ० ५०
१५९	१०७	भ० गीता (गद्य संवाद) ले० लक्ष्मण नारायण माठे एम० ए० (मराठी) अ० पं० काशीनाथ नारायण त्रिवेदी मु० सस्ता साहित्य प्रेस, अजमेर सं० १–१९८५ वि० मू० =) पृ० ३०
१६०	१०८	भ० गीता (अ० १२वां) टी० भगवानप्रसादजी 'रूपकला' मु० खड्गविलास प्रेस, बांकीपुर सं० २–१९८५ वि० मू० =) पृ० २५
१६१	१०९	सप्तश्लोकी गीता टी० लक्ष्मणाचार्य, मु० लक्ष्मीवेंक० प्रेस, बम्बई सं०–१९७२ वि० मू० –) पृ० १६
१६२	११०	सप्तश्लोकी गीता टी० पं० गंगाप्रसादजी अग्निहोत्री प्र० पं० बालमुकुन्दजी त्रिपाठी, जबलपुर सं० १ १९८३ वि० मू० –) पृ० २०
१६३	१११	भ० गीता (अ० द्वितीय) प्र० मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, कलकत्ता सं० १–१९८२ वि० बिना मूल्य पृ० २५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१६४	११२	गीतामृत–ले० भाई परमानन्द एम. ए. प्र० आर्य पुस्तका०, लाहौर सं० १–१९७८ वि० मू० १॥।) पृ० १५०
१६५	११३	भ० गीता–टी० पं० रामस्वरूप शर्मा, प्र० सनातन धर्म प्रेस, मुरादाबाद सं० १ १९७४ वि० मू० पृ० १७०
१६६	११४	बालगीता–(केवल भाषा) ले० रामजीलाल शर्मा प्र० इंडियन प्रेस, प्रयाग सं०–संशोधित–१९२१ ई० मू० ॥।) पृ० १७०
१६७	११५	हिन्दी गीता–टी० पं० रामजीलाल शर्मा, प्र० हिन्दी प्रेस, प्रयाग सं० १–१९७९ वि० मू० ॥।) पृ० २८०.
१६८	११६	भ० गीता (गुटका, पंचरत्न) टी० पं० रघुनाथप्रसाद, मु० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०–१९७९ वि० मू० १।=) पृ० ७२०.
१६९	११७	भ० गीता–(गु०) टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र–गीतार्थप्रबोधिका मु० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० ४–१९८० वि० मू० १=) पृ० ४३०
१७०	११८	भ० गीता–(गु०) टी० पं० दुर्गाप्रसाद द्विवेदी–सुबोध कौमुदी, मु० निर्णय० प्रेस बम्बई सं० १९७९ वि० मू० १) पृ० ३००
१७१	११९	भ० गीता–(गु०) टी० लाला निहालचन्द रायबहादुर मुजफ्फरनगर मु० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० ३–१९७९ वि० मू० १) पृ० २२२
१७२	१२०	भ० गीता–(गु०) टी० सुबोध भाषा टीका प्र० हरिप्रसाद भगवद्वल्लभ, बम्बई सं० १९७५ वि० मू० १) पृ० ३५०
१७३	१२१	भ० गीता–(गु०) स० भिक्षु अखण्डानन्द. प्र० सस्तु साहित्य वर्धक कार्या०. अहमदाबाद सं० १–१९८० वि० मू० ≡) पृ० २४०
१७४	१२२	भ० गीता–(गु०) टी० पं० महाराजदीन दीक्षित, प्र० वैजनाथप्रसाद बुकसेलर, काशी मू० ॥) पृ० ३८०
१७५	१२३	भ० गीता–(गु०) टी० पं० मदनमोहन पाठक, प्र० भार्गव पुस्तका० काशी सं०–१९७४ वि० मू० ॥) पृ० २९०
१७६	१२४	भ० गीता–(गु०) टी० श्रीकृष्णलाल, मथुरा, पता–संस्कृत बुक डिपो काशी मू० ॥।) पृ० ४००
१७७	१२५	भ० गीता–(गु०) ले० लो० बाल गंगाधर तिलक (मराठी) अ० पं० माधवराव सप्रे, प्र० तिलक बन्धु, गायकवाड़ बाड़ा, पूना सं० १–१९१६ ई० मू० ॥।) पृ० ३७५
१७८	१२६	भ० गीता–(गु०) टी० पं० गिरधर शर्मा चतुर्वेदी (ज्ञानदीपिका) प्र० संस्कृत पुस्तका० लाहौर मू० ॥।) पृ० २९०
१७९	१२७	भ० गीता–(गु०) टी० पं० राजाराम शास्त्री, प्र० आर्यग्रन्थावली लाहौर सं०–१९८० वि० मू० ॥।) पृ० २८५
१८०	१२८	भ० गीता–(गु०) टी० पं० देशराज, प्र० सरस्वती आश्रम, लाहौर सं० ३ मू० ॥) पृ० २७५
१८१	१२९	भ० गीता–(गु०) टी० पं० छुट्टनलाल स्वामी प्र० स्वामी प्रेस, मेरठ सं० १–१९८१ वि० मू० ॥) पृ० २५०
१८२	१३०	भ० गीता–(गु०) टी० पं० नृसिंहदेव शास्त्री–सारार्थदीपिका, प्र० आर्य बुकडिपो, लाहौर सं० १ मू० ॥।) पृ० ३३०
१८३	१३१	भ० गीता–(गु० प्रथम भाग) प्र० भगवद्भक्ति आश्रम, रामपुरा, रेवाड़ी सं० १–१९८४ वि० मू० ।–) पृ० ३४०
१८४	१३२	भ० गीता–(गु०) टी० पं० गयाप्रसाद शास्त्री साहित्याचार्य 'श्रीहरि' (गीतार्थ-चन्द्रिका), प्र० रामनारायणलाल, प्रयाग सं० १–१९८३ वि० मू० ।) पृ० ४७५
१८५	१३३	भ० गीता–(गु०) टी० पं० हरिराम शर्मा प्र० बेलवेडियर प्रेस, प्रयाग सं० १–१९८० वि० मू० ॥।=) पृ० ३७५
१८६	१३४	भ० गीता–(गु०) टी० श्रीगुमानसिंहजी (योगभानु-प्रकाशिका) पता–चतुरसिंह, करजालीकी हवेली, उदयपुर सं० १–१९५४ वि० मू०) पृ० ३७५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१८७	१३५	गजलगीता (पद्य, गु०) प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० २--१९८३ वि० मू० आधापैसा पृ० ८
१८८	१३६	भ० गीता (गु०) टी० मुन्शी हरवंशलालजी मु० नवल० प्रेस, लखनऊ सं० १--१९२८ ई० मू० ॥=)पृ० २००
१८९	१३७	भ० गीता (गु०) प्र० हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, कलकत्ता सं० १८--१९८४ वि० मू० =) पृ० २७५
१९०	१३८	भ० गीता (गु०) प्र० विश्वमित्र कार्यालय, कलकत्ता सं० १९८३ वि० मू० =) पृ० २८५
१९१	१३९	भ० गीता(गु०)टी० पं०सन्ध्याचरणजी शास्त्री प्र० विश्व० कार्या० कलकत्ता सं० २--१९७६ वि० मू०=)पृ०२६७
१९२	१४०	गीता-हृदय (गु० पद्य) ले० स्वा० मायानन्द चैतन्य, पता विज्ञान नौका कार्या० ग्वालियर सं०--१९८३ वि० मू० -) पृ० ८
१९३	१४१	दिव्यदृष्टि अर्थात् विश्वरूपदर्शन-योग (गु०,पद्य) ले० स्वा० मायानन्द चैतन्य पता-विज्ञान०, ग्वालियर सं० ५--१९७९ वि० मू० १) पृ० २००
१९४	१४२	भ० गीता (गु०, पद्य) ले० श्रीतुलसीदास (दोहाबद्ध) प्र० राजाराम तुकाराम, बम्बई सं० १९७६ वि० मू० ।=) पृ० १८५
१९५	१४३	भ० गीता (गु०, पद्य) म० कानजी कालीदास जोशी (समश्लोकी) प्र० ग्रन्थकार, कांदावाडी, बम्बई सं० १-१९८३ वि० मू० ॥) पृ० ३२०

१ लिपि-देवनागरी ▲ ३ भाषा-मराठी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१९६	४१	श्रीमद्भगवद्गीता-टी० पं० रघुनाथ शास्त्री-भाषाविवृत्ति टीका, मु० बालकृष्ण रामचन्द्र शास्त्रीका प्रेस, पूना सं० १ १७८२ शक मू० ७॥) पृ० २७५
१९७	४२	भ० गीता-टी० पं० रघुनाथ शास्त्री भाषाविवृत्ति, मु० वृत्त प्रसारक प्रेस, पूना सं० २-१८०१ शक मू० ४) पृ० ४८८
१९८	३	भगवद्गीता चिन्मदानन्द लहरी (पद्य) टी० रंगनाथ स्वामी (सच्चिदानन्द लहरी) मु० हरिवंदी प्रेस, बम्बई सं० १ १८९१ मू० २॥) पृ० ४००
१९९	४	भ० गीता-ज्ञानेश्वरी टी० १, वामन पंडित (समश्लोकी); २, मोरोपन्त (आर्या); ३, बालकृष्ण अनन्त भिडे बी० ए० (पद्यानुवाद) प्र० केशव भीकाजी ढवले, गिरगांव, बम्बई सं०--१८५० शक मू० ३) पृ० ८१०
२००	५	भ० गीता-ज्ञानेश्वरी (ओवी, भावार्थ-दीपिका सुबोधिनी छाया सहित) टी० गोविन्द रामचन्द्र मोघे (सुबोधिनी) प्र० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० २ १८४८ शक मू० ५) पृ० ४२५
२०१	६	भ० गीता-ज्ञानेश्वरी टी० वेंकट स्वामी (मराठी अनुवाद) प्र० ग्रन्थकार, पूना सं० १ १८४९ शक मू० ५) पृ० ९५०
२०२	७	भ० गीता-ज्ञानेश्वरी टी० श्रीनाना महाराज जोशी साखरे प्र० मु० इन्दिरा प्रेस, पूना सं० ५--१८५० शक मू० ५) पृ० ९००
२०३	४८	गीतार्थ-बोधिनी टी० १ पं० वामन-(समश्लोकी); २ मोरोपंत (आर्या); ३, तुलसीदास (दोहरा); ४ मुक्तेश्वर (ओवी); ५ तुकाराम (अभंग) प्र० मु० गणपत कृष्णजी प्रेस, बम्बई सं०--१७९२ शक मू०४)पृ० ६७१

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२०४	※९	भ० गीता–(पद्य) टी० १, जीवन्मुक्त स्वामी कृत पद्यानुवाद, २, काशीनाथ स्वामी कृत जीवन्मुक्ति टीका मु० कर्णाटक प्रेस, बम्बई सं० १–१८०९ शक मू० २।।) पृ० ३७२
२०५	१०	भ० गीता–टी० विष्णु बोवा ब्रह्मचारी सेतुबन्धिनी गद्य टीका, प्र० रामचन्द्र पांडुरंग राउत, मु० गणपत० प्रेस. बम्बई पता–नारायण चिन्तामण आठल्ये, रामवाडी, बम्बई सं० १–१८११ शक मू० ३) पृ० ४१०
२०६	११	पदबोधिनी गीता टी० (पदबोधिनी मराठी टीका) प्र० गंगाधर गोपाल पतकी और त्र्यम्बक गोविन्द किराणे मु० गणपत० प्रेस बम्बई सं०–१७९६ शक मू० २।।) पृ० २१०
२०७	※१२	भ० गीता–(खं० ४) टी० श्रीचिन्तामणि गंगाधर भानु (१ शांकर–भाष्य, २ भाष्यानुवाद, ३ रामानुज, ४ मधुसूदन, ५ श्रीधर, ६ शंकरानन्द, ७ धनपति सूरि, ८ नीलकंठ, ९ बलदेव, १० ज्ञानेश्वर आदि कई टीकाओंके भावानुवाद सहित) स० ग्रन्थकार, प्र० भट्ट आणि मण्डली, पूना मु० यशवन्त प्रेस, पूना सं० २–१९०९, १९०९, १९१०, १९१० ई० मू० १२) पृ० १८००
२०८	※१३	भ० गीता टी० १ विद्याधिराज भट्ट उपाध्याय (मध्व मतानुवर्तिनी संस्कृत व्याख्या): २ इन्दिराकान्त तीर्थ–मराठी भाषानुवाद, स० संकीर्णाचार्य पांग्रीकर, प्र० मु० दत्तात्रेय गोविन्द वाडेकर, धनंजय प्रेस, खानापुर (बेलगांव) सं० १–१९२५ ई० मू० १) पृ० ४ ०
२०९	※१४	भ० गीता टी० १. शंकर भाष्य, २ भाष्यानुवाद, सं० काशीनाथ वामन लेले मु० कृष्ण प्रेस, वाई सं० २–१८३५ शक मू० ८) पृ० ११००.
२१०	१५	भ० गीता-ज्ञानेश्वरी टी० ज्ञानेश्वरजी (ओवी, भावार्थदीपिका टिप्पनी सहित) स० अण्णा मोरेश्वर कुण्टे प्र० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० ६–१८४५ शक मू० २।।) पृ० ५५०.
२११	१६	भ० गीता-रहस्य ले० लो० तिलक (गीता रहस्य संजीवनी टीका) प्र० तिलक बन्धु. गायकवाड़ वाड़ा, पूना सं० ४–१८४५ शक मू० ५) पृ० ९००.
२१२	१७	भ० गीता–भाष्यार्थ रहस्य-परीक्षण (खं० २) टी० पं० विष्णु वामन वापट शास्त्री . १.शांकर-भाष्य, २ भाष्यानुवाद) प्र० ग्रन्थकार, पूना सं० १–१८४३ शक मू० १०) पृ० १३००
२१३	१८	सुबोध भगवद्गीता–टी० पं० विष्णु वामन वापट शास्त्री, प्र० ग्रन्थकार, पूना सं० १–१८४४ शक मू० २) पृ० ३१५
२१४	१९	यथार्थदीपिका गीता-(खं० ४) टी० वामन पंडित (ओवी, यथार्थदीपिका पद्यानुवाद) प्र० निर्णय० प्रेस, बम्बई सं० २–१९०७, १९११, १९१७ ई० मू० ८) पृ० १३००
२१५	२०	भ० गीता (स्फुट काव्य पृ० १४ से ७२ तक) ले० कवि मुक्तेश्वर (ओवी पद्यानुवाद) प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं० १ (१९०६ ई० मू० ।) पृ० ६६
२१६	२१	भ० गीता–(कविता-संग्रह पृ० १९ से १२३ तक) ले० कवि उद्धव चिद्घन (मराठी पद्यानुवाद) स० नारायण चिन्तामण केलकर बी० ए०, प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं० १–१९०२ ई० मू० ।।।=) पृ० १०४
२१७	२२	भ० गीता–(भीष्म पर्व पृ० २५ से ६७ तक) ले० शुभानन्द स्वामी (पद्य) स० बालकृष्ण अनन्त भिडे बी० ए०, प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं० १–१९०५ मू० ।।।=) पृ० ४२
२१८	२३	भ० गीता–टी० कृष्णाजी नारायण आठल्ये (आर्यावद्ध पद्यानुवाद) प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं० १–१९०८ ई० मू० ।।।=) पृ० १२५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२१९	२४	एकाध्यायी गीता—(अध्याय १८ वां) टी० ज्ञानेश्वरजी, प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं० १—१८४५ शक मू० ॥=) पृ० १००
२२०	२५	गीता—शिक्षक—(अ० १८ वां) टी० प्रभाकर काशीनाथ देशपाण्डे, प्र० ग्रन्थकार, काशेगांव, पण्ढरपुर, शोलापुर सं० १—१८५० शक मू० ॥=) पृ० ८८
२२१	२६	भ० गीता टी० कृष्णराव अर्जुन केलूसकर १ पं० वामन (समश्लोकी); २ मोरोपंत (आर्या); ३ मुक्तेश्वर (ओवी); ४ तुकाराम (अभंग); ५ उद्धव चिद्घन (सवाई सहित) प्र० लक्ष्मणराव पांडुरंग नागवेकर, कालबादेवी, बम्बई सं० १९०२ ई० मू० ६) पृ० ११२५
२२२	२७	गीता—सप्तक—(१ भगवद्गीता, २ रामगीता, ३ गणेशगीता, ४ शिवगीता, ५ देवीगीता, ६ कपिलगीता, ७ अष्टावक्रगीता) मराठी भाषानुवाद स० हरिरघुनाथ भागवत बी० ए०' प्र० अष्टेकर कं० पूना सं०२-१८३४ शक मू० २) पृ० ५३०
२२३	२८	भ० गीता टी० रमावल्लभदास (चमत्कारी पद्य टीका) स० कृष्णदास सुभाव गोपाल उभयकर, संशो० रामचन्द्र कृष्ण कामत, प्र० दिगम्बरदास पन्त —सम्पादक, नारायणपुर, हुबली सं० १—१८४७ शक मू० २।) पृष्ठ ५५०
२२४	२९	भ० गीता रहस्य दीपिका, टी० गीता-वाचस्पति सदाशिव शास्त्री भिडे (रहस्य दीपिका) प्र० गीता-धर्म-मण्डल पूना स० २-१९२८ ई० मू० २॥) पृ० ५००
२२५	३०	भ० गीता-उपनिषद् टी० स्वामी मायानन्द चैतन्य (पद्यानुवाद) प्र० विज्ञान नौका कार्या० ग्वालियर, सं० १-१९२५ ई० मू० २) पृ० ३२५
२२६	३१	दिव्यदृष्टि या विश्वरूप-दर्शन-योग, ले० स्वा० मायानन्द चैतन्य प्र० विज्ञान० ग्वालियर सं० ३-१९२६ ई० मू० १) पृ० १६०
२२७	३२	भ० गीता—(श्रीकृष्ण-चरित्र पृ० १४१ से १९२) ले० चिन्तामणि विनायक वैद्य एम० ए०, एल एल० बी० मु० चित्रशाला प्रेस पूना सं० ४ १९२५ ई० मू० १।) पृ० ५२
२२८	३३	भ० गीता ज्ञानेश्वरी (सटिप्पण) स० वेंकटेश त्र्यम्बक चाफेकर बी० ए०, बी एस० सी०, मु० चित्र० पूना सं० १—१८४६ शक मू० २) पृ० ६००
२२९	३४	भ० गीता—ज्ञानेश्वरीतील महीपतीचे सुलभ वेंचे, मु० चित्रशाला प्रेस, पूना मू० ॥=) पृ० २४४
२३०	३५	ज्ञानेश्वरी सारामृत-ले० गोविन्द रामचन्द्र मोघे, प्र० निर्णय० बम्बई सं०२—१९२८ ई० मू० १॥) पृ० २५०
२३१	३६	श्रीमद्भगवद्गीता टी० १, मुक्तेश्वर (ओवी). २, नागेश वासुदेव गुणाजी बी० ए०, एल एल बी० (मुक्तेश्वरी अनुवाद) प्र० केशव भीकाजी ढवले, माधव बाग, बम्बई सं० १—१८३९ शक मू० ॥) पृ० २२५
२३२	३७	भ० गीता अनुभव ले० तुकाराम महाराज (अभंग पद्य) प्र० निर्णय० बम्बई १९१४ ई० मू०—) पृ० १२
२३३	३८	महाराष्ट्र भ० गीता (मूल सहित) ले० दत्तात्रेय अनन्त आपटे (पद्य) प्र० अच्युत चिन्तामणि भट्ट, यशवन्त प्रेस, पूना सं० १-१८३६ शक मू० ॥=) पृ० १५०
२३४	३९	विवेक वाणी या गीतार्थ-कथा ले० विश्वनाथ दत्तात्रेय कवाडे, प्र० दी प्रिन्टिंग एजेंसी, बुधवार पेठ, पूना सं० १-१९१५ ई० मू० ॥) पृ० १३०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२३५	४०	गीता-पद्य मुक्ताहार टी० 'महाराष्ट्र भाषा चित्र मयूर' कृष्णाजी नारायण आठवले (पद्यानुवाद) प्र० नि० सा० प्रेस, बम्बई सं० २-१९०६ ई० मू० १) पृ० २२५
२३६	४१	गीतासुभाषितम् ले० मोरो नानाजी पाटील प्र० ग्रन्थकार, कबली चाल, दादर, बम्बई सं० १-१९२७ ई० मू० ।।।) पृ० १००
२३७	४२	रहस्य-बोध या भगवद्गीतेचें कर्मयोगसार, ले० नारायण बलवन्त हर्डीकर (ओवीबद्ध पद्यानुवाद) सं० १-१९२८ ई० मू० ।।=) पृ० ११०
२३८	४३	गीता-रहस्य सिद्धान्त-विवेचन, ले० हरिनारायण नैने, प्र० ग्रन्थकार पता-पुरन्दर एण्ड कम्पनी, माधव बाग बम्बई स० १-१९१७ ई० मू० ।।।) पृ० १४०
२३९	४४	बालगीता (खं० २)ले० दत्तात्रेय अनन्त आपटे, प्र० मु० चित्र० प्रेस,पूना सं० २-१८४६ शक,सं०१-१८४८ शक मू० १) पृ० ३४०
२४०	४५	गीतार्थ सार (निबन्ध) ले० वामन बाबाजी मोडक,मु० गणपत० प्रेस, बम्बई सं० १-१८८५ ई० मू०।)पृ०८८
२४१	४६	रहस्य संजीवन-भगवद्गीता, ले० लो० तिलक प्र० रामचन्द्र श्रीधर बलवन्त तिलक, पूना सं० १-१९२४ ई० मू० २) पृ० ४००
२४२	४७	गीतामृत शतपदी ले० खण्डोकृष्ण या बाबा गर्दे (पद्यानुवाद) प्र० केशव भीकाजी० बम्बई सं० ५-१९२३ ई० मू० ।।) पृ० १००
२४३	४८	भ० गीता-पाठ विवृति टी० गीतावाचस्पति सदाशिव शास्त्री भिडे, प्र० गीता धर्म मण्डल, पूना सं०१-१९२८ ई० मू० ।।) पृ० २३०,
२४४	४९	भ० गीता-रहस्य ले० गंगाधर बलवन्त जोशी सातारकर, प्र० राम एजेन्सी, प्रिन्सेस स्ट्रीट, बम्बई सं० १-१८३६ शक मू० ।।=) पृ० १६०
२४५	५०	मोरोपंती भ० गीत-टी० मयूर (आर्या-पद्य) प्र० मनोरञ्जन प्रेस, गिरगांव, बम्बई सं० १-१९१६ ई० मू० ।=) पृ० १८०
२४६	५१	बालबोध गीतापाठ ले० भास्कर विष्णु गुलवणी पेतवडेकर, प्र० गीताधर्म मं०, पूना सं० १-१८५० शक मू० ।=) पृ० १३०
२४७	५२	झोंपाल्यावरची गीता ले० दत्तात्रेय अनन्त आपटे (पद्य) प्र० मु० चित्र० प्रेस, पूना सं० २-१८४७ शक मू० ।) पृ० ७०
२४८	५३	लघुगीता-(मूल गुटका) स० मुकुन्द गणेश मिरजकर प्र० ग्रन्थकार, पूना सं० २-१८४६ शक मू० =)पृ० ३०
२४९	५४	भ० गीता-(गु० सुबोध टीका) स० प्र० भिक्षु अखण्डानन्दजी,सस्तु साहित्य० अहमदाबाद सं० १-१९७८ वि० मू० ।=) पृ० २२५
२५०	५५	भ० गीता-(गु०, अध्या०१५ और १८) प्र० सस्तु साहित्य० अहमदाबाद सं० १-१९७८ वि० मू०)। पृ० ३२
२५१	५६	भ० गीता-(गु०) टी० मुकुन्द गणेश मीरजकर, प्र० मु० चित्र० पूना सं०-१९२७ ई० मू० ।-) पृ० २२५
२५२	५७	सार्थ गीता-(गु०) टी० नारायण रामचन्द्र सोहनी,प्र० बालकृष्ण लक्ष्मण पाठक, बम्बई सं० ६-१८४६ शक मू० ।।=) पृ० ४१०

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण
२५३	५८	गीतेंतील नित्यपाठ या गीता सार (गु०) ले० जगन्नाथ गणपत ढवण प्र० तुकाराम पुंडलीक शेठ्ये, माधव बाग, बम्बई सं० १-१९२७ ई० मू० ॥) पृ० २००
२५४	५९	भ० गीता-मात्रा मतमयूरी (गु०) टी० बालकृष्ण दिनकर वैद्य (पद्य) मु० निर्णय० बम्बई सं० १-१९०४ ई० मू० ॥) पृ० ३००
२५५	६०	भ० गीता-(गु०) टी० रामचन्द्र भीकाजी गुंजीकर (सुबोध चन्द्रिका) प्र० निर्णय० बम्बई सं० १०-१९२१ ई० मू० ॥।=) पृ० ३२५
२५६	६१	पञ्चरत्न गीता (गु०) ले० ज्ञानदेव (पद्य) प्र० मु० निर्णय० बम्बई सं०-१९२७ ई० मू० ॥=) पृ० १००
२५७	६२	भ० गीता-(गु०) टी० सदाशिव शास्त्री भिडे, प्र० केशव भीकाजी० बम्बई सं०-१८५० शाक मू० =)॥ पृ० २५०
२५८	६३	भ० गीता-(गु०) टी० बलवन्त त्र्यम्बक द्रविड प्र० मु० यशवन्त प्रेस, पूना सं०७-१९२७ ई० मू०।-) पृ० २२५
२५९	६४	भ० गीता-(गु०) टी० चिन्तामणि विनायक वैद्य प्र० ग्रन्थकार, गिरगांव, बम्बई सं० १-१९२७ ई० मू० ॥) पृ० २७५
२६०	६५	भ० गीता (गु०) टी० वामन पण्डित (समश्लोकी पद्यानुवाद); २ दासोपंत (गीतार्णवसुधा) प्र० तुकाराम तात्या. बम्बई सं०-१८९२ ई० मू० ॥=) पृ० ३००
२६१	६६	गीतार्थ पद्यभास्कर (गु०) टी० पं० नृहरि (पद्यानुवाद) प्र० मु० इन्दिरा प्रेस, पूना सं० १-१८२१ शाक मू० ॥=) पृ० ३२५
२६२	६७	भ० गीता-(गु०) टी० मराठी पद्यानुवाद स० प्र० कानजी कालीदास जोशी, कांदावाडी, बम्बई सं०१-१९८३ वि० मू० ॥) पृ० ३२५

१ लिपि देवनागरी ४ भाषा—मेवाड़ी (राजपूताना)

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण
२६३	ॐ१	श्रीमद्भगवद्गीता-समश्लोकी पद्यानुवाद, प्र० कुंवर चतुरसिंह, करजालीकी हवेली, उदयपुर (मेवाड़) सं० १-१९२० ई० मू०) पृ० १००
२६४	ॐ२	भ० गीता-(गु०) स० प्र० गुलाबचन्द नागोरी आनन्दाश्रम, पैठण (औरङ्गाबाद) सं० १-१९७३ वि० मू० ॥) पृ० ३००

१ लिपि देवनागरी ५ भाषा-नेपाली

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण
२६५	१	श्रीमद्भगवद्गीता-टी० पं० अग्निहोत्र शिवपाणी (मनोरमा नेपाली भाषाटीका) प्र० गोरख पुस्तकालय, रामघाट, काशी सं० १०-१९२३ ई० मू० १॥) पृ० ३६०

२ लिपि--गुजराती ६ भाषा--गुजराती

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२६६	१	श्रीमद्भगवद्गीता (महाभारत भाग ३ भीष्मपर्व पृ० ४०१ से ६५१) टी० शास्त्री कल्याशंकर भानुशंकर और शास्त्री गिरिजाशंकर मयाशंकर स० प्र० भिक्षु अखण्डानन्द, सस्तु साहित्यवर्द्धक कार्या०, अहमदाबाद सं० १–१९८३ ई० मू० ४) पृ० २४६
२६७	२	भ० गीता–ले० ज्ञानेश्वरजी–भावार्थ दीपिका (मराठी) अ० प्र० गुजराती प्रिंटिंग प्रेस, बम्बई सं० २–१९२२ ई० मू० ६) पृ० ५२५
२६८	३	भ० गीता पंचरत्न टी० रणछोड़जी उद्धवजी शास्त्री प्र० जटाशङ्कर बलदेवराम भट्ट, मातर, (खेड़ा) सं० ३–१९६८ वि० मू० ४) पृ० ५००
२६९	४	भ० गीता (लिपि–देवनागरी) टी० पं० मणिलाल नथुभाई द्विवेदी प्र० ग्रन्थकार मु० तत्त्वविवेचक प्रेस, बम्बई सं० १–१९५० वि० मू० ७) पृ० ४००
२७०	५	भ० गीता (पद्यानुवाद) ले० न्हानालाल दलपतराम कवि प्र० ग्रन्थकार, अहमदाबाद मु० गणात्रा प्रिंटिंग वर्क्स राजकोट पता–नारायण मूलजी पुस्तकालय, कालबादेवी रोड, बम्बई सं०–१९१० ई० मू० ४) पृ० २४० (१६ पेजी सं० २–१९७८ वि० मू० १॥) पृ० २५०)
२७१	६	भ० गीता (खण्ड ५, लिपि–देवनागरी, शांकर भाष्यके गुजराती भाषान्तर सहित) स० विश्वनाथ सखाराम पाठक प्र० वशराम पीताम्बर माणेक मु० गणात्रा०, राजकोट पता-बेचर मेघजी एण्ड सन्स, पाराबाजार राजकोट सं० १–१९६५ वि० मू० १०॥) पृ० ११००
२७२	७	भ० गीताकी भूमिका (निबन्ध) ले० पं० माधव शर्मा प्र० भट्ट विट्ठलजी धेलाभाई, जम, खम्भालिया (काठियावाड़) सं० १–१९८४ वि० मू० ।) पृ० ३०
२७३	८	भ० गीता टी० १ मधुसूदन-टीका २ शास्त्री हरिदास कालीदास (मधुसूदनीका गुजराती भाषान्तर) नवानगर हाईस्कूल, जामनगर पता–कहानजी न्हालजी शकर, संघाडियाफली (जामनगर) सं० १–१९२४ ई० मू० ५) पृ० ६७०
२७४	९	भ० गीता टी० शास्त्री जीवराम लल्लुभाई, रायकवाल (शङ्करानन्दी टीकाका गुजराती भाषान्तर) प्र० सेठ पुरुषोत्तमदास मु० गुजराती प्रेस, बम्बई पता-एन० एम० त्रिपाठी कं०, बम्बई सं०–१९६२ वि० मू० ३॥) पृ० ३५०
२७५	१०	भ० गीता टी० पं० नथूराम शङ्कर शर्मा (रहस्य-दीपिका टीका) प्र० गणपतराम नानाभाई भट्ट, अहमदाबाद सं० ५–१९७६ वि० मू० ३॥) पृ० ५००
२७६	११	भ० गीता टी० पं० मनसुखराम सूर्यराम त्रिपाठी (शाङ्करभाष्यका गुजराती भाषान्तर) प्र० धर्मसुखराम तनसुखराम त्रिपाठी, बम्बई मु० निर्णय०प्रेस, बम्बई सं० १–१९८० वि० मू० ४) पृ० ८२५
२७७	१२	भ० गीता रहस्य ले० लो० तिलक (मराठी) अ० उत्तमलाल के० त्रिवेदी प्र० तिलकबन्धु, पूना सं० २-१९२४ ई० मू० ४) पृ० ९००
२७८	१३	भ० गीता ज्ञानेश्वरी (मराठी) अ० रत्नसिंह दीपसिंह परमार नमोली प्र० सस्तु० कार्या०, अहमदाबाद सं०४–१९८५ वि० मू० २) पृ० ७६० (मराठी गीता सहित)

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
२७६	१४	भ० गीता-ज्योति ले० मगनभाई चतुरभाई पटेल, अहमदाबाद मु० सूर्यप्रकाश प्रेस, अहमदाबाद सं०१ -१६२७ ई० मू० ३) पृ० ३७०
२८०	१५	भ० गीता (खं० ७ ; अ० १, २, ३, ५, १२, १५, १६) टी० रामशङ्कर मोहनजी प्र० मोक्षमन्दिर, अहमदाबाद सं० १–१६७६, १६८०, १६८२, १६८२, १६८२, १६७२, १६८४ वि० मू० १॥=) पृ० ४२५
२८१	१६	गीतानुहृदय (निबन्ध) ले० प्र० सागर जयदा त्रिपाठी, श्रीक्षेत्र, सरसेज (अहमदाबाद) सं० १–१६८४ वि० मू० ॥-) पृ० ३०
२८२	१७	गीतानी विचारणा (निबन्ध) ले० प्र० सागर जयदा० (अहमदा०) सं० १- १६८४ वि० मू० ॥-) पृ० ३२
२८३	१८	श्रीकृष्ण-अर्जुन गीतोपदेश (निबन्ध) ले० मणिशंकर दलपतराम जोशी प्र० गिरजाशंकर मणिशंकर भट्ट, मुरारजी गोकुलदास चाल, गिरगाँव (बम्बई नं० ४) सं० १–१६७७ वि० मू० ।) पृ० २५
२८४	१६	भ० गीता-प्रबन्ध (लिपि–देवनागरी) ले० श्रीराम (पद्यानुवाद) मु० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई (ग्रन्थ रचना १६६० वि०) मू० ॥=) पृ० ७५
२८५	२०	भ० गीता (अ० ७ वां) टी० स्वा० विद्यानन्दजी महाराज, म० मोहनलाल हरिलाल राज, मांडवीनी पोल, देवनी शहरी (अहमदाबाद) सं०-१६८३ वि० मू० =) पृ० ६५
२८६	२१	गीता-सुभाषितम् ले० मोरो नानाजी पाटील (मराठी) अ० नन्दसुखराम हरिसुखराम मेहता प्र० ग्रन्थकार, कवलीचाल, दादर (बम्बई) सं० १–१६२८ ई० मू० १) पृ० ११२
२८७	२२	गीता सांख्य–संगीत (अ० २ रा, पद्य) ले० प्राणजीवन प्र० मूलजी भाई काशीदास सं० १—१६६६ वि० मू० ।–) पृ० ५०
२८८	२३	भ० गीता (संगीत पद्य) ले० प्र० जोशी जयराम रवजी भागलीया पता-जोशी दामोदर जेराम, गिरगाँव (बम्बई नं० ४) सं० १-१६६८ वि० मू० १) पृ० १२०
२८९	२४	भ० गीता (पद्य) ले० माधवराव भास्करराव कर्णिक प्र० कर्णिक साहित्य–प्रकाशन मन्दिर, गोपीपुरा, सूरत सं० ३–१६८३ वि० मू० ॥) पृ० १००
२९०	२५	भ० गीता (पद्य) ले० महात्मा प्रीतमदास प्र० सस्तु० कार्या० सं० १-१६८१ वि० मू० ≡) पृ० ६०
२९१	२६	भ० गीता–गुजराती सरलार्थ सहित प्र० सस्तु० कार्या० सं० ८–१६८५ वि० मू० ।) पृ० २७०
२९२	२७	भ० गीता (लिपि–देवनागरी) गुजराती भाषानुवाद प्र० गुजराती प्रेस, बम्बई मू० १) पृ० ३१०
२९३	२८	भ० गीता पंचरत्न (गुज० भाषा०) प्र० अब्दुल हुसेन आदमजी, भावनगर सं० १–१६६८ वि० मू० १।) पृ० २५०
२९४	२९	भ० गीता टी० रेवाशंकर नागेश्वर अध्यापक प्र० ग्रन्थकार, वेलजपुर (भरोंच) सं० १–१६७८ वि० मू० २) पृ० ४१०
२९५	३०	त्रिरत्न गीता (भ० गीता: अर्जुन गीता–पद्य तथा विष्णुसहस्रनाम, अनुस्मृति आदि स्तोत्रों सहित) प्र० ललिता गौरी सामराव, अहमदाबादी बजार, नाडिआद मु० ज्ञानोदय प्रेस, भरोंच सं० २–१६८१ वि० मू० १॥) पृ० ३००
२९६	३१	क्षत्रिय-धर्म-गीता टी० कानजी कालीदास जोशी प्र० बहेचरसिंहजी जवानसिंह रावल, कांदावाडी, बम्बई सं० १–१६८१ वि० मू० १) पृ० १५०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२९७	३२	भ० गीता (गुटका, मूल) प्र० बोहरा भजलालजी जीवनदास, मौहा, काठियावाड़ सं० १–१९८४ वि० मू० अज्ञात पृ० १२५
२९८	३३	समर्थ गीता या भ० गीता (गु०, मूल) स० भट्ट रामशंकरजी मोहनजी, मोक्ष-मन्दिर, अहमदाबाद सं० १–१९२८ ई० मू० ।) पृ० १२०
२९९	३४	भ० गीता (गु०) गुज० भाषा० प्र० गुजराती प्रेस, बम्बई सं० ४–१९७९ वि० मू० ॥≶) पृ० ४००
३००	३५	भ० गीता (गु०) गुज० भाषा० प्र० थियोसोफिकल सोसाइटी, बम्बई सं० ४–१९८० वि० मू० ॥।)पृ०४००
३०१	३६	भ० गीता (गु०) गुज० भाषा० टी० मणिलाल इच्छाराम देसाई प्र० गुज० प्रेस, बम्बई सं० २–१९८३ वि० मू० ।=) पृ० २४०
३०२	३७	भ० गीता (गु०) गुज० भाषा० प्र० सस्तु० कार्या०, अहमदाबाद सं० ७–१९८४ वि० मू० =) पृ० २२०
३०३	३८	एकाध्यायी गीता (गु०, अ० १८ वां) प्र० सस्तु० कार्या० सं०–१९८४ वि० मू०)। पृ० ३०
३०४	३९	भ० गीता (गु०) टी० तुलजाशंकर गौरीशंकर याज्ञिक प्र० मु० चित्रशाला प्रेस, पूना सं० १–१९२४ ई० मू० ।–) पृ० २५८
३०५	४०	पंचदश गीता (गु०) गुज० भाषा० प्र० हरगोविन्ददास हरजीवनदास बुकसेलर, अहमदा० सं० २–१९८२ वि० मू० १॥) पृ० ५२५
३०६	४१	भ० गीता (गु०, पद्य) ले० वल्लभजी भाणजी मेहता पता– अमरचन्द भाणजी मेहता, ग्रीन चौक, मोरवी सं० १–१९८४ वि० मू०) पृ० २२५
३०७	४२	भ० गीता टी० कें० त्रि० रा० दलाल प्र० कृष्णदास नारायणदास एंड सन्स, नानावट, सूरत, सं० ७–१९८४ वि० मू० ॥–) पृ० ३५०
३०८	४३	भ० गीता टी० महाशंकर ईश्वरजी प्र० सेठ जमनादास कल्याणजी भाई, राजकोट सं० १–१९६३ वि० मू० ॥) पृ० ३२५
३०९	४४	भ० गीता (गु०) टी० के०के० जोशी प्र० ग्रन्थकार, कांदावाड़ी, बम्बई सं० २–१९८४ वि० मू०॥।) पृ० २६०
३१०	४५	भ० गीता (गु०) टी० के० के० जोशी (पद्यानुवाद) प्र० ग्रन्थकार, कांदावाडी, बम्बई सं० ६–१९८४ वि० मू० ॥) पृ० ३२५
३११	४६	भ० गीता (गु०, मूल) प्र० के० के० जोशी, कांदावाडी, बम्बई सं०–१९८४ वि० मू० ।=) पृ० १२०
३१२	४७	भ० गीता (गु०, अ० १२, १५) प्र० के० के० जोशी, बम्बई सं०–१९८४ वि० बिना मूल्य पृष्ठ २०
३१३	४८	भ० गीता (गु०) गुजराती भाषानुवाद प्र० मंगलदास जोईतराम, रिचीरोड, अहमदाबाद सं० २ १९८४ वि० मू० ॥।) पृ० ३२०

३–लिपि-बंगला ♣ ७ भाषा-बंगला

३१४	४१	श्रीमद्भगवद्गीता टीका १ शंकर-भाष्य: २ आनन्दगिरी–टीका ; ३ श्रीधर–टीका; ४ हितलाल मिश्र–हितैषिणी बंगानुवाद स० श्रीआनन्दचन्द्र वेदान्तवागीश प्र० ज्ञानचन्द्र भट्टाचार्य, कलकत्ता सं० २–१९४९ वि० मू० ७) पृ० ५६७

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३१५	२	भ० गीता टी० स्वामी कृष्णानन्द–गीतार्थ-संदीपिनी वंगानुवाद: (१ शंकर-भाष्य; २ श्रीधर-टीका; ३ गरुडपुराणोक्त-गीतासार सहित) स० योगेन्द्रनाथ विद्याभूषण एम० ए०, प्र० काशी योगाश्रम, काशी, सं० ७–१३३२ बंगाब्द मू० ६) पृ० ६००
३१६	३	भ० गीता (खण्ड ३, टी० १२) टी० १ गीता बोध-विवर्धिनी संस्कृत व्याख्या (अन्वय और प्रतिशब्द सहित); २ बंगला भाषा-व्याख्या; ३ शङ्कराचार्य-भाष्य; ४ आनन्दगिरी टी०; ५ रामानुज-भाष्य; ६ हनुमत्कृत पैशाच भाष्य; ७ श्रीधर स्वामी-टी०; ८ बलदेव-भाष्य; ९ मधुसूदन टी०; १० नीलकंठ–टी०; ११ विश्वनाथ चक्रवर्ती (सारार्थ-वर्षिणी टीका); १२ गीतार्थसार-दीपिका (बंगला भाषा-तात्पर्य) : १५ यामुन मुनि (गीतार्थ संग्रह बंगानुवाद सहित) ; स० पं० दामोदर मुखोपाध्याय विद्यानन्द, प्र० धीरेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय, कलकत्ता, सं० १८४० शक, मू० १६) पृ० ३४००
३१७	४	भ० गीता (खं० ३) टी० श्रीरामदयाल मजूमदार एम० ए० (१ संस्कृत-भाष्य सार संग्रह; २ बंगानुवाद, ३ प्रश्नोत्तररूपेण व्याख्या) प्र० उत्सव कार्यालय, कलकत्ता, खं० १ सं० ३ १८४८ शक, खं० २ सं० २–१८४३ शक, खं० ३ सं २–१८३५ शक मू० १३॥) पृ० १६००
३१८	५	भ० गीता टी० १ बंगानुवाद; २ शंकर-भाष्य; ३ आनन्दगिरी–टीका; ४ भाष्यानुवाद; स० महामहोपाध्याय पं० प्रमथनाथ तर्कभूषण प्र० क्षीरोदचन्द्र मजूमदार, कलकत्ता सं० ३–१३३१ बं० मू० ४॥) पृ० १०२५
३१९	६	भ० गीता-रहस्य ले० लो० तिलक (मराठी) अ० ज्योतीन्द्रनाथ ठाकुर, प्र० क्षितीन्द्रनाथ ठाकुर, कलकत्ता पता—तिलक बन्धु, पूना सं० १–१९८१ वि० मू० ३) पृ०
३२०	७	भ० गीता टी० श्रीकालीधन वन्दोपाध्याय (१ संस्कृत-व्याख्या; २ पद्यानुवाद) प्र० कालीदास मित्र, कलकत्ता सं० १३२० बं० मू० २) पृ० ६६०
३२१	८	भ० गीता टी० पं० पचानन तर्करत्न (बंगानुवाद) प्र० बंगवासी प्रेस, कलकत्ता सं० ३–१३३० बं० मू० १) पृ० ६५
३२२	*९	उपनिषद्-रहस्य या गीतार यौगिक-व्याख्या (अ० ५ तां) टी० श्रीविजयकृष्ण चट्टो० (१ विजय-भाष्य; २ व्यवहारिक अर्थ; ३ यौगिक अर्थ) प्र० उपनिषद्-रहस्य कार्यालय, मु० कर्मयोग प्रेस, हवड़ा सं० १३१८ बं० मू० १) पृ० ७०
३२३	*१०	भ० गीता (मू० और बं०) प्र० विहारीलाल सरकार, बंगवासी प्रेस, कलकत्ता मू० १॥) पृ० ११०
३२४	*११	भ० गीता टी० गोस्वामी व्रजवल्लभ विद्यारत्न बंगानु० (श्रीधर-टीका सहित) प्र० विश्वम्भर लाह, कलकत्ता सं० ४ १२९९ बं० मू० २) पृ० २५६
३२५	*१२	भ० गीता टी० बंकिमचन्द्र चट्टो०-बंगानु० सं०-१३१२ बं० मू० ३) पृ० १७५
३२६	*१३	भ० गीता टी० श्रीमध्वाचार्य भाष्य, स० श्रीकेदारनाथ दत्त 'भक्तिविनोद' प्र० सज्जन-तोषिणी कार्या० मानिकतल्ला, कलकत्ता सं०-४०६ गौराब्द मू० ॥) पृ० ५५
३२७	*१४	भ० गीता-नाटक ले० कृष्णप्रसाद वसु प्र० मु० कालीप्रसन्न चट्टो० यशोहर हिन्दू पत्रिका प्रेस, कलकत्ता सं०–१३३३-बं० मू० ॥) पृ० ६३
३२८	१५	गीता-परिचय ले० रामदयाल मजूमदार, प्र० उत्सव कार्या०, कलकत्ता सं० २–१३२० बं० मू० १) पृ०
३२९	१६	भ० गीता मूल प्र० महेशचन्द्र भट्टाचार्य कम्पनी, कलकत्ता सं०-१३३२ बं० मू० ।–) पृ० ११०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३३०	१७	श्रीकृष्ण-शिक्षा या भ० गीता (प्रथम भाग) टी० बिहारीलाल सरकार बी० एल० (श्रीधर-टीकाका अनुवाद) पता—वसुमति कार्या० कलकत्ता सं० १९१३ ई० मू० १=) पृ० २६३
३३१	*१८	आध्यात्मिक गीता या भ० गीता (खं ३) १ मूल; २ अन्वय और पदच्छेद; ३ टीकाकी विशद व्याख्या; ४ बंगानुवाद; ५ आध्यात्मिक-भाष्य; ६ योग-साधनाकी कथा; स० श्रीईशानचन्द्रघोष एम० ए०, प्र० यनीन्द्रनाथ घोष, कांकशियाली, चुंचुड़ा सं०-१३२६, १३२९, १३३५ बं० मू० ६) पृ० ५५०
३३२	*१९	भ० गीतोपनिषद् (खं० ३; अ० १, २, ३) टी० क्षीरोदनारायण भुयां—श्रीकृष्णभाविनी टीका पता–राजेन्द्र-नारायण भुयां, आशुतोष मुकर्जी रोड, भवानीपुर, कलकत्ता सं० १३३१, १३३२, १३३३बं० मू० १॥) पृ० ३००
३३३	२०	भारत-समर या गीता पूर्वाध्याय ले० रामदयाल मजूमदार प्र० छत्रेश्वर चट्टो० कलकत्ता सं० २-१३३२ बं० मू० २) पृ० ४००
३३४	२१	गीताय मुक्तिवाद (प्रथम अ०) टी० अमरीकान्तदेव शर्मा काव्यतीर्थ, मु० लक्ष्मीविलास प्रेस, कलकत्ता सं० १-१३३४ बं० मू० १॥) पृ० १४०
३३५	*२२	दार्शनिक-ब्रह्मज्ञान और गीता, प्र० सुरेन्द्रनाथ मुखो०, भवानीपुर, कलकत्ता सं० १-१३३३ बं०मू० अज्ञात पृ० २६.
३३६	२३	भ० गीता टी० विद्यावागीश ब्रह्मचारी–पद्यानुवाद स० शशिभूषण चौधरी, प्र० प्रमथनाथ चौधरी, चीना बाजार, कलकत्ता सं० १-१३०४ बं० मू० १) पृ० २५०
३३७	*२४	भ० गीतार समालोचना ले० जयगोपाल दे पता–लाहिरी पुस्तका० कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता सं०—१८९५ ई० मू० ।=) पृ० ५४
३३८	*२५	भ० गीता–छाया समन्विता, ले० प्रतापचन्द्र सेन गुप्त (पद्य) प्र० कामाख्याप्रसाद सेन, बगड़ी बाड़ी (बंगाल) सं० १–१९०८ ई० मू० १) पृ० २७५
३३९	*२६	भ० गीता टी० महेन्द्रनाथ घोषाल-बंगानुवाद (श्रीधरी टीका सहित) प्र० वेणीमाधव दे कम्पनी, बड़तल्ला, कलकत्ता सं०–१२९२ बं० मू० ४) पृ० ७२०
३४०	*२७	भ० गीता (खं० ६) टी० देवेन्द्रविजय वसु-पद्यानुवाद और व्याख्या प्र० शैलेन्द्रकुमार वसु, मु० मेटकाफ प्रेस, कलकत्ता सं० १-१३२०, १३२०, १३२१, १३२२, १३२३, १३२६ बं० मू० १०) पृ० ३२००
३४१	२८	भ० गीता (मूल, अन्वय, पदच्छेद, टीका, टिप्पणी, अनुक्रमणिका आदि सहित, सचित्र) टी० श्रीजयदयाल-जी गोयन्दका–साधारण भाषा टीका (हिन्दी) अनुवाद करानेवाला और प्र० गोविन्दभवन कार्यालय, बाँसतल्ला गली, कलकत्ता (पता–गीता प्रेस, गोरखपुर) सं० १ १३३५ बं० मू० १) पृ० ५२५
३४२	२९	भ० गीता टी० सत्येन्द्रनाथ ठाकुर–पद्यानुवाद प्र० इन्दिरा देवी, बालीगंज, कलकत्ता सं० २–१३३० बं० मू० २॥) पृ० ४००
३४३	३०	गीता-मधुकरी टी० १ बंगानुवाद; २ पद्यानुवाद स० आशुतोष दास प्र० भूतनाथ दास, कलकत्ता सं० ३–१३३१ बं० मू० २।) पृ० ७००
३४४	३१	भ० गीता टी० पं० पार्वतीचरण तर्कतीर्थ १ बंगानुवाद २ श्रीधरी टीका ३ श्रीधरी अनुवाद स० राजेन्द्र-नाथ घोष प्र० शरच्चन्द्र चक्रवर्ती, कालिका प्रेस, कलकत्ता सं०–१३२८ बं० मू० ३) पृ० ७५०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३४५	३२	भ० गीतार समालोचना ले० सोहम् स्वामी प्र० सूर्यकान्त वन्द्यो० तांती बाजार, ढाका सं० १—१६१६ ई० मू० २) पृ० ३००
३४६	३३	भ० गीता टी० स्वा० उत्तमानन्द ब्रह्मचारी स० स्वा० ब्रह्मानन्द गिरी प्र० गोविन्दपद भट्टाचार्य, कलकत्ता सं० २—१३२१ बं० मू० १॥) पृ० ३२०
३४७	३४	भ० गीता टी० कालीप्रसन्न विद्यारत्न (श्रीधरी सह) प्र० शरच्चन्द्र शील एंड सन्स, कलकत्ता सं० ३—१३३४ बं० मू० १) पृ० ४००
३४८	३५	भ० गीता टी० हरिमोहन वन्द्यो० प्र० आदिनाथ आश्रम, काशी बोस लेन, कलकत्ता सं० १—१३३५ बं० मू० २) पृ० ४५०
३४९	३६	गीता-तत्त्व ले० स्वा० सारदानन्द प्र० उद्बोधन कार्या०, कलकत्ता सं० १—१३३५ बं० मू० १॥) पृ०
३५०	३७	गीताय ईश्वरवाद ले० हीरेन्द्रनाथ दत्त एम० ए० बी० एल० (निबन्ध) प्र० बंगीय तत्त्व सभा, कालेज स्कायर, कलकत्ता सं० ५—१३३३ बं० मू० १॥) पृ० ३६०
३५१	३८	गीताधर्म ले० हेरम्बनाथ पंडित (पद्य) पता—गुरुदास चट्टो०, नं० २०१ कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १—१३२८ बं० मू० १) पृ० १३०
३५२	३९	गीता-पाठ ले० द्विजेन्द्रनाथ ठाकुर (निबन्ध) प्र० शान्तिनिकेतन आश्रम, बोलपुर सं० १३३२ बं० मू० १) पृ० ३५०
३५३	४०	गीतार भूमिका ले० श्रीअरविन्द घोष प्र० आर्य साहित्यभवन, कलकत्ता सं० ३—१३३४ बं० मू० १) पृ०
३५४	४१	धर्म और जातीयता (गीता—निबन्ध) ले० श्रीअरविन्द घोष प्र० शान्ति-निकेतन आश्रम, बोलपुर सं० २—१३२६ बं० मू० १॥) पृ० ११०
३५५	४२	अरविन्देर गीता (खं० २) ले० श्रीअरविन्द घोष अ० अनिलवरणराय प्र० विभूतिभूषण राय, बर्दवान पता—डी. एम. लाइब्रेरी, कलकत्ता सं० १—१३३५, १३३२ बं० मू० ३॥) पृ० ४५०
३५६	४३	पुण्य-गीता (पद्य) ले० हरिशंकर दे प्र० महेश पुस्तका०, बराहनगर, कलकत्ता मू० १॥) पृ० ४००
३५७	४४	भ० गीता टी० पं० कृष्णचन्द्र स्मृतितीर्थ (१. बंगानुवाद. २. श्रीधरी. ३. टिप्पणी) प्र० सारस्वत पुस्तका० कलकत्ता सं० २—१३३० बं० मू० १) पृ० ६७५
३५८	४५	भ० गीता टी० १ विश्वनाथ चक्रवर्ती (सारार्थ-वर्षिणी टीका); २ भक्तिविनोद ठाकुर (रसिक-रंजन भाषा-भाष्य) स० गोस्वामी भक्ति-सिद्धान्त सरस्वती प्र० गौड़ीय मठ, कलकत्ता सं० ३—मू० १॥) पृ० ३८२
३५९	४६	भ० गीता टी० १ बलदेव विद्याभूषण (गीता-भूषण-भाष्य); २ भक्तिविनोद ठाकुर (विद्वद्-रंजन भाषा-भाष्य) स० गोस्वामी भक्तिविनोद सरस्वती प्र० गौड़ीय मठ, कलकत्ता सं० २—४३८ गौराब्द मू०) पृ० ४५०
३६०	४७	भ० गीता (पद्य) ले० विलासचन्द्रराय शर्मा प्र० अजितचन्द्रराय, बेचारामेर देउढ़ी, ढाका सं० १-१३३३ बं० मू० ॥=) पृ० १२२
३६१	४८	बंगला गीता और अनुगीता ले० विपिनबिहारी मण्डल प्र० भारत बान्धव पुस्त० दर्जीपाड़ा, कलकत्ता सं० १—१३३४ बं० मू० १) पृ० २२०
३६२	४९	मेयेदेर गीता ले० कुमुदकुमार वन्द्यो० प्र० बंगाल पब्लिशिंग होम, कलकत्ता सं० १—१३२९ बं० मू० १) पृ० १५०

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
३६३	५०	भगवत्-प्रसंग (गीता-निबन्ध) ले० वसन्तकुमार चट्टो० एम० ए० पता-गुरुदास चट्टो०, कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १—१३३१ बं० मू० १।) पृ० २२५
३६४	५१	गीतासार स० स्वा० सत्यानन्द प्र० हिन्दू मिशन, कलकत्ता मू० ।।।) पृ० ४८
३६५	५२	राजयोग (गीता-निबन्ध) ले० स्वा० निर्मलानन्द प्र० सावरणी मठ, कलकत्ता सं० १–१३३० बं० मू० १) पृ० १२५
३६६	५३	कर्मयोग (गीता-निबन्ध) ले० श्रीअश्विनीकुमार दत्त प्र० सरस्वती पुस्त०, रामनाथ मजूमदार स्ट्रीट, कलकत्ता सं० २- १३३२ बं० मू० १≈) पृ० १२०
३६७	५४	गीता-तत्त्व समाहार ले० ज्ञानेन्द्रमोहन सेन पता–नरसिंह पब्लिकेशन आफिस, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता सं०–१३२९ बं० मू० ।।।) पृ० १२०
३६८	⊛५५	भ० गीता टी० नवीनचन्द्र सेन (पद्यानुवाद) पृ० २००
३६९	५६	ईशातत्त्व और गीतातत्त्व (निबन्ध) ले० खगेन्द्रनाथ गुप्त, गरीफा, कांचननगर, चोबीसपरगना, (बंगाल) प्र० और मु० नवविधान प्रेस, कलकत्ता सं०१—१३३५ बं० मू०–), पृ० ३०
३७०	५७	गीतार कथा ले० अन्नदाकुमार चक्रवर्ती प्र० सिटी बुकडिपो, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १-१३३३ बं० मू० ।।) पृ० ९४
३७१	५८	भ० गीता टी० गुरुनाथ विद्यानिधि भट्टा० (श्रीधरी सह) प्र० छात्र पुस्तका०, कलकत्ता सं० नवीन–१८४३ शक मू० १।।) पृ० ४३०
३७२	५९	गीतारहस्य ले० नीलकंठ मजूमदार एम० ए० प्र० केदारनाथ वसु, कलकत्ता सं० ६-१९२२ ई० मू० १।) पृ० ३७०
३७३	६०	भ० गीता टी० उपेन्द्रनाथ भट्टा० प्र० सेंट्रल बुक एजेन्सी, कलकत्ता सं०–१३३५ बं० मू० १) पृ० २३०
३७४	६१	भ० गीता (पद्य) ले० यतीन्द्रमोहन सेन, बी० एल० 'गीतातीर्थ' प्र० गोल्डक्वीन कम्पनी, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता मू०) पृ० २३०
३७५	६२	भ० गीता टी० ताराकान्त काव्यतीर्थ (पद्यानुवाद) प्र० पी० एम० बागची कम्पनी, कलकत्ता सं०१–१३३२ बं० मू० १) पृ० २६०
३७६	६३	गीता प्रदीप या साधन तत्त्व ले० स्वा० सच्चिदानन्द सरस्वती प्र० लहरी पुस्तका०, काशी सं०–१३३२ बं० मू० ।।।) पृ० १७०
३७७	६४	भ० गीता० (मूल) स० कृष्णचन्द्र स्मृतितीर्थ प्र० सारस्वत पुस्त० कलकत्ता सं०–१३२८ बं० मू० ।।) पृ० ६०
३७८	६५	भ० गीता (पद्य) ले० भोलानाथ विद्यानिधि पता एस० सी० मजूमदार कम्पनी, कार्न०स्ट्रीट, कलकत्ता सं०–१३३३ बं० मू० ।।) पृ० १५०
३७९	६६	भ० गीता (पद्य) ले० मन्मथनाथसिंह प्र० नित्यनिरंजनसिंह, मथुरापुर, चोबीस परगना (बंगाल) सं० १–१३२१ बं० मू० १) पृ० १५०
३८०	६७	गीताय सृष्टि-तत्त्व (निबन्ध) ले० योगेन्द्रनाथराय प्र० रमेशचन्द्रराय पता–गुरुदास चट्टो० कलकत्ता सं० १–१९२६ ई० मू० ।।) पृ० १०४

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
३८१	६८	शिशुगीता (श्रीयोगी कथित,केवल भाषा) ले० प्र० योगेन्द्रनाथ रचित, ज्ञान प्रकाश कार्या० हरीतकी बगान, कलकत्ता मू० ।=) पृ० १२०
३८२	६९	गीतायन्धु ले० ज्योतिश्चन्द्र सरकार (निबन्ध) प्र० नलिनीमोहनराय चौधरी, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता मू० ।≡) पृ० १००
३८३	७०	भ०गीता(गुटका)टी०व्योमब्रह्म गीताध्यायी पता-गुरुदास चट्टो० कलकत्ता सं०-१३३५ बं० मू० १॥) पृ० ४५०
३८४	७१	भ०गीता (गु०) टी० छत्रधर घोष प्र० घोष कं०, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता सं०-१३३४ बं० मू० ।=) पृ० १५५
३८५	७२	गीता-बिन्दु (पद्य, गु०) ले० बिहारीलाल गोस्वामी प्र० नलिनीरंजन राय और सुरेन्द्रनाथ मुखो०, कलकत्ता सं० १-१३२० बं० मू० १) पृ० २२५
३८६	७३	भ० गीता (गु०) बंगानु० सहित स० नगेन्द्रनाथ सिद्धान्तरत्न प्र० विश्वेश्वर ठाकुर पता—संस्कृत बुक डिपो, कार्न० स्ट्रीट, कलकत्ता सं०—१३३० बं० मू० ॥-) पृ० २२०
३८७	७४	भ० गीता (गु०) टी० ब्रह्मचारी प्राणेशकुमार (श्रीधरी सह) स० राजेन्द्रनाथ घोष प्र० रामकृष्ण अर्चनालय, इटाली, कलकत्ता सं०—१३३१ बं० मू० ॥=) पृ० ४५०
३८८	७५	गीता-काव्य (गु० पद्य) ले० मणीन्द्रनाथ साहा प्र० ग्रन्थकार, नवाबगंज, मालदा पता-गुरुदास चट्टो०, कलकत्ता सं० १-१३३५ बं० मू० ॥) पृ० २१०
३८९	७६	भ० गीता (गु०) टी० जगदीशचन्द्र घोष बी० ए० (गीतार्थ दीपिका) प्र० अनाथबन्धु आदित्य, प्रेसीडेन्सी लाइब्रेरी, ढाका सं० १—१३३२ बं० मू० १॥) पृ० ११००
३९०	७७	भ० गीता (गु०) टी० १ बंगानुवाद २ पद्यानुवाद स० प्र० राजेन्द्रनाथ घोष पता- संस्कृत बुकडिपो, कलकत्ता सं० २-१३३१ बं० मू० १) पृ० १०५०
३९१	७८	भ० गीता (गु०) बंगानु० स० अधरचन्द्र चक्रवर्ती प्र० तारा पुस्तका० चितपुर रोड, कलकत्ता सं०—१३३३ बं० मू० ॥=) पृ० ४५०
३९२	७९	भ० गीता (गु०) टी० कालीप्रसन्नसिंह स० विनोदबिहारी सील प्र० नरेन्द्रकुमार सील, कलकत्ता सं० ५-१३३१ बं० मू० ॥=) पृ० ३७०
३९३	८०	भ० गीता (गु०) टी० कृष्णचन्द्र स्मृतितीर्थ प्र० सारस्वत पुस्त०, कार्न० स्ट्रीट, कलकत्ता सं०—१३३१ बं० मू० ॥) पृ० ४९०
३९४	८१	भ० गीता (गु०) टी० १ प्रसन्नकुमार शास्त्री (सरलार्थ-प्रबोधिनी); २ शशधर तर्कचूड़ामणि (बंगानु०) स० प्रसन्नकुमार शास्त्री प्र० रमेशचन्द्र चक्रवर्ती पता—चक्रवर्ती चटर्जी एंड कम्पनी, कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १६-१३३४ बं० मू० ॥=) पृ० ३८२
३९५	८२	भ० गीता (गु०) टी० महामहोपाध्याय पं० लक्ष्मण शास्त्री द्रविड़, स० राजेन्द्रनाथ घोष प्र० शरच्चन्द्र चक्रवर्ती, कलकत्ता सं० ४-१३२९ बं० मू० ॥-) पृ० ३२०
३९६	८३	भ० गीता (गु०) १ संस्कृत टीका; २, बंगानु० स० विनोदबिहारी विद्याविनोद और रामस्वरूप विद्यावागीश प्र० हेमांशुशेखर गुप्त, कलकत्ता सं०—मू० ।=) पृ० ४२०
३९७	८४	गीतामधुकरी (पद्य, गु०) स० आशुतोषदास प्र० भूतनाथदास, कलकत्ता सं० २—मू० ॥) पृ० ४००
३९८	८५	भ० गीता-बंगानु० (गु०) प्र० आर्यमिशन, कलकत्ता सं० २६-१३३२ बं० मू० ॥=) पृ० ४७०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३९९	८६	भ० गीता (गु०) टी० अविनाशचन्द्र मुखो० प्र० योगेन्द्रनाथ मुखो० संस्कृतप्रेस डिपो०, कार्न० स्ट्रीट, कलकत्ता सं०१२– मू० ॥=) पृ० २००
४००	८७	भ० गीता (गु०) ले० कुमारनाथ सुधाकर (१ पद्यानुवाद, २ गुरुकृपा-टीका) प्र० योगेन्द्रनाथ, संस्कृत बुकडिपो० कलकत्ता सं०१३–मू० ।॥) पृ० २४०
४०१	८८	भ० गीता (गु०) टी० कालीपद तर्काचार्य प्र० शरचन्द्र सूर एंड कम्पनी, कलकत्ता मू०) पृ० ४१०
४०२	८९	भ० गीता (गु०) बंगानु० प्र० हेमेन्द्रकुमार सील, कलकत्ता सं०२–मू० ॥) पृ० २३०
४०३	९०	भ० गीता (गु०) बंगानु० स० सुबोधचन्द्र मजूमदार प्र० प्रबोधचन्द्र मजूम० कलकत्ता सं०-१३३२ बं० मू० ॥=) पृ० ४००.
४०४	९१	भ० गीता (गु०) पद्यानुवाद स० सुबोधचन्द्र मजूम० प्र० प्रबोधचन्द्र मजूम० कलकत्ता सं०–१३३२ बं० मू० ॥=) पृ० १४०.
४०५	९२	भ० गीता (गु०) बंगानु० प्र० नारायणदास बाजोरिया, गीता सोसाइटी, ११७ हरीसनरोड, कलकत्ता सं० १–१९२७ ई० बिना मूल्य पृ० २६०.
४०६	९३	गीतारत्नामृत (गु०, पद्य) ले० श्यामाचरण कविरत्न प्र० बैसाख एंड सन्स, कलकत्ता सं०–१३३४ बं० मू० ॥=) पृ०२४०
४०७	९४	गीतामृत (पद्य, गु०) ले० प्रसन्नकुमार काव्यतीर्थ प्र० वाणी पुस्तका० श्याम बाजार, कलकत्ता सं०-१३३२ बं० मू० ॥=) पृ० २२०
४०८	९५	गीतारत्न (पद्य, गु०) स० प्र० नरेन्द्रकुमार सील, नित्यानन्द पुस्तका० अपरचितपुर रोड, कलकत्ता सं० २-१३२८ बं० मू० ॥=) पृ० २१०
४०९	※९६	ज्ञानसंकलिनी-गीता (गीता ज्ञानोपदेश-संग्रह, गु०) स० ललितकान्त देवनाथ प्र० पं० शंकरनाथ पता-गुरुदास चट्टो० कलकत्ता, सं० १-१३०४ बं० मू० =) पृ० ४०
४१०	※९७	गीता माहात्म्य–बंगानु० सहित (गु०) प्र० सत्यचरण मित्र, कलकत्ता सं०–१८११ ई० मू० =) पृ०९१
४११	९८	भ० गीता(गु०)टी०कालीप्रसन्न सिंह प्र०रामकृष्ण पुस्तका०बराहनगर,कलकत्ता सं०–१९११ई०मू०।॥)पृ०५२५
४१२	९९	भ० गीता (गु०) बंगानु० स० कालीवर वेदान्तवागीश प्र० सप्तुवत साहित्य प्रकाशक कार्या० दर्जीपाड़ा, कलकत्ता मू० ।=) पृ० ३६०
४१३	१००	भ० गीता (गु०) टी० कालीप्रसन्न विद्यारत्न प्र० अमूल्यचरण दत्त, भारत पुस्तका० चितपुर रोड, कलकत्ता सं०–१३२८ बं० मू० ॥) पृ० ३७०
४१४	१०१	भ० गीता(गु०)टी०अमृतलाल चक्रवर्ती प्र०हिन्दी पुस्तक एजेन्सी,कलकत्ता सं०–१९२८ई० मू० ≠) पृ०२५५
४१५	१०२	भ० गीता (गु०) टी० आशुतोषदेव (श्रीधरी-टीका सह) प्र० मुकुटविहारी मजूमदार, कलकत्ता सं० २–मू० ।=) पृ० ३७५
४१६	१०३	भ० गीता (तावीजी, मूल) स० प्र० गोपालदास मुखो०, कलकत्ता सं०-१३३५ बं० मू० =)॥ पृ० २४०
४१७	१०४	भ० गीता (मूल,तावीजी)स०गोस्वामी हरिदास प्र०हृषीकेश घोष, कलकत्ता सं०-१३३३ बं०मू० ≢) पृ० २३५
४१८	१०५	भ० गीता(मूल,नागपत्रपर छपी)स०प्र०हरिपद चट्टो० शास्त्र-प्रकाश पुस्तका०, कलकत्ता मू० १॥) पृ० १६३

४–लिपि-उत्कल ८–भाषा–उड़िया

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४१९	१	श्रीमद्भगवद्गीता–मूल और अनुवाद प्र० श्रीरामशङ्करराय मु० अरुणोदय प्रेस, बालूबाजार, चांदनी चौक, कटक सं०७–१९२७ ई० मू० ।=) पृ० १७९
४२०	२	भ० गीता–पद्यानुवाद स० भिखारीचरणदास मु० अरुणो०, कटक सं० १–१९२६ ई० मु० ॥) पृ० १०४
४२१	३	भ० गीता टी० फकीरमोहन सेनापति मु० अरु०, कटक सं० ७–१९२५ ई० मू० ॥) पृ० १४१
४२२	४	भ० गीता-मूल प्र० नारायणचन्द्रदास मु० अरु०, कटक सं० ६–१९२६ ई० मु० ।) पृ० ५४
४२३	५	भ० गीता-माहात्म्य (पद्य) ले० जनार्दन शर्मा प्र० पं० वासुदेव शर्मा मु० अरु०, कटक सं० १–१९२४ ई० मू० –)॥ पृ० १६
४२४	६	भ० गीता (मूल, गुटका) स० पं० गोपीनाथ शर्मा मु० अरु०, कटक सं० २–१९२४ ई० मू० ।) पृ० १७७
४२५	७	भ० गीता(मूल,गु०)प्र०पं० रत्नाकर गर्ग पता–राधारमण पुस्तकालय,कटक सं०२–१९२५ई०मू०। पृ० १९२

५–लिपि-कनाड़ी ९–भाषा-कनाड़ी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४२६	१	श्रीमद्भगवद्गीता (खण्ड २) टी० शिवानन्द सुब्रह्मण्य, मैसोर (गूढ़ार्थ-बोधिनी वा रहस्यार्थ-प्रबोधिनी); खण्ड १ सं० १९१३ ई० मु० क्राउन प्रेस, मैसोर; खण्ड २ सं०–१९१६ ई० मु० श्रीनिवास प्रेस, मैसोर मू० १०) पृ० १२२५
४२७	२	गीतार्थबोधिनी (मूल देवनागरी–लिपि: अध्याय ६) टी० गोविन्दराव सवानुर, धारवाड़ मु० कर्नाटक प्रिंटिंग वर्क्स, धारवाड़, सं० १–१८९० मू० ३) पृ० २६८
४२८	३	गीतार्थ विवरण टी० होसकेरे चिदम्बर्य स० १० पं० सालिगराम नारायण शास्त्री मु० परमार्थ प्रिंटिंग प्रेस, बंगलोर सं०–१९१७ ई० मू० ३) पृ० ४३६
४२९	४	गीता रहस्य (मूल देवनागरी-लिपि) ले० लो० तिलक (मराठी) अ० वासुदेवाचार्य भीमराव आलूर प्र० तिलकबन्धु, पूना मु० श्रीकृष्ण प्रेस, हुबली सं० १–१९१९ ई० मू० ३) पृ० ८५८
४३०	५	गीतामृत महोदधि टी० एम०श्रीकान्त्य,सागरा मु० कब्बन प्रेस,बंगलोर सं०१–१९०८ ई०मू०॥)पृ० ८०
४३१	६	श्रीकृष्णार्य वाणीविलास–भगवद्गीता ले० स्वर्गीय मैसूर-महाराज एच० एच० चमराजेन्द्र उडियार मु० चामुंडेश्वरी प्रेस, बंगलोर सं० २–१९०८ ई० मू० ॥–) पृ० ६१
४३२	*७	गीतार्थसार (खण्ड२रा और ३रा; शांकर-भाष्यानुवाद) टी० वेंकटाचार्य तुप्पलु प्र० कृष्णैय्या वाजपेई बुक डिपो, बंगलोर; खण्ड२ सं०–१९००; खण्ड ३ सं०–१९०१ ई०मू० ५) पृ० ७६०
४३३	८	श्रीमद्भगवद्गीता टी० रामकृष्ण सूरी प्र० नरसिंहैय्या होलकल्लु, मु० वागेश्वरी प्रेस, बंगलोर। सं० २–१८९५ ई० मू० १॥) पृ० ३६३
४३४	९	गीतार्थदीपिका (लिपि–तेलगुमें कनाड़ी भाषानुवाद) टी० किलांकी शेष गिरिराव, मद्रास प्र० मैहाउर श्रीनिवासाचार, मु० कमर्शियल प्रेस, मद्रास सं०–१९१२ ई० मू० ४) पृ० ५०४

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
४३५	१०	श्रीमद्भगवद्गीता (विद्यानन्द ग्रन्थमाला सीरीज नं० ७) बालबोधिनी टीका सहित ले० १वी०आदिनारायण शास्त्री, २ के० सुन्दर शास्त्री, ३ पनचाम सुन्दर शास्त्री ४ वी० सीताराम शास्त्री मु० आइरिश प्रेस, बंगलोर सं०१–१९१३ ई० मू०३) पृ० ४११
४३६	११	कर्नाटक-भगवद्गीता ले० नागारस कर्नाटक कवि (पद्यात्मक) सं० एम० श्रीनिवासराव बी० ए० मु० दी जी० टी० ए० प्रेस, मैसोर सं०–१९०८ ई० मु० १) पृ० १३०
४३७	१२	गीत्या गुट्ट अर्थात् गीता-रहस्य टी० श्रीरंगनाथ रामचन्द्र दिवाकर एम० ए० प्र० कर्मवीर कार्यालय, धारवाड़ । मु० श्रीकृष्ण प्रेस, धारवाड़ सं० १–१९२८ ई० मू० १=) पृ० १८६
४३८	१३	श्रीमद्भगवद्गीता टी० एच० शेषाचार्य, मु० दी बंगलोर प्रेस, बंगलोर सं८–१९२८ ई० मू० २) पृ० ४००
४३९	१४	संक्षेप गीता ले० वी० आत्माराम शास्त्री, उदकमणि, मु० सरदार प्रेस, मंगलोर सं०–१९२२ ई० मू० ॥=) पृ० ७८
४४०	१५	गीतासार सर्वस्व (निबन्ध) ले० श्रीकान्थ मु० बंगलोर टाउन प्रेस, बंगलोर सं०–१९०६ ई० मू० =) पृ० १७
४४१	१६	श्रीमद्भगवद्गीता-सार-विचार (गीता व्याख्यान) ले० श्रीमहाभागवत कुर्तकोटि शंकराचार्य विद्याभूषण वेदान्तवाचस्पति आदि, करवीर मठ (खानदेश) प्र० एच० चिदम्बर्य मु० धर्मप्रकाश प्रेस, मंगलोर मू० १॥) पृ० २७५
४४२	१७	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका, पद्य) टी० बी० श्रीनिवास भट्ट साहित्य शिरोमणि (सुखबोधिनी टीका) प्र० मु० श्रीकृष्ण प्रेस, उडुपी सं०१–१९२७ ई० मू० २।) पृ० ४८७
४४३	१८	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका, पद्य) टी० एस० सुब्बाराव एम० ए० प्र० निर्णयसागर प्रेस, बम्बई सं०२–१९२३ ई० मू० ॥।=) पृ० ३०८
४४४	१९	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका, पद्य) टी० शिवानन्द सुब्रह्मण्य, मैसूर मु० कोडान्ड राम प्रेस, मैसोर । सं० १–१९२३ ई० मू० ॥।)

९–लिपि–तामिल ✤ १०–भाषा–तामिल

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
४४५	१	श्रीमद्भगवद्गीता (तामिल अनुवाद) अ० रामचन्द्रानन्द सरस्वती (तात्पर्य बोधिनी) मु० थीरुमगल विलासम् प्रेस, मद्रास पता बी० रत्नानायक एण्ड सन्स, मद्रास; सं० १–१९२७ ई० मू० १) पृ० ५३९
४४६	२	भ० गी० ले० त्रिवेंकट स्वामी प्र० कलारार्थकर प्रेस, मद्रास सं–१९०० ई० मू० ४) पृ० ६२८
४४७	३	भ० गी० (खण्ड२) टी० १ वी० कुप्पू स्वामी अय्यर, २ जी० वी० वेंकटरमण अय्यर (गीतार्थ दीपिका) प्र० एस० जी० अय्यर एण्ड कं०, ट्रिप्लीकेन, मद्रास सं०५-मू० ९) पृ० ११७
४४८	४	भ० गी० ज्ञानेश्वरी (मराठी) अ० टी० पी० कोथेन्दाराम अय्यर (तामिल अनुवाद) प्र० पाण्डुरङ्ग प्रेस, ट्रिप्लीकेन, मद्रास मू० ५॥) पृ० १०४०
४४९	५	भ० गी० ले० श्रीमती आर० एस० सुब्बालक्ष्मी अम्मल बी० ए० एल० टी० प्र० शारदा युनाइटेड प्रेस, मद्रास सं० १–१९२८ ई० मू० २।) पृ० २७८

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४५०	६	भ० गी० ले० लक्ष्मणाचार्य प० कडुपली शेषाचार्य मु० वानीविलय मीथीराकर प्रेस, मद्रास सं० १–१९१४ ई० मू० २॥) पृ० ३७४
४५१	७	भ० गीता वचनम् ले० वी० अल्लुहम् सेरवी; प्र०रिपन प्रेस. मद्रास,सं० १९२१ ई० मू०१।) पृ०२८८
४५२	८	भ० गीता भाष्यम् टी० ए० अनन्ताचार्य (शांकर-भाष्यनुवाद) प्र० रिपन प्रेस, मद्रास सं० १९२५ ई०; मू० २।) पृ० २७६
४५३	९	भ० गीता (तामिल अनुवाद) प्र० परमहंस सच्चिदानन्द योगेश्वर; पना-भारती प्रेस, मद्रास; सं०–४–१९२८ई० मू० २।) पृ० ४६०
४५४	१०	भ० गी० (गुटका) ले० सी० सुब्रह्मण्य भारती; प्र० भारती प्रेस, ट्रिप्लीकेन, मद्रास; सं० १९२८ ई०; मू० ।) पृ० २६०

७–लिपि–तेलगु▲११–भाषा-तेलगु

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४५५	१	श्रीमद्भगवद्गीता–परमार्थचन्द्रिका (खण्ड ६) टी० चतुर्वेद सुन्दरराम शास्त्री प्र० मु० सारदाम्बा विलास प्रेस, मद्रास सं० १–१९११, १९१३, १९१४, १९१५, १९२४, १९२७ मू० ३५) पृ० ३१५०
४५६	२	श्रीमद्भगवद्गीता (मूल सहित) टी० रामचन्द्र सारस्वत (पद्य) प्र० वी० रामस्वामी मद्रास सं० १–१९२८ ई० मू० २॥।) पृ० ६७५
४५७	३	श्रीमद्भगवद्गीता टी० ब्रह्मश्री नोहरी गुरुलिङ्ग शास्त्री मु० अमेरिकन डायमंड प्रेस, मद्रास सं० १–१९२८ ई० मू० ॥) पृ० ४८०
४५८	४	श्रीमद्भगवद्गीता प्र० हिन्दू समाज, राजमहेन्द्री सं० १–१९२८ ई० मू० ॥) पृ० १४५
४५९	५	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका) टी० ब्रह्म श्रीसतावधारी सूर्यनारायण शर्मा (पद्य) प्र० वी० रामस्वामी शास्त्री एण्ड सन्स मु० दी भभिल्का प्रेस, मद्रास सं०१–१९२६ ई० मू० १।) पृ० ३९५
४६०	६	श्रीभगवद्गीता (गुटका; तेलगु अनुवाद सहित) प्र० वी० रामस्वामी शास्त्री एण्ड सन्स, २९२ इस्पलेनेड, मद्रास सं०–१९२६ ई० मू० ॥) पृ० ४००
४६१	७	भगवद्गीता (गुटका, मूल तेलगु–लिपिमें) टी० ऐनी बेसेन्ट (अंग्रेजी अनुवाद) प्र० वी० रामस्वामी शास्त्री, इस्पलेनेड, मद्रास सं०२–१९२४ ई० मू० ॥) पृ० ४७०
४६२	८	भगवद्गीता (गुटका, मूल) प्र० वी० रामस्वामी शास्त्री, मद्रास सं० १–१९२७ ई० मू० ।=) पृ० २९५

८–लिपि–मलायालम्▲१२–भाषा–मलायालम्

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४६३	१	श्रीमद्भगवद्गीता टी० ईश्वरानन्द सरस्वती (श्लोकशः अनुवाद और श्लोकानुक्रमणिका सहित) मु० भारत विलासम् प्रेस, ट्रिचर सं०–११०३ मलायालम् संवत् मू० १) पृ० ३१०

९ लिपि-गुरुमुखी ⚜ १३ भाषा पंजाबी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४६४	ॐ१	श्रीमद्भगवद्गीता-प्र० चिरागदीन सिराजदीन, ताजरान कुतुब, लाहौर सं० १-१९२१ वि० मू०) पृ० ७८०
४६५	ॐ२	भ० गीता या गोविन्द गीता ले० सरदार हरिसिंह छाछी (पद्यानुवाद) प्र० रामचन्द्र सक्सेना बुकसेलर, माणकटाला, लाहौर सं०६-१९९३ वि० मू० १।) पृ० ६७०

१० लिपि-देवनागरी और सिंधी(-उर्दू) ⚜ १४ भाषा-सिंधी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४६६	१	श्रीमद्भगवद्गीता टी०मास्टर वाघीचन्द फूलचन्द कौल,प्र०मुंशी पोकरदास थानूरदास,शिकारपुर (सिन्ध)मू० २)
४६७	२	श्रीमद्भगवद्गीता टी० जयरामदास होतीचन्द छाबिरियो शिकारपुरी (मूल और सिंधी भाषानुवाद; देवनागरी-लिपि) प्र० ग्रन्थकार पता—थदासिंह एण्ड सन्स बुकसेलर्स, शिकारपुर, सिंध सं० १-१९८५ वि० मू० ॥≤) पृ० २५०
४६८	३	भ० गीता टी० मास्टर होतीचन्द संगूमल टेकवानी, करांची, (मूल, सिंधी-पद्यानुवाद; देवनागरी-लिपि) प्र० ग्रन्थकार, कराची, सिंध सं० १-१९८० वि० मू०१=) पृ० ३००
४६९	४	भ० गीता टी० मास्टर होतीचन्द सिंघूमल टेकवानी (सिंधी लिपिमें अनुवाद)प्र० ग्रन्थकार, करांची सं० १-१९२५ ई० मू० १) पृ० २६४
४७०	५	भ० गीता टी० दयाराम गीदूमल मु० स्टैंडर्ड प्रिंटिंग वर्क्स, हैदराबाद (सिन्ध) सं० २-१९१० ई० मू० ३।)पृ० ४११
४७१	६	भ० गीता प्र० हाशानन्द चेनराम, कराची सं० १-१९२१ ई० विनामूल्य पृ० २०५
४७२	७	भ० गीता (गु०; चित्र ३५) टी० पं० तेजूराम रोचीराम शर्मा (सिंधी-लिपिमें केवल भाषानुवाद)प्र० ग्रन्थकार, कराची मु० कोहीनूर प्रिंटिंग प्रेस, कराची सं० ४-१९८१ वि० मू० ॥=) पृ० २०६
४७३	८	भ० गीता (गु०, मूल देवनागरी-लिपिमें) टी० पं० तेजूराम रोचीराम शर्मा प्र० ग्रन्थकार, कराची (सिंधी-लिपिमें भाषानुवाद) मु० कोहीनूर०, कराची सं०५-१९२८ ई० मू० ।) पृ० ३५०

११ लिपि-फारसी ⚜ १५ भाषा-उर्दू

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४७४	१	श्रीमद्भगवद्गीता-रहस्य ले०-लोकमान्य तिलक (मराठी) अ० शान्तिनारायण पता—नारायण दत्त शुक्ल एण्ड सन्स, लाहोरी गेट, लाहौर सं०२-१९७४ वि० मू० ४॥) पृ० ५१०
४७५	२	श्रीमद्भगवद्गीता (मूल देवनागरी-लिपि) टी० जानकीनाथ (गद्य और पद्यानुवाद) प्र० मु० रामनारायण प्रेस, मथुरा सं० ५-१९२२ ई० मू० २॥) पृ० ३४५
४७६	३	श्रीमद्भगवद्गीता-मजमूए-तमन्ना ले० मुंशी रामसहाय 'तमन्ना' (पद्य) प्र० नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ सं०१-१९१३ ई० मू० ।=) पृ० १२५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४७७	४	श्रीमद्भगवद्गीता-मख़ज़ने इसरार (केवल १४ अध्याय) अ० पं० जानकीनाथ साहेब (पद्यानुवाद) प्र० पं० दीनानाथ मदन, देहलवी पता—नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ सं० १–१९१४ ई० मू० ॥।) पृ० ५५
४७८	५	श्रीमद्भगवद्गीता–आत्मप्रकाश ले० एक गीता प्रेमी (केवल भाषा) प्र० जे० एस० संतसिंह एण्ड सन्स, चौकमती, लाहौर सं०–१९७७ वि० मू०) पृ० २१६
४७९	६	श्रीमद्भगवद्गीता (मूल देवनागरी-लिपि) टी० भगवानदास भार्गव प्र० नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ सं०१–१९२७ ई० मू० २॥) पृ० ३७४
४८०	७	श्रीमद्भगवद्गीता–नज्म मशर्रह और नुगमा रहमानी मशर्रह (केवल पद्य और गद्यानुवाद) स० मुन्शी सूर्यनारायण मेहर मु० हिन्दुस्थान एलेक्ट्रिक प्रिंटिंग वर्क्स, दिल्ली सं० २–१९२५ ई० मू० १।) पृ० २८८
४८१	८	श्रीमद्भगवद्गीता ले० मुन्शी देवीप्रसाद सक्सेना (केवल गजल छन्द) पता—स्वरूप किशोर एम० ए०; एल एल० बी० मैनपुरी (यू० पी०) मू० ॥) पृ० १६४
४८२	९	गीताके राज ले० भाई परमानन्द एम० ए० (केवल गद्य) प्र० लाजपतराय पृथ्वीराज साहनी, लाहौरी गेट, लाहौर सं०२– मू० १।) पृ० २२४
४८३	१०	श्रीमद्भगवद्गीता-गिज़ाय रूह ले० पं० प्रभुदयाल मिश्र (पद्य) पता—मिश्र आश्रम, छावनी, नीमच सं० १–१९२६ ई० मू० १) पृ० १२०
४८४	११	श्रीकृष्ण उपदेश (केवल भाषा) ले० शान्तिनारायण लाला नारायणदत्त सहगल एण्ड सन्स्, आर्यबुकडिपो, लाहौर सं०–१९१८ ई० मू० २) पृ० ३००
४८५	१२	श्रीमद्भगवद्गीता ले० राममोहन प्र० मु० मेहता किसनचन्द्र मोहन; शान्ति स्टीम प्रेस, रावलपिन्डी सं० १–१९२४ ई० मू० ।=) पृ० १२०
४८६	१३	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका; केवल भाषा) ले० महात्मा जीतराज जालंधरी प्र० दीवानचन्द्र गंगाराम, लाहौरी दरवाजा, लाहौर सं० २--१९२६ ई० मू० ॥=) पृ० २७५
४८७	१४	श्रीमद्भगवद्गीता (गु०; केवल भाषा) ले० एम० एम० जौहर प्र० भाई दयासिंह एण्ड सन्स, लाहौरी दरवाजा, लाहौर मू० ॥) पृ० २२५
४८८	१५	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका; मूल देवनागरी–लिपिमें) टी० जंगीराम मेहरा प्र० मदनलाल लालचन्द्र, सनातन बुकडिपो, बजाज हट्टा, लाहौर सं०१ -१९२५ ई० मू० ॥।) पृ० ३६४
४८९	१६	श्रीमद्भगवद्गीता(गु०,केवल भाषा) ले०मुन्शी द्वारकाप्रसाद,प्र०रामदत्तामल एण्ड सन्स,लाहौर मू०)पृ०१७६

११ लिपि–फारसी* १६ भाषा–फारसी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४९०	१	भ० गीता-मग़फ़रत राज़ टी० हज़रत फैज़ी फय्याज़ी उलमा असर–अकबर दरबारके कविरत्न (फारसी गद्यानुवाद)प्र०मन्त्री-गीता भवन,कुरुक्षेत्र मु०हिन्दुस्थान प्रिंटिंग वर्क्स,दिल्ली सं०१--१९२८ई०मू०॥=)पृ०८०
४९१	२	श्रीमद्भगवद्गीता ले० फ़ैज़ी कवि (पद्य) पता- रामप्रसाद नारायणदत्त, लाहौरी दरवाजा, लाहौर सं० ३– मू० ।) पृ० ७७

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४९२	३	श्रीमद्भगवद्गीता (गुटका) ले० फ़ैज़ी कवि (पद्य) प्र० मुन्शी जगदीशप्रसाद एम० ए० मु० आलीजाह दरबार प्रेस, ग्वालियर सं० १- १९२४ ई० मू० ।) पृ० १३०

१२ लिपि–Roman*१७ भाषा–खासी (आसाम)

493	1	Ka. Bhagavad Gita by Shivcharan Roy. Print. Khasi press, Mawkhal, Shillong. Ed. I--1903 Re. --/8/--pp. 200

Abbreviations.

(1.) Bh.G.=Bhagavad Gita. (2.) E.=Editor. (3.) Pub.=Publisher; Published. (4) Print.=Printer; Printed. (5.)From.=Can be had from. (6.) Sans.=Sanskrit. (7.)Ed.=Edition. (8.) P. Ed.=Pocket Edition., (9.) T.P.S.=Theosophical Publishing Society. (10.)* =Rare; Out of print.

12 Character Roman * 18 Language English.

494	1	The Bhagavad Gita (With Notes) by Charles Wilkins; Pub. East India Company; Printed for C. Nourse, Opposite Catharine Street in the Strand, London; Ed. I-1785; Rs. 20/- pp. 156.
495	2	Garbe's Introduction to the Bhagavad Gita (Translated from German) by N. B. Utgikar. M. A., Poona; Ed. I-1918; Re. 1/8/-; pp. 35.
496	3	Gita-Bija or The main Portion of the Gita by G. V. Ketkar, M. A., LL. B., Poona; From. Gita Dharma Mandal, Poona; pp. 3.
497	4	The date of Mahabharat War by G. S. Karandikar, B. A., LL. B., Poona; From. Gita Dharma Mandal, Poona; pp. 4.
498	5	The Bhagvad Gita by Prof. S. V. Phadnis, Poona; From. Gita Dharma Mandal, Poona; Ed. 1926; Re. -/-, 6; pp. 3.
499	6	Philosophy of the Bh. G. (An exposition with Text in Devanagari; Vols.2) by Chhaganlal G. Kaji, L. M. &, S., F. T. S.; Print. Ganatra Printing Works, Rajkot; From. Theosophical Society, Madras; Ed. I-1909;11 Rs. 5/8/-, pp. 660.
500	7	The Holy Order of Krishna (Gita Rahasya, 24 Lessons) ; Pub. The Latent Light Culture, Tinnevelly (S. India) ; Ed. I-1929; Rs. 25/-; pp. 100.

Serial No.	Book No.	Description.
501	8	Recurrent and Parallel Passages in the Principal Upanishadas and the Bh. G. by George C.O.Haas,M.A.,Ph.D.,New York City. Ed.-1922; Re.1/-;pp.43.
502	9	The Hindu Philosophy of Conduct. (Lectures on the Bh. G.) by M. Rangacharya, M. A.; (Vol. I, Chapters. 6 only, with Sans. Text) Print. & Pub. by The Law Printing House, Mount Road, Madras; Ed. II-1915; Rs. 5/-; pp. 650.
503	10	Bh.G. and Its Teachings by Radhika Narain. (Part I, Chaps. 12 only); From: The Imperial Book Depot, Delhi; Ed. I-1928; Re. 1/-; pp. 125.
504	11	Essays on the Gita (Vols. 2) by Sri Aurobindo Ghosh. Pub. Arya Publishing House, College St., Calcutta; Vol. I-Ed.II-1926; Vol.2-Ed.I-1928; Rs. 12/8/-; pp. 900.
505	12	Bh. G. (With Sanat-Sujatiya and Anu-Gita) by Kashinath Trimbak Telang, M. A. ; 'The Sacred Books of the East Series' E. Prof. Max Muller; Print. The Clarenden Press, Oxford; Ed. II-1908; Rs. 8/-; pp. 450.
506	13	Bh. G. 'With Text in Devanagari' by W. D. P. Hill, M. A.; From: Oxford University Press, London; Ed. I-1928; Rs. 10/-; pp. 300.
507	14	The Gospel for Asia--Gita, Lotus and Fourth Gospel by Kenneth Saunders, D. Lt.; Pub. Society of Promoting Christian Knowledge, London; Ed. I-1928 Rs. 8/; pp. 250.
508	15	The Hindu Theology (Gita-pp.285 to 360) by Rughnathji Nichha Bhai Tatia, Badifalia, Surat: Ed. I-1917; Rs. 7/8/-; pp. 360.
509	16	Bh. G. (A Study-With Text in Devanagari) by S. D. Budhiraj, M. A., LL. B., Chief-Judge, Kashmere; Pub. Ganesh Co., Madras; Ed. I-1927; Rs. 5/-; pp. 550.
510	17	Bh. G. or The Song of the Blessed One (India's Favourite Bible) by Prof. Franklin Edgerton; Pub. The Open Court Publishing Co., Chicago. (U. S. A.) Ed. I-1925; Rs. 3/8/-; pp. 110.
511	18	Bh. G. or The Lord's Lay by Mohini Mohun Chatterji. Pub. Ticknor & Co.; From:Kegan Paul,Trench Trubnor & Co.Ltd.,London;Rs.26/4/-;pp. 300.
512	*19	Bh. G. (A Critical Study, With Text in Devanagari, 6 Chapters only) by C. M. Padmanabhachar , B. A., B. L., Coimbatore, Madras; Ed. I-1916; Rs. 6/-; pp. 1200.
513	20	Thoughts on the Bhagavad Gita '12 Lectures, Vol. I' by A. Brahmin F.T.S.; Pub. Theosophical Society, Kumbhakonam; Ed. I-1893; Re. 1/-; pp. 162.
514	*21	Bh. G. or The Sacred Lay- 'Trubnar's Oriental Series' by John Davis, M.A.; From: Trubnar & Co., London; Ed. I-1882; Rs. 12/-; pp. 210.
515	*22	Bh.G. 'In English Rhyme'by Bireshvar Chakravarti,Edited by [With Introduction and Notes] J.S. Chakravarti, M. A., F. R. A.S.; From: Kegan Paul Trench Trubnar & Co., London; Ed. I-1906; Rs. 10/-; pp. 200.

Serial No.	Book No.	Description.
516	*23	Bh. G. 'With Translation and Notes, Compiled from Various Writers'; Pub. The Christian Literary Society, Vapery, Madras; Ed.-I-1895; Re. 1/-; pp. 110.
517	*24	Bh.G. by Hurry Chand Chintamon; Pub. Trubnar & Co., London. Ed. I-1874; Rs. 2/8/-; pp. 100.
518	*25	A Collection of Esoteric Writings 'Gita Essays' by T. Subbarow, F. T. S., B. A., B. L.; Pub. Theosophical Publishing Society, Bombay; Ed.-1910, Re. 1/8/-; pp. 360.
519	26	Bh.G. Translation and Commentaries according to Madhwacharya [Dwaita-Philosophy] by S. Subbarow, M. A.; From: T.S., Madras. Ed. I-1906; Rs. 3/-; pp. 350.
520	*27	A Hand book of the Vedanta Philosophy and Religion 'Gita Essay' by R. V. Khedkar, F. R. C. S., D. P. H., Etc., Kolhapur; Print. Mission Press. Ed. I-1911; Rs. 2/8/-, pp. 300.
521	*28	Bh.G. 'First Discourse only, With Text in Devanagari' by R.V. Khedkar, M. D., Etc., Kolhapur; Ed. I-1912; Re. 1/; pp. 50.
522	*29	Philosophical Discussions [Part I] by R.V. Khedkar. Ed. I-1913 Re. 1/-; pp. 80.
523	30	Gita Culture [Essay] by H.H. Jagad-Guru Anantacharya. Srikanchi; pp. 22.
524	31	The Sages of India [Gita-Lecture] by Swami Vivekanand; Pub. by S. C. Mitra, Udbodhan Karyalaya, Baghbajar, Calcutta.; Ed. I-1905; Re.-/1/-; pp. 20.
525	*32	Bh. G. or The Sacred Lay 'An Edition of the Sanskrit Text in Devanagari Character' by J. Cockburn Thomson; Pub. W. H. Allen & Co., London; Ed. I-1867; Rs. 10/-; pp. 100.
526	33	The Land-Marks of Ethics according to Gita by Bullaram Mullick, B. A.; Pub. Nakulchandra Dutta, Calcutta; From: Oriental Book Depot, Mayavaram, S. India.; Ed. I-1894; Re. -/4/-; pp. 40.
527	34	The Gita and Spiritual Life by D. S. Sarma, M.A.; Pub. T. Pubg. House, Adyar, Madras; Ed. I-1928; Re. 1/8/-; pp. 140.
528	35	Introduction to the Bh. G. by D. S. Sarma, M. A.; Pub. Ganesh & Co., Madras; Ed. I-1925; Re. 1/-/-; pp. 110.
529	36	Krishna the Charioteer or The Teachings of the Bh. G. by Mohini Mohun Dhar, M.A., B. L., Pub. T. P. House, London; Ed. II-1919; Rs. 3/-, pp. 200.
530	*37	Krishna & The Gita [Raja Surya Rao's Lectures, Ist Series] E. Sitanath Tattwabhushan. Print. and Pub. Brahmo Mission Press, Cornwallis St., Calcutta; Rs. 2/8; pp. 410.
531	38	Krishna & The Puranas [Essay] by Sitanath Tattwabhushan; Print. and Pub. Brahmo Mission Press, Calcutta; Ed. I-1926; Re. 1/8/-; pp. 140.
532	39	Rambels in Vedanta 'Gita Essay' by B. R. Rajam Aiyer; Pub. S. Ganesan, Triplicane, Madras; Ed. I-1925; Rs. 5/-; pp. 900.

Serial No.	Book No.	Description.
533	40	The Vedanta-Its Ethical Aspects [Gita Essay] by K. Sundararama Aiyer; Pub. Vani Vilas Press, Shreerangam; Ed. I-1923; Rs. 3/-; pp. 420.
534	41	Karma Yoga [Eleven Lessons] by Yogi Bhikshu;Pub.Yogi Publication Society, Chicago. U. S. A. ; Ed. I-1928; Rs. 6/4/-; pp. 140.
535	42	Bh. G. by A. Mahadeva Shastri, B. A. [With the commentary of Shree Shankracharya--Adwaita Philosophy]; Pub. V. Ramaswami Sastrulu & Sons, Esplanade, Madras; Ed. III-1918 Rs. 5/-pp. 525.
536	43	Bh. G. by Annie Besant & Bhagwandas [with Sans. Text & word-meaning] Pub. T. P. House. Madras; Ed. II-1926; Rs. 3/12/; pp. 400.
537	44	Bh. G. [De Carmine Dei Deorum; Vols. 3, with Sans.text] by R. S. Taki, B.A.; Pub. The Sadbhakti Prasarak Mandli, Saraswati Bag, Andheri, Bombay. Ed. I-1923; Rs. 10/-; pp. 1200.
538	45	Great Saviours of the World [Vol. I, Gita Essay] by Swami Abhedanand; Pub. The Vedanta Society, New York. Ed. I-1911; Rs. 3/-; pp. 200.
539	46	Bh. G. [With Sans. Text and word-meaning] by Swami Swarupanand; Pub. Adwaita Ashram, Mayavati, Almora, Himalayas. Ed. IV-1926; Rs. 2/8; pp. 425.
540	47	Bh. G. (The Chief Scripture of India] by W. L. Wilmshurst; Pub. William Rider & Son Ld., London. Ed. I-1905; Re. 1/8/-; pp. 90.
541	48	Krishna's Flute [Essay] by Prof. T.L. Vaswani;Pub. Ganesh & Co., Madras. Ed. I-1922; Re. 1/8; pp. 140.
542	49	Bh. G. [An Exposition] by Dr. Vasant G. Rele, F.C.R.S., L.M. & S. Pub. by the Author, Parekh St. Girgaon, Bombay. From: D.V. Taraporevala Sons & Co., Hornby Rd., Bombay. Ed. I-1928; Rs. 4/12/-; pp. 200.
543	50	Bh.G.-The Philosophy of action. [Lok.B.G.Tilak's Gita-Rahasya in Marathi] Translated by V. Mangal Vedkar; Pub. B. G. Paul & Co., Madras; Ed. III-1928; Rs. 2/-; pp. 400.
544	51	Bhagawat--Gita [with Sanskrit Text, word-Meaning and Notes Etc.; The Sacred Books of the Hindus Series.] by Radhacharan B.A.,B. Sc.,LL.B.; Pub. Panini Office, Bahadurganj, Allahabad; Ed. I-1928; Rs. 2/-; pp. 620.
545	52	Bh. G. [with Notes & Sans. Text, Vol. I, Chaps. 1-6] by K. S. Ramaswami Sastrigal, B. A. B. L., Sub-Judge, Tanjore.; Pub. V. V. Press., Shreerangam; Ed. I-1927; Rs. 2/-; pp. 400.
546	53	Bh. G. or The Divine Path to God [Essay] by K.S. Ramaswami Sastri; Pub. Ganesh & Co., Madras; Ed. I-1928; Re. 1/-; pp. 175.
547	54	Introduction to Bh.G. [with Sans. Text] by Dewan Bahadur V.K. Ramanujacharya B. A.; Pub. T. P. H., Madras; Ed. I-1922; Rs. 3/-; pp. 260.
548	55	Dialogue Divine and Dramatic [Gita Essay] by Gitanand Brahmachari; Pub. B. G. Paul & Co., Madras; Ed. I-1928; Re. 1/- pp. 90.

Serial No.	Book No.	Description.
549	56	Shri Krishna and The Bh.G. by Elizabeth Sharpe; Pub. Arthur H. Stockwell, London; Ed. I-1924; Re. 1/14/-; pp. 50.
550	57	Bh. G. 'A Fresh Study' by D. D. Vadekar, M. A.; Pub. Oriental Book Agency, Poona; Ed. I-1928; Re. 1/-; pp. 100.
551	58	The Philosophy of the Bh. G. [Lectures] by T. Subbarow; Pub. T. S., Madras; Ed. II-1921; Rs. 2/8; pp. 130.
552	59	Shri Krishna--His Life & Teachings by Dhirendranath Paul. Pub. The Research Home, Masjidbari St., Calcutta; Ed. IV-1923; Rs. 10/-;pp. 500.
553	60	Shri Krishna by Bepin Chandra Pal, M.L.A.; Pub. Tagore & Co., Madras; Re. 1/8; pp. 180.
554	61	Brindavan Krishna by Ch. Gopinatham. B. A., Vakil.; Pub. Author, Ellore, Kistna.; Ed. I-1923; Re. 1/-; pp. 200.
555	62	The Ideal of the Karma Yogin [Essay] by Sri Aurobindo Ghosh. Pub. Arya Publishing House, College St., Calcutta; Ed. III-1921; Re. 1/4; pp. 112.
556	*63	Bh. G. [The Introductory Study with Sanskrit Text] by C. V. Narsingh Rao Sahib, B.A. B.L., Chittore; Print. Brahma Vadin Press, Madras; Ed. I-1912; Rs. 2/-; pp. 250.
557	64	Stray Thoughts on the Bh. G. [First Series] by The Dreamer. Pub. T.P.S., Calcutta; Ed. I-1901; Re. 1/-, pp. 140.
558	65	Bh.G. or the Song Divine [A metrical rendering with annotations; Poetry] by C. C. Caleb, M. B., M. S.; Pub. Luzac & Co., London. Ed. I-1911, Rs. 2/10; pp. 175.
559	66	Bh. G. or the Lord's Song by Annie Besant. Pub. T. P. H., London. Ed. V-1918. Rs. 2/10; pp. 115.
560	67	Hints on the study of the Bh. G. [Lectures] by Annie Besant. Pub. T.P.H.; Madras. Ed. III- 1925 Re.-/14/-; pp. 125.
561	68	Why I should read the Gita ? [Essay] by B.K. Venkatachar B.A.,LL. B., Advocate,Chamarajpuram,Mysore.'For Private circulation only.'pp.150.
662	69	Lord Krishna's Message [Based on the Bh. G.] by Lala Kannoomal, M. A.; Pub Atmanand Jain Pustak Pracharak Mandal, Roshan Mohalla, Agra. Ed. I-1917 Re. -/4/-; pp. 22.
563	70	On Reading Gita [Poem] by Jogendranath Mukerjee, 3/B Bepin Mitra Lane, Shyam Bazar, Calcutta; Ed. I-1908; Re. -/12/-; pp. 80.
564	71	The Doctrine of the Bh. G by Pt. Bhawani Shanker.; Pub. J. J. Vimdalal, Hammam Street, Fort, Bombay; Print. The Karnatak Printing Press, Thakurdwar, Bombay; Ed. I-1928; Re -/8/-; pp. 50.
565	72	Lectures on Bh. G. by Pt. Bhawani Shanker.; Pub. Lalit Mohan Banerjee, T. S., Uttarpara, Bengal.; Ed. II-1923; Re. -/12/-; pp. 75.

Serial No.	Book No.	Description.
566	73	The Gita & Gospel by J. N Farquhar 'alias Neil Alexander' M. A.; Pub. The Christian Lit. Society, Madras; Ed. III-1917; Re. -/6/-; pp. 110.
567	74	Permanent Lessons of the Gita by J. N. Farquhar 'alias Neil Alexander' M.A. Pub. The Christian Lit. Society, Madras; Ed. II-1912; Re.--/2/-, pp. 32.
568	75	The Age and the Origin of the Gita by J.N. Farquhar 'alias Neil Alexander' M. A. Pub. The Christian Lit. Society, Madras; Ed. -1904; Re. -/-/3; pp. 24
569	76	Gitamrit-Bodhini by Vanaparti Ramprapandas 'alias Lt. Henry Wahb', From: T. P. S., Madras. Ed. I-1908; Re. -/4/-; pp. 100.
570	*77	The Bhagavad Gita 'in modern life' by Lala Baijnath, B. A.; Pub. Vaishya Hitkari Office, Meerut; From: Panini Office, Bahadurganj, Allahabad; Ed. I-1908; Re. 1/-; pp. 110.
571	*78	Adwaitism 'Essay' by R V. Khedkar, M. D. etc., Kolhapur; Ed. I-1913; Re. 1/8/-; pp. 200.
572	79	The Message of the Bh. G. by Lala Lajpat Rai.; Pub. Rangildas M. Kapadia: From: T. S., Madras; Ed. I- 1921; Re. -/12/-; pp. 70.
573	80	The Teachings of the Bh. G. 'An Address' by H. N. Apte.; From: Oriental Book Depot, Mayavaram, S. India. Ed. I-1901. Re. -/14/-: pp. 34.
574	81	Bh. G. 'Part. I with Sans. Text' Pub. Bharat Dharma Mahamandal, Benares City; Ed. I-; Re. -/6/-; pp. 100.
575	82	Kurukshetra 'Gita-Essay' by F. T. Brookes; Pub. V. V. Press, Shreerangam; Ed I-1910; Re. -/6/-; pp. 52.
576	83	Bh. G. 'with Sans. Text' by F. T. Brookes. Pub. V.V. Press, Shreerangam. Ed. I-1909; Re. 1/4; pp. 140.
577	84	The Gospel of Life 'Gita-Essay, Vol. I' by F. T. Brookes.; Pub. V. V. Press, Shreerangam; Ed. I-1910; Re. 1/8; pp. 400.
578	*85	The Young Men's Gita 'with Notes' E. Jogendra Nath Mukerjee B. A; From: S.K. Lahiri & Co., College St. Calcutta; Ed. I-1900.; Re.1/8; pp.200.
579	86	Bh. G. Or The Song of the Master by Charles Johnston. Pub. T. S. , New York.; Rs. 4/14/-; pp. 200.
580	87	Bh. G. Interprated by Holden Edward Sampson. Pub. The EK--Klesia Fellowship, Tanners Green, Wythall, Birmingham, England. Ed. II-1923; Re. 1/8; pp. 165.
581	88	Bh. G. or The Lord's Song. 'The Temple Classics Series' by Liyonal D Barnett. ; Pub. G. M. Dant & Son Ld., Aldine House, London; Ed. II-1920; Re. 1/8/-; pp. 210.
582	89	The Songs Celestial 'Poem' by Sir Edvin Arnold.; Pub. Kegan Paul Trench Trubnar & Co., London; Ed. New--1921; Re. 1/12/-; pp. 112.

Serial No.	Book No.	Description.
583	90	The Bhagavad Gita-The Book of Devotion. 'Pocket Edition' by William Q. Judge. Pub. T. S., Pointloma, California, U.S.A.; Ed.II-1922; Rs. 2/4/-; pp. 140.
584	91	Notes on the Bh. G. 'P. E.' by William Q. Judge. Pub. T. S., Pointloma. Ed.-1918; Rs. 4/6; pp. 240.
585	92	Bh. G. or The Blessed Lord's Song. 'P. E.' by Swami Parmanand. Pub. The Vedanta Centre, Boston Mass, U. S. A.; Ed. III-; Rs. 3/12; pp. 150.
586	93	Notes and Index to the Bh. G. 'P. E.' by K. Brownie, M. A., Pub. T. P. S., London; Ed.--1916; Re. 1/-; pp. 105.
587	*94	Bh. G. by Charles Wilkins 'with Notes; P. E.' Pub. T. P. S., Bombay, Ed.-1887; Re; -/12/-; pp. 300.
588	*95	Lectures on the Study of the Bh. G. 'P. E.' by T. Subbarow, B. A., B. L., Pub. T. P. S., Bombay. Ed.-1910; Re. -/14/-; pp. 225.
589	96	Bh. G. 'P. E.' by Tukaram Tatya, F. T. S., Pub. T. P. S.; Bombay. Ed.-1920; Re. -/12/-; pp. 360.
590	97	Practical Gita 'Gita Essay; P. E.' by Narain Swaroop, B. A., L. T., Pub. The Ramtirtha Publication League, Lucknow:Ed.I-1922: Re.-/4/-;pp.200.
591	98	Bh. G. or The Lord's Song. 'with Sans Text; P. E.' by Annie Besant. Pub. T. P. S., Madras: Ed.IV--1924; Re. -/4/-;'Gilt Binding Rs.2/8/-;' pp. 300.
592	*99	Karma--works and wisdom "Essay" by Charles Johnston, M. R. A. S.Pub. The Metaphysical publishing Co. New York. Ed. I--1900. Rs. 2/8 pp. 56.
593	*100	Bh. Gita.'with Sri Ramanujachary's, Visishtadvaita-Commentary 'Trans. by A. Govindacharya. Print. The Vaijayanti press, Mount Rd. ,Madras. Ed. I--1898A.C. Rs. 12/8 pp. 600.
594	101	Bh. Gita. "A synthesis of the" An arrangement of the teachings of the Gita in their relation to the five paths of attainment. With comments by the Editors of The Shrine of Wisdom. "Manual no. 9" Pub. The Shrine of Wisdom, Lincoln house, Acacia road, Acton, London, W. 3. ; Ed. I--1927 Rs. 3/- pp.75
595	*102	Studies in the Bh. Gita. "Vol. 3" by The Dreamer. Pub. T.P.S., London. Ed. I--1902, 1903, 1904. Rs.6/4/- pp. 380.
596	103	Songs of the Soul--Including 'Vision of Visions' from the Bh. Gita. by Swami Yogananda. Pub. Yogoda & Sat--Sanga, Mount Washington, 3880 San Rafael Avenue, Los Angeles, California, U.S.A. Ed.V--1926 Rs.4/8 pp.120

12 Character Roman * 19 Languages Foreign.

Serial No.	Book No.	Description.
597	*1	Bhagavad Gita 'Latin' containing:-- 1 Sans. Text in Devanagri character. 2 Latin Trans. by Augustus Guilelmus A. Schlegel.

Serial No.	Book No.	Description.
		3 English essay by Rev. R.D. Griffith. E.--J. G., Bangalore; Ed.-- 1848. 'Reprint of the edition published at Bonn. in 1823' ; Rs. 4/--; pp.90.
598	*2	Bh. G.;'Critical annotations and notes in Latin with text in Devanagri character' by Augustus Guilelmus A. Schlegel 'Preface'; E. Christian Lassen 'Lecture'; Pub. Prostat Apud Aduardum Wiber, Bibliopolam, Bonnae; Ed.-1846; Rs. 25/--; pp.350.
599	3	Bh. G. 'French Preface and text in Roman character.' E. Dr.St.Fr. Michalski Iwienski.; Pub. Paul Geuthner, Paris; Ed. I-1922, 'Publication. no. 1 of the Asiatic Society of Warsaw, Russia'; Rs. 3/--; pp. 50.
600	*4	Bh. G. 'Japanese' Sacred books of world series., Part I, Vol.6 'Sekai Seiten Zenshu' ; Pub. World Literary works publishing society. 'Sekai Bunko Kanko-Kai', No. 52 myogatani-machi, Koishi Kawa Ku, Tokyo, Japan; Rs. 6/-.
601	*5	Bh. G. 'Italian' by Florence N. D.; Rs. 8/--.
602	*6	La Bh. G. 'Italian; Poetry' by Michele Kerbaker; Pub. 'Rivista Orientali' series, Pirenze; Print. Tippografia, Fodratti, Frenze; Ed. I-, pp. 110.
680	7	Bh.G. or Horrens Ord 'Danish; Religions Translation Series no. 2' by Dr. Phil Poul Tuxen; Pub. Aage Marcus, Cobenhaven, Denmark. Ed.I--1920; Rs. 5/4/--; pp.100.
604	*8	Vier Philosophische Texte Des Mahabharatam 'Bh.Gita; Anugita etc.; German' by Dr. Paul Deussen., Prof. Kiel University. Pub. F. A. Brockhaus. Leipzig. Ed. I-- 1906 Rs. 20/-- pp. 1030.
605	*9	Studies in the Bh. Gita or Der Pfad zur Einweihung. 'German' by The Dreamer. Pub. Verlag von Max Altmann, Leipzig. Ed. I--1906 Rs. 2/8 pp. 155.
606	10	Bh. G. 'German--Translation' by Richard Garbe; Pub. H. Haessel, Verlag, Leipzig, Germany ; Ed. II Revised --1921; Rs.6/--; pp. 175.
607	11	Bh.G. or Des Erhabenen Sang. 'German' by Leopold von Schroeder. Pub. Eugen Diederichs, Verlag, Jena ; Ed. I--1922; Rs.4/--; pp. 100.
608	12	Bh. G. or Der Gesang Deo Erhabenen.'German; Poetry' by Theodor Springmann.; Pub. Adolf Saal, Verlag, Lauenburg, Germany ; Print. Hurtung & Co., 25, Hamburg; Ed. I--1921; Rs.4/--; pp. 115.
609	13	Die Bh. G. or Das Hohe Lied. 'German; Poetry' by Franz Hartmann M.D.; Pub. Theosophical publication, Leipzig; Print. W. Hoppe Borsdorf. Leipzig; Ed.IV--1924; Rs.5/--; pp. 220.

Serial No.	Book No.	Description.
610	*14	La Bh. Gita or Le Chant Du Bienheureux. 'Text in Roman character; Trans. in French' by M. Emile Burnouf. Pub. Imprimerie Orientale de ve Raybois; Nancy, France. Ed. I--1861 Rs. 2/8 pp. 250.
611	15	Bh. G. or Herrens Sang. 'Swedish; Peotry' by Nino Runeberg; Pub. Bajorck & Borjesson, Stockholm, Sweden ; Print. A.B. Fahlchantz press, Stockholm; Ed. I--1922; Rs. 2/8/- pp.150.
612	16	Bh. G. or Herrens Sang. 'Swedish.' by Frantz Lexow.; Pub. Teosofisk Samfunds Danske Forlag.; Print. Christian Andersens Bogtrykkeri, Kobenhavn.; From: Aktiebolaget C.E. Fritzes, Fredsgatan 2, Stockholm. ; Ed.-1920. Rs. 3/4-.pp. 160.
613	17	Bh. G.--Hangivandets Bok. 'Swedish' by William Q. Judge.;Pub. Almqvist & Wickaells Boktryckeri AB. , Upsala, Stockholm, Sweden ; Ed. III--1918 Rs. 2/8/-; pp.160.

पीछेसे आई हुई पुस्तकें:--

(लिपि-देवनागरी * भाषा-हिन्दी)

६१४	१	भ० गीता (खंड ३) टी० ब्रह्मचारी नर्मदानन्द हठाभ्यासी (अन्वय, शब्दार्थ, भावार्थ सहित) ; मु०सनातन-धर्म प्रेस, मुरादाबाद ; पता—रामशरणदास हरकरणदास, दिनदारपुर, मुरादाबाद ; सं० १—१९१६, १७, १८ ई०; मू० १०) पृ० २३००
६१५	२	भ० गीता टी० विद्याविनोद श्रोत्रिय पुरुषोत्तमदास; प्र० शंकर साहित्य मन्दिर, बिजनौर; मु० दीनबन्धु प्रेस, बिजनौर ; सं० १—१९८४ वि० मू० ।।) पृ० १८०
६१६	३	मथुरेश गीता-सार-संगीत (पद्य-संगीत) ; ले० मुंशी मथुराप्रसाद, रिटायर्ड जज, जयपुर ; प्र० ग्रन्थकार; मु०जैन प्रेस, जयपुर ; पता—कन्हैयालाल बुकसेलर, निरपोलिया बजार, जयपुर : सं०१—मू० ॥=)॥ पृ० ११०
६१७	४	गीता-सार (बालोपयोगी ; कुछ चुने हुए श्लोक : गुजराती अनुवाद सहित) : टी० राज्यरत्न आत्माराम राधाकृष्ण, प्र० जयदेव ब्रादर्स, बड़ोदा : सं० ३—१९८४ वि० मू० ।) पृ० ५०
६१८	५	गीता-बीज (निबन्ध) ले० जी० वी० केतकर, बी० ए०, एल एल० बी०, पूना

(लिपि—गुजराती * भाषा—गुजराती)

६१९	१	भ० गीता (भीष्मपर्व पृ० ४० से ९० : मूल—देवनागरी) स० १ मणिशंकर महानन्द एमणे, २ भाईशंकर नानाभाई सोलिसीटर (भारतार्थ-प्रकाश); प्र० एन० एम० त्रिपाठी एण्ड कं०, प्रिंसेस स्ट्रीट, बम्बई सं० ५—१९७७ वि०; मू० ३); पृ० २६५

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
६२०	२	महाभारतविषे अनेक विद्वानोंना विचार प्र० सस्तु साहित्य०, अहमदा०सं०१–१९८३ वि०मू०१।।)पृ०३२५
६२१	३	धुम-संग्रह (भाग ५ वाँ; निबन्ध) प्र० सस्तु साहित्य०, अह० सं० १–१९८६ वि० मू० १।) पृ० ४००
६२२	४	महाभारत अने रामायण (निबन्ध) प्र० सस्तु साहित्य०, सं० १–१९८३ वि० मू० ॥≥) पृ० २००
६२३	५	पूर्णयोग-खं० १ कर्मयोग, खं० २ ज्ञानयोग सं० १–१९२२।२३ ई० मू० ६॥।) पृ० ६७० } ले० श्रीअरविन्द घोष अ० प्र० अम्बालाल बालकृष्ण पुराणी पता–अरविन्द तत्त्व कार्या०, भरोच
६२४	६	गीता-निष्कर्ष (खं० १) सं० १–१९७८ वि० मू० ३॥।) पृ० ३३० (मूल ग्रन्थ अंग्रेजी 'Essays on the Gita,)
६२५	७	भ० गीता (आपणो धर्म पृ० ५८ से ६२; गीता-निबन्ध) ले०प्रो० आनन्दशंकर बापूभाई ध्रुव, आचार्य, हिन्दू-विश्वविद्यालय, काशी प्र० महादेव रामचन्द्र जगुष्टे, अहमदाबाद सं०२–१९०६ वि० मू० ४) पृ० ५००
६२६	८	गीता-परिचय ले० श्रीरामदयाल मजूमदार, एम० ए० (बंगला) अ० पं० श्रीमाधव शर्मा प्र० रघुनाथ गणेशजी कं०, हरकुँवर बिल्डिङ्ग, ठाकुरद्वार, बम्बई पता-जीवनलाल अमरसी महेता, अहमदाबाद सं०१–१९७२ वि० मू० १॥) पृ० २००
६२७	९	कर्मयोग, भक्तियोग (निबन्ध, विवेकानन्द-विचारमाला भाग १) ले० स्वा० विवेकानन्द अ० ठक्कुर नारायण विसनजी चतुर्भुज सं० २–१९७१ वि० मू० ३॥) पृ० ५६५
६२८	१०	रसेश श्रीकृष्ण–कृष्णचरित्र (निबन्ध) ले० प्रो० जेठालाल गोवर्धनदास शाह, एम. ए. सं०१–१९२६ई० मू० २) पृ० ५००
६२९	११	न्यासादेशः (अ० १८।६६ की व्याख्या) ले० श्रीमद्वल्लभाचार्य टी० श्रीविट्ठलेश दीक्षित (संस्कृत-विवरण) २ पं०रमानाथ शास्त्री (गुज०भाषानुवाद) पता–बालकृष्ण पुस्तका०, बड़ा मन्दिर, बम्बई सं०१-१९१६ई० मू०) पृ० ३०
६३०	१२	भ० गीता–पद्मामृत टी० श्रीबिहारी (पदच्छेद, गुज० और हिन्दी अनु०, वृत्तबिहारी भाषान्तरसह) प्र० चंदुलाल बहेचरलाल पटेल, विद्याअधिकारी, गोंडल सं०१–१९८४ वि० मू०१) पृ० ६२०
६३१	१३	भ० गीता टी० श्रीबिहारी (वृत्तबिहारिणी गुज० अनु०) प्र० चंदु० बहे० पटेल मू० ≈) (गुटका सं० ३ मू० -) पृ० २३५
६३२	१४	गीता-पुष्पाञ्जलि ले० श्रीबिहारी प्र० चंदु० बहे० पटेल सं०–१९८३ वि० मू० ≥) पृ० ८०
६३३	१५	संगीत गीता-पुष्पाञ्जलि ले० श्रीबिहारी प्र० चंदु० बहे० पटेल सं०२– मू०)। पृ० ८
६३४	१६	भ० गीता–पुरुषोत्तमयोग (अ० १५ वाँ शब्दार्थ आदि सह) प्र० भ० गीता पाठशाला, महाजनवाडी, पिकेट-रोड, बम्बई सं० १ -१८४२ शक बिना मूल्य पृ० २४
६३५	१७	प्रणव माहात्म्य (निबन्ध) ले० स्वा० ज्योतिर्मयानन्द (हिन्दी) अ० अनन्तराय माधवजी दवे (गुजराती) प्र० भ० गीतापाठशाला, नानकवाड़ा, कराची सं०१ -१९८४ वि० बिना मूल्य पृ० २६
६३६	१८	गीतागुणानुवाद (संगीत पद्य, द्वितीय पुष्प) प्र० भ० गीता पाठशाला, कराची सं० १–१९८४ वि० बिना मूल्य पृ० २५
६३७	१९	भ० गीता (गद्य संवाद) ले०लक्ष्मण गणेश साठे (मराठी), मेयो कालेज, अजमेर अ० कविराज देवीदानजी, प्र० लक्ष्मणगणेश साठे, श्रीनगर रोड, अजमेर सं० १–१९८५ वि० मू० ≈) पृ० ४५
६३८	२०	गीतानी व्याख्या ले० श्रीअरविन्द घोष प्र० युगान्तर-कार्यालय, सूरत सं० १–१९८०वि० मू० ॥-) पृ० १२५
६३९	२१	गीता-मर्म (प्रथम पटक) ले० श्रीअम्बालाल पुराणी, प्र० शान्तिलाल सोमेश्वर ठाकर एम० ए०, श्रीअरविन्द-मन्दिर, नड़ियाद सं० १–१९२९ ई० मू० ॥) पृ० ६०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६४०	२२	संगीत गीतासार (पद्य) ले० जगद्गुरु स्वा० शंकराचार्य स्वरूपानन्दतीर्थ, शारदापीठ प्र० भास्करराव रणलाल धोलकिया, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद सं० १-१९८४ वि० मू० =) पृ० ३२
६४१	※२३	भ० गीता (पद्य दोहा) टी० मागजी ठाकरसी सं०-१९०६ ई० मू० ।) पृ० २०४
६४२	२४	श्रीकृष्णगीता या भ० गीता टी० श्रीमाणिकलाल हरिलाल पंड्या "सरित्" (पदच्छेद, शब्दार्थसहित) प्र० ग्रन्थकार, पलीयड, डांगरवा (गुजरात) सं० १-१९८१ वि० मू० २) पृ० ३८०
६४३	२५	पञ्चरत्न गीता-गुजराती सरलार्थसहित प्र० सस्तु० कार्या०, अहमदा० सं० १-१९८५वि० मू० ॥=) पृ० ७००
६४४	२६	भ० गीता (अ० २,३) टी० रेवाशंकर नागेश्वर अध्यापक प्र० ग्रन्थकार, बेजलपुर, भरोच; अध्याय २ मू० ≠) पृ० ५६; अ०३ मू० ≡) पृ० ३४
६४५	२७	गीताभ्यास-ज्ञानयोग ले० चुनीलाल शामजी त्रिवेदी, ईडर-भावनगर प्र० ग्रन्थकार, खाम्भात सं०१-१९८४ वि० मू० १-) पृ० ३००
६४६	२८	भ० गीता-पञ्चरत्न गुज० भाषा० टी० मणिलाल इच्छाराम देसाई प्र० गुज० प्रेस, बम्बई सं० १-१९८१ वि० मू० १) पृ० ५१०
६४७	२९	भ० गीता अ० शास्त्री जटाशंकरजी मू० १)
६४८	३०	अनासक्तियोग-भ० गीता (गु०; केवल भाषानुवाद) ले० महात्मा गांधी प्र० नवजीवन कार्या०, अहमदाबाद सं० १-१९३० ई० मू० =) पृ०
६४९	३१	भ० गीता (गु०) टी० कार्तिकजी विद्याभास्कर प्र० छगनगोपालजी वायडा, बम्बई २ सं०१-१९३२ ई० बिना मूल्य पृ० ९५०

१-लिपि-देवनागरी * १-भाषा-संस्कृत

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६५०	१	भ० गीता टी० श्रीपुरुषोत्तमजी-अमृततरंगिणी टीका, मु० चन्द्रप्रभा-प्रेस, काशी पता जयकृष्णदास हरिदास, चौखम्भा संस्कृत सिरीज, काशी सं० १-१९०२ ई० मू० २) पृ० ८२
६५१	※२	भ० गीता (मूल, खुला पत्रा) मु० वेंकटे०, बम्बई मू० १) पृ० ९०
६५२	३	भ० गीता (खुला पत्रा) टी०श्रीधर-टीका प्र० हरिप्रसाद भागीरथ, बम्बई सं०१-१९८४ वि० मू०१) पृ०९०
६५३	※४	भ० गीता टी० शांकर-भाष्य स०ए०महादेव शास्त्री बी०ए० और पण्डितरत्न के० रंगाचार्य प्र० गवर्नमेण्ट ओरियण्टल लाइब्रेरी सीरीज (बिबली० संस्कृत नं०८). मैसूर सं०१-१८९५ ई० मू० १२) पृ०४६०
६५४	※५	भ० गीता टी० १ शांकर-भाष्य २ आनन्दगिरी-टीका ३ श्रीधर-टीका स० पं० जीवानन्द विद्यासागर बी० ए० मु० सरस्वती-प्रेस, कलकत्ता सं० १-१८७९ ई० मू० ६) पृ० ८८०
६५५	६	गीतामपूर्तिः-व्याख्यानसहिता प्र० नवविधान मण्डल पता-प्रचार आश्रम, एमहर्स्ट स्ट्रीट, कल० सं० १-१८२४ शक मू० ३) पृ० ४४०
६५६	※७	भ० गीताकी एक अति प्राचीन प्रति-फर्रुखाबादके एक ब्राह्मणके पास ७० श्लोकी गीताकी ताम्रपत्रपर खुदी एक प्राचीन प्रति है, उसकी प्रतिलिपि ('कल्याण' गीताप्रेस, गोरखपुरसे प्राप्त) सं० १-१९८६ वि० पृ० ४
६५७	८	भ० गीता-भजनसप्तशती (संगीत-भजन; गीतगोविन्दकी तरह गीता-गायन संस्कृतमें) टी० श्रीलालजी महाराज (कृष्णलालजी), बड़ोदा प्र० श्रीकृष्ण-मन्दिर, बड़ोदा सं०१-१९८५ वि० बिना मूल्य पृ०४१५
६५८	९	भ० गीता टी० पं० गणेश पाठक (बालबोधिनी टीका) प्र० मोतीलाल बनारसीदास, लाहौर सं०-१९८५ वि० मू० २) पृ० २४५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६५९	१०	गीतार्थसंग्रह (निबन्ध; तत्त्वार्थदीप शास्त्रार्थप्रकरण पृ० १८५) ले० श्रीवल्लभाचार्य—मूल टी०१—ग्रन्थकार प्रकाश-व्याख्या २-पं० पीताम्बरजी-आवरणभंगतिलक प्र० रत्नगोपालभट्ट (विद्यावैजन्ती ग्रन्थरत्नावली) मु० विद्याविलास-प्रेस, काशी सं० १—१९६५ वि० मू० ७॥) पृ० ४६०
६६०	११	न्यासादेश (अ० १८ । ६६ की व्याख्या) ले० श्रीमद्वल्लभाचार्य टी० १—अग्निकुमार श्रीविट्ठलेश दीक्षित (संस्कृत-विवरण) २-पं० श्रीरमानाथ शास्त्री (भाषाटीका) पता बालकृष्ण-पुस्तकालय, बड़ा मन्दिर, बम्बई सं० १—१९१६ ई० मू०) पृष्ठ ३५
६६१	१२	गीतातात्पर्य लेखक-श्रीविट्ठलेश दीक्षित टी० पं० रमानाथ शास्त्री (भाषाटीका) पता—बालकृष्ण पुस्तकालय, बम्बई सं० १—१९१५ ई० मू० —)॥ पृष्ठ १०
६६२	१३	भ० गीता टी० स्वयंशर्मा—स्वयंविमर्श व्याख्या प्र० ग्रन्थकार, ६ । १ । १ केदारघाट, काशी मू० १) पृ० १४५
६६३	१४	भ० गीता-कर्मयोग (मूल, अ०तृतीय) प्र०भ०गीता पाठशाला, बम्बई सं०१—१८४३ शक बिना मूल्य पृ०१८
६६४	१५	भ० गीता-भक्तियोग(मूल, अ०१२वाँ) प्र०भ०गीता पाठशाला, बम्बई सं०१—१८४३ शक बिना मूल्य पृ०१२
६६५	१६	भ० गीता (मूल, गु०) प्र० मु० हिन्दी-प्रेस, प्रयाग मू० ।—) पृ० २१५
६६६	१७	भ० गीता (मूल, गु०) प्र० श्रीविहारी, चंदुलाल बहेचरलाल पटेल, गोंडल मू० -) पृ० १०८
६६७	१८	गीता दैनन्दिनी (गीता-डायरी) प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० ४—१९३० ई० मू० ।) पृष्ठ ४००

१—लिपि—देवनागरी * २—भाषा—हिन्दी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६६८	*१	भ० गीता- केवल भाषा (भीष्मपर्व पृ० १३४१ से १३८५) प्र० शरच्चन्द्र सोम, कलकत्ता सं० २—१९०७ ई० मू० १२) पृ० २५००
६६९	२	भ० गीता— केवल भाषा (भीष्मपर्व पृ० १९१५ से १९५५) प्र० इण्डियन-प्रेस, प्रयाग सं० १—१९३० ई० मू० १।) पृ० १००
६७०	३	श्रीमद्भगवद्गीतांक सं० बाबा राघवदासजी और श्रीहनुमानप्रसादजी पोद्दार प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर सं० १—१९८६ वि० मू० २॥) पृ० ५०५
६७१	४	भ० गीता (पद्य) ले० सर मलखानसिंहजी महाराज, चरखारी नरेश स० पं० जगन्नाथप्रसाद त्रिपाठी प्र० ग्रन्थकार, चरखारी स्टेट सं० १—१९०९ ई० बिना मूल्य पृ० १६०
६७२	५	गीतागायन (पद्य, प्रथम खण्ड) ले० पं० प्रेमविहारीलाल शर्मा, किरावली, आगरा पता ग्रन्थकार सं० १—१९८३ वि० मू० ।) पृ० २४
६७३	६	भ० गीता टी० स्वा० मलूकगिरिके शिष्य स्वा० आनन्दगिरि-सज्जन मनोरञ्जिनी-भाषा० टी० (सं०१९३० वि० के करीब रचना काल) (शङ्कर, आनन्दगिरि, श्रीधर आदि संस्कृत-टीकाके अनुसार) प्र०नवल०, लखनऊ, सं० ७—१९२६ ई० मू० ३) पृ० ४८०
६७४	७	भ० गीता टी० पं० रामभद्रशास्त्री (१-दोहा २—भाषाटीका) प्र० हरिप्रसाद भागीरथ, रामवाड़ी, बम्बई सं० ४—१९८० वि० (र० का० १९५१ वि०) पृ० २८० मू० १)
६७५	८	भ० गीता टी० पं० नारायणप्रसाद मिश्र लखीमपुर, खीरी (नारायणी-भाषाटीका) प्र० श्यामकाशी-प्रेस, मथुरा सं० १—१९७१ वि० मू० १।) पृ० ३१०
६७६	*९	भ० गीता—केवल भाषा ले० स्वा० भिक्षुक, कनखल प्र० शिवदयालजी खेमका, कल० सं०१—१९७२ वि० बिना मूल्य पृ० २२५
६७७	१०	कृष्णचरित्र (खं० २, निबन्ध; काम गीता सहित) ले० श्रीबङ्किमचन्द्र चट्टो० (बंगला) अ० पं० जगन्नाथ-प्रसाद चतुर्वेदी प्र० मु० भारतमित्र-प्रेस, ताराचन्ददत्त स्ट्रीट, कलकत्ता सं० २-१९८० वि०, १—१९७१ वि० मू० १।=) पृ० ४३०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
६७८	११	भ० गीता ले० पं० ईश्वरप्रसाद तिवारी (दोहा चौपाईमें) पता-ग्रन्थकार, बिलाईगढ़, बिलासपुर सं० १-१९१६ ई० मूल्य ॥=) पृ० १६०
६७९	१२	भगवद्गीताकी समालोचना ले० सोहं स्वामी (बँगला) अ० पं० गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री प्र० सूर्यकान्त वन्द्यो०, बी० एल०, ढाका पता-स्वयंभाति पुस्त०, ३८ सदानन्द बाजार, काशी सं० १-१९८६ वि० मू० २) पृ० ३४०
६८०	※१३	गीतार्थप्रकाश (पद्य) ले० बाबू कन्हैसिंह, शाहगंज, आगरा मु० वेंक०, बम्बई सं० १-१९६७ वि० मू० ।=) पृ० १००
६८१	१४	भ० गीता टी० पं० बाबूरामविष्णु पराड़कर प्र० राष्ट्रीय साहित्यभवन, पता-विश्वनाथ सारस्वत साहित्य-रत्न, विश्वहितैषी-प्रेस, येवतमाल, बरार सं० १-१९८५ वि० मू० ≠)। पृ० २१६
६८२	१५	भ० गीता—केवल भाषा ले० स्वा० किशोरदास कृष्णदास प्र० मूलचन्द एन्ड सन्स, मच्छीहट्टा, लाहौर सं -१९८६ वि० मू० ११) पृ० ४१२
६८३	१६	भ० गीता-केवल भाषा प्र० मेहरचन्द लक्ष्मनदास, लाहौर सं०-१९६१ वि० मू० ॥≠) पृ० ८५
६८४	१७	एकश्लोकी गीता (अ० ७।१ की मायानन्दी व्याख्या) स० गणेशानन्द गीतार्थी प्र० इण्डियन प्रेस, प्रयाग सं० १-१९३० ई० मू० ॥) पृ० १०४
६८५	१८	गीता-भगवद्भक्ति-मीमांसा ले० पं० सीतारामजी शास्त्री, भिवानी प्र० ब्रह्मचर्याश्रम हरियाणा शेखावाटी, भिवानी (पञ्जाब) सं० १-१९८६ वि० मू० ।=) पृ० १००
६८६	१९	श्रीकृष्ण-सन्देश या हिन्दी गीता प्र० श्रीराम प्रेस, स्यावरी, झाँसी सं० १-१९८४ वि० मू० ।=) पृ० ६०
६८७	२०	भ० गीता (पद्य) ले० वेदान्ताचार्य पं० तुलसीराम मिश्र विद्यानिधि, एम० ए०, एम० आर० ए० एस० प्र० ग्रन्थकार मु० नवल०, लखनऊ सं० १-१९८२ वि० बिना मूल्य पृ० १६०
६८८	२१	गीता-सार-सुधा (पद्य) ले० पं० अनन्तलाल मिश्र, पता-ग्रन्थकार, महद्दीपुर, मुँगेर सं०१-१९८१ वि० मू० १)
६८९	२२	भ० गीता (दोहा चौपाईमें) ले० स्वा० परिव्राजकाचार्य, मथुरा प्र० श्रीमती मनोरमा देवी शुक्ला, शास्त्री विशारद, मुख्याध्यापिका कन्याविद्यालय, मथुरा, सं० १-१९८६ वि० मू० ।) पृ० १००
६९०	२३	भ० गीता-सतसई (७०० दोहा) ले० श्रीकृष्णलाल गुप्त प्र० नन्दकिशोर दास, दाऊदनगर, गया सं० १-१९२९ ई० मू० ।=) पृ० १२६
६९१	२४	गीता सूर्यप्रकाश (पद्य) ले० सेठ मदनगोपाल माहेश्वरी, फाजिलका प्र० सूर्यमल चाननमल आढ़ती, देहली सं० २-१९८६ वि० बिना मूल्य पृ० ७०
६९२	२५	भ० गीता-संगीतोपनिषद् (पद्य) ले० पं० विश्वेश्वरदत्त मिश्र (सदानन्दचैतन्य) प्र० पं० रामेश्वरदत्त वाजपेयी, कमलापुर, सीतापुर मु० नवल०, लखनऊ सं० १-१९२६ ई० मू० ।≠) पृ० ७०
६९३	※२६	गीतासंगीत (पद्य) ले० प्र० राजा गंगानारायणसिंह, कनरास, (E. I. R.) सं०१-१९६६ वि० पृ० १०८
६९४	२७	ज्ञान और कर्म (निबन्ध) ले० सर गुरुदास बनर्जी नाइट, एम० ए०, पी० एच० डी०, डी० एल०, के० सी० आई० ई० (बंगला) अनु० पं० रूपनारायण पांडेय (हिन्दी) प्र० हिन्दी ग्रन्थरत्नाकर कार्या०, हीराबाग, बम्बई सं० १-१९७७ वि० मू० ३) पृ० ४००
६९५	२८	तत्त्व-चिन्तामणि (निबन्ध-संग्रह) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका प्र० गीताप्रेस गोरखपुर, सं०१-१९८६ वि० मू० १) पृ० ४००
६९६	२९	कर्मयोग (निबन्ध) ले० श्रीअश्विनीकुमार दत्त (बंगला) अनु० पं० छबिनाथ पाण्डेय बी० ए०, एल-एल० बी०, प्र० सस्ता साहित्य मण्डल, अजमेर सं० १-१९२६ ई० मू० ।) पृ० १५०

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
६९७	३०	भक्ति (निबन्ध) ले० स्वा० विवेकानन्द (बंगला-भक्तियोग) अ० 'श्रीज्ञानपिपासु' प्र० हि० पु० एजेन्सी, बड़ाबाजार, कल० सं० २–१९८६ वि० मू० ।≈) पृ० १०५
६९८	३१	कर्मयोग (निबन्ध) ले० स्वा० विवेकानन्द (अंग्रेजी) अ० पं० बद्रीदत्त शर्मा प्र० इण्डियन-प्रेस, प्रयाग सं०४—१९२३ ई० मू० ॥) पृ० ११०
६९९	३२	सात्विक जीवन (निबन्ध) ले० रामगोपालजी मोहता, बीकानेर प्र० चांद कार्या०, प्रयाग सं० नवीन–१९३० ई० बिना मूल्य पृ० १६०
७००	३३	गीता माहात्म्य (पद्य) ले० भगवानदास खत्री मु० लक्ष्मी वेंक०, बम्बई सं०–१९५० वि० मू० -) पृ० १८
७०१	३४	भ० गीता टी० श्रीमती यशोदादेवी, कर्नलगंज, प्रयाग सं० १–१९३० ई० मू० -)॥ पृ० १३०
७०२	३५	भ० गीता (अ० प्रथम) टी० पं० बाबूराम शर्मा, कर्णवास (१–दोहा २–भाषाटीका) पता- महादेव शर्मा, कर्णवास पो० खास, बुलन्दशहर सं० १-१९२९ ई० मू० ≤) पृ० १७
७०३	३६	भ० गीता (गु०) ले० पं० कन्हैयालाल मिश्र प्र० मु० रामेश्वर प्रेस, दरभंगा सं० १–१९७९ वि० मू०) १ पृ० ४१५
७०४	३७	भ० गीता (गु०, अ० १५,१८ वाँ) स० भिक्षु अखण्डानन्द प्र० सस्तु०, अहमदाबाद सं० १–१९८० वि० मू०)॥ पृ० ३२
७०५	३८	अनासक्तियोग–भ० गीता (गु०) ले० महात्मा गांधी (गुजराती) अ० प्र० शुद्ध-खादी-भण्डार, १३२ हरीसन रोड, कलकत्ता सं० १–१९३० ई० मू० =) पृ० २७०
७०६	३९	अनासक्तियोग-भ० गीता (गु०) ले० महात्मा गांधी अ० प्र० सस्ता-साहित्य-मण्डल, अजमेर सं० १-१९३० ई० मू० ≤) पृ०
७०७	*४०	भ० गीता (गु०) अन्वयार्थ, भाषाटीका, टिप्पणी सह प्र० आर्य मिशन, कल० सं० १–१९५९ वि० मू० ॥=) पृ० ४८०
७०८	४१	भ० गीता (गु०) टी० मनीषि नानकचन्द्र (सुखानन्द) मथुरा (सुखानन्दी-भाषाटीका) प्र० गोपीनाथ मनोहरलाल, नयाबाजार मथुरा सं० १–१९२७ ई० मू० ।=) पृ० ११०
७०९	४२	भ० गीता–केवल भाषा (गु०) प्र० बम्बई भूषण प्रेस, मथुरा मू० ॥) पृ० १८०
७१०	४३	भ० गीता (गु०) टी० मदनमोहन शुक्ल 'मदनेश' प्र० पं० अयोध्याप्रसाद भार्गव, लखनऊ सं० १–१९३० मू० =) पृ० २५०
७११	४४	भ० गीता (गु०) टी० श्रीचन्द्रिकाप्रसाद जिज्ञासु, सआदतगंज, लखनऊ प्र० अग्रवाल प्रेस, प्रयाग सं० १–१९२८ ई० मू० =) पृ० २४० (केवल भाषा मू० -)। पृ० १४०)
७१२	*४५	भ० गीता (गु०) टी० पं० रमापति मिश्र, प्र० ग्रन्थकार मु० भारतसेवा प्रिंटिंग प्रेस, बम्बई सं० ३–१९७६ वि० मू० ।) पृ० ३००
७१३	४६	गीतामृत (गु०, अ० द्वितीयका पद्यानुवाद) ले० श्रीमैथिलीशरण गुप्त, प्र० साहित्य-सदन, चिरगाँव (झाँसी) सं० १–१९८२ वि० बिना मूल्य पृ० ३०
७१३क	४७	श्री भ० गीता (साधारण टीका) टी० श्रीजयदयालजी गोयन्दका, प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर पृष्ठ ३३२ मूल्य ॥)

१–लिपि–देवनागरी * ३–भाषा-मराठी

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
७१४	१	भ० गीता (भीष्मपर्व पृ० ४४ से १२१) स० महादेव हरि मोडक बी० ए० और यशवन्त गणेश फडके प्र० चिपलूणकर एण्ड कं०, पूना सं० १–१८२८ शक मू० १) पृ० ७६०
७१५	२	बालबोधिनी भ० गीता टी० पं० विष्णु वापट शास्त्री प्र० चिपलूणकर कं०, पूना सं० १–१९२१ ई० मू० ४) पृ० ७४०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७१६	३	गीतातात्पर्यसुधा ले० हनुमन्तराव धारवाड़कर (सं० १९८६ वि० गीताजयन्ती उत्सव-समिति, ३० बाँसतल्ला गली, कलकत्तामे पुरस्कारप्राप्त निबन्ध) प्र० ग्रन्थकार, आनन्दतीर्थ कार्या०, मल्लपुर. गुल्बुर्गा (S. I. P.) सं० १-१८५० शक मू० १⧸) पृ० १५०
७१७	४	महाभारत उपसंहार (निबन्ध) ले० चिन्तामणि विनायक वैद्य प्र० चिपलूणकर कं०, पूना सं० २-१९२२ ई० मू० ५) पृ० १००
७१८	५	भ० गीता (गद्य संवाद) ले० लक्ष्मणगणेश साठे एम० ए०, प्र० रामचन्द्रगणेश साठे, ७०६ सदाशिव पेठ, पूना सं० १-१८४६ शक मू० ।) पृ० ३०
७१९	६	गीताञ्जन ले० श्रीमथुराबाई पण्डिता (संगीत-पद्यानुवाद) प्र० विष्णुवामन कानटेकर. सांगली मु० आर्य्य-संस्कृत-प्रेस, चिमणबाग, पूना सं०१-१९२६ ई० मू० ॥) पृ० १००
७२०	७	वैश्य-गीता ले० पं० गंगाप्रसाद अग्निहोत्री, जब्बलपुर (हिन्दी) प्र० श्रीदेशपाण्डे, कामधेनु-दुग्धालय, चौपाड, सोलापुर सं० १-१९२९ ई० मू० ॥) पृ० १४
७२१	८	भ० गीता टी० नागेश वासुदेव गुणाजी बी० ए०, एल-एल० बी०, बेलगाँव प्र० केशव भिकाजी ढवले, गिरगाँव, बम्बई सं०१-१८५१ शक मू० ≠)॥ पृ० २६०
७२२	९	भ० गीता (गु०) टी० मराठी भाषानु० प्र० दत्तात्रय गजानन देव, सदाशिव पेठ, पूना मु० केशवरावजी गोंधलेकर. पूना मू० ॥=) पृ० १७५

१—लिपि—देवनागरी * ४—भाषा—मेवाड़ी (राजपूताना)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७२३	●१	भ० गीता टी० पं० रामकर्ण-श्यामकर्ण (गीतार्थदीपिका मारवाड़ी भा० टी०) मु० प्रताप प्रेस, जोधपुर सं०१ १९५७ वि० मू० १॥) पृ० ३२५

१—लिपि—देवनागरी * ५(ख)—भाषा—पहाड़ी (कुमाऊँ पहाड़)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७२४	१	भ० गीता (कूर्माचलदेशीय भाषामें पद्यानुवाद) ले० पं० लीलाधर जोशी एम० ए०, एल-एल० बी०, लखनऊ-खीरी (अवध) पता- पं० जीवनचन्द्र जोशी, घसियारी मंडी. लखनऊ सं०१-१९०८ ई० मू० १) पृ० १२५

३—लिपि—बंग * ७—भाषा—बंगला

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७२५	१	भ० गीता टी० उपाध्याय भाई गौर गोविन्दराय (समन्वय-भाष्य) प्र० नवविधान-मंडल, पता—प्रचार-आश्रम एमहर्स्ट स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १-१८२२ शक मू० ५) पृ० ५५०
७२६	२	श्रीकृष्णेर जीवन ओ धर्म (निबन्ध) स० प्र० नवविधान-मंडल पता—प्रचार-आश्रम. कलकत्ता सं०३-१८२६ शक मू० १॥) पृ० २६०
७२७	●३	भ० गीता टी० श्रीधरी टीका (कुछ पृष्ठ नष्ट हैं) पृ० १५०
७२८	४	भ० गीता ओ तत्त्वदर्शन (खं० ६; अ० ६) मूल, अन्वय, बंगला और अंग्रेजी अनुवाद, आध्यात्मिक व्याख्यासहित प्र० शिवप्रसन्न मुखो०, कल०, पता—गांगुली कं०, ५४ मैंटिक स्ट्रीट, कल० सं० १-१९१९ ई० मू० १॥) पृ० ३२५
७२९	५	भ० गीता टी० अविनाशचन्द्र मुखो० (श्रीधरीसह) स० प्र० अधरचन्द्र चक्रवर्ती, तारा पुस्त०, १०५ अपर चितपुर रोड. कल० सं० ३-१३२५ बं० मू० १॥) पृ० ३८०
७३०	६	सरल गीता (अन्वय, बंगानु०, तात्पर्यसह) स० जनैक भगवत्-कृपाकांक्षी प्र० योगीन्द्रनाथ सील, २० काम्बयार डाहन लेन, कल० सं०-१३३१ बं० मू० १) पृ० ३८०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७३१	७	गीतामृतरस (पद्य) ले० भक्तिरत्नाकर जगचन्द्र गोस्वामी प्र० गौरांग भंडार, अब्याब्द सं०-४२६ गौराब्द मू० १।) पृ० ३४०
७३२	८	शक्तिरत्नामृत (निबन्ध) ले० पूर्णचन्द्र भट्टा०, १४ कुक्कु खानसामा लेन, मिर्जापुर स्ट्रीट, कल० सं०१-१३३३ बं० मू० १॥) पृ० २१०
७३३	९	त्यागद्वारा भगवत्-प्राप्ति (निबन्ध) ले० श्रीजयदयालजी गोयन्दका प्र० गोविन्दभवन कार्या०, ३० बाँसतल्ला गली, कल० सं० १-१३३५ बं० मू० -) पृ० १६
७३४	१०	ॐकारदर्शन (निबन्ध; भाग १) ले० श्रीअविनाश तत्त्वदर्शी प्र० ब्रह्मविद्या आश्रम, सोनामुखी, बाँकुड़ा सं० १-१३३६ बं० पृ० ६०
७३५	११	गीता-प्रश्नोत्तरमाला (भाग १, २) प्र० गीता सभा, शिवदास गुप्त, ७ वारेंस स्क्वायर, नई दिल्ली सं० १-१९२८।२९ ई० बिना मूल्य पृ० ४०, २०
७३६	१२	भ० गीता (पद्य) ले० महेन्द्रनाथ चक्रवर्ती प्र० एस. सी. अढ्डी कं०, ४८ वेलिंगटन स्ट्रीट, कल० सं०४-१३३० बं० मू० ॥=) पृ० ३००
७३७	१३	भ० गीता (मु०) ले० पं० भुवनमोहन भट्टा० विद्यारत्न (पद्य) प्र० योगाश्रम, काशी सं०२-१३३४ बं० मू० ।=) पृ० २५०
७३८	१४	भ० गीता (मूल, ताबीजी) स० विश्वेश्वर भट्टा० प्र० तारककिंकर मुखो०, १६ टाउनसेन्ड रोड, भवानीपुर, कल० मू० =) पृष्ठ २४०

५-लिपि-कनाड़ी * ९ भाषा-कनाड़ी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७३९	१	गीतार्थचन्द्रिका टी० होसाकेरे चिदम्बरिया (शंकर मतानुयायी) पता- आर० आर० दिवाकर, कर्मवीर कार्या०, धारवाड़ मू० २॥) पृ० ४५०
७४०	२	भ० गीता (लिपि-देवनागरी) ले० वरदराजार्य मु० रामतत्त्वप्रकाश प्रेस, बेलगाँव, पता-आबाजी रामचन्द्र सांवत, बेलगाँव, बम्बई मू० २) पृ० १७५

९-लिपि-गुरुमुखी * १३-भाषा-पंजाबी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७४१	१	भ० गीता (मूल-देवनागरी) प्र० जैरामदास होतीचन्द छाबिरिया मु० सतनाम प्रिंटिंग प्रेस, शिकारपुर, सिंध सं० १-१९८६ वि० मू० ≡) पृ० २०४

१०-लिपि-सिंधी(-उर्दू) * १४-भाषा--सिंधी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७४२	१	भ० गीता प्र० जैरामदास होतीचन्द छाबिरिया मु० सनातन प्रिंटिंग प्रेस, शिकारपुर, सिन्ध सं० १-१९८६ वि० मू० ≡) पृ० २०४

११-लिपि-फारसी * १५-भाषा--उर्दू

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७४३	१	भ० गीता (भीष्मपर्व पृ०२१ से १६१; मूल देव० और अनु०उर्दू) ले०श्रीराम प्र० नवल०, लखनऊ मू०२।)
७४४	२	भगवद्गीता विमल-विलास (खं० ४) ले० श्रीयुगलकिशोर 'विमल' एम० ए०, एल-एल० बी०, सिनियर ऐडवोकेट प्र० सनातन धर्म सभा, दिल्ली सं० १-१९२८ ई० मू० २) पृ० ३४१
७४५	३	गीतामृततरंगिणी टी० पं० रघुनाथप्रसाद शुक्ल प्र० नारायणदास जङ्गलीमल, दिल्ली, सं० १-१८९३ ई० मू० १) पृ० २१०
७४६	*४	भ० गीता (पद्य) ले० राय हरप्रसाद बहादुर मु० कायस्थ हितकारी, कटरा नन्दराम, आगरा सं० १-१९०४ ई० पृ० ८२

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७४७	५	ज्ञानप्रकाश-भ० गीता ले० कन्हैयालाल अलखधारी ('गुलशनेराज' फारसी टीकाका अनुवाद) प्र० मु० मुफीद आलम प्रेस, लाहोर सं० १–१९०८ ई० पृ० १६०
७४८	६	गीता-माहात्म्य ले० मुंशी रामसहाय प्र० नवल०, लखनऊ, मू० –) पृ० २६
७४९	७	भ० गीता टी० पं० कृपाराम शर्मा (स्वा० दर्शनानन्द) जगरानवी प्र० आर्य्य पुस्त०, मु० वैदिक धर्म प्रेस, आगरा पता–वैदिक पुस्त०, मुरादाबाद मू० ।=) पृ० १२६
७५०	८	भ० गीता टी० पं० सर्वदयाल शर्मा प्र० ग्रन्थकार, किशनचन्द कं०, 'हमदर्द' कार्य्या०, लाहोर सं० १–१९०३ ई० मू० १) पृ० १६४
७५१	९	भ० गीता–केवल भाषा (गु०) प्र० सनातन धर्म पुस्तक भंडार, बच्छोवाली, लाहोर सं० ३-१९८६ वि० मू० ।=) पृ० २१५
		११–लिपि–फारसी * १६–भाषा–फारसी
७५२	१	भ० गीता (पद्य) ले० फैज़ी फैय्याजी मु० हीरालाल प्रेस, जैपुर, पता-नारायणदास जङ्गलीमल, दिल्ली सं० १–१९५४ वि० पृ० ८०
		12-Character.Roman ❀ 18.Language English.
753	1	Introduction to the Bh. G. By Richard Garbe. Trans. By Rev. D. Mackichan, M. A., D. D., L L. D. Pub.University. of Bombay. Ed. I-1918 pp. 50
754	2	Laghu Bh. G. (Verses I to 9) } By T. V. Krishna Swami Rao.
755	3	A Synopsis of Bh. G. } E. 1 'Madhwamunidasa' Office, 10/3 Firoj Buil., Matunga, Bombay.
756	4	The Mahabharat--A Criticism (Essay) by C. V. Vaidya, M. A., LL. B, Pub A J. Cambridge Co., Bombay. Ed. 1-1905. Rs. 3/-pp. 230.
757	5	The Six Systems of Indian Philosophy (Essay) by Prof. Max Muller, K. M. Pub. Longman's Green Co., London. Ed. V-1919 Rs. 6/8- pp 510.
758	6	Outlines of Indian Philosophy (Essay) by P. T. Srinivasa Iyengar, Pub. T P.S. Benares. Ed. I-1909 Re. 1/4/- pp. 325.
759	7	Three Great Acharyas (Sankar, Ramanuj, Madhwa) (Essay) E. and Pub. G.A. Natesan Co., Madras. Ed. I-1923. Rs. 2/-pp. 350.
760	8	Hinduism and India (Essay) by Govindadas. Pub. T. P. H., Benares. Ed. I-1908 Re. 1/- pp. 440.
761	9	Krshna by Bhagvan Das. Pub. T.P.H., Madras. Ed. III-1929. Rs. 2/12/- pp. 310.
762	10	The Heart of the Bh. G. By Lingesha Mahabhagwat of Kurtkoti, Ph. D. (now His Holiness Jagadguru Shankaracharya of Karvir) Pub. Prof. A.G. Widgery, Baroda College From:-The Oriental book agency, Shukravar Peth, Poona. Ed. I-1918 Rs 2/4/- pp. 300
763	11	The Ancient Murli. Re.-/4/- pp. 32 } (Essays) By Prof T. L.
764	12	Krishna-The Saviour. Ed.-1925 Re. 1/8 pp. 188 } Vaswani. Pub. Ganesh & Co.
765	13	The Secret of Asia. Re. 1/- pp. 90 } Madras.
766	14	Gita Idea of God by Gitanand Brahmachari, pub. B. G. Paul Co. Madras. ed 1. 1930 Rs. 5/-pp. 504.

Serial No.	Book No.	Description.
767	15	A few Problems Solved (through Bh. G.) by Durganath Ghose Tattvabushan. Pub. Author, 31/12 Harrison Rd., Calcutta. From:-Chakerbarty Chatterji, College St., Calcutta. Ed. I-1927 Re. 1/8/- pp. 220
768	16	The Three paths to union with God (Essay) by Annie Besant. Pub. T.P.S., Adyar, Madras. Ed. III-1925 Re.-/6/- pp. 70
769	17	Glimpses of the Bh. G. by Mukund Vaman Rao Burway, B.A. Pub. Author. 12 Imlibajar, Indore. Ed.-1916. Rs. 2/8/-pp.
770	18	Bh. G. (A study) by Vishwas G. Bhat, M. A. Pub. Karnatak Printing Works, Dharwar. Ed. I-1924. pp. 95
771	19	Bh. G. (Metrical Trans.)by Bilaschandra Roy, Pleader. Pub. Ajitchandra Roy, 5-Becharam's Dewry, Dacca. Ed. I-1926 Re. /8/ pp. 145.
772	20	Gita Mahatma (Poem) by Swami Anandanand Saraswati, Dashnam Akhara. Durgiana, Amritsar. Ed. II-1929. Free. pp. 20
773	21	Sree Krishna's Messages and Revelations by Baba (Premanand) Bharti Pub. G.A Natesan Co., Madras Ed. I-1925 Re. -/8/- pp. 80
774	*22	One Evening-Gita Class (Essay) Pub. Gita-Society, 7 Lawrence Spuare, New Delhi. Ed. I-1929 Free. pp. 8.
775	*23	Bh. G. by Charles Wilkins. Pub. Upendralaldas. Calcutta. Ed. III-1896. Re. 1/4/-pp. 135
776	*24	Bh. G. (Poem) by Tulsiram Misra. Vidyanidhi, M. A., M. R. A. S. Print. Navalkishore Press, Lucknow. Ed. I-1924 Free. pp. 210.
777	25	The Gospel of Love (Essay) Pub. Ganesh Co., Madras. Es.-I-1924 Re.-/4/- pp. 35
778	26	Bh. G. (with Sans. Text; P. E.) by Manmath Nath Dutta, Shastri, M. A., M. R. A. S. etc. E. &. Pub.:M. N. Dutt, Society for the Recitation of Indian Literature, Calcutta. Ed. New-1903. Re.-/4/-pp. 240.

12-Character Roman ❋ 19-Languages Foreign.

Serial No.	Book No.	Description.
779	1	Bh. Gita. (Sans., Canarese, English and Latin.) Containing: --The Sans. Text from Schlegel's edition; the Canarese newly Translated from the Sans.; the English trans. by Sir Charles Wilkins, with his Preface and Notes, etc.; and the introduction by the Hon. Warren Hastings,Esq., with an Appendix containing Additional Notes from Prof. Wilson, Rev. H. Milma., etc; and an Essay on the Philosophy and Poetry of the Bh. Gita by Baron William Von Humboldt, translated from the German by Rev. G. H. Weigle: the second edition of Schlegel's Latin Version of the Gita, with the Sans. Text revised by Prof. Lassen, etc. Edited by The Rev. J. Garrett, Bangalore. Ed.-1849 Rs. /13/- pp. 300.
780	2	Bh. G or Den Helliges Sang (Dainsh) by Alex. Schumacher. Pub. J. S. Jensen's Forlag, Kobenhavn, Denmark. Ed. MCMX VII Price. Koronar. 5/- pp. 95.
781	3	Bh. G. or Gesang Des Heiligen (German) by Dr.Paul Deussen. Pub. F. A. Brockhans, Leipzig Ed. I-1911. Rs. 8x/- pp.155.
782	4	Bh. G.-old sacred songs of India. (Japanese) sacred books of the World series-, Part I, Vol. 6, Sekai seiten zenshu.) Containng:- 1. Rig Veda Hymns., 2. Bh. G. Trans. By Prof. g. Takakusa. 3.-Appendix.- Explanation of Gita.Pud. world Literary works Publishing society.(Sekai Bunko-Konko Kai,) No. 52 Myagatani-machi, Kaishi kawa Ku, Tokyo, Japan.6/-pp.

१४-गीता-सम्बन्धी हस्त० पुस्तकें; लेख; सूक्ति-पट; ट्रैक्ट्स; चित्र आदिः—

(लिपि—देवनागरी)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७८३	*१	भ० गीता—पञ्चरत्न (गु०; हस्तलिखित, पुरानी) कई रङ्गीन चित्रों सहित, प्रत्येक पृष्ठमें चारों ओर सुनहरी रंगीन बेल मूल्य ३५) पृ० २४०
७८४	*२	भ० गीता-पञ्चरत्न (गु०; हस्त०) लेखक-एक काश्मीरी (कुछ स्तोत्रों सहित) चित्र २३, रङ्गीन बेल, प्रायः १०० वर्ष पुरानी; मूल्य २५) पृ० ३२०
७८५	*३	भ० गीता—पञ्चरत्न (गु०; हस्त०) सचित्र, पुरानी (कुछ स्तोत्रों सहित) पृ० २५०
७८६	*४	भ० गीता (गु०, मूल, हस्त०, सम्पूर्ण) पृ० १३५
७८७	*५	भ० गीता (हस्त०, खुलापत्रा, देवनागरी-लिपि; पृ० नं० १, ७२, ७३, ७४, ७५, ९५, ९६, ९८, ९९, १०० कम हैं) टी० पं० लालदास आचार्य (सम्बोधिनी-भाषाटीका) (मोहनदासद्वारा लिखित मि० आषाढ शुक्ल ३ सं० १८२४ वि०) पृ० १०२
७८८	*६	भ० गीता (हस्त०; हिन्दीभाषामें पद्यानुवाद, केवल अ० १२ लिपि-फ़ारसी)
७८९	*७	उर्दू गीता (हस्त०; एक प्राचीन प्रतिसे उद्धृत; लिपि-फारसी) स्वा० कृष्णचन्द्र आज़ाद, राधाभवन, बरेलीद्वारा लिपिबद्ध—गीताके श्लोकोंसे कुरानकी आयतोंका मिलान।
७९०	८	सार-गीता (हस्त०, नवीन, हिन्दी) ओंकारका माहात्म्य पृ० १५
७९१	*९	भ० गीता-सम्बन्धी संगृहीत सूक्तियां (हस्त० कापी)
७९२	१०	गीता-निबन्ध (हस्त०) ७ प्रतियां
७९३	११	भ० गीता (मूल, सम्पूर्ण, लिपि-बङ्गला) ताड़पत्रपर छपी स० प्र० हरिपद चट्टो०, शास्त्रप्रकाश पुस्तकालय, कल० मू० १॥) पत्र-संख्या १६३
७९४	१२	भ० गीता—तावीजी (बहुत महीन अक्षर, जर्मनीमें मुद्रित) सोनेके तावीज सहित मू० ४४)
७९५	*१३	भ० गीता (दो बड़े चित्रोंमें छपी) मु० गीताप्रेस, गोरखपुर
७९६	१४	भ० गीता (दो पृष्ठोंमें छपी, अति सूक्ष्म अक्षर) प्र० गीताप्रेस, गोरखपुर मू० =)
७९७	*१५	भ० गीता—एक ही चित्रमें सम्पूर्ण गीता, पत्थरके छापेपर छपी मू० १)
७९८	१६	भ० गीता—एक ही फोटोमें सारी गीता, पता—विज्ञान नौका कार्य्यालय, ग्वालियर मूल्य १॥)
७९९	१७	भ० गीताके प्रश्नपत्र सं० १९८४ । ८५ । ८६ वि० प्र० गीता-परीक्षा-समिति, बरहज । बिना मूल्य
८००	*१८	गीता-सम्बन्धी कुछ लेख निम्नलिखित पत्रोंमें संगृहीत— 'कल्याण' गोरखपुर; 'कृष्णसन्देश' कलकत्ता-काशी; 'मेसेज' (अंग्रेजी) गोरखपुर; 'यादव' गोरखपुर; 'कृष्ण' कलकत्ता; 'वेदान्तकेसरी' आगरा; 'धर्म' (बंगला) कलकत्ता; 'नवजीवन' अहमदाबाद; 'समन्वय' कलकत्ता; 'दिव्य-चक्षु' ग्वालियर; 'महावीर' पटना; 'गढ़देश' अल्मोड़ा; 'सुधारक' (गीताङ्क-अ० २ का पद्यानुवाद पं०कृपाशंकर अवस्थीकृत) हाजीपुर; 'वीरभूमि' (बंगला) (वर्ष ५ अं०४।५ गीतारधर्मे ओ ताहार अधिकार स० कुलदाप्रसाद मल्लिक मू० ॥) सं०—१३३० बं०); 'कल्याण' का गीताङ्क आदि।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
८०१	●१९	गीता-ट्रैक्ट्सः— गीता-नवनीत; लोक-संग्रह-प्रकरण; भगवत्प्रसाद; भगवत्प्रसाद(छोटा): योगानुष्ठान-प्रकरण,प्रजापति-सन्देश; यदा यदा हि धर्मस्य०; गीतामृतदुहे नमः, गीता-प्रदर्शिनीका उपहार (सं० १९८५ वि० आदि। प्र० गीता-पाठशाला, महालनवाडी, पिकेटरोड, बम्बई
८०२	२०	गीता-कैलेण्डर (विराट्स्वरूप तथा गीताश्लोकविषयक कई चित्रों सहित) प्र० निहालचन्द कम्पनी, नारायणप्रसाद लेन, कलकत्ता मू० ॥)
८०३	२१	भगवान् कृष्णकी १६ कलाओंका कैलेन्डर प्र० मेहता हाफटन कं०, अनारकली, लाहोर मू० १॥)
८०४	●२२	भ० गीता-सम्बन्धी सूक्ति-पट अनेक प्रकारके (दिवालपर लटकानेके लिए)
८०५	२३	भ० गीताके भावानुसार बने हुए तथा गीता-गायक भगवान् श्रीकृष्णके और गीता-ग्रन्थकारोंके कई प्रकारके चित्र और फोटो आदि।
८०६	२४	चित्रमय श्रीकृष्ण (कई चित्र; जिल्द २; १—हिन्दी, २—बंगला) प्र० हि० पु० एजेन्सी, बड़ाबाजार, कल० मू० ४) प्रति जिल्द
८०७	२५	महाभारत-चित्रावली (२६ चित्र) प्र० सस्तु० कार्या०, अहमदाबाद सं० २-१९८४ वि० मू० १) पृ० ४९
८०८	२६	भगवान् श्रीकृष्णकी १६ कलाओंकी चित्रावली प्र० मेहता हाफटोन कं०, लाहोर मू० १॥।) पृ० ७०

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
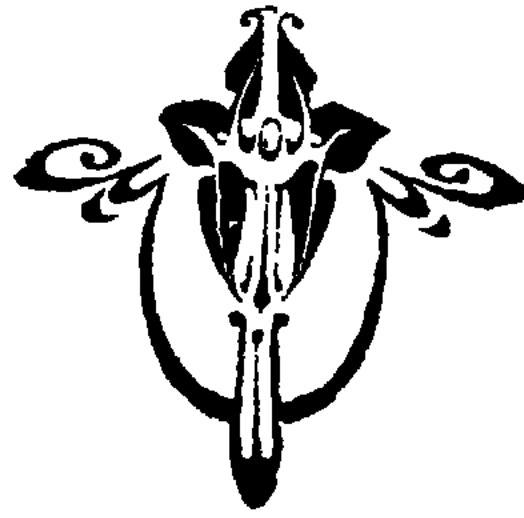
(ख) अन्य-गीता-सूची

१–लिपि-देवनागरी * १- भाषा-संस्कृत

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
१	१	गणेश गीता (अध्यात्म, गणेशपुराणान्तर्गता) टी० नीलकंठ (गणपति भावदीपिका टीका) मु० आनन्दाश्रम प्रेस, पूना सं०–१९०६ ई० मू० २) पृ० २००
२	२	अष्टावक्र-गीता (अध्यात्म) ले० श्रीअष्टावक्र मुनि, टी० महात्मा विश्वेश्वर-संस्कृत टीका मु० नवल०प्रेस, लखनऊ सं० १–१८९० ई० मू० ।) पृ० ८८
३	३	श्रीभगवती-गीता (अध्यात्म, देवीभागवतान्तर्गता) टी० नीलकंठ (संस्कृत तिलक) मु० नवल० लखनऊ, सं० ३-१८६५ ई० मू० ≤)॥ पृ० ६०
४	४	रास-गीता (अध्यात्म; १–भागवतान्तर्गता रास पञ्चाध्यायी, २–वृद्ध-गीता या योगेश्वरी टीका) टी० पं० कामानन्द शर्मा–योगेश्वरी टीका (भ० गीता श्लोकानुसारिणी टीका) मू० १) पृ० ५१
५	५	उत्तर गीता (अध्यात्म, महाभारत अश्वमेधपर्वान्तर्गता) टी० गौड़पादाचार्य-दीपिका, मु० वाणीविलास प्रेस, श्रीरंगम् सं०–१९१० ई० मू० ≈) पृ० ७६
६	६	गीता-संग्रह (भाग १, गीता १३, मूल)— १ भगवद्गीता (महाभारतान्तर्गता) २ रामगीता (अध्यात्मरामायणान्तर्गता) ३ गणेशगीता- (गणेशपुराणान्तर्गता), ४ शिवगीता (पद्मपुराण खंडचतुर्थान्तर्गता) ५ देवीगीता (भागवता०) ६ कपिलगीता (श्रीमद्भागवता०) ७ अष्टावक्रगीता (अष्टावक्रमुनिकृत) ८ अवधूतगीता (दत्तात्रेय-मुनिकृत, स्वामिकार्तिकसंवादा०) ९ सूर्यगीता (नरनारायणकर्मकाण्डोक्त) १० (क) यमगीता (विष्णुपुराण अंश ३ अ० ७ अन्तर्गता); (ख) यमगीता (नृसिंहपुराणान्तर्गता); (ग) यमगीता (अग्निपुराणान्तर्गता) ११ हंसगीता (श्रीमद्भागवता०) १२ पांडवगीता १३ (क) ब्रह्मगीता (स्कंद-पुराणा०); (ख) ब्रह्मगीता (योगवासिष्ठमहारामायणा०) प्र० अष्टेकर कंपनी, पूना सं० १–१९१५ ई० मू० २।) पृ० ४७५

१–लिपि-देवनागरी * २–भाषा-हिन्दी

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
७	१	उग्र-गीता (अध्यात्म, बोधसागरान्तर्गता पद्यात्मक) ले० महात्मा कबीर स० स्वामी युगलानन्दजी कबीर-पन्थी प्र० वेंकटेश्वर प्रेस, बम्बई सं०–१९८१ वि० मू० १॥) पृ० ७१
८	२	राम-गीता (अध्यात्म-सचित्र तत्त्वसारायण-रामायणान्तर्गता मूलसहित) टी० सर विजयसिंहजी बहादुर डूँगरपुर-नरेश, प्र० ग्रन्थकार पता–भारतधर्ममहामण्डल, काशी मू० २॥) पृ० ६००
९	३	राम-गीता (अध्यात्म, अध्यात्म-रामायणान्तर्गता, मूलसहित) टी० १–पं० श्रीराम गुजराती (१–पद-प्रकाशिका टीका २–भाषानुवाद) २–पं० विष्णुदत्त (विषमपद-व्याख्या) प्र० वें०क० प्रेस, सं०–१९७८ वि० मू० १।) पृ० ८०
१०	४	गीता-संग्रह (अध्यात्म, मूलसहित, गीता १२, महाभारतान्तर्गता) १ पुत्र-गीता २ संकी-गीता ३ बोध-गीता ४ पिंगला ५ संपाक ६ अजगर ७ शृगाल ८ पङ्कज ९ हारीत १० हंस ११ व्यास गीता १२ नारद गीता टी० पं० भीमसेन शर्मा, प्र० मु० ब्रह्मप्रेस, इटावा सं०२–१९६७ वि० मू० ।≈) पृ० १२५
११	५	नारद-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) टी० पं० रामनारायणदास अयोध्यानिवासी प्र० भार्गव-पुस्तका०, काशी मू० –) पृ० १६

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१२	६	सत्याग्रह-गीता (सत्याग्रह युद्ध विषयक; सं० १) पता–कलकत्ता मू० ~) पृ० २
१३	७	विष्णु-गीता (अध्यात्म, मूलसहित भाषानुवाद, पुराणसंहितान्तर्गता) प्र० भारत धर्म महा०, काशी सं० १–१९११ ई० मू० १) पृ० १५०
१४	८	शम्भु-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहितान्तर्गता, मूलसहित) प्र०भारत०, काशी सं०१–१९२०ई०मू०१)पृ०१५०
१५	९	सूर्य-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहिता०, मूलसहित) प्र० भारत०सं०१–१९१८ ई० मू० ॥) पृ० ९०
१६	१०	शक्ति-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहिता०, मूलसहित) प्र० भारत० सं०१–१९१९ ई० मू०१)पृ० १२०
१७	११	धीश-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहिता०, मूलसहित)प्र०भारत० सं०१–१९२० ई० मू० ॥।) पृ० ११०
१८	१२	गुरु-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहिता०, मूलसहित) प्र० भारत० सं०३–१९२० ई० मू० ।) पृ० ५०
१९	१३	संन्यास-गीता (अध्यात्म, पुराणसंहिता०, मूलसहित)प्र०भारत०,काशी सं०१–१९१७ ई० मू०॥।) पृ०१५०
२०	१४	अष्टावक्र-गीता ले० श्रीअष्टावक्रमुनि-मूल सं०२–१९२८ ई०मू० १॥) पृ० ३४० } (अध्यात्म) टी० बाबू जालिमसिंहजी भाषाटीका प्र० नवल० लखनऊ
२१	१५	राम गीता (अध्यात्मरामायण०) सं० २–१९२१ ई० मू० ॥=) पृ० १४०
२२	१६	अनु-गीता सं० १–१९१४ ई० मू० ॥।) पृ० ३०० } (अध्यात्म: महाभारतान्तर्गता) टी० लाला बैजनाथ पता वैश्यहितकारी, मेरठ।
२३	१७	सनत्सुजात-गीता सं० १ १९६८ वि०मू०।)पृ०७५
२४	१८	अवधूत-गीता (अध्यात्म) ले० स्वामी दत्तात्रेय–मूल, टी० स्वामी परमानन्द-परमानन्दी भाषाटीका प्र० लक्ष्मीवेंकटे०, बम्बई सं०–१९७० वि० मू० १॥) पृ० २६०
२५	१९	कपिल-गीता (अध्यात्म, श्रीमद्भागवतान्तर्गता, मूलसहित) टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र, प्र० वेंकटे०, बम्बई सं०–१९७० वि० मू० ॥।) पृ० ११०
२६	२०	पंचदश-गीता (अध्यात्म, गाना ९ मूलसहित) १. काश्यप-गीता २. शौनक-गीता ३. अष्टावक्र-गीता ४. नहुष गीता ५. सरस्वती-गीता ६. युधिष्ठिर-गीता ७. वक्र-गीता ८. धर्मव्याध-गीता ९. कृष्ण-गीता टी० पं० रविदत्त शास्त्री (भावदीपक-भाषाटीका) मु० लक्ष्मीवें० प्रेस, बम्बई सं०–१९७९ वि० मू०॥।) पृ० १३०
२७	२१	कबीर-कृष्ण-गीता (अध्यात्म, पद्यात्मक) ले० महात्मा कबीर स० महन्त युगलानन्द बिहारी प्र० लक्ष्मी वेंक०, बम्बई सं०–१९८२ वि० मू० १॥) पृ० १५०
२८	२२	विज्ञान-गीता (अध्यात्म) ले०कविवर केशवदास (पद्य) प्र०वेंक०, बम्बई सं०–१९५१ वि० मू०॥।)पृ०१
२९	२३	मोक्ष-गीता (अध्यात्म) ले०स्वामी लक्षानन्द (मूल, भाषानुवाद)प्र०ग्रन्थकार,बीकानेर सं०-१९७९वि०पृ०२००
३०	२४	मोक्ष-गीता (अध्यात्म, सवालक्ष रामनाम) ले० स्वा० पुष्करदास प्र० लक्ष्मीवेंक० सं०–१९८२ वि० मू० १।
३१	२५	गोविन्दनाम-गीता (अध्यात्म, २१६०० गोविन्द नाम) ले० स्वा० पुष्करदास प्र० लक्ष्मीवेंक०, सं०–१९५३ वि० मू० ॥) पृ० २२०
३२	२६	बुद्ध-गीता (भगवान् बुद्धके विचार) सं० स्वा० सत्यदेव परिव्राजक प्र० लपानिया पब्लिशिंग हाउस, आगरा सं० १ १९२३ ई० मू० ॥) पृ० १००
३३	२७	गान्धी-गीता (गान्धीजीके विचार) सं० पं० नरोत्तम व्यास प्र० आर० एल० बर्मन, अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं०१–१९७९ वि० मू० २) पृ० २५०
३४	२८	गीता-सत्य-योग (उपदेश, निबन्ध) ले० अयोध्याप्रसाद 'रत्नाकर' प्र० विश्वम्भरनाथ खन्ना, ३२ शिवठाकुर लेन, कलकत्ता सं० १–१९२२ ई० मू० १।) पृ० २००

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३५	२६	बाल-गीतावली (अध्यात्म, महाभारतान्तर्गता, गीता ६. केवल भाषा) १. अजगर-गीता २. शृगाल-गीता ३. चिरकारी-गीता ४. बिचक्यु-गीता ५. बौद्ध-गीता ६. पिंगला-गीता ७. सम्पाक-गीता ८. पुत्र-गीता ९. मंकी गीता ले० पं०सुन्दरलाल द्विवेदी प्र०इंडियन-प्रेस, प्रयाग सं०२-१६२१ई० मू०॥=)पृ०१२०
३६	३०	श्रीराम गीता (अध्यात्म, अध्यात्मरामायणान्तर्गता, मूलसहित) टी० ठा० गुमानसिंहजी (शशिप्रभा-प्रकाशिनी भाषाटीका) प्र० ठा० चतुरसिंह, करजालीकी हवेली, उदयपुर (मेवाड़) सं० १–१६६७ वि० मू०) पृ० ६०
३७	३१	गणेश-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, गणेशपुराणान्तर्गता) टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र मु० वेंकटे० सं०–१६६७ वि० मू० ॥) पृ० १२५
३८	३२	जीवनमुक्त-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) ले० स्वामी दत्तात्रेय–मूल टी० पं० ब्रजरत्न भट्टाचार्य-भाषाटीका प्र० लक्ष्मीवेंक० सं० -१६७१ वि० मू० –) पृ० १५
३९	३३	अवधूत-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) ले० स्वा० दत्तात्रेय टी० पं० पुत्तूलाल शर्मा प्र० हरीप्रसाद भगीरथ, बम्बई मू० ।=) पृ० ९६
४०	३४	पाण्डव-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) टी० पं० वस्तिराम (भक्तिसुधा भाषाटीका) प्र० हरिप्रसाद भगीरथ, कालबादेवी, बम्बई, सं०–१६२३ ई० मू० ≤) पृ० ४०
४१	३५	मौन-गीता (उपदेश) ले० महात्मा कबीरदास (पद्यात्मक) प्र० वेंकटे० सं०–१६७२ वि० मू०)॥ पृ० २२
४२	३६	नारद-गीता (अध्यात्म,मूलसहित) टी० पं० भरतराम शर्मा, प्र० बैजनाथप्रसाद बुकसेलर, काशी मू०–) पृ० १६
४३	३७	नारद-गीता (अध्यात्म) प्र० हरिप्रसाद भगीरथ, बम्बई सं०–१८२७ शाक मू० –) पृ० ८
४४	३८	ज्ञानमाला या कृष्णार्जुन संवाद (उपदेश) मु० वेंकटे०, बम्बई सं०१६८३ वि० मू० ≤)। पृ० ७५
४५	३९	अर्जुन-गीता या रामरत्न गीता (उपदेश) ले० कुशालसिंह (पद्यात्मक) प्र०व्रजवल्लभ हरिप्रसाद, कालबादेवी, बम्बई सं०–१९८३ वि० मू० ।) पृ० ८०
४६	४०	गुरु-गीता भाषा (पद्य) ले० श्रीमोहनलाल स्कूलमास्टर, शामनेर, भोपाल स्कन्दपुराणान्तर्गता गुरुगीताका पद्यानुवाद) मु० नवल०, लखनऊ सं० १–१६८३ वि० मू० ≤) पृ० २२
४७	४१	गीतामृतधारा (अध्यात्म, हनुमान-गीतासहित ले० पं० रामदास पद्य) प्र० लक्ष्मी० सं०–१९५३ वि० मू० ॥।) पृ० २२०
४८	४२	अष्टावक्र-गीता (अध्यात्म, मूलसहित ले०श्रीअष्टावक्र मुनि–मूल सान्वय भाषाटीका सहित) प्र० लक्ष्मीवें०, बम्बई सं०१६८१ वि० मू० १) पृ० २६०
४९	४३	देवी-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, देवीभागवतान्तर्गता) टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र प्र० लक्ष्मी० सं०-१६८१ वि० मू० ॥=) पृ० २००
५०	४४	शिव-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, पद्मपुराणान्तर्गता) टी० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र प्र० लक्ष्मी० सं०–१८६४ वि० मू० ॥।≤) पृ० २७५
५१	४५	सप्तशती-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, मारकण्डेयपुराणान्तर्गता दुर्गा-सप्तशती) टी०स्वा०ज्ञानानन्दजीका शिष्य (मातृ-महिमा-प्रकाशिनी टीका) प्र० भारतधर्म महा०, काशी सं० १-१६८४ वि० मू० ॥।) पृ० ३५०
५२	४६	ब्रह्मानन्दमोक्ष-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) ले० स्वामी ब्रह्मानन्द प्र० ग्रन्थकार, ब्रह्मानन्द–आश्रम, पुस्कर, अजमेर सं० ३–१६८३ वि० मू० १) पृ० २७०
५	४७	अष्टावक्र-गीता (अध्यात्म, गुटका) टी० १– श्रीविश्वेश्वर (संस्कृत-टीका) २–पं० पीताम्बरजी पुरुषोत्तमजी (भाषाटीका) प्र० निर्णयसागर-प्रेस, बम्बई सं० ३–१६६६ वि० मू० १) पृ० ३७०

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
५४	१८	राम-गीता (अध्यात्म, गु०, मूलसहित, अध्यात्मरामायणान्तर्गता) टी० पं० सूर्यदीन शुक्ल (१–पद्यानुवाद २–गद्यानुवाद) प्र० नवल०प्रेस, लखनऊ सं० १–१९१६ ई० मू० –)॥ पृ० ७५
५५	४६	गर्भ-गीता (उपदेश, गु०, केवल भाषा कृष्णार्जुन-संवाद) प्र० लाला श्यामलाल हीरालाल, श्याम-काशी प्रेस, मथुरा मू० –) पृ० ३२

१–लिपि-देवनागरी* ३–भाषा-मराठी

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
५६	१	राम-गीता (अध्यात्म, अध्यात्मरामा०) स० महादेव हरिमोडक बी०ए० और सीताराम महादेव फड़के बी०ए० प्र० चिपलूणकर कं०, पूना सं० १–१८४६ शक मू० ३) पृ० ४१०
५७	२	कपिल-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, पद्मपुराणान्तर्गता) टी० पं० विष्णु वामन बापट शास्त्री प्र० पुरंदर ग्रंथ कंपनी, माधवबाग, बम्बई सं०–१९१० ई० मू० १) पृ० ८५
५८	३	अखे गीता (अध्यात्म) ले० श्रीअखा (पद्य) पता–पं० नारायण मूलजी, कालबादेवी, बम्बई प्र० बापू सदाशिव सेठ, बम्बई सं०–१७८३ शक मू०) पृ० २६
५९	४	उत्तर-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, महाभारतान्तर्गता) टी० श्रीज्ञानदेव (पद्यानुवाद) प्र० मु० रावजी श्रीधर गोंधले, जगतहितेच्छु-प्रेस, पूना सं० ३–१८२९ शक मू० ।=) पृ० ५०
६०	५	गणेश-गीता सार्थ (अध्यात्म, मूलसहित, गणेशपुराण०) प्र० पी. वी. पाठक कं०, बम्बई मू० ≶) पृ० १२० (गुटका मू० ≡) पृ० १७२)
६१	६	गान्धी-गीता या विसाव्या शतकान्तला श्रीकृष्णार्जुन-संवाद (गान्धीजीके विचार) स० वासुदेव गोविन्द आपटे, पूना सं० २–१९२१ ई० मू० ।– पृ० १००
६२	७	गुरु-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, स्कंदपुराणान्तर्गता) टी० स्वामी रंगनाथ (ओवी पद्य) मु० जगदीश्वर प्रिंटिंग-प्रेस, गिरगाँव गायवाड़ी, बम्बई सं० ३–१९२८ ई० मू० –) पृ० ३२
६३	८	अवधूत-गीता-सार्थ (गु०, अध्यात्म, मूलसहित) स्व० दत्तात्रेय प्र० केशव भिकाजी ढवले, माधवबाग, बम्बई सं०– १९१९ ई० मू० ॥) पृ० १३०
६४	९	गीता-सार (गु०, अध्यात्म, मूलसहित, महाभारतान्तर्गता) टी० वासुदेव (ओवीबद्ध पद्यानुवाद) प्र० निर्णयसागर-प्रेस, बम्बई सं० १८२७ शक मू० ≡) पृ० ६०
६५	१०	शिव-गीता-सार्थ (गु०, अध्यात्म, मूलसहित, पद्मपुराण०) प्र० पी. वी. पाठक, पांडुरंग एजेन्सी, बम्बई नं० ५ सं० १८४९ शक मू० ॥।) पृ० ३२०

१–लिपि-देवनागरी * ५–भाषा-नेपाली

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
६६	१	राम-गीता-थुलो (अध्यात्म, मूलसहित) नेपाली भाषानुवाद प्र० श्रीसुब्बा होमनाथ केदारनाथ, काशी पृ० १२८
६७	२	राम-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, अध्यात्मरामायणान्तर्गता) टी० श्रीभानुभक्त (पद्यानुवाद) पता–गोरखा पुस्तका०, काशी सं०- १९२८ ई० मू० = पृ० २८
६८	३	यम-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, विष्णुपुराणान्तर्गता) टी० पं० रंगनाथ शर्मा, प्र० गोरखा-पुस्तकालय, रामघाट, काशी स० १–१९२३ ई० मू०) पृ० ३२
६९	४	पाण्डव-गीता (अध्यात्म, मूलसहित) नेपाली भाषानुवाद, प्र० गोरखा-पुस्तकालय, रामघाट, काशी, सं०- १९२४ ई० मू० ।) पृ० ६०
७०	५	गर्भ-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, तत्त्वसारान्तर्गता) नेपाली भाषानुवाद प्र० गोरखा-पुस्तकालय, काशी सं०–१९२१ ई० मू०) पृ० ७०

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
७१	६	अर्जुन-गीता या रामरत्नी-गीता (उपदेश) ले० कुशलसिंह अ० नेपाली पद्यानुवाद, प्र० श्रीसुब्बा होमनाथ काशी सं०- १९२८ ई० पृ० ६४
७२	७	अर्जुन-गीता या रामरत्नी गीता (उपदेश) ले० कुशलसिंह अ० पं० रेवतीरमण (नेपाली भाषा श्लोक सवाईबद्ध) प्र० गोरखा-पुस्तकालय, काशी सं० ३-१९२२ ई० मू० ।=) पृ० ९२
		२-लिपि-गुजराती * ६-भाषा-गुजराती
७३	१	अनुगीता या भगवद्गीता-अनुसन्धान (अध्यात्म, मूलसहित, महाभारतान्तर्गता) गुजराती भाषान्तर सहित प्र० गुजराती प्रेस. बम्बई सं० १-१९८१ वि० मू० २) पृ० २५०
७४	२	दत्तात्रेय गीता या अवधूत-गीता (अध्यात्म) ले० स्वा० दत्तात्रेय टी० वेदान्त-कवि हीरालाल आदवराय बुच (१ अर्थ २ विवेचन) प्र० महादेव रामचन्द्र जगुष्टे, तीन दरवाजा, अहमदाबाद सं०१-१९७६ वि० मू० ३) पृ० २९५
७५	३	ब्रह्मऋषि-गीता (अध्यात्म) ले० पं० हरेराम सुखराय शर्मा प्र० ग्रन्थकार सारंगपुर तलीआनी पोल, अध्यात्मम, अहमदा० सं०-१९७५ वि० मू० ॥) पृ० १३०
७६	४	विश्व गीता (अध्यात्म, पद्य) ले० न्हानालाल दलपतराम कवि, अहमदाबाद सं०१-१९८४वि० मू०१॥) पृ०१७०
७७	५	राम-गीता (अध्यात्म, मूलसहित, अध्यात्मरामायणान्तर्गता) टी०एक शास्त्रीजी प्र० पं० रविशंकर ज्येष्ठाराम त्रिवेदी, पता-नारायण मूलजी, झवेरबाग, बम्बई सं० १-१९५८ वि० मू० ≡) पृ० ४५
७८	६	सुन्दर-गीता (अध्यात्म, गु० : ले० महाराज सच्चिदानन्दजी सुन्दरदासजी-आचार्य सच्चिदानन्द-सम्प्रदाय (अष्टप्रहरी-रहस्यक्रिया, पद्यात्मक) प्र० महन्त राधिकादास पुरुषोत्तमदास. अंजर. कच्छ, मु० निर्णय० प्रेस. बम्बई सं०-१९७७ वि० मू०॥) पृ० २००
		३-लिपि-बंग * ७-भाषा-बंगला
७९	१	परमार्थ-तत्त्व-निरूपण (अध्यात्म, मूलसहित, गीता ९ : १ उत्तर गीता २ राम गीता ३ जीवनमुक्ति गीता (दत्तात्रेय मुनि कृत) ४ पांडव गीता ५ तुलसी गीता ६ यम गीता (विष्णुपुराणान्तर्गता) ७ वैष्णव गीता ८ पितृ गीता ९ पृथ्वी गीता आदि टी०कालीप्रसन्न विद्यारत्न (बंगानुवाद) मु०प्र० शरच्चन्द्र शील एंड सन्स, नं० ३११ अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं०-१३३३ बं० मू० ॥।) पृ० १४०
८०	२	शान्ति गीता (अध्यात्म, मूलसहित) टी० स्वामी ब्रह्मानन्द तत्त्वदर्शी प्र० प्यारीमोहन मुस्तफी, काशी मु० न्यू स्कूल बुक प्रेस, डिक्सन लेन, कलकत्ता सं० १-१८९७ ई० मू० १।) पृ० २१०
८१	३	मानव-गीता (अध्यात्म) ले० योगेन्द्रनाथ वसु बी०ए० पद्य प्र०संस्कृत बुक डिपोजिटरी, ३० कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १-१३३२ बं० मू० १॥ पृ० २२५
८२	४	गीता-ग्रन्थावली (अध्यात्म, २५ गीता, बंगानुवादसहित : १ जीवन्मुक्ति गीता २ अवधूत गीता ३ षड्ग गीता ४ हंस गीता ५ शक्ति ६ राम ७ पांडव ८ भगवद्गीतासार ९ पितृ १० पृथिवी ११ सप्तश्लोकी १२ पराशर (महाभारता०) १३ उत्तर १४ गीतासार (गरुडपुराणा०) १५ राम १६ शान्ति १७ शिव १८ भगवती १९ देवी २० व्याध २१ तुलसी २२ गर्भ २३ वैष्णव २४ यम २५हारीत गीता टी०उपेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय प्र०वसुमति साहित्य मन्दिर, बहुबजार, कलकत्ता सं०१ १३३५बं०मू० १॥) पृ०७५०
८३	५	सोहम गीता (अध्यात्म) ले० स्वामी सोहम (पद्यात्मक) प्र० सूर्यकान्त वन्द्योपाध्याय बी० एल०, तांती बाजार, ढाका सं०४-१९२१ ई० मू० २) पृ० १५०
८४	६	सगीतावाद रहस्यचंडी (अध्यात्म, मूलसहित) टी० चंडीचरण न्यायरत्न प्र० अनिलकान्तव मुखोपाध्याय, ७४ बेंटिक स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १-१३३२ बं० मू० १) पृ०३२५

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
८५	७	कालाचांद गीता (अध्यात्म) ले० शिशिरकुमार घोष (पद्य) टी० मतिलाल घोष (बंगानुवाद) पता—पीयूषकान्ति घोष, बागबजार, कलकत्ता सं० ३–१३२१ बं० मू० १।) पृ० २२५
८६	८	रामकृष्ण गीता (स्वा० रामकृष्णके उपदेश, भाग पहिला) स० सुरेन्द्रकुमार चक्रवर्ती प्र० कात्यायनी बुक-स्टोर, कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं०—१३३२ बं० मू० ।) पृ० ५०
८७	९	गुरु गीता (अध्यात्म, मूलसहित, विश्वसार-तन्त्रान्तर्गता) टी० अश्विनीकुमार भट्टाचार्य एम०ए० प्र० भूपतिनाथ घोषाल पता - पाल भट्टाचार्य कम्पनी, २१ मिर्जापुर स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १ - ११४१ शक मू० ।=) पृ० ४०
८८	१०	स्वामी गीता (अध्यात्म) ले० पूर्णानन्द स्वामी, स० श्रीकृष्ण दत्त, बी० ए०, पता—वरेन्द्र पुस्तकालय, २०४ कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता सं० १–१३३२ बं० मू० ॥=) पृ० १००
८९	११	गोपी गीता (अध्यात्म, मूलसहित, भागवतान्तर्गता) टी० १. श्रीधर स्वामी, २. विश्वनाथ चक्रवर्ती, ३. पद्यानुवाद प्र० शरत्चन्द्र शील एंड सन्स, २११ अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं०—१३३२ बं० मू० =) पृ० २५.
९०	१२	नित्य-वृन्दावन या व्रजांगना गीता (अध्यात्म) ले० कुमारनाथ मुखोपाध्याय (पद्य) प्र० संस्कृत बुक प्रेस डिपोजिटरी, ३० कार्नवालिस स्ट्रीट. कलकत्ता, सं० ३–१३३३ बं० मू० ॥≈) पृ० ११०.
९१	१३	गौरांग गीता (अध्यात्म) ले० कुमारनाथ मुखोपाध्याय (पद्य) प्र० संस्कृत प्रेस डिपोजिटरी, कलकत्ता; सं० ४-१३३२ बं० मू० ॥) पृ० ११०.
९२	१४	अर्जुन गीता या श्रीमार्जुन-संवाद (अध्यात्म, मूलसहित) टी० कालीप्रसन्न विद्यारत्न प्र० शरच्चन्द्र शास्त्री, अपर चितपुर रोड, कलकत्ता सं० २–१३२१ बं० मू० ॥) पृ० ६०.
९३	१५	सच्चिदानन्द गीता (गु०, अध्यात्म) ले० चंडीचरण मुखोपाध्याय (पद्य) प्र० ग्रन्थकार, नाडुग्राम, बर्दवान सं०-१३१७ बं० मू० ।) पृ० १४०
९४	१६	पंच गीता (गु०, अध्यात्म, मूलसहित, गीता ५) १. राम गीता २. उत्तर गीता ३. शान्ति गीता ४. पाण्डव गीता या प्रपन्न गीता ५. पराशर गीता (महाभारतान्तर्गता)-बंगानुवादसहित प्र० संस्कृत-पुस्तकालय, कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता; मू० ॥) पृ० ५००
		४–लिपि–उत्कल * ८–भाषा-उड़िया
९५	१	बृहजामरस-गीता (पद्य) ले० भक्त कवि दीनकृष्णदास स० पं० गोविन्द रथ मु० अरुणोदय-प्रेस बालुबजार, कटक सं० २– मू० ॥।) पृ० १६०
९६	२	राधारसामृत गीता (पद्य) ले० भक्त शिवदास मु० अरु०, कटक सं० १–१६२३ ई० मू० ।=) पृ० ६७
९७	३	कैवर्त गीता (पद्य) ले० श्रीकैवर्तदास स० पं० गोविन्द रथ मु० अरु०. कटक सं० २–मू० ।=) पृ० ६७
९८	४	सारस्वत गीता (पद्य) ले० कवि रत्नाकरदास स० श्रीजनार्दन कर मु० अरु० प्रेस, कटक सं० नवीन–१९२५ ई० मू० ॥=) पृ० २०७
९९	५	ब्रह्मनिरूपण गीता (पद्य) ले० श्रीभीमभूई स० प्र० श्रीआर्तवल्लभ महान्ति मु० अरुणो०, कटक सं० २– मू० ॥=) पृ० १३७
१००	६	जगन्नाथामृत गीता (पद्य) ले० विप्र दिवाकरदास कवि स० श्रीजनार्दन कर मु० अरुणो०, कटक सं० १–१६२७ ई० मू० ॥) पृ० १४३
१०१	७	सुधासार गीता --पद्य (खं० १) ले० श्रीचन्द्रमणिदास प्र० श्रीनागभरणचन्द्रदास और नित्यानन्द मु० अरु० सं० ७-१९२५ ई० मू० ॥) पृ० १३६

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण
१०२	८	शान्ति गीता-पद्य ले० श्रीवासुदेव रथ प्र० श्रीलक्ष्मीनारायण मिश्र मु० अरुणो० सं० १-१९२७ ई० मू० ॥) पृ० १०८
१०३	९	वेदान्तसार गुप्त गीता-पद्य ले० श्रीबलरामदास प्र० पं० गोविन्द रथ मु० अरुणो०, कटक सं० १-१९१० ई० मू० ॥) पृ० १२४
१०४	१०	वैचन्द्र गीता ले०-श्रीदेवानन्ददास प्र० श्रीनित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० ६ १९२८ ई० मू० ।-) पृ० १११
१०५	११	छत्तीस गुप्त गीता ले० श्रीबलरामदास प्र० श्रीनित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० ५-१९२७ ई० मू० ।=) पृ० १०८
१०६	१२	दशावतार गीता पद्य ले० श्रीफकीर महान्ती स० पं० गोपीनाथ कर मु० अरुणो० सं० २-१९२७ ई० मू० ≶) पृ० ४८
१०७	१३	ज्ञानोदय-गीता (प्र० भाग) ले० प्र० श्रीरामचन्द्र माँझी स० पं० गोपीनाथ कर मु० अरुणो० सं० १-१९१० ई० मू० ।) पृ० ४८
१०८	१४	नामतत्व गीता-पद्य प्र० श्रीगोविन्द रथ मु० अरुणो० सं० १-१९०६ ई० मू० =) पृ० ३३.
१०९	१५	महिमयडल गीता-पद्य ले० श्रीअरखितदास मु० अरुणो० सं० १-१९२५ ई० मू० =)॥ पृ० ५२.
११०	१६	संसारसागर गीता-पद्य (खं० २) ले० रामचन्द्रदास स० गोपीनाथ कर मु० अरुणो० खं० १ सं० ६-१९२७ ई० मू० ≶) पृ० ५२, खं० २ सं० १-१९२३ ई० मू० ≡) पृ० ४४
१११	१७	नीलसुन्दर गीता प्र० अजयकुमार घोष मु० अरुणो० सं० १-१९२६ ई० मू० -) पृ० १२.
११२	१८	पार्थिव ब्रह्म या अर्जुन गीता-पद्य प्र० नित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० ६-१९२६ ई० मू० -) पृ० १४.
११३	१९	विराट गीता पद्य ले० बलरामदास प्र० अभिन्नचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० १२-१९२८ ई० मू० =) पृ० ३०.
११४	२०	नामब्रह्म गीता-पद्य प्र० नित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० १-१९२५ ई० मू० -) पृ० ७.
११५	२१	भक्त गीता-पद्य प्र० चिन्तामणि प्रहराज मु० अरुणो० सं० २-१९१४ ई० मू० =) पृ० २४.
११६	२२	रास गीता-पद्य प्र० सत्यवादि साहु मु० अरु० सं० १-१९२३ ई० मू० -) पृ० ११.
११७	२३	जीवपरम गीता-पद्य ले० अरखित नायक प्र० अभिन्नचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० १-१९२६ ई० मू० =) पृ० २४.
११८	२४	भुयखिडकाग गीता-पद्य प्र० गोविन्द रथ मु० अरु० सं० १-१९१० ई० मू० -) पृ० ११.
११९	२५	अष्टकविहारी गीता-पद्य ले० भीमभूई प्र० अजयकुमार घोष मु० अरुणो० सं० १-१९२६ ई० मू० =) पृ० २३.
१२०	२६	दारुब्रह्म गीता-पद्य प्र० नित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० २-१९२२ ई० मू० -)॥ पृ० २९.
१२१	२७	गीतासार-प्र० गोविन्द रथ मु० अरुणो० सं० १-१९१० ई० मू० =)॥ पृ० ४६.
१२२	२८	ब्रह्म गीता या अर्जुन गीता-पद्य प्र० गोविन्द रथ मु० अरुणो० सं० ४-१९१४ ई० मू० -) पृ० १४.
१२३	२९	गोलोक गीता-पद्य ले० सनातनदास प्र० नन्दकिशोर प्रधान मु० अरुणो० सं० २-१९२३ ई० मू० -)। पृ० १२.
१२४	३०	गुरु गीता-मूल प्र० अजयकुमार घोष सं० १-१९२८ ई० मु० अरुणो० मू० -) पृ० १०.
१२५	३१	अमरकोश गीता-पद्य ले० बलरामदास प्र० नित्यानन्द साहु मु० अरु० सं० ६-१९२६ ई० मू० =) पृ० २४.
१२६	३२	श्रुतिनिषेध गीता-पद्य ले० भीमभूई स० श्रीमती केतुकि माता मु० अरु० सं० १-१९२५ ई० मू० =) पृ० ३६
१२७	३३	यम गीता-पद्य स० पं० गोपीनाथ कर प्र० नारायणचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० २-१९२३ ई० मू० -) पृ० १०
१२८	३४	गरुड़ गीता-पद्य ले० अच्युतानन्ददास प्र० गोविन्दचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० १-१९२४ ई० मू० =) पृ० २४.
१२९	३५	शिव गीता-पद्य प्र० नारायणचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० २-१९२४ ई० मू० ≡) पृ० ३३
१३०	३६	अनन्तसागर गीता-पद्य प्र० गोविन्द रथ मु० अरुणो० सं० २-१९०८ ई० मू० =) पृ० ३०
१३१	३७	अमृतलहरी गीता-पद्य ले० पं० गोपीनाथ कर प्र० माधवचन्द्रदास मु० अरुणो० सं० १-१९१० ई० मू० =) पृ० १९.
१३२	३८	गुप्त गीता-पद्य ले० कवि बलरामदास कायस्थ, पुरी (उत्कलके प्रसिद्ध कवि; १६ वीं सदीमें वर्तमान थे) प्र० नित्यानन्द साहु मु० अरुणो० सं० ३-१९२२ ई० मू० ≶) पृ० २१.
१३३	३९	सुखदुःख गीता-पद्य प्र० चिन्तामणि प्रहराज मु० अरुणो० सं० १-१९१२ ई० मू० -) पृ० १२

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१३४	४०	ओंकार गीता— स० पं० सोमनाथ त्रिपाठी मु० अल्मो० सं० २–१९२८ ई० मू० -)॥ पृ० १५
१३५	४१	ब्रह्मज्ञान गीता—पद्य स० कपिलेश्वर विद्याभूषण प्र० सदाशिव पण्डा मु० अरु० सं०२–१९२५ई०मू०=)पृ०२५
१३६	४२	साधुलक्षण गीता—पद्य ले० प्र० चिन्तामणि महाराज मु० अरु० सं० १–१९०३ ई० मू० -)॥ पृ० १८
१३७	४३	निर्गुण गीता—पद्य प्र० चिन्तामणि महाराज मु० अल्मो० सं० १–१९१२ ई० मू० -) पृ० १२
१३८	४४	शब्दब्रह्म गीता—पद्य प्र० गोविन्द रथ मु० अल्मो० सं० १–१८९९ ई० मू० =) पृ० २९
१३९	४५	स्वप्नसूचक गीता—पद्य ले० श्रीनिधि पडिहारि प्र० कृष्णचन्द्र पट्टपाल मु० अल्मो० सं० १–१९२६ ई० मू० ≡) पृ० ३०
१४०	४६	कलियुग गीता—पद्य ले० अच्युतानन्ददास प्र० गोपीनाथ कर मु० अरु० सं० ४–१९२६ ई० मू० ≠) पृ० २१.
१४१	४७	ज्ञान-योग या ज्ञान-साधन-निर्णय गीता—पद्य प्र० चिन्तामणि महाराज मु० अरुणो० सं० १–१९१२ ई० मू० - पृ० १४
१४२	४८	नामरत्न गीता-पद्य (खं० ४) ले० कवि दीनकृष्णदास सं० गोपीनाथ कर प्र० रामचन्द्रदास मु० अरु० खण्ड १ सं० ६–१९२८ ई० मू० ।-) पृ० १३१; खण्ड २ सं० ४–१९२७ ई० मू० ।) पृ० ७४; खण्ड ३ सं० ६–१९२६ ई० मू० ।) पृ० ३८; खण्ड ४ सं० ६–१९२७ ई० मू० ।–) पृ० ५४
१४३	४९	टीकनामरत्न गीता—पद्य (खं० २) ले० प्र० रामचन्द्र मांझी स० गोपीनाथ कर मु० अरु० सं० १–१९१२ई० मू० ।) पृ० ७२
१४४	५०	नामरत्न गीता—पद्य (गु०) ले० कृष्णदास प्र० गोविन्द रथ मु० अरु० सं० ३–१९०७ ई० मू० ।) पृ० १०३
१४५	५१	भक्तउद्धारण गीता—पद्य (गु०) ले० रामचन्द्र मांझी प्र० माधवचन्द्र मु० अरुणो० सं० १–१९०५ ई० मू०)॥ पृ० ८
१४६	५२	नारद गीता—पद्य (गु०) प्र० गगनचन्द्र मिश्र मु० अरु० सं० १–१९०० ई० मू०)॥ पृ० ८
१४७	५३	जीवनमुक्त गीता (गु०) प्र० नित्यानन्द साहू मु० अरु० सं० १–१९२४ ई० मू०)॥। पृ० ८.
१४८	५४	सनातन गीता—मूल (गु०) प्र० गोविन्द रथ मु० अरु० सं० १–१८९३ ई० मू० =) पृ० ३२
१४९	५५	चैतन्य गीता—पद्य (गु०) स० पं० रामचन्द्र मिश्र प्र० डाक्टर सुरेन्द्रनाथ साहू मु० अरु० सं० १–१९२४ ई० मू० ≡) पृ० ७१

११—लिपि-फारसी * १५—भाषा-उर्दू

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१५०	१	महा गीता (अध्यात्म) ले० स्वामीदयाल आत्मदर्शी, योगवेदान्त-आश्रम, छिंदवाड़ा, सी. पी. मु० दयाल प्रिंटिंग प्रेस, होशियारपुर मू० १) पृ० ६०
१५१	२	राम गीता (अध्यात्म, अध्यात्मरामायणान्तर्गता. मूलसहित) टी० पं० सूर्यदीन शुक्ल प्र० नवल०, लखनऊ सं०–१९१६ ई० मू०

12-Character Roman* 18.Language English.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
152	1	Isvar Gita (Phlosophy, a portion of the Kurma Puran) Trans. by L. Kannomal M.A., Judge, Dholpur-State; Pub. Punjab sans Book Depot, Lahore: Ed. I-1924; Re. 1/8; pp. 70
153	2	Ram Gita (Philosophy, a Portion of Adhyatma Ramayan) by Mukund Waman Ram Burway, B.A. (1-Tezt, 2-Marathi Trans., 3- Hindi Trans., 4-English Trans. and Paraphrase-) Pub. Author, 12 Imalibazar, Indore. Re. 2/8/- pp. 240.
154	3	Surya Gita (sun songs, Poetry) by James H. Cousins; Pub. Ganesh & Co. madras; Ed. I-1922; Rs. 2/-; pp. 150
155	4	Uttara Gita (Philosophy, P.E.) by D.K. Laheri, F.T.S; Pub. Rajaram Tukaram; From. T.P.S., madras Ed. 1-1923; Re-/4/; pp. 50

॥ श्रीहरिः ॥

परिशिष्ट नं० १

गीता-पुस्तकालयमें संग्रहीत उपर्युक्त पुस्तकोंके अतिरिक्त, निम्नलिखित गीता-सम्बन्धी पुस्तकें गीता-प्रदर्शनीमें प्रदर्शनार्थ आयी थीं, वे वापस लौटा दी गयीं। इनमें कई पुस्तकें ऐसी भी हैं, जो प्रदर्शनीमें आ नहीं सकीं, केवल उनकी सूचना मिली है।

क्रम संख्या	पुस्तक संख्या	विवरण
		१—श्रीज्वालाप्रसादजी कानोड़िया, १३३ जी. टी. रोड, शिवपुर, हवड़ा द्वारा प्राप्त—
१	※१	भ० गीतोक्त श्लोकोंका विषयानुसार विभाग (लिपि-देवनागरी; मूल; हस्तलिखित) भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, शरणागति आदि विषयोंपर चुने हुए श्लोक।
२	※२	भ० गीता (लिपि-फारसी; हस्त०) गीता-प्रेस, गोरखपुरसे प्रकाशित, साधारण भाषाटीकाके १२ वें अध्यायका अनुवाद।
३	※३	भ० गीता (लिपि-गुरुमुखी; हस्त०) गीता-प्रेसकी टीकाके एक अध्यायका अनुवाद।
४	※४	भ० गीता (लिपि-बंगला) टी० पं० वामाचरण मजूमदार मु० बराट प्रेस, कलकत्ता मू०२)
		2—C. Krishnama Chariar. पता-श्रीमहादेवलालजी डालमिया, ११ चीनानायकरन स्ट्रीट, साउकार पेठ, मद्रास द्वारा प्राप्त—
५	१	A Gist of Lokmanya Tilaka's Gita-Rahashya by V.M. Joshi, M. A. Pub. Dugvekar Brothers, बीबी हटिया, काशी सं०–१९१६ ई० मू० ॥) (अंगरेजी)
६	२	भ० गीता (तेलगू; अ० २) टी० सहजानन्द उपाध्याय, नेपाल मु० जी० सी० एंड कं०, मद्रास
७	*३	भ० गीता (हस्तलिखित) टी० धनपति सूरिकृत भाष्योत्कर्षदीपिकाका तेलगू-अनुवाद।
८	४	भ० गीता (तामिल) टी० पं० सुन्दरराज शर्मा (शांकरभाष्यानुवाद)
९	५	भ० गीतोपन्यास-दर्पणम् (संस्कृत; खं० ३) स० पं० लक्ष्मणाचार्य (गीतोपन्यास-दर्पण-व्याख्या) प्र० टी० एन० रघुत्तमाचार्य, गीतोपन्यास-दर्पण आफिस, तिरुवादी, जि० तंजावूर सं०–१८४६ शक मू० १०)
		३—श्रीबालमुकुन्दजी लोहिया, कलकत्ता द्वारा प्राप्त—
१०	१	भ० गीता (मूल; हस्त०; देवनागरी)
११	*२	भ० गीता (बंगला) टी० श्रीसच्चिदानन्द ब्रह्मचारी, (स्वयंप्रकाश-भाष्य) स० श्रीसुबोधकुमार मुखर्जी, कलकत्ता सं०–१३२३ बं० मूल्य० २) पृष्ठ १८० (श्रीविश्वम्भरलाल शर्माकी पुस्तक)
		४—श्रीआनन्दरामजी जालान, कलकत्ता द्वारा प्राप्त—
१२	१	भ० गीता (लिपि-देवनागरी; केवल भाषा) ले०—स्वामी भिक्षुक, कनखल प्र० श्रीशिवदयालजी खेमका, सूतापट्टी, कलकत्ता मु० गोविन्द प्रेस, कलकत्ता, बिना मूल्य।
		५—श्रीगणपति वेदोपदेशक, कलकत्ता द्वारा प्राप्त—
१३	१	भ० गीता-भाष्यम् (देवनागरी-हिन्दी) टी० पं० भीमसेन शर्मा प्र० पं० रामदयाल शर्मा, मु० सरस्वती प्रेस, इटावा; मू०१॥)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		६-श्रीहनुमानप्रसादजी बागला, कलकत्ता द्वारा प्राप्त—
१४	१	भ० गीता (संस्कृत सं० २) टी० स्वा० शंकराचार्य-भाष्य (स्वामी शंकराचार्य-स्मारक-ग्रन्थमालाका बढ़िया, संस्करण) मु० वाणीविलास प्रेस, श्रीरङ्गम्; सं० १–
		*** ७—मिश्रित—**
१५	१	भ० गीता (हस्त०; मूल–देवनागरी; टीका–फारसी लिपि) करीब ४०० वर्ष पुरानी, सचित्र, सुनहरे रंगीन बेलबूटोंसे सुसज्जित; पता–पं० देवीप्रसाद मिश्र, राजज्योतिषी, जागीरदार मौजे नन्दावता, लालागली, जावरा (सी० आई०)
१६	२	भ० गीता (गुटका, मूल, हस्त०) सम्पूर्ण } पता—पं०रघुवरदयाल शर्मा;अहार (Ahar) बुलन्दशहर
१७	३	भ० गीता (गु०, मूल, हस्त०,) अन्तके कुछ पृष्ठ नहीं हैं }
१८	४	भ० गीता (मूल, सम्पूर्ण, हस्त० अंतरमें) फीता इंच२० × १ करीब, प्राचीन } पता-श्रीहरिबक्सजी सॉवलका ५ कन्नूलाल लेन, कलकत्ता
१९	५	भ० ,, (,, ,, ,, गुटका) }
२०	६	भ० ,, (,, ,, ,,) किसी अन्य व्यक्तिका }
२१	७	भ० गीता (मूल, सम्पूर्ण, हस्त०, गुटका) पता-पं०राधाकृष्णजी जोशी, नसीराबाद, राजपूताना।
२२	८	भ० गीता (लिपि-बंगला, सम्पूर्ण, मूल, हस्त०) जन्मपत्रीके रूपमें लपेटी हुई ले० श्रीताराप्रसन्न घोष, हेडमास्टर--एच०ई० स्कूल, पो० बैसारी, बाकरगंज।
२३	९	भ० गीता (मूल, गु०, हस्त०) पता-श्रीलच्छीरामजी खेतान, सेंट्रल एवेन्यू नोर्थ, कलकत्ता।
२४	१०	भ० गीता (हस्त०,मूल, सम्पूर्ण) अति छोटे चित्ररूपमें, ले० श्रीकाशीरामजी बजाज, कलकत्ता
२५	११	भ० गीता (हस्त०, सम्पूर्ण) दिवालपर लटकाने लायक चित्ररूपमें; पता–गुलाबरायजी बैजनाथ, ४नारायण-प्रसाद लेन, कलकत्ता मू०१००)
२६	१२	'अर्भक' पत्रके भ० गीताङ्क (वर्ष ३,४;अङ्क नं०६) (सचित्र, हस्त०) स० मुकुन्द मोरेश्वर बोर्ड ,अर्भक कार्या० पो० पेन, कोलाबा, बम्बई सं०१–१९२६, १९२७ ई०
२७	१३	गीतातत्त्व-वैजयन्ती (संस्कृत) } (हस्त०, गीता-निबन्ध) ले० पं० हनुमन्तराव धारवाडकर, गुलबुर्गा, (S.I.P.) (सं० १९८६ वि० गीता-जयन्ती-उत्सव-समिति, कलकत्तासे प्रथम पुरस्कार प्राप्त)
२८	१४	गीतासार-सुधा (मराठी) }
२९	१५	गीतातात्पर्य-सुधा (कनाडी) }
३०	१६	भ० गीता (हस्त०, खं०५, पृ० २०००) मि०ज्येष्ठ शु०१सं०१९७९ वि०से फाल्गुन कृ०१० सं०१९८२ वि० तक गोविन्द-भवन, कलकत्तामें प्रतिदिन कही हुई सम्पूर्ण गीताकी विशद् व्याख्या। श्रीविश्वेश्वरलाल चिड़ीपाल द्वारा लिखित, पता–मुकुन्दलाल एण्ड सन्स, ७ लायंस रेंज, कलकत्ता
३१	१७	भ० गीता (मूल, गु०, हस्त०) पता—पं० ऋषीकेश पाठक, नं०१ जगमोहन साह लेन, कलकत्ता।
३२	१८	भ० गीता (देव०, मूल, हस्त०, स्थूलाक्षर) पता–पं० विष्णु दिगम्बरजी गायनाचार्य, राम नाम आधार मण्डल, पंचवटी,नासिक।
३३	१९	भ० गीता (हस्त०)टी०सुन्दरभट्टी–संस्कृत टीका सं०१६०० वि०करीबकी लिखी } पता—स्वा०मनीषानन्द, बड़ागांव, पो० मिटोली–मथुरा (बाराबंकी)
३४	२०	भ० गीता (हस्त०, गु०, मूल) }

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३५	२१	भ० गीता (श्लोक और भाषाटीका,हस्त०) } १५० वर्षकी पुरानी; बाबू श्यामसुन्दरजी गुप्त पता-कृष्णप्रसाद कं०, कराची।
३६	२२	भ० गीता (दोहामें, हस्त०)
३७	२३	भ० गीता (देव०, हिन्दी, हस्त०) टी० आनन्दराम नाजर (१ दोहा २ भाषाटीका–परमानन्द प्रबोध) पता–पं० नरोत्तम व्यास, जोधपुर c/o पं० रूपराजजी, भजनाश्रम विद्यालय, बीकानेर, ले० स्वामी युगलदास सं० १८६६ वि० पृ० ६४
३८	२४	भ० गीता (हस्त०, पद्य) ले० ठाकुर सौंवरसिंहके पिता, पो० पिपरिया, नरसिंहपुर
३९	२५	भ० गीता (हस्त०, प्राचीन, बहुत सूक्ष्म) पता–मन्नुलाल पुस्तका०, गया (पुस्तकालय–पु० नं० ४०१)
४०	२६	भ० गीता (वजन ४ माशे, आकार ३ अङ्गुल चौड़े और एक गज लम्बे कागजपर हस्तलिखित, सचित्र, अन्तके ५० श्लोक नष्ट हैं) पता--श्रीवंशीधर बागला, लोहाई, फर्रुखाबाद।
४१	२७	भ० गीता (सिर्फ १२ तोला वजनके हस्त०, सम्पूर्ण महाभारतसे, जन्मपत्रीके रूपमें, कई चित्र, गज ७१॥ × इंच ३॥, एक इंचमें १५ लाइन, एक लाइनमें ६४ अक्षर करीब हैं)ले० काश्मीरी पं० लक्ष्मण नरनारायण पता-लाला हरचरणलाल, लोहाई, फर्रुखाबाद
४२	२८	भ० गीता (हस्त०) पता-लाला भवानीशंकर वैश्य, लोहाई, फर्रुखाबाद
४३	२९	भ० गीता (हस्त०; फारसी) टी० शेख अबुलफज़ल (अकबर-दरबारके कवि); सं० १५५५ वि०में लाला कुंवरसिंहद्वारा लिखित, पृ०२६ (बड़े साइज) पता—मालनीसदन-पुस्तकालय, काशी।
४४	३०	भ० गीता (हस्त०; फारसी) ले० नवरत्नकवि फैजी, पं० जानकीनाथ मदन द्वारा सं० १९२४ वि० फाल्गुन कृष्ण ३ को पं० बिहारीलाल साहब किचलू–तहसीलदार पेशावरकी हस्तलिखित पुस्तकसे नकल की गयी) भाग १ गद्य पृष्ठ ५०; भाग २ पद्य पृष्ठ ३२ पता– हिन्दू-सभा कार्यालय, दिल्ली।
* ४५	३१	भ० गीता(फारसी)टी० राय मूलचन्द डेरागाजीखां निवासी मु० कोहेनूर प्रेस,लाहोर सं० १८६४ ई० पृ० ९६
४६	३२	किताबुल हिन्द़ी (अरबी) ले० अलबेरूनी मियाँ (प्रसिद्ध भारतयात्री) (परिच्छेद दूसरेमें गीता अ० २ । ३ का विषय है) सं० १०३० ई०।
४७	३३	भ० गीता (गु०, मूल, हस्त०, सम्पूर्ण) पता-भिक्षु केशवानन्द, श्रीसूरतगिरिजीका बंगला, कनखल, सहारनपुर पृ० १३५
४८	३४	भ० (हस्त०) जावा टापूमें प्राप्त (ईसासे २००वर्ष पहिलेका ८०००श्लोकी महाभारत, भीष्मपर्व--गीता-प्रकरण-अन्तर्गत श्लो०१००या१२५ करीब)
४९	३५३६	भ० गीता–(दो प्राचीन टीका, काश्मीरमें प्राप्त) पता–श्री०एफ०ऑटो श्राडर, पी० एच० डी०, विद्यासागर, प्रो० कील युनि०, जर्मनी
५०	३७	भ० गीता (हस्त०, ३००वर्षकी प्राचीन) पता–मथुरा जिलेके एक ब्राह्मणके घरमें।
५१	३८	भ० गीता (देव०, हस्त०) टी० रसिकरंजिनी- टीका (श्रीवल्लभ-सम्प्रदायकी प्राचीन टीका)।
५२	३९	भ० गीता (मूल, गु०, हस्त०) प्रायः २०० वर्ष पुराना पता–रामजी अग्रवाल खजांची,पो०रसड़ा,बलिया
५३	४०	भ० गीता (हस्त०, प्राचीन) टी० कवि विश्वेश्वर, पता- महामहो० नित्यानन्द पन्त, काशी
५४	४१	गीतार्णव (हस्त०, मराठी) ले० वामनपंत (एकलाख पद्यमें अनुवाद) पता—मराठी ग्रन्थ संग्रहालय, थाना (बम्बई)

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण
५५	४२	भ० गीता (हस्त०, सचित्र, पुरानी) पता—बलदेवप्रसाद अग्राना, जिलेदार रामनगर पो० बघोली (हरदोई)
५६	४३	भ० गीता (हस्त०, हिन्दी पद्य) पता—बलदेवप्रसाद अग्राना, जिलेदार रामनगर पो० बघोली (हरदोई)
५७	४४	भ० गीता (हस्त०, बंगला) पं० हाराणचन्द्रजीके पितादारा लिखित सं०—१८०२ शक पता—पं० हाराणचन्द्र शास्त्री, मारवाड़ी संस्कृत पाठशाला, सकरकंद गली, काशी
५८	४५	भ० गीता(हस्त०)टी०अभिनव गुप्तपादाचार्य-टीका पता—डाक्टर बालकृष्ण कौल रायबहादुरका पुस्तकालय,लाहोर
५९	४६	भ० गीता (हस्त, ७००श्लोकी) टी० श्रीधर-टीका; सं० १५८५वि० में श्रीरिशु तिवारीद्वारा लिखित पता—काशीनरेशकी पुस्तकालय, काशी
६०	४७	भ० गीता(मूल,हस्त०) सं०१८०६ वि०में भोलानाथ कायस्थद्वारा, काशीमें लिखित पृ० ६७ पता—श्रीरामेश्वरलाल दुबेवाला, साहबगंज, गोरखपुर।
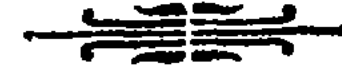
परिशिष्ट नं० २

निम्नलिखित गीता-सम्बन्धी साहित्य प्रकाशित होनेके लिये लिखा गया या लिखा जा रहा है:—

६१	१	भ० गीता (गुजराती) टी० महात्मा गाँधी, साबरमती, अहमदाबाद
६२	२	भ० गीता (अंगरेजी) ले० साधु टी० एल० वस्वानी (विस्तृत-व्याख्या) पता—Old Sukkur, Sind.
६३	३	भ० गीता (अंगरेजी) टी० आर० बी० लेखकर, फरीदाबाद, ढाका
६४	४	भ० गीता—प्रवचन-संग्रह पता—भगवद्गीता पाठशाला, इन्दौर।
६५	५	भ० गीता (एक प्राचीन काश्मीरी नं०) स० प्रो० एफ० ऑटो श्राडर पी० एच० डी०, विद्यासागर, कील यूनिवरसिटी, जर्मनी
६६	६	भ० गीता (उर्दू-पद्य) ले० डा० अब्दुल करीम, ३।५२ चेतगंज, काशी; सं० १५२४ ई० पृ०८०
६७	७	भ० गीता-उपनिषद्(लिपि-रोमन,भाषा-अंग्रेजी) पृ०२४० Text and Trans. पता—The Latent Light Culture, Tinnevelly.S.I.
६८	८	भ० गीता (अंग्रेजी) शंकर, रामानुज, माध्व, तीनों भाष्योंके विवेचनसहित पता—The Latent Light Culture, Tinnevelly.S.I.
६९	९	श्रीलघु भ० गीता (English Selections) ले० टी० वी० कृष्णस्वामी राव स० 'माध्वमुनिवास', पीरोज बिल्डिंग, माटुंगा, बम्बई।
७०	१०	भ० गीता (गुजराती) लेखक-ठक्कर धारसी सुन्दरजी आइया (विस्तृत-व्याख्या) पता-सेठ तीरथदास लुधिधाराम, १८० बम्बई बजार, कराची
७१	११	गीता-व्यास (गुजराती) प्र० चुन्नीलाल शामजी त्रिवेदी, मजिस्ट्रेट-खम्भात, भावनगर
७२	१२	गीता-व्यास-कर्मयोग (गुजराती) प्र० चुन्नीलाल शामजी त्रिवेदी, मजिस्ट्रेट-खम्भात, भावनगर
७३	१३	कर्म अने पुनर्जन्म (निबन्ध) (गुजराती) प्र० चुन्नीलाल शामजी त्रिवेदी, मजिस्ट्रेट-खम्भात, भावनगर
७४	१४	भ० गीता (मराठी; ६ भागोंमें बृहद्भाष्य) टी० पं० यादव प्रभाकर वटक, वकील, बी० ए०, एल एल० बी०, पता—बाबूलाल मेठिया, छिंदवाड़ा (सी० पी०) पृष्ठ ४००
७५	१५	शिशुबोध-गीता ले० एल०आर० गोखले, ४१६ नारायण पेठ, पूना

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७६	१६	भ० गीता (बंगानुवाद) पता-त्रिपुरचरणराय M. A., B. L. नं० १६ क्षेत्र मित्र लेन, सलकिया, हवड़ा
७७	१७	भ० गीता (संस्कृत) टी० हंसयोगी (केवल तृतीय भाग) } (संस्कृत) पता—शुद्ध-धर्म-मण्डल, भपेरी पोष्ट, मद्रास
७८	१८	आर्ष-गीता-सटीक (रामायणसे)
७९	१९	ब्रह्म-गीता ,, (४८ उपनिषदूसे)
८०	२०	श्रुति-गीता ,, (तैत्तिरीय आरण्यकसे)
८१	२१	शुक्र-गीता ,, (देवीभागवतसे)
८२	२२	भ० गीता-सुधाकर (संस्कृत, हिन्दी, अ०१८।६६की विस्तृत व्याख्या, आकार मूल गीतासे ६ गुना)सं०—१९८०वि० मे रचनारंभ } ले० पं० बाबूराम शुक्ल कवि, फर्रुखाबाद
८३	२३	भ० गीता (हिन्दी, आल्हाके तर्जपर पद्यानुवाद)
८४	२४	मुक्ति-मन्दिर(गीतापर २६२ हिन्दी-पद्य)ले० पं०रामचरित उपाध्याय,नवाबगंज,गाजीपुर सं० १९८५वि०
८५	२५	भ० गीता(लोकसंग्रह या योगसार)सं०-१९८१ वि०पृ०७०३ } ले० स्वा०भगवान पता—पं० हनुमानप्रसाद गयाप्रसाद भारद्वाज, तरौंहा, करवी, बांदा
८६	२६	गीता-भाष्य (हिन्दी) सं०-१९८६ वि० पृ० ११००
८७	२७	गीता-हृदय (हिन्दी) ले०—स्वामी सहजानन्द सरस्वती, श्रीसीतारामाश्रम, बिहटा (पटना) लगभग १२०० पृष्ठका ग्रन्थ होगा।
८८	२८	भ० गीता (हिन्दी) टी० पं० जगदम्बाप्रसाद मिश्र 'हितैषी' (गद्य पद्य अभिनव व्याख्या सहित)चौक,कानपुर
८९	२९	भ० गीता (संगीत-पद्यानुवाद, हिन्दी) ले० पं० मदनमोहन शर्मा, गीता-कीर्तनकार, मथुरा
९०	३०	भ० गीता (स्वामी नारायणकृत टीकाकी बृहद् समालोचना) } ले०—पं० वैद्यनाथ मिश्र, 'विह्वल' ६५१ हुसेनगंज, लखनऊ
९१	३१	भ० गीता (हिन्दी, पद्य)
९२	३२	भ० गीता (हिन्दी, पद्य) ले० आशाभाई पटेल, सन्तराम मन्दिर, नडियाद।
९३	३३	गीतामें भक्तियोग (अ०१२ वां)ले०-श्रीवियोगी हरि पता—मोहन निवास, पन्ना।
९४	३४	श्रीकृष्णोपदेशामृतम् (हिन्दी) टी० एम० वाई० सनम्. एच० एस० बी०, एफ० टी० एस० आदि. पता—श्रीकृष्ण-पुस्तकालय, नसीराबाद।
९५	३५	भ० गीता (हिन्दी, अनन्य-भक्तिवर्द्धिनी टीका) टी० पं० गोपालप्रसाद शर्मा,रैसलपुर, होसंगाबाद,(सी० पी०)
९६	३६	भ० गीता (हिन्दी) ले०-पं० शालिग्रामजी वैष्णव,पता—शान्तिसदन,कर्णप्रयाग (गढ़वाल) सं०—१९८५वि० पृष्ठ ४५५।
९७	३७	त्रिपथगा-गीता ले० स्वामी तुलसीरामजी, एम० ए०,गीता-प्रचारक, गणेशगंज, लखनऊ।
९८	३८	भ० गीता-भजनमाला (ज्ञानेश्वरीके आधारपर ४०० पद्य-संगीत) ले० पं० वासुदेव हरलाल व्यास नन्दलालपुरा, रेशमवाला लेन, इन्दौर
९९	३९	भ० गीता (हिन्दी पद्यमें, पृ० ९०) } ले०—मुंशी रामचरणलाल, चीफ रेवेन्यू आफिसर, बांसवाड़ा, राजपूताना
१००	४०	भ० गीता (उर्दू-पद्यमें, पृ० ९०)
१०१	४१	भ० गीता (हिन्दी, पद्य) ले०—मास्टर मोहनलाल, पता—जगन्नाथप्रसाद व्यास, उंचाद,अकोदिया (भूपाल) सं०—१९७९ वि० पृष्ठ २६०।
१०२	४२	भ० गीता (पद्य,हिन्दी)ले०-निहालसिंह अध्यापक-महाविद्यालय, ज्वालापुर।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१०३	४३	भ० गीता-तत्त्वप्रकाश (हिन्दी) ले०—पं० प्रयागनारायणाचार्य. पता-पं० कालीचरण वैद्य, मस्कासाह इतवार चौक, नागपुर।
१०४	४४	भ० गीता (हिन्दी, पद्य) ले०—श्रीजगन्नाथप्रसादजी सर्राफ, कानपुर।
१०५	४५	भ० गीता (हिन्दी, पद्य) ले०—श्रीरामचन्द्र महेश्वरी, हाथरस।
१०६	४६	भ० गीता (हिन्दी, तत्त्वदीपिका-टीका) ले०—वैद्यभूषण नाथूरामजी शालिग्राम, सोमवारिया बाजार, शाजापुर, मालवा पृ० ५५०
१०७	४७	भ० गीता (हिन्दी, ७०० दोहे) ले० श्रीकृष्णलाल गुप्त, दाऊदनगर।
१०८	४८	भ० गीता (पद्य) पता- भगवद्भक्ति-आश्रम, रेवाड़ी।
१०९	४९	संगीत-गीतामृत (हिन्दी, ११४ पद्य) } ले० आर० के० खेर, पो० गुरसराय, झाँसी
११०	४०	गीतामृत (हिन्दी, अनुष्टुपश्लोकी)
१११	५१	बालगीता (मराठी)
११२	५२	संगीत भ० गीता (English. In Oriental tune.)
११३	५३	भ० गीता (तामिल) ले०—एम० आर० जम्बूनाथ, पता—तामिल आर्य्य सभा, लोहार स्ट्रीट, कालबादेवी, बम्बई
११४	५४	भ० गीता (अंगरेजी) ले०- पं० सुरेन्द्रनाथ शुक्ल 'शुक्राचार्य', लखनऊ
११५	५५	The Gita Idea of God. (अंगरेजी) टी० गीतानन्द ब्रह्मचारी, पता—बी० जी० पाल कं०, मदरास मू० ४)
११६	५६	भ० गीताङ्कका अंग्रेजी अनुवाद प्र० 'कल्याण' कार्या०, गोरखपुर
११७	५७	भ० गीता—शांकरभाष्यका शब्दशः हिन्दी-अनुवाद अ० श्रीहरिकृष्णदासजी गोयन्दका, बाँकुड़ा प्र० गीता प्रेस, गोरखपुर
११८	५८	भ० गीता—मराठी अनुवाद } प्र० गीता प्रेस, गोरखपुर
११९	५९	भ० गीता—गुजराती अनुवाद (छप रहा है)
१२०	६०	सात्विक-जीवन (हिन्दी-निबन्ध) प्र० श्रीरामगोपालजी मोहता, बीकानेर (छप रहा है)
१२१	६१	कर्मनी गहन गति (गुजराती) ले० श्रीअरविन्द पता—युगान्तर कार्या०, सूरत (छप रही है)
१२२	६२	भ० गीता (तेलगू) ले०—लो० तिलक, (मराठी), अ० श्रीनूरीसुब्रह्मण्य शास्त्री प्र० बी० रामस्वामी शास्त्री, २९२ इस्प्लेनेड, मदरास (छप रही है)

ॐ

परिशिष्ट नं० २

निम्नलिखित गीता-सम्बन्धी साहित्य संसारकी भिन्न भिन्न पुस्तकालयोंमें रक्खा हुआ है। गीता-पुस्तकालयमें संगृहीत ग्रन्थोंके अतिरिक्त ग्रन्थोंकी ही सूची नीचे दी जा रही है। प्रायः ये ग्रन्थ अभी हमें नहीं मिले हैं। गीता-प्रेमी सज्जनोंसे निवेदन है कि वे इन ग्रन्थोंको खोज करके गीता-पुस्तकालयके ग्रन्थ-संग्रहमें भेजनेकी चेष्टा करें।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		1. The British Museum Library.
		(A.) Catlogue of Sans. Printed books in the B. M. 1876.
		महाभारत (II) संस्कृत--उपाख्यान
१२३	१	भ० गीता-पंचरत्न सं०-१८५७-५८ ई० बम्बई
		महाभारत (III)
१२४	२	भ० गीता स० बाबाराम, खिदरपुर सं०-१८६९ ई०
१२५	३	भ० गीता (संस्कृत और बङ्गला--टीका) सं०-१८४१ ई० कलकत्ता
१२६	४	भ० गीता (संस्कृत; भूमिकासहित) सं०-१८५७ ई० काशी
१२७	५	भ० गीता स० दासपुर वेङ्कट सुब्बा शास्त्री सं०-१८५८ ई० मद्रास
१२८	६	भ० गीता (संस्कृत) सं०-१८६२ ई० मेरठ
१२९	७	भ० गीता (,,) सं०-१८६४ ई० बम्बई
१३०	८	भ० गीता (,,) सं०-१८६९ ई० रत्नगिरि
१३१	९	भ० गीता टी० १ सुबोधिनी २ गौरीशंकर तर्कवागीश (बङ्गानु०) सं०-१८३५ ई० कलकत्ता
१३२	१०	भ० गीता टी० १ सुबोधिनी २ एम. शर्मन (बङ्गानु०) सं०-१८६७ ई० कल०
१३३	११	भ० गीता टी० शांकर-भाष्य स०-एन. बी. सुब्बा शास्त्री सं०-१८७१ ई० मद्रास
१३४	१२	भ० गीता टी० रामानुज-भाष्य स० असुरी(आदि सुरी) सरस्वती तिरु वेङ्कटाचार्य्य सं०-१८७२ ई० मद्रास
१३५	१३	भ० गीता टी० गुजराती-भाषान्तर सं० १८६० ई० करीब, बम्बई
१३६	१४	भ० गीता (तेलगू) टी० रामचन्द्र, प० सरस्वती (पयोजनी-टीका) सं०-१८६१ ई० मद्रास
१३७	१५	भ० गीता (संस्कृत, कनाड़ी) टी० रामकृष्ण सुरी (कनाड़ी टी०) सं०-१८६८ ई० बङ्गलोर
१३८	१६	भ० गीता (फ्रेञ्च) स० M. Parraud. सं०-१८७७ ई० पेरिस
१३९	१७	भ० गीता (जर्मन) स० Peiper. स०-१८३४ ई० लिपजिग, जर्मनी
१४०	१८	भ० गीता (जर्मन) स० F. Lorinser. सं०-१८६९ ई० ब्रसलो
१४१	१९	भ० गीता (जर्मन) स० R. Boxberger. सं०-१८७० ई० बर्लिन
१४२	२०	भ० गीता (ग्रीक) स० D. Galanos. Pub. Thespesion Melos. सं० १८४८ ई० एथेन्स
१४३	२१	भ० गीता (इटालियन) स० S. Gatti. सं०-१८५९ ई० नेपल्स।

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
		(B.) Cat. of Sans. books in the B.M. Supplement. 1877—1892
		महाभारत (II)
१४४	२२	म० गीता-पंचरत्न (संस्कृत) सं०-१८७३ ई० बम्बई
१४५	२३	म० गीता-(संस्कृत, माहात्म्यसहित) सं०-१८७९ ई० बम्बई
१४६	२४	म० गीता-(तेलगू) स० C.B.Brown (श्लीगलके सन् १८२३ के संस्करणके अनुसार) सं०-१८४२ ई० मद्रास
१४७	२५	म० गीता टी० शांकरभाष्य स० कल्यानम् कुप्पूस्वामी शास्त्री सं० १८६५ ई० (q.y.) मद्रास
१४८	२६	म० गीता सं०-१८७४ ई० (q.y.) लखनऊ
१४९	२७	म० गीता सं०-१८७५ ई० (q.y.) दिल्ली
१५०	२८	म० गीतोपनिषद् सं०-१८७६ ई० मद्रास
१५१	२९	उपनिषद्-वाक्य-कोष (A Concordance to the Principal उपनिषद् और म० गीता) by G.A. Jacob. Bombay Sans.Series No 39; Dept. of Public Instruction, Bombay; सं०-१८९१ ई० बम्बई
१५२	३०	म० गीता (पहाड़ी भाषानुवाद) सं०-१८७८ ई० बम्बई
१५३	३१	म० गीता सं०-१८८० ई० (q.y.) बम्बई
१५४	३२	म० गीता टी० श्रीधरस्वामी-टीका स० रामेश्वर तर्कालङ्कार सं०-१८७१ ई० कलकत्ता
१५५	३३	म० गीता टी० वी० वन्द्योपाध्याय (बङ्गानु०) सं०-१८७९ ई० कल०
१५६	३४	म० गीता (संस्कृत और अंग्रेजी: भाग १) स० गोस्वामी सं०-१८८९ ई० कल०
१५७	३५	म० गीता (गुजराती) टी० गट्टूलाल घनश्यामजी (गुजराती-पद्यानुवाद) सं०-१८९० ई० बम्बई (विषयमाला नं०६ स० 'आर्य समुदय ", बम्बई)
१५८	३६	म० गीता (संस्कृत; हिन्दी; टी०२: केवल ७ भाग)—टी० ज्वालाप्रसाद भार्गव-सद्धर्मामृतवैषिणी सं०-१८७८ई० आगरा
१५९	३७	म० गीता (हिन्दी) टी० ज्ञानदास सं० १८[illegible] ई० बनारस
१६०	३८	म० गीता (मराठी) टी० ज्ञानदेव-मराठी पद्यानु०, सं०-१८७४ ई० बम्बई (ज्ञानेश-आत्मज शंकरद्वारा संगृहीत शब्दकोष सहित)
१६१	३९	म० गीता (मराठी) टी०ज्ञानेश्वर सं०-१८७७ई० पूना (रावजी एम० गोपडकेकरद्वारा संगृहीत शब्दकोष सहित)
१६२	४०	म० गीता (अंग्रेजी; तामिल) by H. Bower. सं०-१८८९ई० मद्रास
		(C.) Supplementary Cat. of Sans. books in the B. M. 1892--1906.
		Mahabharat.- Abdrigments & Selections.
१६३	४१	म० गीता टी०श्रीयादवेन्द्र (कृष्णतोषिणी-टीका)सं०- १८९१ई० कुंभकोणम्।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१६४	४२	भ० गीता टी० पं०वामन-पद्यानु० (वामन ग्रन्थमाला भाग १,२,४)
१६५	४३	भ० गीता टी० १ श्रीधर स्वामी टीका २ हेमचन्द्र विद्यारत्न बङ्गानुवाद सं०-१८९५ ई० कल०
१६६	४४	भ० गीतेवरिल अभंग (मराठी पद्यानुवाद) टी० ठाकुरदास सं०-१८६७ई०
१६७	४५	भ० गीता (संस्कृत; हिन्दी) टी० पं० भीमसेन शर्मा सं०-१८६७ ई० इटावा
१६८	४६	भ० गीता (हिन्दी; फारसी) टी०लक्ष्मीनारायण सं०-१८६८ ई० आगरा
१६९	४७	गीतार्थसार (कनाड़ी; शांकर-भाष्यानुवाद; भाग ३) टी० वेङ्कटाचार्य तुप्पलु सं०- १८९८-१९०१ई० बंगलोर
१७०	४८	भ० गीता (तामिल) स०A.S.तानाचार्य औरK.R. नायडू सं०-१८६९ ई० मद्रास (देवनागरी और तामिल दोनों लिपिमें मूल श्लोक)
१७१	४९	भ० गीता (तेलगू) शंकर-मतानुयायी टीका सं० २-१९०० ई० मद्रास
१७२	५०	भ० गीता (तामिल) सं०-१९०० ई० मद्रास
१७३	५१	भ० गीता (तेलगू) टी० वेङ्कट प्रसन्नाभि स्वामी सं०-१९०१ ई० मद्रास
१७४	५२	सप्तश्लोकी गीता (गुजराती) स० मोतीचन्द कपूरचन्द गांधी ? सं०-१८९८ ई० बम्बई
१७५	५३	भ० गीता-शांकरभाष्यका अंग्रेजी अनुवाद स० एम० सी० मुकर्जी सं०-१९०२ ई० कलकत्ता
१७६	५४	भ० गीता-सारबोधिनी (अंग्रेजी) स० ब्रह्म श्री एम० योगी आर० शिवशंकर पांड्याजी सं० २-१८६७ ई० मद्रास (No. 15 of the Edtitor's Hindi Excelsior Series.)
१७७	५५	भ० गीता-(अङ्गरेजी. Vol. II. Secred books of the East. Pub. Christian Literature Society, London. 1898.
		Appendix.
१७८	५६	See भ० गीता (तामिल टीका) टी० बालसुब्रह्मण्य० सं० १९०० ई० मदूरा
१७९	५७	See कृष्णानन्द सरस्वती ; गीतासारोद्धार-व्याख्या (श्लो० ६२) सं०-१८६२ ई०
१८०	५८	See कृष्णानन्द सरस्वती ; सङ्गीतसूत्रके सहित कैवल्यगाथा अर्थात भ० गीता-व्याख्या सं०-१९०३ ई०
१८१	५९	See नारायण गजपतिराव गोडे, भ० गीता-पदसूचिकादिसह सं०-१८६६ ई०
		(D.) Cat. of English printed books in B. M. 1891.
१८२	६०	The Philosophy of Spirit-illustrated by a new version of Bh. G. by W. Oxley. Glasgow 1881.
		(E.) Cat. of English printed books in B. M.Supplement. 1903.
१८३	६१	भ० गी० (संस्कृत ; अंग्रेजी ; भाग १) स० के० पी० दत्त सं०- १८८९ ई० कलकत्ता (in Progress)
१८४	६२	भ० गीता--The Divine Ode. टी० प्रमदादास मित्र पता-फ्री मैन कम्पनी. काशी सं-०१८६६ ई०
१८५	६३	भ० गीता by J. Murdoch of Madras. (Krishna as described in......the Maha-

क्रम सं०	पु०सं०	विवरण
		bharat, especially the Bh.G. etc. Ed.-1894.
१८६	६४	भ० गीता See M. Philps. The Bh. G. Its doctrines stated and refuted. Ed.-1893.
		(F.) Cat. of Marathi & Gujrati books in B. M. 1892. & Sup. Cat. 1915.
		※ भ०गीता–मराठी भाषा ※
१८७	६५	भ० गीता–पञ्चरत्न सं०–१८४७ ई० बम्बई
१८८	६६	भ० गीता–पञ्चरत्न प्राकृत सं०–१८६२ ई० बम्बई
१८९	६७	अर्जुन गीता सं०–१८८० ई० पूना
१९०	६८	भ० गीतेंचें सार सं०–१८४० ई०
१९१	६९	गीता–भावचन्द्रिका टी० बालजी सुन्दरजी सं०–१८४१ ई० बम्बई
१९२	७०	भ० गीता पञ्चरत्न टी० रङ्गनाथ स्वामी मोगरेकर (मराठी-पद्यानुवाद) सं०–१९०६ ई० बम्बई
१९३	७१	भ० गीता ज्ञानेश्वरी (भावार्थदीपिका) स० तुकाराम टात्या सं०–१८९७ ई० बम्बई
१९४	७२	भ० गीता ज्ञानेश्वरी–सार्थ वा सटीप स० कृष्णाजी नारायण आठल्ये,नेम्भूकर सं०३–१९१० ई० बम्बई
		Appendix.
१९५	७३	गीतामाधुरी See बलवन्तरावजी पाटिल (दो मराठी-पद्यानुवाद) सं०–१९०६ ई०
१९६	७४	गीतार्णव ले० दासोपन्त See दासोपन्त (मराठी-पद्यानु०;अ०१,२,१२,१३ अपूर्ण) सं०–१९०६-७ ई०
१९७	७५	भ० गीता–ज्ञानेश्वरी टी० ज्ञानेश्वर (मराठी प्राचीन टीका) सं०–१८९० ई० बम्बई म० २)
		※ भ०गीता-गुजराती भाषा ※
१९८	७६	भ० गीता (गुजराती अनुवाद) सं०–१८९० ई० बम्बई
१९९	७७	भ० गीतानु सुधा —गुजराती भाषान्तर सं०–१८९० ई० अहमदाबाद
२००	७८	भ० गीता -शांकरभाष्यानु० टी० स्वा० आत्मानन्द सरस्वती स० १९१० ई० अहमदाबाद
२०१	७९	भ० गीता–गूढार्थदीपिका टी० स्वामी चिद्घनानन्दगिरि स० छोटालाल चन्द्रशंकर शास्त्री सं०–१९१० ई० बम्बई
२०२	८०	सप्तश्लोकी गीता– गुजराती अनुवाद सं० १८९८ ई०
२०३	८१	गीता स० मोतीचन्द कपूरचन्द गांधी ? (स्कन्दपुराण —सुदामा माहात्म्यान्तर्गत)
		G.) Sup. Cat. of Hindi books in B. M. 1913.
२०४	८२	भ० गीता–हिन्दी भाषा
२०५	८३	भ० गीता–मुमुक्षु भाष्य टी० मुन्शी कुन्दनलाल (१ हिन्दी गद्यानु० २ उर्दू पद्यानु०) सं०–१९०५ ई०, अजमेर
२०६	८४	भ० गीता–माहात्म्य सहित (फारसी लिपिमें हिन्दी अनुवाद) सं०–१९०५ ई०, होशियारपुर
२०७	८५	भ० गीता–भाष्योपेता टी० १ ज्ञानामृत-हिन्दी टीका २ हनुमान प्रसाद- हिन्दी अनुवाद, प्र० मु० पं० भीमसेन शर्मा, इटावा सं०–१९०८ ई०

क्रमसं०	पृ० सं०	विवरण
२०८	८६	सार गीता सं० १९०६ ई० लाहौर
		(H.) Cat. of Hindi, Panjabi, Sindhi and Pushtu books in B.M. 1894.
२०९	८७	गीतार्थ--बोधिनी टी० तुलसीदास (हिन्दी पद्यानु०) सं०–१८६१ ई० बम्बई
२१०	८८	भ० गीता टी० श्यामसुंदरलाल भटनागर (हिन्दी शब्दार्थ और व्याख्या सहित) सं० १८७८ ई० बनारस
२११	८९	श्रीकृष्ण रत्नावली-भ० गीताका पद्यानु० सं०–१८६७ ई० कलकत्ता
२१२	९०	गीता टी० केशवदास (हिन्दी अनुवाद : अ० मुन्शी अजलाल (फ़ारसी लिपिमें) सं० –१८७२ ई० लाहौर
२१३	९१	भ० गीता–गुरुमुखी भाषानुवाद (केवल १८वाँ अध्याय) सं०–१८७३ ई० लाहौर
२१४	९२	भ० गीता टी० भजनदास (हिन्दी पद्यानु०) सं०–१८७५ ई० बम्बई
२१५	९३	भ० गीता (गुरुमुखी-लिपिमें अनुवाद) सं०–१८७७ ई० लाहौर
		(I.) Cat. of the Hindustani books in B. M. 1889-1908.
२१६	९४	भ० गीता टी० मुन्शी लोग्न्दाराम सं०–१८९६ ई० लाहौर पृ० १६०
२१७	९५	भ० गीता टी० रामप्रसाद सं०-१८९६ ई० मेरठ
२१८	९६	गीतासार ले० देवीसहाय सं०–१८७६ ई० स्यालकोट पृ० ३२ (ज़खीराह इ रफ़ाह इ अम्म सिरीज)
२१९	९७	श्रीकृष्ण गीता टी० रामभरोस सं०–१८७७ ई० स्यालकोट पृ० ३६
		(J. Cat. of Bengali books in B. M. 1886. and 1886-1910.
२२०	९८	भ० गीता-बङ्गला पद्यानुवाद सं०–१८४१ ई० कलकत्ता
२२१	९९	भ० गीता टी० मथुरानाथ तर्करत्न (बङ्गानु०) सं०–१८६७ ई० कल०
२२२	१००	भ० गीता टी० बैकुण्ठनाथ बन्धो० (बङ्गला पद्यानु०) सं०–१८७४ ई० कल०
२२३	१०१	भ० गीता टी० व्रजवल्लभ विद्यारत्न गोस्वामी (श्रीधर–टीकानु०) सं० २–१८८० ई० कल०
२२४	१०२	भ० गीता टी० भुवनचन्द्र वैशाक (बङ्गला पद्यानुवाद) सं०-१८७८ ई० कल०
२२५	१०३	भ० गीता टी० बङ्किमचन्द्र चट्टो० और दामोदर विद्यारत्न (बङ्गानु०) सं०–१८६७ ई०
२२६	१०४	भ० गीता–बङ्गानुवाद सं०–१९०४ ई० (भागवत-पुराण: कृष्णलीला)
२२७	१०५	पद्य--गीता ले०–हरिगोपाल वसु (बङ्गला पद्यानु०) (See-Periodical Publication. Calcutta. Sahity-Sanhita.) सं०–१९०० ई० आदि
२२८	१०६	गीता–काव्य टी० मैंवाखिनी देवी (बङ्ग-पद्यानु०) सं०–१९०१ ई० कल०
२२९	१०७	भ० गीता–नवपियूषप्रवाहभाष्य (मूल, हिन्दी, उर्दू, फारसी, बंगला और अंग्रेजी टीकासहित) स० पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र सं०१–१९०५ ई० काशी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		(K) Cat. of the Telugu books in B.M. 1912.
		* भ०गीता—तेलगु भाषा *
२३०	१०८	भ० गीता-हरिसूक्ति-तरङ्गिणी (तेलगु-पद्यानुवाद) सं०-१८६७ ई० विजगापट्टम्
२३१	१०९	भ० गीता या गीतालु ले०-वेमूगन्टीदत्तोजी (तेलगु-पद्यानु०) स० एम० भूचैय्या, मदरास सं० १८६१ ई०
२३२	११०	भ० गीता टी० बालसुब्रह्मण्य ब्रह्मस्वामी शंकर मतानुयायी तेलगु-टीका (Styled-गूढार्थदीपिका) सं०२-१९०० ई० मदरास
२३३	१११	भ० गीता टी० बालसुब्रह्मण्य० (रहस्यार्थबोधिनी) सं०-१९०० ई० मदरास
२३४	११२	भ० गीता-गर्भितभावबोधिनी टी० कोका वेङ्कट रामानुज नायडू स० नेलजुनला शिवराम शास्त्री, मदरास सं०-१९०२ ई०
२३५	११३	भ० गीता (वराहपुराणोक्त माहात्म्यसहित) टी० वेङ्कटप्रसन्न स्वामी (तेलगू-अनु०) (Styled-तात्पर्यसंग्रहम्) सं०-१९०५ ई० मदरास
२३६	११४	भ० गीता-माहात्म्यसहित टी० एम० सुब्बाराव, मदरास (Styled-तात्पर्यसंग्रहम्) सं०-१९०८ ई०
२३७	११५	भ० गीता-भाष्यत्रयसार टी० श्रीनिवास जगन्नाथ स्वामी (१-शंकर, २-रामानुज, ३-माध्व,-भाष्यानुयायी टीका) सं० २-१९०९ ई० विजगापट्टम्
२३८	११६	भ० गीता-संस्कृत, अंग्रेजी, तेलगुमें शंकरभाष्यसहित सं०-१९०१ ई० मदरास (See गोपाल शास्त्री-कृत ज्ञानलहरी)

2. Central Library, Baroda.

Cat. of the Marathi books. 1917--24.

भ०गीता-मराठी भाषा

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२३९	१	गीताधर्म ले०- वाई० वी० कोल्हाटकर सं०-१९१६ ई० पूना
२४०	२	भ० गीता-मुक्तेश्वरी ले०- एन० वी० नूनार्जी, बम्बई
२४१	३	सुगम गीता ले०- वी० वी० तिलक सं०-१९२० ई० पूना
२४२	४	भ० गीता टी० माध्वाचार्य सं०-१९१५ ई० खानापुर
२४३	५	भ० गीता-अभङ्ग ले०- के० एस० गोखले सं०-१८३० शक, बम्बई
२४४	६	गीता पदार्थशासन कोष-ले० सदाशिव धोन्दो ताम्बे सं० -१९१० ई० रत्नागिरि
२४५	७	भ० गीता--भजनप्रभाती ले० दत्तात्रेय सं०-१८८८ ई० बड़ोदा
२४६	८	भ० गीता--ज्ञानेश्वरीरहस्य ले०-एन० एच० भागवत सं०-१८१८ शक, बम्बई

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण

3. THE BH. G. FROM THE NOTICES OF SANS. MSS. BY RAJENDRALAL MITRA. CALCUTTA.

From—Vol. I.—1871.

क्रम सं०	पु० सं०	Cat. No.
२४७	१	१८९-उत्तर-गीता-भाष्यम् (अध्यात्म, नवीन परिशोधित, देवनागरी-लिपि, देशी कागज, पृ०३१, पंक्ति ९से११, श्लो० ६००) टी० गौड़पादाचार्य्य। काल—? पता-एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता
२४८	२	३०३-सिद्धान्त-गीता (अध्यात्म, अध्याय ८, श्रीकृष्णार्जुन-संवादरूपा अथर्ववेदरहस्यान्तर्गता, नवीन, परिशुद्ध, विलायती काग़ज़, लिपि-बंगला, पृ० ९, पंक्ति ७-२२, श्लो० २१००) ग्रन्थकार—? शकाब्द १७८१ पता-बर्द्धमान राजसभा पं० ताकनाथ तर्करत्न, वंशीबाटी (हुगली)
२४९	३	४४०-भगवती-गीता (तन्त्र, प्राचीन, शुद्ध, तुलट 'पीला' काग़ज़, लिपि-बंगला, पृ० १० पंक्ति ९-१०, श्लो० ७८) ग्रन्थ० -? काल—? पता- इण्डिया गवर्नमेन्ट
२५०	४	४४२-गुरु गीता (तन्त्र, रुद्रयामलतन्त्रान्तर्गता, प्रायः शुद्ध, प्राचीन, तुलट काग़ज़, बंगला लिपि, पृ० ६, पंक्ति ७-१०, श्लो० १२२) ग्रन्थ०—? काल ?-पता- इण्डिया गवर्नमेन्ट
२५१	५	४५४-ईश्वर-गीता-उपनिषद् (अध्यात्म, कूर्मपुराणान्तर्गता, प्रायः परिशुद्ध, प्राचीन, देशी काग़ज़, अध्याय ९, लिपि-बंगला, पृ०१४, पंक्ति ८, श्लो०४४२ ग्रन्थ०-व्यास, काल-१७८३ शक, पता-इण्डिया गवर्नमेन्ट।

FROM-OTHER VOLUMES.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२५२	६	११९० भ०-गीता (मूलसहित) टी० अमृततरङ्गिणी
२५३	७	११[illegible]१-भ० गीता (समूल) टी० तत्वदीपिका
२५४	८	११२२, ११२३, ११२४ - भ० गीता (समूल ,खं० ३) टी० पं० कल्याणभट्ट-रसिकरञ्जिनी
२५५	९	६५३, ६८१, ७७६ - भ० गीता टी० शंकरानन्द सरस्वती-तात्पर्यबोधिनी
२५६	१०	१५६६-गीता-प्रदीप
२५७	११	२६५६-गीतामाहात्म्य
२५८	१२	१२६१-गीतामाहात्म्य (वराहपुराणीय)
२५९	१३	१३२३-गीतार्थ-विवरण टी० विट्ठलेश्वर
२६०	१४	१२८०-गीतावली टीका
२६१	१५	२७४६-गीता-सार
२६२	१६	१६१०-गीता-सारार्थ-संग्रह
२६३	१७	२७४६-गुरु-गीता
२६४	१८	२१०८, २४६४, १८२९ - भ० गीता

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२६५	१६	६०८–भ० गीता टी० श्रीहनुमत्–पैशाच भाष्य
२६६	२०	८५०–भ० गीता–टीका
२६७	२१	४५४–भ० गीता अ० १ से १२ तक टी० गूढार्थदीपिका
२६८	२२	६२९–भ० गीता टी० विश्वेश्वर सरस्वतीका शिष्य–गूढार्थदीपिका
२६९	२३	८४५ भ० गीता (समूल) टी० हरियश
२७०	२४	२७४६ भ० गीता सार (स्कन्दपुराणीय)

4 CAT. OF SANS. AND PRAKRIT MASS IN C. P. AND BERAR.

By Rai Bahadur Hiralal B A. Nagpur-1926.

		Cat. No.
२७१	१	३४६८–भ० गीता टी० तात्पर्य-निर्णय
२७२	२	३४९९, ३५०० भ० गीता-पञ्चरत्न
२७३	३	३५०२–भ० गीता–सभाष्य
२७४	४	३५०३–भ० गीता माला
२७५	५	३५०६–भ० गीता टी० श्रीधर
२७६	६	३५०७, ३५०८–भ० गीता टी० परमानन्दसुत श्रीधर-सुबोधिनी
२७७	७	१३८१–गीता-गुटिका
२७८	८	१३८४–गीता-पञ्चरत्न
२७९	९	१३८९–गीता टी० ब्रह्मानन्द स्वामी–पदबोधिनी
२८०	१०	१३९५-गीतामाला
२८१	११	१४०१–गीतामृत
२८२	१२	१४०२–गीतामृततरङ्गिणी
२८३	१३	१४०३–गीतावली
२८४	१४	१४०४–गीताव्याख्या
२८५	१५	१४१२, १४१३–गीतासार ले० जानकीदास
२८६	१६	१४१४-गीता टी० श्रीधर स्वामी-सुबोधिनी

५ गीता–हस्तलिखित * कवीन्द्राचार्य–सूची (गैकवाड़ ओरियंटल सिरीज, बरोडा)

(१७ वीं सदीका सर्वविद्यानिधान कवीन्द्राचार्य सरस्वतीका ग्रन्थसंग्रह, वेदान्तीका बाग, वरुणातट, काशी)

		सूची नं०
२८७	१	२३९–गीताभाष्य–सटीक मतत्रयका
२८८	२	२६५-गीता–मधुसूदनी

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
२८६	३	२६६–गीता–श्रीधरी
२९०	४	२६७– ,, –सुबोधिनी
२९१	५	२९९–गीतार्थप्रकाश
२९२	६	३०४–ब्रह्मगीता
२९३	७	३१३–…गीता
२९४	८	३२७–कपिल गीता
२९५	९	१३९७–चतुर्धर कृत मन्त्रभारत (अन्तर्गता गीता)
२९६	१०	१४०३–भारत-काशीनाथ शेषाचे घरचें (अन्तर्गता गीता)
२९७	११	१४०४–भारत-तात्पर्यनिर्णय (,, ,,)
२९८	१२	१४०५–भारत टी० लक्षाभरण (,, ,,)
२९९	१३	१४०६–भारत टी० मिश्र (,, ,,)
३००	१४	१४०७ भारत टी० चतुर्धर (,, ,,)

6. Asiatic Society of Bengal. 1, Park St. Calcutta.

(A) Cat. of Printed and Mss. books in Sans. belonging to The Oriental Library of A. S. B. Cal. 1903.

		Cat. no.
३०१	१	I. B. 81. गीता-माहात्म्य (लिपि देवनागरी) स्कन्दपुराणीय ।
३०२	२	III. E. 214.–गीता-माहात्म्य (,, ,,) पद्मपुराणीय ।
३०३	३	III. F. 178.–गीतावली (पद्य)
३०४	४	III. E. 222–भ० गीता (लिपि-देव०) टी महाराष्ट्रीय–टीका
३०५	५	I. B. 78.–भ०गीता-सार पद्यावली टी० भावप्रकाश
३०६	६	I. B. 77.–भ०गीतार्थ सार-संग्रह (लिपि–देव०) ले०–नरहरि शर्मा कवि (पद्यानुवाद)
३०७	७	I G. 18.–भ०गीता (,, ,,) टी० शंकर-भाष्य
३०८	८	III. C 12 भ०गीता (,, ,,) टी० १ शंकर-भाष्य २ आनन्दगिरि-टीका
३०९	९	I. A. 35. भ०गीता … … टी० ,, ,,
३१०	१०	III. B. 3. भ०गीता (,, ,,) टी० मधुसूदन-टीका
३११	११	B. no.46.–भ०गीता-पद्यानुवाद (लिपि-बंगला)
३१२	१२	I. D. 57.–भ०गीता टी० श्रीहनुमत्-भाष्य
३१३	१३	I. D 9.–भ०गीता–मूल (लिपि–देव०)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
३१४	१४	1. B. 70.-भ०गीता-मूल (लिपि-देव०)
३१५	१५	I11. C. 11.-भ०गीता (,, ,,) टी० श्रीधरी-टीका
३१६	१६	111.E. 215.-भ०गीता (.. ,,) टी० रामानुज-भाष्य
		(B.) PRINTED BH. G.
		7. (English-Character.)
317	1	The Bh. G. (German Trans.) by Peiper. T. R. S. Pub. Bei Friedic Fleifder, Liepzig. (Germany) Ed.-1834.
318	2	Die Bh. G. (German-Trans.) by Dr. F. Lorinser. Pub. Verlag Von G. P. Aderholz. Buchhandlung. Breslau. Ed.-1869.
		(देवनागरी-लिपि)
३१९	३	गीता (स्वा० विजय नवभक्तिरसायन) ले०--श्रीकृष्ण शास्त्री, पता- के० आर० सुब्रह्मण्य शास्त्री, श्रीगीता स्वामी मठ, हनुमान,घाट. काशी. मू० ॥) लाइब्रेरी नं० II.H. 83.
३२०	४	* भ० गीता—मूल सं०—१८६५
३२१	५	भ० गीता—मूल प्र० मु० Stephen Austin.Fore Street. Hertfort.
३२२	६	भ० गीता--पञ्चरत्न प्र० प्रयागदत्त सदाशिव
३२३	७	भ० गीता—टी० श्रीधर स्वामी (सुबोधिनी टीका) स० भवानीचरण वन्द्योपाध्याय मु० समाचारचन्द्रिका प्रेस ?, कलकत्ता सं०-१८३...।
३२४	८	भ० गीता—मूल स० रामरत्न भट्टाचार्य मु० चैतन्य चन्द्रोदय-प्रेस ?, कलकत्ता।

7. The State Library, Berlin (Germany.)

(A.) Manuscripts of the Bhagavad Gita.

Die Handschriften-Verzeichnissa der Koniglichen (now, Staatlichen) Bibliothek †. Berlin 1853.

325	1	The Bhagavad Gita with Sridharaswami's Commentary (in Bengali Script.) (fol. 159.)
326	2	Bh. G. with a commentry by an unknown author. Samvat-1588 (Chambers 285.)
327	3	Bh. G. text. Samvat-1695 (Chambers 273)
328	4	,, ,, ,, ,, (,, 589)

* नं० ४ से ८ तककी गीताओंके लाइब्रेरी नम्बर प्रायः इनमेंसे हैं:-

I.C. 13.-- I.C. 92.--I.c. 94.--I.D.65.--II G.70--I.A.68--II.G.5--VI. D.57.

† Staatlichen Bibliothek=State Library.

Serial No.	Book No.	Description.
329	5	Bh. G. Text. Samvat-1652 (Chambers 606a)
330	6	,, ,, not dated (,, 744)
331	7	,, ,, ,, (,, 845)
332	8	,, ,, ,, (Ms. or Oct. 158)
333	9	,, ,, Samvat-1723 (Ms. or fol. 414)
		A. Weber; Sanskrit and Prakrit Hand-Schriften, Berlin 1891.
334	10	Bh. G. with Commentry, Fragment (Ms. or fol. 1421.
335	11	,, ,, ,, Subodhini of Sridhara-Swami (Ms. or fol. 1443)
336	12	,, ,, ,, Subodhini of Sridhara- Swami (Ms. or fol. 1521)
		Cat. of Mss. State Library, Berlin.
337	13	Vyasa-Bh. G. (Telugu) 3978. Oct. Ms. or. 1919. 2. 613.
338	14	Bh. G. (Tamil) 4049. Oct. Ms. or. 1919.2.
339	15	Ramanuja: Gita-Bhasya (Tamil) 3712. Oct. or. 1919. 2. 321.
340	16	Ramanuja-Bh. G. Tatparyatippani (Sanskrit) 3466. Oct. Ms. or. 1919. 2. 61.
		(B.) Bh. G. Printed.
341	17	Bh. G. Calcutta 1809.
342	18	Bh. G. with the commentary of Raghendra, Kumbhaghona 1894.
343	19	Bh. G. Bombay 1857.
344	20	Bh. G. with Ramanuja's Bhasya and Vedant Desika's Tatparya-Chandrika. Ed. by M. Rangacharya with the co-operation of R. V. Krishnamacha-riara and A. V. Gopalacharya. Srirangam 1907.
345	21	Bh. G. and the New Testament by George Howells. Cuttack. 1907.
346	22	W. Von Humboldt, on the Bhagwad Gita. Trans. by Weigle. (In English) Ootucamund 1847.
347	23	W. Von Humboldt, on the Bh. G. (In German) Berlin 1828.
348	24	Bh G. (French Trans.) by Senart. Paris 1922.
349	25	Bh. G. (Polish Trans.) by Michalskiego. Warsaw 1927.
350	26	Bh. G. (Spanish Trans.) by Boulfer. Madrid 1896.
351	27	Denis Crafton, on the collation of a manuscript of the Bh. G. Dublin 1862.
352	28	Bh. G. by Curt Boettger. Pfullingen 1926.
353	29	La theodicee de la Bh. G. by Ph. Colinet. Lauvain 1885.

8. The Adyar Library, Madras.

(A.) Gita .— Manuscripts.

Abbreviations.

(I) Gr.=Granth. (2) De.=Devanagry. (3) Be.=Bengali. (4) Ca.=Canarese. (5) Te.=Telugu. (6) Ma.=Malayalam. (7) Nr.=Nandinagari. (8) Sa.=Sarada.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण			
		Subject.	Title.	No. of Copies.	Character.
३५४	१	निबन्ध स्मृति	वेदादिगीताविधिः	१	Gr.
३५५	२	इतिहास	भ० गीता—महाभारत भीष्मपर्व (अन्तर्गता)	३	„
३५६	३	पुराण	गोपिका-गीता-व्याख्या टी० वेंकटकृष्णा	१	„
३५७	४	„	ब्रह्मगीता व्याख्या टी० माधवाचार्य	३	De.,Te.
३५८	५	„	भ्रमरगीता व्याख्या टी० वेंकटकृष्णा	१	Gr.
३५९	६	गीता	अथर्वणरहस्य-सिद्धान्तगीता	१	De.
३६०	७	„	अवधूतगीता	२	Te., Ca.
३६१	८	„	अष्टावक्रगीता	१	Te.
३६२	९	„	उत्तरगीता	६	Te., Gr.
३६३	१०	„	„ भाष्यम्	—	—
३६४	११	„	ऋभुगीता	२	Gr.
३६५	१२	„	कपिलगीता (पद्मपुराणीय)	४	Te.
३६६	१३	„	गणेशगीता (गणेशपुराणीय)	२	De.,Te.
३६७	१४	„	गर्भगीता ...	१	Te.
३६८	१५	„	गीतामृतम् या गीतासार: ...	४	Te.,Gr.
३६९	१६	„	गुरुगीता ...	३	Te., Ca.
३७०	१७	„	गोपिकागीता ...	५	Gr., Te.
३७१	१८	„	गोपिकागीता टीका ...	—	—
३७२	१९	„	पाण्डवगीता ...	४	Ca.
३७३	२०	„	ब्रह्मगीता ...	१	Gr.
३७४	२१	„	ब्रह्मगीता व्याख्यासहित ...	—	—
३७५	२२	„	भगवद्गीता ...	४३	Gr.,Te.,Ca.,De.,Sa.,Be.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण			
		Subject.	Title.	No. of Copies.	Character.
३७६	२३	गीता	भगवद्गीता हिन्दुस्तानी टीकासहित	१	Gr.
३७७	२४	,,	भगवद्गीता आन्ध्र-टीकासहित	४	Te.
३७८	२५	,,	रामगीता वसिष्ठकृत	३	Gr., Ma.
३७९	२६	,,	शंकरगीता	१	Ca.
३८०	२७	,,	शिवगीता	५	De., Gr., Te.
३८१	२८	,,	,, ,, व्याख्यासहित	१	Ca.
३८२	२९	,,	श्रुतिगीता	१	Gr.
३८३	३०	,,	श्रुतिगीता–तात्पर्यचन्द्रिकासहित	४	Gr., Te.
३८४	३१	,,	श्रुतिगीता व्याख्या	१	Gr.
३८५	३२	,,	सूतगीता	१	Gr.
३८६	३३	,,	सूतगीता व्याख्या टी० माधवाचार्य	१	Te.
३८७	३४	,,	सूर्यगीता–वसिष्ठकृत	१	Ma.
३८८	३५	,,	ईश्वरगीता (कूर्मपुराणीय)	...	...
३८९	३६	,,	देवीगीता	...	...
३९०	३७	,,	अवधूतगीता टी० परमानन्द तीर्थ	...	...
३९१	३८	,,	अष्टावक्रगीता टी० विश्वेश्वर	...	...
३९२	३९	,,	उत्तरगीता टी० गौडपाद	...	...
३९३	४०	,,	गोपिकागीता टी० वेङ्कटकृष्ण	...	...
३९४	४१	,,	ब्रह्मगीता टी० माधवाचार्य	...	...
३९५	४२	,,	सप्तश्लोकीगीता	...	...
३९६	४३	,,	भ० गीता टी० हनुमत्-पैशाचभाष्य	...	...
३९७	४४	,,	,, टी० शांकर-भाष्य	...	...
३९८	४५	,,	,, टी० गूढार्थदीपिका-टीका	...	...
३९९	४६	,,	,, टी० पदयोजिनी-व्याख्या	...	...
४००	४७	,,	,, टी० सुबोधिनी-टीका	...	...
४०१	४८	,,	,, टी० पाठाचार्य-टीका	...	...
४०२	४९	,,	,, टी० रामानुज-भाष्य	...	...

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण			
		Subject.	Title.	No. of Copies.	Character.
४०३	५०	गीता	भ० गीता टी० आनन्दज्ञानी-टीका	...	...
४०४	५१	,,	,, टी० अनुभूतिस्वरूपाचार्य यति-टीका	...	...
४०५	५२	,,	,, टी० गीतार्थप्रकाश	...	...
४०६	५३	,,	,, टी० भगवद्गीता-भाष्यम्	...	...
४०७	५४	,,	,, टी० आनन्दतीर्थ-टीका ...	...	...
४०८	५५	,,	,, टी० राघवेन्द्र	...	...
४०९	५६	,,	,, टी० जयतीर्थ	...	...
४१०	५७	,,	,, टी० श्रीनिवास	...	...
४११	५८	,,	,, टी० गीताविवरणम् ...	...	...
४१२	५९	,,	,, टी० गीताविवृत्ति	...	...
४१३	६०	,,	,, टी० गीता-तात्पर्यनिरणय	...	...
४१४	६१	,,	,, टी० गीता-संग्रह	...	...
४१५	६२	,,	,, टी० गीता- सार	...	...
४१६	६३	,,	,, टी० नारायणमुनि (गीतासाररक्षा)	...	...
४१७	६४	,,	,, —भाष्य	...	...
४१८	६५	,,	,, टी० रहस्यार्थ संग्रह-टीका	...	...
४१९	६६	,,	,, —भाष्यम्	...	...
४२०	६७	,,	,, टी० गीतार्थ-संग्रहम्	...	...
४२१	६८	महात्म्य	गीता माहात्म्यम् ...	३	Te., Gr.
४२२	६९	,,	गुरुगीता माहात्म्यम्	१	Te.
४२३	७०	,,	भगवद्गीता माहात्म्यम्	१	,,
४२४	७१	स्तोत्रान्तर	गीतासारस्तोत्रम् व्यासकृत	४	Gr., Te.
४२५	७२	,,	गुरुगीतास्तोत्रम् ...	२	Te., Ca.
४२६	७३	अद्वैत	अवधूतगीता व्याख्यासहित	१	Ca.
४२७	७४	,,	अष्टावक्रगीता टी० विश्वेश्वरः	१	Te.
४२८	७५	,,	उत्तरगीता- आन्ध्रटीकासहित	१	Te.
४२९	७६	,,	,, —भाषान्तरटीकासहित	१	De.
४३०	७७	,,	,, —गौडपादव्याख्यासहित	४	Gr. Te.
४३१	७८	,,	गीताभाष्यविवेचनम् टी० आनन्दज्ञानः	१	Gr.
४३२	७९	,,	ब्रह्मगीता व्याख्या टी० माधवाचार्यः	२	Te., De.

क्रमसं०	पु० सं०	विवरण			
		Subject.	Title.	No. of Copies.	Character.
४३३	८०	अद्वैत	भ० गीता भाष्यम् टी० शङ्कराचार्यः	५	Te., De.
४३४	८१	,,	वाक्यार्थबोधिनी(श्रुतिगीता-व्याख्या) टी० शङ्करानन्द सरस्वती	२	Gr., Te.
४३५	८२	विशिष्टाद्वैत	गीतार्थसंग्रह–यामुनाचार्यकृत	६	Gr.
४३६	८३	,,	गीतार्थसंग्रहविभागः–नारायणमुनिकृत	१	,,
४३७	८४	,,	गीतासाररक्षा–कूरनारायणमुनिकृत	१	,,
४३८	८५	,,	भ० गीता–भाष्यम् भगवद्रामानुजाचार्यः	४	Gr.
४३९	८६	,,	टी० हनुमान-पैशाच-भाष्यम्	१	Ma.
४४०	८७	,,	भ० गीता–भाष्यार्थः टी० एङ्कायान्	१	Te.
४४१	८८	,,	श्रुति-गीता व्याख्या टी० वेङ्कटकृष्णः	१	Gr.
४४२	८९	द्वैत	भ०गीता–भाष्यम् टी० आनन्दतीर्थः	१	Te.
४४३	९०	,,	भ० गीता–भाष्यतात्पर्यम् टीका	१	Nn.
४४४	९१	शैववेदान्त	शिवगीता व्याख्या (तात्पर्यप्रकाशिका)	१	Te.
४४५	९२	शाक्तागम	गीतावृत्तिः	१	Gr.
४४६	९३	मंत्रशास्त्र	कौलगीता	१	Gr.
४४७	९४	,,	गीताचरमश्लोकमन्त्रः	३	Gr.
४४८	९५	,,	भ० गीताचरमश्लोकजपविधिः	१	Gr.

(B.) Bh. G.-Printed.

449 | 96 | Fragrant Essence of the Gita by K. Hanumant Rao; From: Ram Mandir Jamalpur, Ahemadabad; Ed.-1916. Re. -/3/-.

450 | 97 | The Bh. G. (Translation only) by F. T Brooks. Pub. Shiambehari Mishra, Asstt. Settlement Officer, Ajmer; Print. S. M. Industrial Co. Ltd., Ajmer.

451 | 98 | Glimpses of the Bh. G. by Mukund Vaman Rao Burway, B. A. Pub. Author, Indore; Print. Vaibhava Press, Bombay. Ed.-1916. Rs. 2/8/.

452 | 99 | The Bh. G.-The Celestial Song by R. Narsinh Rao, B. A., B. L. Print. Sri Vidya Press, Kumbakonam. Ed.-1909.

453 | 100 | The Bh. G. (English Translation) by S. Ramaswami Aiyangar; Print. Coxton Press, Banglore. Ed.-1910

454 | 101 | Life and Teachings of Srikrishna by S. Gopayya, B. A. Pub. Sujanaranjani Press, Cocanada. Ed.-1897.

Serial No.	Book No.	Description.
455	102	Srikrishna the Cowherd by M. M. Dhar, M.A., B.L.; Pub. T. Pubg. House, London. Ed.-1917.
456	103	Srikrishna by B. B. Mitra, B. L., Pleader Judge's Court, Bankipore; Ed.-1900; Re. 1/-.
457	104	Srikrishna the Soul of Humanity by A. S. Ramiah; Pub. K. A. Hebber, The Kanara Press, Madras; Ed.-1918. Re. 1/.
458	105	The Philosophy of the Bh. G. (Intro.) by Radhanath Basak; Pub. B. M Press, Calcutta; Ed.-1888.
459	106	Tattva-Darshanam or the mind aspect of Salvation (Part. I.) by F. T. Brooks. Pub. Vyasashram Book Dep., Adyar, Madras. Ed.-1910; Re. -/6/-.
460	107	Samnyasa by F. T. Brooks; Pub. Vyasashrama Book Dep., Adyar, Madras; Ed.-1911.
461	108	On Good & Evil, with Ref. to Bh. Gita by A. Govindacharlu F. T. S.; (A lecture delivered before the Srirangam Club.) Ed.-1896.
462	109	An Introduction to an exposition of the Philosyphy of the Bh. G. by Chhaganlal J. Kaji; Print. Sarkari Press; Junagarh. Ed.-1898.
463	110	Key to the Esoteric Meaning of the Bh. G. by Pandit F. K. Lalan; Pub. Ransom H. Randall, Chicago, U. S. A.; Ed.-1897. Re. -/5/-.
464	111	Bh. G. by S. Narayanaswamier, Vakil High Court, Tinnevely; Ed.-1916.
465	112	The Philosophy of the Spirit-a new version of the Bh. G. by W. Oxley; Pub. F. W. Allen, London. Ed.-1881.
466	113	Bh. G. Upanishad (Part I) by Parameshwara; Print. Victoria Press, Nagercoil. Ed.-1926.
467	114	An Epitome of Bh. G. by N. K. Ramaswami Aiyer. Pub. Sri Viyda Vinod Press, Tanjore.
468	115	Sri Hamsa-Gita (with Sans. Text) by Pramadadas Mitra. Pub. Sanskrit Ratna Mala Publishing Society, Benares. Ed.-1896; Re. -/4/-
469	116	Bh. G. (Danish Translation) by V. Prochagka. Ed. 1912.
470	117	Bh. G. (Russian Translation) by Manziarly. T. Kamensky A. Ed.-1914.
471	118	Bh. G. (Russian Trans.) by A. Kamensky. From: Nsuahie Kyphan Btcthukb Teocoom, Petrograde.
472	119	Bh. G. (Dutch Trans.) by Labberton. Pub. T. P. S., Amsterdam; Ed.-1910.
473	120	Bh. G. (Dutch Trans.) by Dr. J. M. Boiswain. Pub. N. V. Theosofischic Uitgevrsmaatse-happij, Amsteldijk, Amsterdam; Ed.-1909.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
474	121	La Bh. G. (French) by A. Kamensky. From: Imprimerie Jent S. A., Rue Necker, 9, 11, Marson Attitree a la Societe Co-operative Impression, Geneva.
475	122	La. Bh. G. (French Trans.) by Anna Kamensky.; Paris; Ed.-1926.
476	123	Bh. G. (French Trans.) Uttar Gita by A. Besant and F. C. Terror. Ed.-1908.
477	124	La Bh. G. (Spanish Trans.) by E. Trimisob. Ed.-1908.
478	125	Bh. G. (Spanish Trans.) by J. R. Borral.; From: Tip De Carbonell Yesteva-Rambla de. Calebena 118. Barcelona; Ed.-1910.
479	126	Bh. G. (Bohemian Trans.) by Dr. F. Hertmann. From: Vaelav Proch azka dapisujici clen. Theosophickeho Spalqu V. Praze; Ed.-1900.
480	127	Bh. G. Azisleniemek (Hungarian Trans.) From: Legrady Nyomda es Konyukiado. R. T. Budhapest.
481	128	Bh. G. (German Trans.) by Otto. H. N. W. Ed.-1912.

9. The Raghunath Temple Library of Jammu.

Gita in Mss.

४८२	१	भ० गीता (लिपि–शारदा) व्यासकृत, पृ० ७६
४८३	२	,, टी० रामचन्द्र सरस्वती-तात्पर्य परिशुद्धि (असमाप्त, प्राचीन पत्रमें) पृ० ६७
४८४	३	,, (लिपि–काश्मीरी) टी० वनमाली–निगूढार्थचन्द्रिका पृ० २२६
४८५	४	,, टी० अमृततरंगिणी (१ अध्याय, असमाप्त) पृ० १२
४८६	५	,, (लिपि–काश्मीरी) टी० मधुसूदन सरस्वती–गूढार्थदीपिका पृ० २४१
४८७	६	,, टी० मधुसूदन स०–गूढार्थदीपिका (१५ अ० रहित) पृ० १८६
४८८	७	,, ,, ,, (अ० १, २ ; अपूर्ण) (लिपि–काश्मीरी)
४८९	८	,, ,, ,, (अ० ६, संपूर्ण) पृ० ४० (,, ,,)
४९०	९	,, ,, , (अ०१८, ,,) पृ० ४० (,, ,,)
४९१	१०	,, टी० पंचोली पृ० ८८
४९२	११	,, टी० दैवज्ञ पंडित सूर्य–परमार्थप्रपा पृ० १६२
४९३	१२	,, (लिपि–नवीन काश्मीरी) टी० पैशाचभाष्य पृ० २१
४९४	१३	,, टी० गिरिधारीदास–गीतार्थ–कुसुम–वैजयन्ती सं० १८०२ पृ० २२७
४९५	१४	,, (लिपि–काश्मीरी) टी० सदानन्द–भावप्रकाश पृ० २०९

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
४९६	१५	भ० गीता टी० आनन्दतीर्थ—भाष्य (प्राचीन पत्र) पृ० ६०
४९७	१६	,, टी० ,, ,, (लि०-काश्मीरी) पृ० ७२
४९८	१७	,, टी० रामानुज-भाष्य (प्राचीन पत्र) पृ० १२२
४९९	१८	,, ,, ,, (नवीन ,,) पृ० १६८
५००	१९	,, ,, ,, (लिपि-काश्मीरी) पृ० १०६
५०१	२०	,, टी० रामानुज-भाष्य (असमास, प्राचीन पत्र, १ पत्ररहित) पृ० १२१
५०२	२१	,, (लिपि-काश्मीरी) टी० श्रीधर-सुबोधिनी पृ० १७१
५०३	२२	,, टी० श्रीधर-सुबोधिनी पृ० १३४
५०४	२३	,, टी० ,, ,, (अ० १-३ , संपूर्ण) पृ० ३१
५०५	२४	,, टी० ,, ,, (अ० १ . २ ; अपूर्ण, प्राचीन पत्र) पृ० १६
५०६	२५	,, –सप्तश्लोकी पृ० १
५०७	२६	,, टी० अभिनवगुप्तपादाचार्य–गीतार्थसंग्रह (लिपि–काश्मीरी) पृ० ६४
५०८	२७	,, टी ,, ,, ,, (असमास, प्राचीनपत्र) पृ० १४
५०९	२८	,, टी० आनन्दराजानक— आनन्दी-टीका
५१०	२९	,, टी० राजानक लक्ष्मीराम—तत्त्वप्रकाशिका
५११	३०	,, टी० आनन्दगिरि—तात्पर्यनिर्णय
५१२	३१	,, टी० पैशाचभाष्य
५१३	३२	,, टी० नीलकंठ—भावदीपिका
५१४	३३	,, टी० आनन्दतीर्थ—माध्वभाष्य
५१५	३४	,, टी० सर्वतोभद्र रामकण्ठ
५१६	३५	,, टी० रणवीर–समिद्बोधिनी महाराज रणवीरसिंहसे बनवायी गयी
५१७	३६	,, टी० हिन्दी अनुवादसहित महाराज रणवीरसिंहसे बनवायी गयी ।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण

10. The Palace Library, Tanjore.

BH. G. IN MSS.

५१८	१	भ०गीता टी० आनन्दतीर्थ—तात्पर्यनिर्णय
५१९	२	„ टी० जयतीर्थ – न्यायदीपिका (तात्पर्यनिर्णयकी टीका)
५२०	३	„ –भाष्य टी० आनन्दतीर्थ–भाष्य
५२१	४	„ टी० जयतीर्थमुनि—प्रमेयदीपिका (आनन्दतीर्थ-भाष्यकी टीका)
५२२	५	„ टी० कृष्ण–भावप्रकाश (प्रमेयदीपिकाकी टीका)
५२३	६	„ टिप्पणी (आनन्दतीर्थ-भाष्यकी टीका)
५२४	७	„ टी० वेंकटनाथ-टीका
५२५	८	गीतार्थसंग्रह (अ० १–१२ तक कीड़ोंसे नष्ट)
५२६	९	गीतार्थ-विवरण
५२७	१०	„ –सार
५२८	११	„ –स्तोत्र
५२९	१२	गीता-माहात्म्य
५३०	१३	„ –विवृत्ति (आनन्दतीर्थ–भाष्यपर)
५३१	१४	„ शंकर अनन्त नारायणकृत
५३२	१५	भ० गीता टीका

11. Imperial Library. 6, Esplanade East, Calcutta.

From Cat. 1904 - 1918.

533 1 Bh. G. by Roussel A. Legendes morales. Die Inde empruntíes au Mahabharat. Vols. 1900-1 Litteratures Papulaires.

534 2 Bh. G. (French) Chant du Sergreur by A. Andued M. Shultz. Ed.-1920. Paris.

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		FROM OTHER CATLOGUES OF IMPERIAL LIBRARY.
		* बंगला-भाषा *
५३५	३	जे. सी. ६२. १६८. गीता (मूल, पद्य) ले० शरत्कुमार बन्धोपाध्याय पता-प्रमथनाथ मुखोपाध्याय, ४४ मिरजापुर स्ट्रीट, कलकत्ता।
५३६	४	जे. सी. ६०. १. भ०गीता(संस्कृत, भाषा०) पता-कालिकाप्रेस, १७ नन्दकुमार चौधरी लेन, कल०मू०।-)
५३७	५	जे. सी. ६१. १७. भ० गीता (संस्कृत, भाषा०) अनु० कालीमोहन विद्याभूषण स० सरत्कुमार सेन पता-गौरहरि सेन, ८८ निमुगोस्वामी लेन, कल० मू० ॥)
५३८	६	जे. सी. ६२२. ६. अमिय गीता (पद्य) ले० श्रीक्षिरोदचन्द गंगोपाध्याय पता-भाषा परिषद्, १० शिमला स्ट्रीट. कल० मू० ॥)
५३९	७	जे. सी. ६०. ६३. भ० गीता (मूल. बंगानु०) ले० ब्रजगोपालसिंह पता-विक्टोरिया प्रेस, २ गोवाबगान स्ट्रीट, कल० मूल्य १॥)
५४०	८	जे. सी. ६२. १७. भ० गीता (भाषाटीका) पता-दुर्गा स्टोर, ११ बंगला बजार, ढाका मू० ।=)
५४१	९	जे. सी. ६१. ७१. भ० गीता (संस्कृत, भाषा०)पता-श्रीप्रसाददास गोस्वामी, १११ कार्नवालिस स्ट्रीट, कल०
५४२	१०	जे. सी. ८८. १२६. भ० गीता (मूल. भाषा०) प्र० श्रीप्रसाददास गोस्वामी. श्रीरामपुर
५४३	११	जे. डी. ६१. ८. प्रणव-गीता (संस्कृत, भाषा०) प्र० ज्ञानेन्द्रनाथ मुखो०, प्रणवाश्रम. काशी मू० ३)
५४४	१२	जे. सी. ६१. ७४. शान्ति-गीता (टीकासहित) अ०नकड़िराय गुप्त पता-शिवशक्तिप्रदायिनी सभा, कालीघाट. कल० मू० ॥=)
५४५	१३	जे. डी. ६१. ६. भ० गीता (संस्कृत, भाषा०) स० यात्रामोहनदास, प्र० हरकिशोर अधिकारी, सीताकुंड, चटगांव मू० ॥।)
५४६	१४	जे. डी. ६१. १५. गीतारसामृत (मूल, पद्य) पता-नकुलचन्द्र चक्रवर्ती, गेपालिया जि० त्रिपुरा सं०२-१६०३ ई० मू० ॥=) पृ० २२८
५४७	१५	जे. सी. ६१. १४०. भ० गीता (मूल, सारार्थबोधिनी) स० प्र० विमलाप्रसाद सिद्धान्तसरस्वती. मु० भागवत प्रेस. ब्रजपत्तन, मायापुर सं०-१६१३ ई०
५४८	१६	जे. सी. ६०. ४७. भ० गीता (संस्कृत टीका, भाषा०) स० श्यामलाल गोस्वामी (तात्पर्य बंगानुवादसह) पता-ह० डॉ० रक्षित, १० शंभुचन्द्र चटर्जी स्ट्रीट. कल० मू० १।)
५४९	१७	जे. डी. ६१।३६. १११६ भ० गीता स० कालीप्रसन्न ज्योतिभूषन
५५०	१८	जे. सी. ६१।३४०. १११६ भ० गीता स० चंद्रकुमार चट्टो०
५५१	१९	जे. ई. ०२।६. १६२१ भ० गीता स० अरजविन
५५२	२०	जे. डी. २२।१५. १६२१ भ० गीता स० मनिन्द्रनाथ स्मृतितीर्थ
५५३	२१	जे. सी. ४२।८०. १९२३ भ० गीता स० प्रफुल्लकुमार चक्रवर्ती

क्रम सं०	पु० सं०			विवरण
५५४	२२	जे. पी. १८४ । १	१८२५	म० गीता स० वैकुण्ठनाथ वन्द्यो० (पद्य)
५५५	२३	जे. सी. ८७ । ४०	१८७२	
५५६	२४	जे. बी. ८७ । २०	१८७६	म० गीता स० रामेश्वर तर्करत्न (श्रीधरीसह)
५५७	२५	जे. सी. ८८ । ८०	१८८४	म० गीता स० मन्मथनाथ तर्करत्न (श्रीधरीसह)
५५८	२६	जे. बी. ८८ । ६०	१८८६	म० गीता स० कैलाशचन्द्र मीत्रा (शंकरानन्दी, श्रीधरी, आनन्दगिरिटीकासह)
५५९	२७	जे. बी. ८८ । १२५	१८८६	म० गीता टी० (रामानुज-भाष्य, श्रीधरी, मधुसूदन-टीकासह)
५६०	२८	जे. सी. ८६ । ६३	१८६३	म० गीता स० प्रसाददास गोस्वामी (श्रीधरी सह) मु० प्रिंटिंग हाउस, श्रीरामपुर सं०-१३०० बं०
५६१	२६	जे. बी. ८६ । १३	१८६३	म०गीता टी० १-पं० प्रसन्नकुमार शास्त्री-सरलार्थप्रबोधिनी २-पं०शशधर तर्कचूडामणि-बंगानुवाद (१शंकर-भाष्य, २श्रीधर स्वामी-टीका ३ मधुसूदन-टीकासहित) स०प्र०पं०पद्मशिख भट्टाचार्य, शास्त्रप्रचार कार्या० दुर्गापाड़ा, कलकत्ता सं०४-१३१८ बं० मू०३॥) पृ० ७२५
५६२	३०	जे. पी. ८६ । २१	१८६४	म० गीता टी० पं०हेमचन्द्र विद्यारत्न स० क्षितिन्द्रनाथ ठाकुर
५६३	३१	जे. सी. ६२ । १४२	१६२४	म० गीता स० क्षीरोदनारायण भुयाँ
५६४	३२	जे. सी. ६२ । २३१	१६१६	म० गीता-गीति कुसुमांजलि स० रामाचरण काव्यतीर्थ, गोपालनगर, मेदिनापुर
५६५	३३	जे. सी. ८६ । १०६	१८६२	गीता मंगलम् स० कृष्णधन ब्रह्मचारी
५६६	३४	जे. सी. ६२ । १४३	१६२४	म० गीता सांख्यतत्त्व (अध्याय २) स० शिवचन्द्र मुखोपाध्याय
५६७	३५	जे. बी. ६१ । ४५	१६१०	म० गीता स० वैकुण्ठनाथ (रामानुज-भाष्यसह)
५६८	३६	जे. बी. ६१ । ६६	१६१२	म० गीता स० कालीनाथ
569-599	37-67	J.D. 91. 70-1913, J.E. 92.30-1923, J.P. 89. 31-1898, J.B. 90.1-1901, J.B. 89. 26-1899, J.E. 92. 17-1923, J.E. 92. 21.Ed. 2-1921, J.C. 91.10, J.D. 92. 1. J.D.91.19, J B. 91.75, J.B. 91.70, J.B. 91. 129, J.c. 91.76, J.B. 91. 64, J.c. 91.264, J.E. 91.17, J.c. 92.22, J.c. 92.62, J.E. 92.13, J.E. 92.19, J.c. 92 132, J.c. 92.150, J.D. 92.51, J.E. 92.31, J.D. 92.57, J.d. 92.52, J.c. 92.209, J.c. 92.230, J.E. 92.35, J.c 92.237.		

* उड़िया-भाषा *

६०० ६८ J. B. 89. 92. म०गीता-(मूल-पदच्छेद-अन्वय-श्रीधरी सह) उत्कल अनुवाद स० पं० विहारीलाल मु० राय प्रेस, कटक सं०-१८८५ ई०

* संस्कृत-भाषा *

६०१ ६९ J. D. 90. 22. म०गीतायां सप्तशती टी० पं० आत्मारामजी शर्मा पता--आत्माराम मोरेश्वर खत्री मु० जगदीश प्रेस, बंबई मू०।-)

क्रम सं०	पृ०सं०	विवरण
६०२	७०	J. D.92. 22.भ० गीता-सतसईसार टी० पं० आत्माराम सर्वोदात्री
603-608	71-76	J.C. 90. 10, J. B. 91. 71, J. B. 91.66, C. 298, C.137, E. 29 (5).
		*** हिन्दी–भाषा ***
६०६	७७	J. C. 89. 74-1893 भ० गीता स० पंचानन तर्करत्न (श्रीधर-टीकासह)
६१०	७८	J. B. 90. 48-1901 भ० गीता (मधुसूदन सरस्वती-टीकासह), काशी
६११	७९	J. B. 88.5. भ० गीता (मूल, भाषा०) अ० रामावतार ओझा, जूनिअर संस्कृत कालेज, पटना (शांकरभाष्य-से अनु०) मु० विहार-बन्धु प्रेस, पटना
६१२	८०	J. c. 89.81-1894 भ० गीता राघोवंश दरज्योती स० धर्मशास्त्री शंकरराम चटर्जी
६१३	८१	J. C. 91.282-1919 गीता सम्यक् ज्ञान नवमाला स० श्यामाप्रसन्न देव
614-620	82.89	J.C. 89.101-1884, J.C. 92.53-1922, J.c. 92.56-1922, J.c. 92.74-1923, J.E. 92. 11-1923. J.D.92. 40-1925, J.E.92.10-1923, J.c. 91.282.
		*** अंग्रेजी-भाषा ***
६२१	९०	E. 105. भ० गीता (अंग्रेजी और तामिल टी०) The Late Rev. H. Bower, D.D. पता–50, Higgimbotham & Co, मद्रास सं० १८८६ ई०
६२२	९१	J.C. 90. 42. (शांकर-भाष्यका अनुवाद) स० S. C. मुकर्जी M. A. पता–९३, श्यामबजार स्ट्रीट, कलकत्ता मू० ४)
623	92	J. B. 88. 6. Ed.3-1884.
624-687	93-156	L. C 91. 9., L. E. 92.10, A. 210., A 142., J. c. 91. 77, E. 239, E. 305, E. 297, C 275, C. 24, C. 39, E.375, E. 369, E 669, E. 541, C.579, E. 547, E. 517, C. 593, C. 581, C.575, E. 597, E. 453, $\frac{214\text{-}18}{1}$; C 32, C. 605, C. 583, E.477, E 451, C 199 (6); E. 629, E. 201, E. 471, E. 577, A. 297 (2); E. 455, E. 555, J. D. 920-2, J. E. 922.6, J. C. 921. 45, J. D. 923.1, J. E. 925. 4, J. E. 921. 8, J. E. 915. 2, J. C. 921. 53, J. D. 921. 6, J. E. 922. 1, J.E. 925. 7, J.D. 926. 16, J. E.927.1, J. E. 927 4; J. E. 914.1, J. E. 917. 3, J. D. 922.4, J. c. 923. 33, J. c. 914. 20, J. C. 91. 273, C. 951, J. C 92. 154, C.929; 179.E.185, 179.E.487; L.D. 92 8; E. 557.

१२. नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

(क) हस्तलिखित हिन्दी पुस्तकोंका संक्षिप्त विवरण, भाग १ से उद्धृत हस्त० गीता—

❀ रिपोर्टमें आये हुए संकेताक्षर ❀

(१) ले० = लेखक (२) सं० = संवत् (३) वि० = विषय (४) दे० = देखो (५) लि० का० = लिपिकाल (६) नि०का० = निर्माणकाल (७) क = सन् १९००ई०की खोजकी रिपोर्ट (८) ख = सन् १९०१की रिपोर्ट (९) ग = सन् १९०२की (१०) ङ = १९०४की (११) छ = १९०६, ७, ८ की (१२) ज = १९०९, १०, ११की (१३) ए = रिपोर्टके नम्बरका 'ए' हिस्सा (१४) एच = रिपोर्टके नम्बरका 'एच' हिस्सा।

क्रम संख्या	पुस्तक संख्या	विवरण
६८८	१	अवतारगीता या अवतारचरित्र ले० नरहरिदास; लि० का० सं० १८५८; वि० चौबीस अवतारोंका वर्णन; दे० (ज–२१०*) (ग–८८)
६८९	२	उग्रगीता ले० कबीरदास, लि० का० सं० १८३६; वि० कबीर और धर्मदासके आत्मिक विषयपर प्रश्नोत्तर; दे० (छ-१७७ एच)
६९०	३	गीताभाषा ले०-तुलसीदास, परन्तु प्रसिद्ध गोस्वामी तुलसीदास नहीं; वि० श्रीमद्भगवद्गीताका भाषानुवाद, दे० (ङ–४९)
६९१	४	गीतासार ले० नवनदास अलख सनेही; लि०का० सं० १९०३; वि०भ०गीताका सारांश, दे० (छ-३०४)
६९२	५	भ० गीता ले० जनभुवाल दे० (ज-१३२) लि०का०सं०१७६२. वि० कृष्ण और अर्जुनका संवाद, संस्कृत गीताका अनु०
६९३	६	भँवर-गीता ले० जनमुकुन्द उपनाम मुकुन्ददास दे० (छ–२७३) (ग–१०४ दो) (ज-१८४)
६९४	७	ज्ञानसतसई ले०–हरिदास; नि०का०सं० १८११; लि० का० संवत् १८२०; वि० भ० गीताका भाषानुवाद, दे० (ङ—७२)
६९५	८	गीताभाषा (भगवद्गीता) ले०प्रसिद्ध महाकवि गोस्वामी तुलसीदास, दे० (ङ—५७) (छ—३२८ ए) भ०गीताका अनु० सं०१६३१के लगभग
६९६	९	अवतारगीता ले० नरहरिदास चारण, जोधपुर, दे० (ज—२१०) सं०१७००के लगभग
६९७	१०	गीतासागर ले० नवनदास अलख सनेही स्वामी, दे० (छ—३०४)
६९८	११	महाभारत भाषा (अन्तर्गतागीता) ले० निहाल (द्विज), दे० (ङ—६७) सं०१८९३ के लगभग
६९९	१२	भगवद्गीता या परमानन्दप्रबोध ले० आनन्दराम, दे० (छ—१२७) (ख—८४) नि० का० सं०१७६१; लि० का० सं० १८९३; वि० भ० गीताका अनु०
७००	१३	भ० गीता ले० हरिदास ब्राह्मण, लि० का० सं० १८४९, वि० संस्कृत गीताका अनु०, दे० (छ–२५६)
७०१	१४	भ० गीता ले० हरिवल्लभ ब्राह्मण, लि० का० सं०१८४८ दूसरी प्रतिका लि० का० सं० १९४९; वि०संस्कृत गीताका अनु०, दे०(छ—२६०) (ग—९०) (ज—११७)

* संकेताक्षरोंके साथ जो संख्याएं दी हैं, वे नोटिसोंकी संख्याएं हैं।

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७०२	१५	भ० गीता ले०-अनन्द नि० का०सं० १८३१; लि०का०सं० १८११; वि० भ०गीताका अनु०, दे०(ज-४द)
७०३	१६	भ० गीता भाषा ले० अज्ञात, लि० का० सं० १७१८, वि० भ० गीताका अनु० । दे०(ज-६१)
७०४	१७	भ० गीताकी टीका अन्यनाम भाषाकृत,ले०भगवानदास, नि०का० सं०१७५६; लि०का०सं०१८६६, वि० रामानुजाचार्यकृत भाष्यका भाषानु० । दे० (क-६१)
७०५	१८	भ० गीता भाषा ले०-रामानन्द. वि० भ० गीताका अनु० । दे० (ज-२५१ ए) सं० १६६२ लगभग
७०६	१६	भाष्यप्रकाश ले०-कृपाराम, नि० का० सं०१८०८; वि० रामानुजाचार्यके गीता-भाष्यके अनुसार भाषानु० दे० (ङ-४६)
७०७	२०	अमर गीता ले०-काशीदास, वि० गोपियोंसे उधोका संदेश वर्णन । दे० (ज—१४४)
७०८	२१	महाभारत भाषा (अन्तर्गता गीता) ले० लखनसेन, लि० का० सं०१८७०; वि०महाभारतके आदि, उद्योग, भीष्म, द्रोण और गदापर्वका भाषा-पद्यानुवाद । दे० (ज-१६७)
७०९	२२	महाभारतकी कथा (अन्तर्गता गीता) ले० विष्णुदास, नि० का० सं० १४६२; लि० का० सं० १८२४; वि० महाभारतकी कथाका अनु०, दे०(छ—२४८)
७१०	२३	महाभारतदर्पण (अन्तर्गता गीता) ले० गोकुलनाथ, गोपीनाथ और मणिदेव (तीनोंने मिलकर बनाया), वि० महाभारत और हरिवंश पुराणका भाषानु०, दे० (ङ—६५)
७११	२४	महाभारतभाषा (अन्तर्गता गीता) ले०-सबलसिंह चौहान, लि०का०सं०१८४२, वि०महाभारतका भाषानु० (ङ—६६)
७१२	२५	महाभारत भाषा (अन्तर्गता गीता) ले०-नौ कवि (रामनाथ, अमृतराय, चंद्र, कुबेर, निहाल, हंसराज, मंगलराम, उमादास और देवीदित्ताराय) वि० महाभारतके १४ पर्वोंका भाषानुवाद । दे० (ङ-६७) सं० १८६२ के लगभग
७१३	२६	विज्ञानगीता ले०-केशवदास, नि० का० सं० १६६७ ; लि० का० सं० १८४७ ; वि० सांसारिक वस्तुओं और सुखोंकी असारताका योगवाशिष्ठके आधारपर वर्णन । दे० (क-५२) (क-४४) (ङ-१२७)
७१४	२७	शिवगीता भाषार्थ ले० जयकृष्ण पुष्करणा ब्राह्मण, जोधपुर; नि० का० सं० १८२५ ; लि० का० सं०१८४८, वि० शिवजीकी महिमा वर्णन; दे० (ग-९१)

परिशिष्ट (१) और (२) सं० १६५७ से १६६८ वि० तककी रिपोर्टोंके परिशिष्टोंमें आये हुए ज्ञात और अज्ञात कवियोंके ग्रन्थः—

क्रम सं०	पु० सं०	ग्रन्थ	लेखक		पता	
७१५	२८	गीतामाहात्म्य ले०-रामप्रसाद, चुनारनिवासी		...	पता-	ज. प. (२) / ४४
७१६	२६	अर्जुनगीता	ले० अज्ञात	...	पता—	छ. प. (२) / ९ लि० का० १८३३
७१७	३०	अष्टावक्रगीता	ले० ,,	...	,,	छ. प. (२) / १० लि० का० १८५७
७१८	३१	गीताचिन्तामणि	ले० ,,	...	,,	ज. प. (४) / १८

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण					
७१९	३२	गीतामाहात्म्य	ले० अज्ञात	...	पता—	छ. प.(२) / ७३	लि०का० १८४०
७२०	३३	भैरवगीता	,,	...	,,	ज. प. (४) / ९	
७२१	३४	भ० गीता	,,	...	,,	छ. प. (२) / २७, २८, २९, ३०	लि०का० १८९९, १८११, १८४४
७२२	३५	भ० गीतापुराण	,,	...	,,	छ. प. (२) / ३२	लि०का० १८६२
७२३	३६	भ० गीता प्रश्न	,,	...	,,	छ. प. (२) / ३१	
७२४	३७	रामरत्नगीता	,,	...	,,	ज. प. (४) / ९८	
७२५	३८	शिवगीता	,,	...	,,	ग. प. (१) / २८२	

(ख) ना० प्र० के आर्यभाषा-पुस्तकालय, काशीमें रक्खी हुई मुद्रित गीताएँ:—

क्रम सं०	पु० सं०	सूची सं०	विवरण
७२६	३९	२०८६	भ० गीता टी० पं० बांकेबिहारी शुक्ल प्र० भोलानाथ अग्निहोत्री, चौक, प्रयाग सं० १—१८६७ ई०
७२७	४०	३४०६	,, (पद्य, भ० ५) ले०—महेन्द्रनारायणचन्द्र, प्र० ग्रन्थकार, सुलसैना, पुर्णिया सं०१—१६०३ ई०
७२८	४१	६११३	,, अ० छोटेलाल पशासू, प्र० हरीराम भार्गव, जयपुर सं० १—१९१३ ई०
७२९	४२	※६५	, टी० श्यामसुन्दरलाल प्र० वाराणसी प्रेस, काशी सं० १—१८७८ ई०
७३०	४३	※३२३७	,, अ० मन्नूलाल पाठक प्र० विद्यासागर प्रेस, काशी सं० १—१९२७ वि०
७३१	४४	※१२०७	,, अ० ज्वालाप्रसाद भार्गव प्र० सत्यप्रकाश प्रेस, आगरा सं०१—१८७७ ई०
७३२	४५	२००३	, अ० अयोध्याप्रसाद खत्री, प्र० अनुवादकर्ता, जमींदार व सौदागर, मुजफ्फरपुर सं० १—१६०६ ई०
७३३	४६	२६८४	भ० गीतारत्नमाला (भाग १) प्र० बी. के. पटेल, एंड कम्पनी, नं० ४, बम्बई सं० १—१९६२ वि०
७३४	४७	१६१६	भ० गीता टी० रघुनाथप्रसाद शुक्ल (वाक्यार्थबोधिनी) स०काशीनाथ शास्त्री प्र० किशुनदयालसिंह, काशी सं० १—
७३५	४८	※२४०१	भ० गीता टी०मोहिनीलाल गुप्त (वाक्यार्थबोधिनी) प्र०विक्टोरिया-प्रेस, काशी सं० १—१९५०वि०
७३६	४९	※१६२०	भ० गीता—शंकरमतप्रकाश अ०रामावतार ओझा, प्र०बाबू शिवप्रसादसिंह, कालिजियेट स्कूल, पटना सं०१—१८८०ई०
७३७	५०	१६९५	भ० गीता टी० मक्खनलाल शर्मा—सुबोधिनी अ० हरिवल्लभ शर्मा प्र० वेंक० प्रेस, बम्बई सं०—१९५० वि०

※ अप्राप्य पुस्तकें।

श्रीगीता-भवन (कुरुक्षेत्र-पुस्तकालय) थानेसर, कुरुक्षेत्र

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७३८	१	भ० गीता (देवनागरी, गुटका) अन्वयांक दो० भा० टी० ४ भाग मू० २॥=)
७३९	२	भ० ,, बृहद्भागवतामृतम् (देवनागरी) टी० नित्यस्वरूप ब्रह्मचारी, श्रीशचीनन्दन गोस्वामी, ताडाशभूमि प्र० रामबहादुर वनमाली वृन्दावन प्रेस सं०१--४१९ गौराब्द, मू० ३।।।) पृ० १०३१
७४०	३	भ० गीता (देव०)
७४१	४	भ० गीतामाहात्म्य (देव०, गु०) मू० ।।=)।।
७४२	५	भ० गीता (बंगला) सं० ९--१९१४ ई० पृ० २६४
७४३	६	भ० गीता (तामिल) सं० १--१९२० ई० पृ० ३६६
७४४	७	भ० गीता (तेलगु) सं०--१९२२ ई० पृ० ३९४
७४५	८	भ० गीता (कनाडी) सं०--१९२३ ई० पृ० ४०३
७४६	९	विज्ञानदर्पण (उर्दू, निबन्ध ९ भाग) ले० मुन्शीलाल
७४७	१०	पैग़ाम युधिष्ठिर (उर्दू, निबन्ध. १० भाग)
७४८	११	भ० गीता (अंग्रेज़ी) स० मक्समूलर
७४९	१२	भ० गीता (अंग्रेजी)ले० सी० जिनराजदासप्र० टी. पी. सोसाइटी, अडयार, मद्रास सं० १--१९१२ ई० पृ०३०
७५०	१३	भ० गीता (जरमन) मू० ४।=)
७५१	१४	भ० गीता (जरमन) मू० ७)
७५२	१५	भ० गीता (जरमन)
७५३	१६	भ० गीता (जरमन) मू० ४।=)
७५४	१७	भ० गीता (फ्रेंच) मू० ४।=)
७५५	१८	भ० गीता (बेलजियम) सं० १--१९१८ ई० पृ० ११८
७५६	१९	भ० गीता (डेनिश) सं० ४--१९२० ई० पृ० १२०
७५७	२०	भ० गीता (स्वेडिश) सं०--१९२२ ई० पृ० ५८
७५८	२१	भ० गीता (स्पेनिश)
७५९	२२	भ० गीता (इटालियन) सं०--१९२२ ई० पृ० २०१
७६०	२३	भ० गीता (हालेण्डकी डच भाषा) सं०--१९१४ ई० मू० ५।-) पृ० १४०
७६१	२४	भ० गीता (देवनागरी)
७६२	२५	कर्म गीता (देव०)
७६३	२६	भ० गीता (देव०) तत्त्वैक--दर्शना
७६४	२७	भ० गीता (देव०) ले० पं० प्राणकिशन
७६५	२८	भ० गीता--भावार्थ-दीपिका (देव०)
७६६	२९	भ० गीता (देव०)
७६७	३०	भ० गीता (देव०)
७६८	३१	गीता सार (उर्दू)
७६९	३२	भ० गीता (उर्दू) ले० अनन्तराम
७७०	३३	भ० गीता (फारसी)
७७१	३४	भ० गीता (अंग्रेजी) टी० दुर्गासहाय

क्रम नं०	पु० सं०	विवरण
		१४. श्रीहनुमान पुस्तकालय, सलकिया, हावड़ा
७७२	ॐ१	भ० गीता—नवपीयूषप्रवाह—भाष्य (अ० पहिला, प्रत्येक श्लोकका कई भाषाओंमें अर्थ) टी० १ हिन्दी २ बंगला ३ उर्दू ४ फारसी ५ अंग्रेजी-भाषानुवाद ६ आनन्दगिरि ७ श्रीधर-टीकासहित म० पं० आद्याप्रसाद मिश्र, ईश्वरगंगी नयी बस्ती, काशी मु० सी० पी० प्रेस, काशी सं०– १९०५ ई०
		१५. बड़ाबज़ार पुस्तकालय, सैयदसाली लेन, कलकत्ता
		(लिपि-देवनागरी)
७७३	१	भ० गीता या कृष्णबोध (केवल भाषा) ले० मुंशी हरीराम भार्गव, जयपुर (उर्दू 'कृष्णबोध') अनु० पं०छोटेलाल शर्मा, पहासू निवासी मु० जेल प्रेस, जयपुर सं०१–१९१२ ई०पृ० ७० (पुस्तका० नं०३८६)
७७४	ॐ२	भ० गीता भाषाटीकासहित प्र०मु०भारतमित्र प्रेस, कलकत्ता सं०१–१८९४ ई० पृ०२१६ (पु०नं० द० ४९)
७७५	३	भ० गीता (लिपि–बंगला, हिन्दू-शास्त्र भाग ८वाँ) स०रमेशचन्द्र दत्त (अनुवादसहित) पृ० १२१(पु० न०४७)
७७६	ॐ४	भ० गीता सतसई ले० ईश्वरचन्द्र विद्यासागर (पु० नं०–ध०३६४)
७७७	५	फागुन गीता (शिक्षा, कबीर-पद्य) ले० पं० जगन्नाथ शर्मा वैद्य, प्रयाग सं० १–१९४४ वि० पृ० १२ मू०)॥ (पु० नं०–का०१२८)
		१६. बड़ाबज़ार कुमार सभा, नं० १९३।२ हरीसन रोड, कलकत्ता
		(लिपि–देवनागरी ॐ भाषा–हिन्दी)
७७८	१	अर्जुनगीता–भाषा (भ०गीताका पद्यानु०) ले० हरिवल्लभ मु० रामचन्द्र हकीम, रावनपाड़ा, आगरा सं० १–१९४० वि० पृ० १२८ (पु० नं० १०७)
		१७. बंगीय-साहित्य परिषद्, २८३ अपर सरकुलर रोड, कलकत्ता
		(लिपि–बंग ॐ भाषा–बंगला)
७७९	ॐ१	भ० गीता (१०८ वर्ष पूर्वकी मुद्रित) स० गंगाकिशोर भट्टाचार्य सं० १–१८२३ ई० करीब
७८०	ॐ२	गीता-कौमुदी (पद्य)ले०राधेशचन्द्र सेठ बी०एल०मु० अरुण-प्रेस,कार्न०स्ट्रीट,कलकत्ता सं०२–१९१०ई०पृ०१७५
७८१	३	गीता-तत्त्व (निबन्ध) ले० श्रीमती ऐनी बिसेंट (अंग्रेजी) अ० अटलविहारीसिंह बी० एल० प्र० थीयोसाफिकल सोसाइटी, कालेज स्कायर, कलकत्ता सं०–१३२७ बं० मू० ॥।)
७८२	४	सरल-गीता टी० सुरेन्द्रनाथ दत्त प्र० ग्रन्थकार, ८१ ग्रैंड ट्रंक रोड, हावड़ा मु०कर्मयोग प्रेस, हावड़ा मू० १)
७८३	५	भ० गीता टी० शशिभूषन वन्द्यो० प्र० मु० श्रीमहाप्रभु बाड़ी, विश्वेश्वर-प्रेस. कालना (Kalna) सं०–४०१ गौराब्द मू० ।)
७८४	६	भ० गीता-समालोचना (निबन्ध)
७८५	७	भगवती-गीता (मूल,पद्य) ले०क्षेमेशचन्द्र रक्षित प्र० सुरेशचन्द्र रक्षित मु०चट्टेश्वरी प्रेस, चटगाँव सं०–१३१९बं०
		१८. संस्कृत-साहित्य-परिषद्, श्यामबाजार ब्रिज रोड, कलकत्ता
		(लिपि-बंग ॐ भाषा–बंगला)
७८६	१	भ० गीता या अध्यात्म विज्ञान ले० पं० चन्द्रकुमार चट्टो०, प्र० रामचन्द्र चट्टो०, ३१ बलरामबसु घाट रोड, भवानीपुर, कल० सं० १–१३२६ बं० मू० २॥) पृ० ५२० (पु० नं० १२/१७६)
७८७	२	गीता भाषा–सारंग रंगदा (पद्य) ले० आनन्दीराम विद्यावागीश ब्रह्मचारी, गौड़देश-निवासी (१२२६ बं० की हस्त० प्रतिसे छपी) स० वसन्तरंजनराय विद्वद्वल्लभ प्र० गौड़ीय वैष्णव कार्या०, ६६ मानिकतला स्ट्रीट, कल० सं०१– पृ० १६० (पु० नं० ११/१७१)

५

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
७८८	३	गीता-तात्पर्यनिर्णयः (लिपि देवनागरी, संस्कृत टीका) टी० १ आनन्दतीर्थ-गीतातात्पर्यनिर्णय २ जयतीर्थ मुनि-न्यायदीपिका ३ विट्ठलाचार्यपुत्र श्रीनिवास-न्यायदीपिका किरणावली प्र० टी. आर. कृष्णाचार्य, कुम्भकोनम् मु० निर्णय०, बंबई सं० १-१९०५ ई० पृ० २२१ (पु० नं० $\frac{११}{१७५}$)
		१९. राममोहन पुस्तकालय, २६७ अपर सरकुलर रोड, कलकत्ता
		(लिपि-बंग ❀ भाषा-बंगला)
७८९	१	भ० गीता (पद्य) ले० नारायणचन्द्रघोष प्र० हरिहरचन्द्र, ६६ गढ़पार रोड, कल०, पृ० १६० (पु० नं० $\frac{१२६}{३}$)
७९०	❀२	ब्राह्मधर्म गीता (ब्राह्मधर्म व्याख्यान) ले० श्रीदेवेन्द्रनाथ ठाकुर (पद्य) अनु० पं० प्रियनाथ शास्त्री प्र० मु० आदि ब्रह्मसमाज, ५५ अपर चितपुर रोड, कल० सं० १-१८०५ शक मू० ५) पृ० ३७० (पु० नं० १७१)
७९१	३	भ० गीता (पद्य) ले० हरिदास घोष प्र० सिद्धाश्रम, ४ घोषपाड़ा लेन, सलकिया, हावड़ा मू०॥-) पृ० १२५ (पु० नं० ३५२)
७९२	४	रामकृष्ण गीता (उपदेश; भाग १, २) प्र० रामकृष्ण पुस्त०, २०१ कार्न०, कलकत्ता सं० २-१३१८ बं० मू० ॥) पृ० १६०; सं० १-१३२० बं० मू० ॥) पृ० १८० (पु० नं० १६८ । १६६)
		२०. बान्धव पुस्तकालय, कलकत्ता
		(लिपि-बंग ❀ भाषा-बंगला)
७९३	१	भ० गीता (पद्य) ले० जनैक अन्ध प्र० दुर्योधन पात्र, कलकत्ता सं०-१३१३ बं०
७९४	२	भ० गीता (पद्य) बंगला
७९५	३	परमकल्याण-गीता ले० परमहंस शिवनारायण स्वामी पता-सारस्वत पुस्त० कार्न० स्ट्रीट, कलकत्ता सं०-१३२७ बं० मू० १॥)
		२१. पेट्रियॉटिक पुस्तकालय, कलकत्ता
		(लिपि-बंग ❀ भाषा-बंगला)
७९६	१	भ० गीता संवादात्मक बंगानुवाद
७९७	❀२	भ० गीता-भाषा प्र० भुवनचन्द्र मजूमदार, कलकत्ता (?) सं०-१३१० बं०
		२२. चैतन्य पुस्तकालय, बिडन स्ट्रीट, कलकत्ता
७९८	१	गीतासार टी० भूधर चट्टो०, कलकत्ता सं० ४-१९०१ ई० मू० ३।)
७९९	२	भ० गीता टी० वैष्णवचरण बैसाक
८००	३	भ० गीता टी० कालीप्रसन्न सरकार (अंग्रेजी और बंगला)
८०१	४	भ० गीता टी० जीवनकृष्णराय
		२३. युनाइटेड रीडिंग रूम, कलकत्ता
८०२	१	भ० गीता स० मथुरानाथ तर्करत्न
		२४. बागबजार पुस्तकालय, कलकत्ता
८०३	१	भ० गीता टी० गौरीशंकर तर्कवागीश (पुस्तका० नं० २१०)
		२५. बागबजारके पास एक बंगला पुस्तकालय, कलकत्ता
८०४	१	भ० गीता टी० गंगाकिशोर भट्टा०
८०५	२	भ० गीता टी० ब्रजवल्लभ विद्यारत्न प्र० भोलानाथ मुखो० (पुस्तका० नं० १६६)
८०६	३	भ० गीता टी० शशिभूषन बन्द्यो० (पुस्तका० नं० १७१)

परिशिष्ट नं० ४

निम्नलिखित गीता-सम्बन्धी साहित्य लोगोंकी सूचना और बड़े सूचीपत्रोंसे चुनकर लिखा गया है। ये ग्रन्थ अभी गीता-पुस्तकालयके संग्रहमें उपलब्ध नहीं हो सके हैं, गीता-प्रेमी सज्जनोंसे निवेदन है कि इन ग्रन्थोंके मिलनेका पूरा पता हमें लिखनेकी कृपा करें और संग्रहके लिये ग्रन्थोंको भेजनेकी चेष्टा करें:—

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
		1. UNITED STATE CAT. BOOKS IN PRINT. (Jan. 1.--1928)
807	1	Bh. G.-Condensed into English verse by Romesh Dutt. (Temples classics)
808	2	Bh. G.-By William W. Atkinson. Pub. Yogi Pub. Society., Chicago. U. S. A.
809	3	Bh.G.-By S. N. Ayer.
810	4	Bh. G.-By C. Jinarajadasa. Pub. Theosophical Press. Price-10C.
		2.WHITAREIS REFERENCE CAT. OF CURRENT LIT. 1928.
811	1	Bh. G.- English Prose. Trans. with notes, chapter on Hindu philosophy Index etc. 8 vo. Hertford. 1855.
812	2	Bh. G.-Theosophy of the Hindus; a review of the Bh. G. by an Englishman. 8 vo. pp. 68. Madras 1863.
		3. CLASSIFIED LIST OF 8000 GUJRATI BOOKS. 1928.
		Bh. Gita—Gujrati.
८१३	१	भ० गीता टी० कवि नर्मदाशंकर लालशंकर प्र० गुजराती प्रेस, बम्बई सं०—१८८६ ई० मू० १)
८१४	२	गीतामां ईश्वरवाद ले० दामोदर भोखतचन्द मू० ।।।)
८१५	३	भ० गीता—भाषान्तर टी० शास्त्री हरिदत्त कल्याशंकर. प्र० गुजराती प्रेस. बम्बई. सं०—१८६४ ई० मू० ।।।)
८१६	४	भ० गीतानो सार—सद्धर्मवाचन संग्रह ले० नारायण हेमचन्द्र, प्र० निर्णय०. बम्बई. सं०—१८८० ई०
८१७	५	गीता-परिचय टी० काशीभाई रेन्दलकर, बम्बई १६१६
८१८	६	भ० गीता टी० कवि प्रेमानन्द (गुज० पद्यानु०) प्र० मकजी भीमभाई नायक, सं०—१८६८ ई०
८१९	७	भ० गीता—टी० हरिलाल नरसिंहराम शास्त्री (पद्यात्मक भाषान्तर) मू० ।-)
८२०	८	भ० गीता०—ले० हरिलाल नरसिंहराम शास्त्री मू० ।।।)
८२१	९	भ० गीता—पञ्चरत्न स० कल्याणजी रणछोड़जी व्यास, अहमदाबाद (?) मू० ।।-)
८२२	१०	भ० गीता—भाषान्तर टी० मणिशंकर गोविन्दजी वैद्यशास्त्री मू० १)
८२३	११	भ० गीता—भाषान्तर टी० विष्णुबावा
८२४	१२	भ० गीता—वनमालीदास लधाभाई मोदी
८२५	१३	भ० गीता—टी० गनपतराम नानाभाई भट्ट, बम्बई. मू० २।)
८२६	१४	भ० गीता—टी० पं० रघुनाथ सीताराम, मू० १)
८२७	१५	भ० गीता-पञ्चरत्न टी० नाथूराम शर्मा, मू० १।।)
८२८	१६	भ० गीता—अध्ययन, टी० मणिलाल नाथूभाई जोसी मू० ।।।)
८२९	१७	भ० गीता—टी० विट्ठलदास राजाराम वकील
८३०	१८	भ० गीता—टी० मणिलाल छोटालाल त्रिवेदी मू० १)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
८३१	१६	भ० गीता–टी० प्राणजीवन उद्धवजी ठक्कर मू० ॥)
८३२	२०	भ० गीता–टी० नरहरि (प्राचीन काव्यमाला सिरीज)
८३३	२१	भ० गीता–टी० इच्छाराम सूर्यराम देसाई (हिन्दी अनुवाद) स०–१८८६ ई० बम्बई मू० १)
८३४	२२	भ० गीता-(शंकरानन्दी टीकासहित, भाग २, अ० १२) टी० मोतीलाल रविशंकर घोडा (सयाजी साहित्यमाला सिरीज़, बड़ोदा राज्य) प्र० एम० सी० कोठारी, बड़ोदा सं० १–१६२८-२६ ई० मू० ४॥।≈) (भाग ३ रा छप रहा है)
		4. A LIST OF GITAIC–LITERATURE.
		(Only List Received form Kali Krishna Bhattacharya, Pleader-Municipal Act Court, Town Hall, Calcutta.)
		(A) English-Language.
835	1	The Gita with an index by A. K. Sitaram Shastri.
836	2	Vedant Philosophy as revealed in the Upnishad and the Gita by S. S. Mehta.
837	3	The Gita, by Bhandarkar.
838	4	Essays on the Gita, by Lajpat Rai.
839	5	Epic India, by C. V. Vaidya.
840	6	Shri Krishna. } By Bepin Chandra Pal.
841	7	Soul of India. } By Bepin Chandra Pal.
842	8	Ethics of India (Yale University Press.) } By Hopkins.
843	9	Great Epic of India. } By Hopkins.
844	10	Religion of India. } By Hopkins.
845	11	Avadhuta Gita, by Kelkar.
846	12	Hindu Ethics by Mackenzie.
847	13	Hindu Philosophy of Conduct, by M. Rangachary.
848	14	Religion of India, by Barth.
849	15	Indian Theism, by Macnicol.
850	16	Indian Philosophy, by S. A. Desai.
851	17	Indian Philosophy, by Radhakrishnan.
852	18	System of Vedantic Thought and Culture, by M. N. Sirkar.(Calcutta University)
853	19	Redemption, Hindu and Christian, by Sydney Cave.
		(B) बंगला-भाषा
८५४	२०	गुह्यतत्त्वामृत ले० सोहंसिद्ध वैद्यनाथ संन्यासी, २७० गणेश्वर, काशी
८५५	२१	भारते विवेकानन्द (निबन्ध)
८५६	२२	सिद्धजीवनी ले० महानन्द भारती, सं०२-
८५७	२३	कृष्णचरित्र, धर्मतत्त्व ले० बंकिमचन्द्र चट्टो०
८५८	२४	भक्तियोग, कर्मयोग ले० अश्विनीकुमार दत्त
८५९	२५	भक्तियोग ले० विवेकानन्द
८६०	२६	हिन्दू (द्वितीय भाग) ले० ज्ञानेन्द्रनाथ चट्टो०
८६१	२७	सत्संग (२) ले० बेचाराम लाहिड़ी

क्रम सं०	पृ० सं०	विवरण
८६२	२८	धर्मेर साधन ओ तत्त्व ले० धीरेन्द्रनाथ चौधरी
८६३	२९	गीतार आभास ले० हरिप्रसाद वसु पता–शान्तिनिकेतन, बोलपुर
८६४	३०	भ० गीता ले० वरदाराय, बंगवासी आफिस, ६ भवानीदत्त लेन, कल०
८६५	३१	गीतारत्न पता–१०५ पंचानन टोला रोड, हवड़ा
८६६	३२	भ० गीता ले० पं० प्रमथ शास्त्री (विस्तृत व्याख्या), काशी
८६७	३३	गीतामृत ले० सुवर्णप्रभा सोम
८६८	३४	गीतासप्तक } ले० यदुनाथ मजूमदार
८६९	३५	गीतात्रय } ले० यदुनाथ मजूमदार
८७०	३६	गीतामाहात्म्य ले० दुर्योधन पात्र
८७१	३७	प्रकृतितत्त्व ओ गीता-रहस्य ले० ज्ञानानन्द शास्त्री
८७२	३८	गीता (शंकर-भाष्य) विवेकानन्द
८७३	३९	श्रीकृष्णगीता ले० विश्वेश्वर भागवताचार्य्य
८७४	४०	ओंकारगीतार आध्यात्मिक व्याख्या ले० नवीनानन्द स्वामी
८७५	४१	गीतांकुर ले० प्यारीचन्द्र मित्र
८७६	४२	पंचरत्न गीता ले० दिनेश भट्टाचार्य्य
८७७	४३	भ० गीता ले० नटवर चक्रवर्ती
८७८	४४	भ० गीता ले० नवकुमार मजूमदार
८७९	४५	भ० गीता ले० प्रकाशसिंह
८८०	४६	भ० गीता ले० प्रतापराय
८८१	४७	स्वराज गीता ले० अनन्तकुमार सेन
८८२	४८	भ०गीता प्र० वैसाक एण्ड सन्स
८८३	४९	भ० गीता ले० रमेश काव्यतीर्थ ओ राधाकिशोर मुखो०
८८४	५०	गीतामृतरस ले० ब्रजमोहनराय
८८५	५१	भ० गीता ले० शरच्चन्द्र चक्रवर्ती
८८६	५२	पाँचजन्य ले० सुरेशचन्द्र चौधरी
८८७	५३	भ० गीता ले० हरिहर सेठ
८८८	५४	गीता समूहेर टीका (संस्कृत) ले० गंगाधर सेन
८८९	५५	भ० गीता ले० अविनाश बन्द्यो०
८९०	५६	भ० गीता ले० कालीकृष्ण मुखो०
		(C.) समाचार-पत्रोंसे गीता-निबन्ध
८९१	५७	'भारतवर्ष' (मासिक पत्र) पता–२०३ । १ कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता
		वर्ष १ — खंड १ — पृष्ठ ८८७
		„ १ „ २ „ ३१५
		„ ४ „ १ „ ६४७
		„ १३ „ २ „ ३२१,७०१
		„ १४ „ २ „ ४८१
		„ १५ „ १ „ ३६१
		„ १५ „ २ „ ६४१,८०१
		„ १६ „ १ „ १, ६८१

क्रमसं०	पृ०सं०	विवरण
८९२	५८	'प्रवासी', पता–९२ अपर सरकुलर रोड, कलकत्ता—
		वर्ष २३ — खंड २ — पृष्ठ २०४ (गीताधर्म सं० १३१२ बं०)
		,, २४ ,, १ ,, २१२, ७६१
		,, २८ ,, १ ,, ३४७, ५०६, ८०२
		,, २८ ,, २ ,, २००, ३२६
८९३	५९	'वसुमती', पता–१६६ बहुबाजार, कलकत्ता —
		वर्ष १ — खंड १ — मुक्ति ओ भक्ति
		,, १ ,, २ पृष्ठ ३३४
		,, २ ,, २ ,, ७७८
		,, ३ ,, १ ,, ९७१
		,, ५ ,, १ ,, ८९
		,, ५ ,, २ ,, ३७
		,, ६ ,, २ ,, ४१
		,, ७ ,, १ ,, ५३२
		,, ७ ,, २ ,, ९०
८९४	६०	'साहित्य संवाद'–गीतार साधना; सं०–१३३१बं० पृष्ठ ३८०
८९५	६१	'बङ्गीय साहित्य-परिषद् पत्रिका' कलकत्ता—महाभारतेर समय; वर्ष २३ पृष्ठ १४७
८९६	६२	'विश्ववानी', १३३५ बं० वैशाख (?) मे आरम्भ; अनिलवरणरायेर–गीताव्याख्या ।
८९७	६३	'नवयुग', पता–५५ कालेज स्ट्रीट, कलकत्ता—वर्ष ३ खंड १–गीतापरिचय ।
८९८	६४	'ब्रह्मविद्या', सं०–१३३३ बं० श्रावण इत्यादि– तत्त्वविद्या ओ मुक्ति
८९९	६५	'साधुसंवाद' (मासिकपत्रिका)
९००	६६	'साधना'—वर्ष २ पृष्ठ २६–क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोग
९०१	६७	'बङ्गलक्ष्मी', वर्ष ३ पृष्ठ ८७३
९०२	६८	'वामाबोधिनी', (मासिक) गीतासारेर व्याख्या
९०३	६९	'विचित्रा',पता ४८ पटेलडांगा स्ट्रीट, कलकत्ता—वर्ष १ खंड १ पृ० ९९४; वर्ष २ खं० १ पृ० ९२६
९०४	७०	'हिन्दूमिशन', वर्ष १ पृष्ठ १४, २५, ७९, ८९, ११४, ११५, १२६ वर्ष २ पृ० ४
९०५	७१	'आत्मशक्ति', पता–१९ ब्रिटिश इंडियन स्ट्रीट, कलकत्ता— वर्ष १ खंड ३ पृष्ठ ४● वर्ष २ खं० ३१ पृ० ,,
		,, १ ,, ८ ,, ९● ,, ३ ,, ५ ,, ३
906	72	'International Journal of Ethics' July-1911 (Article on the Gita by M. Radhakrishnan.)
907	73	'Modern Review' 120 Upper Circular Rd., Calcutta. July-1914; Vol.39.pp.184. ,, 41.pp.364.
908	74	'Dawn', (Magazine.)

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
		५. कुछ लोगोंकी सूचनानुसार मिला हुआ विवरणः—
		१– भ० गीता * संस्कृत-भाषा
९०९	१	भ० गीता–टी० पद्मनाभाचार्य (भावचन्द्रिका) पता–सी०एम० पद्मनाभाचार्य, हाईकोर्ट वकील, कोयमबटोर, मद्रास, मूल्य ६) (शान्तिनिकेतन, बोलपुरमें रखी)
९१०	२	भ० गीता–(केवल एक अध्याय) टी० श्रीविट्ठलेश प्रभु पता–श्रीबालकृष्ण संस्कृत पुस्तका०, बड़ा मन्दिर, बम्बई
९११	३	भ० गीता -टी० यामुन मुनि-गीतार्थसंग्रह (पद्य)
९१२	४	भ० गीता–(भीष्मपर्वसे) टी० प० रत्नगर्भ–संस्कृत टीका
९१३	५	भ० गीता-(,,) टी० पं० गणेश–संस्कृत टीका (गाणेशी टीका)
९१४	६	भ० गीता (,,) टी० अर्जुन मिश्र या पार्थ सारथि (भारतदीपिका–संस्कृत टीका) (लिपि-काल पं० नीलकंठसे पूर्व, केवल १० पर्वकी टीका प्राप्त)
९१५	७	भ० गीता (भीष्मपर्वसे) टी० चतुर्भुज मिश्र (भारतप्रकाश—संस्कृत टीका)
९१६	८	भ० गीता (,,) टी० सर्वज्ञ नारायण (भारत-अर्थप्रकाश—संस्कृत टीका)
९१७	९	भ० गीता (,,) टी० स्वा० विमलबोध दुर्घटार्थप्रकाशिनी–संस्कृत टीका)
९१८	१०	भ० गीता (,,) टी० पं० रामकृष्ण (विरोधार्थ-भंजिनी–संस्कृत टीका)
९१९	११	भ० गीता (,,) टी० वादीराजतीर्थ (लक्षाभरण–संस्कृत टीका)
९२०	१२	भ० गीता (,,) टी० विषमपदविवरण-संस्कृत टीका
९२१	१३	भ० गीता टी० पं० मोहनलालजी महाराज (हनुमत्-भाष्यपर टीका)
		२-भ० गीता * हिन्दी-भाषा
९२२	१	गीता-कर्मयोग टी०पं०नरोत्तमव्यास (गीतोपन्यास-टीका) प्र०हिन्दू-साहित्य-प्रचारक-माला, कलकत्ता मू०१॥)
९२३	२	साधन-संग्रह (निबन्ध) ले० पं० भवानीशंकरजी, पता–रघुनन्दनप्रसादसिंहजी, राजनगर, दरभंगा
९२४	३	भ० गीता टी० मैथिल-सम्प्रदायी पता–कन्हैयालाल कृष्णदास, रामेश्वर-प्रेस, दरभंगा मूल्य १)
९२५	४	भ० गीता-सारार्थ गद्य, पता–कन्हैयालाल बुकसेलर, तिरपोलिया बाजार, जैपुर
९२६	५	भ० गीता टी० गंगाप्रसाद तालुकेदार, हरदासपुर, रायबरेली, बिना मूल्य
९२७	६	भ० गीता टी० पं० रामशास्त्री (१ संस्कृतभाष्य–२ हिन्दी भाषाटीका) गोपालनगर पो० रतती, बलिया मु० सत्यसुधाकर-प्रेस, पटना मू० ३॥)
९२८	७	भ० गीता (सर्वदेशीय टीका) मु० राधारमण प्रेस, कांदेवाड़ी, बंबई
९२९	८	गीतार्थपद्यावली ले० शिवचन्द भरतिया, बम्बई
९३०	९	भ० गीता टी० छुट्टनलालजी, लोछमीनारायण भूतमहल, उदयपुर } पता–ठा० श्रीचतुरसिंह करआलीकी
९३१	१०	भ० गीता टी० मारवाड़ी-भाषा, धामणगांव } हवेली, उदयपुर, मेवाड़
९३२	*११	भ० गीता–हिन्दी, पता–इंडियन बुक साप, काशी मूल्य २)
९३३	१२	भ० गीता टी० पं० रामेश्वरदत्त शर्मा पता–भार्गव-पुस्तकालय, काशी
९३४	१३	भ० गीता टी० भाषाटीका
९३५	१४	भ० गीता वा स्वयंविमर्श–संहिता टी० स्वयं शर्मा (स्वयंप्रकाश-भाष्य) पता–ग्रन्थकार, नं० ६।१।१ केदारघाट, काशी

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
९३६	१५	भ० गीता (अ० १२ वां) टी० सीतारामशरण भगवानप्रसाद 'रूपकला', अयोध्या प्र० खड्गविलास-प्रेस, बांकीपुर मू० १)
९३७	१६	धर्मतत्व (निबन्ध) ले० बंकिमचन्द्र चट्टो० अ० महावीरप्रसाद गहमरी प्र० भारतमित्र प्रेस, कलकत्ता मू० ॥~)
		३—भ० गीता* मराठी-भाषा
९३८	१	भ० गीता टी० जीवन्मुक्ति-मराठी टीका
९३९	२	भ० गीता टी० साकीबद्ध ,, ,,
९४०	३	भ० गीता टी० आर्याबद्ध ,, ,,
९४१	४	भ० गीता पंचरत्नी टी० १ रामदासजी २ तुकारामजी ३ सुरा सरदार ४ पोरोबा आदि, पता—मराठी पुस्तक-विक्रेता, नासिक
९४२	५	ज्ञानेश्वरी टी० नारायण रामचन्द्र सोहनी, बम्बई १८६० ई० पृ० ५६०
९४३	६	भ० गीता टी० नारायण रामचन्द्र सोहनी (गद्य अर्थ)
९४४	७	भ० ,, टी० कृष्णाजी नारायण आठल्ये प्राकृत (गद्य)
९४५	८	भ० ,, (भजन प्रभातीमें) टी० गुरुदेव दत्तात्रेय (बडोदे)
९४६	९	भ० ,, टी० पर्वते—प्राकृतअर्थ
९४७	१०	भ० ,, टी० भास्कर दामोदर पालंदे (साक्या)
९४८	११	भ० ,, टी० अज्ञात-आर्य्या (गीतार्थबोधिनी टीका)
९४९	१२	भ० ,, टी० लक्ष्मणनारायण साठे
९५०	१३	भ० ,, (दशकनिर्धार नामक प्रकरणसे) ले० रमावल्लभदास, पता—कृष्णदास सुन्दरगोपाल उभयकर, नारायणपुर, हुबली
९५१	१४	गीता-परिचय ले० र० गो० सिलवलकर बी० ए० पता—३८१ शनि०, पूना मू० —)
९५२	१५	सुबोध आर्या-गीता ले० पु० रो० अवलेगकर, बीड (निजाम स्टेट) मू० ।)
९५३	१६	लोकमान्यके धार्मिक विचार (गीता-निबन्ध) ले० लो० तिलक, पता—तिलकबन्धु, गंकशावबाग, पूना
९५४	१७	गीतातत्त्व टी० वामन पंडित—मराठी अनु०, नासिक १८७८ ई० पृ० ५४
९५५	१८	गीता ले० मोरो सदाशिव, बंबई १९०४ ई० पृ० १००
९५६	१९	गीतार्थ-मञ्जरी ले० शिवराम भास्कर काण, रत्नगिरि १८६८ ई० पृ० १२५
९५७	२०	गीतासुधा टी० भास्कर दामोदर पालन्दे (पद्यानुवाद तथा टीका) बम्बई सं० १८७३ ई०
९५८	२१	ज्ञानेश्वरी टी० राजजी श्रीधर गोन्धलेकर, पूना १८७८ ई०
९५९	२२	ज्ञानेश्वरी स० तुकाराम तात्या, बम्बई १८९७ ई० पृ० ५१०
९६०	२३	भ० गीता टी० सामजभट्ट (पद्यानुवाद) वसिपन १८७१ ई० पृ० ५७
		४—भ० गीता* गुजराती-भाषा
९६१	१	भ० गीतानो सार-पद्यानुवाद ले० भानुकवि, बम्बई १८९८ ई० पृ० १५०
९६२	२	गीतानो आत्मा ले० प्र० ॐ सागर ज० दा० त्रिपाठी, श्रीक्षेत्र, सरसेज, अहमदाबाद मू० ॥।)
९६३	३	भ० गीता टी० हरिशंकर कल्याणशंकर प्र० वेदधर्म सभा कार्यभारमण्डली सं० १९४४ वि० मू० ॥।=)
९६४	४	भ० गीता टी० शास्त्री महाशंकर ईश्वरजी पता—प्रभुनादास कल्याणजी भाई, राजकोट मू० ॥)
९६५	५	भ० गीता (अमृततरङ्गिणीका गुजराती अनुवाद) अ० बालूलाल नारायणदास गांधी, एम. ए., एल-एल.बी. प्र० भक्तिग्रन्थमाला कार्या०, रीची रोड नं० ११० अहमदाबाद सं० १—१९१९ ई० मू० १॥)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
९६६	६	भ० गीता धर्मानुशासनम् ले० स्वामी शंकराचार्य त्रिविक्रमतीर्थजी पता-शारदापीठ अध्य० कार्या०, अह० बिना मूल्य
९६७	७	भ० गीता टी० स्वा० आत्मानन्द सरस्वती (शांकर-भाष्यानुवाद), नांदोद संस्थान-राजपीपली, पता-युनाइटेड प्रिंटिंग ऐंड जेनरल एजेन्सी, अहमदाबाद मू० ३)
९६८	८	भ० गीता प्र० शंकरलाल बुलाकीदास, रीची रोड, अह० मूल्य ॥।)
९६९	९	गीता तात्पर्य ले० श्रीविट्ठलेश दीक्षित टी० पं० रमानाथ शास्त्री (गुजराती अर्थ) मू० -)॥ पता-- बालकृष्ण पु०, बड़ामन्दिर, बम्बई
९७०	१०	गीता तात्पर्य (गुजराती) भ० प्रो० मगनलाल गणपतिराम एम० ए०, दक्षिण कालेज, पूना
९७१	११	भ० गीता पञ्चरत्न टी० जयकृष्ण महाराजटीका मू० ७) } पता-जे.एम.पंड्या, प्रिंसेस स्ट्रीट, बम्बई २
९७२	१२	महाभारत (वल्लभराम व्यासकृत पद्यमें) मू० ६)
९७३	१३	भ० गीता-समश्लोकी टी० भारतमार्तंड पं० गट्टूलालजी
९७४	१४	भ० गीता-तत्त्वबोधिनी (संस्कृत भाषा-गुज० लिपि) } पता-कृष्णदास नारायणदास एन्ड सन्स बुकसेलर, नानावट (सूरत)
९७५	१५	भ० गीता-मगनलाल गणपतराम शास्त्री एम. ए.
९७६	१६	भ० गीता-शांकरभाष्य स० हरिरघुनाथ भागवत, पूना मू० २)
९७७	१७	भ० गीता -बालबोधिनी टीका मू० २)
९७८	१८	भ० गीता-चिद्घनानन्दी टी० गुजराती अनुवाद प्र० गुजराती प्रेस, बम्बई

५ भ० गीता * बंगला-भाषा

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
९७९	१	भ० गीता या श्रीकृष्णशिक्षा (भाग २) श्रीधरीटीकानुवाद स० विहारीलाल सरकार बी. एल.
९८०	२	भ० गीता टी० तुरीय स्वामी-व्याख्या
९८१	३	भ० गीता-ज्ञानानन्दलहरी षट्चक्र पता-भारत पुस्तका०, ११७ अपर चितपुर रोड, कल० मू० ॥।)
९८२	४	भ० गीता-स० मुरारजी मोहन मुखो०, कल० मू० ।-)
९८३	५	भ० ,, स० नगेनचन्द्र सेन पता- सन्याल कं०, २५ रामबगान स्ट्रीट, कलकत्ता
९८४	६	भ० ,, स० प्रभुवानन्द गिरी प्र० नगेन्द्रनाथ चक्र० (?)
९८५	७	गीतामृत (पद्य) म० सतीशचन्द्र वन्द्यो० पता-कात्यायनी बुकस्टाल, चितपुर रोड, कलकत्ता मू० ॥)
९८६	८	भ० गीता-ले० राखालदास चक्रवर्ती प्र० नरसिंहकुमार घोष, कल० (?)
९८७	९	भ० गीता-ले० खगेन्द्रनाथ शास्त्री पता-भागवत प्रेस, कलकत्ता
९८८	१०	भ० गीता-ले० स्वामी मुक्तेश्वर गिरि, नं०२ रामघाट लेन, श्रीरामपुर, हुगली (दूसरा पता-ज्योतिर्विद्याधिराज कृष्ण चक्रवर्ती, ज्योतिष कार्या०, पुरलिया, मेदिनापुर)
९८९	११	गीताय-स्वराज्य ले० त्रैलोक्यनाथ चक्रवर्ती प्र० एस. सी. पाकासी, कलकत्ता मू० १)
९९०	१२	भ० गीता-माध्व भाष्य पता-छात्र पुस्तका०, निवेदिता लेन, बागबजार, कल०
९९१	१३	भ० गीता-टी० परमेश्वरदान, कल० सं०-१९१३ ई० पृ० ३३०
९९२	१४	भ० गीता (अ० २ से १३) टी० १ शंकर २ आनन्दगिरी ३ श्रीधर-टीका ४ बंगानु०; कल०, सं०१८५८ई० पृ० ४५५
९९३	१५	भ० गीता-रामानुज-भाष्य, श्रीधर-टीका, बंगानु० (पृ० ४ से २९ तक अपूर्ण) पृ० १९२

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
९९४	१६	भ० गीता–(मूल, श्रीधर-टीका) टी० गोपालचन्द्र शर्मा–बंगानु०, कल० १८८५ ई० पृ० २१६
९९५	१७	भ० गीता–(मूल, शंकर, श्रीधर-टीका) टी०माधवचन्द्र चूड़ामणि–बंगानु०(अधूरा), ढाका सं० १८८५-८६ई०
९९६	१८	भ० गीता-मूल, श्रीधर-टीका तथा बंगभाषानु०, कल० सं० १८८६ ई० पृ० २२६
९९७	१९	गीताकी व्याख्या और इसकी शिक्षा ले० भूतनाथ सरकार, कल० १९१४ ई० पृ० ८०
९९८	२०	गीता-काव्य–(मूल सह) ले० पंचानन अधिकारी पद्यानु०, बनारस, १९१० ई० पृ० १९५
९९९	२१	गीता-लहरी– (पद्यानु०, स्वरयुक्त) ले० योगेन्द्रलाल चौधुरी, कल०, १९११ ई० पृ० १६१
१०००	२२	गीता-संगीत ले० उमेशचन्द्र वन्द्यो०–बंगपद्यानु०, मिदनापुर, १९१० ई० पृ० १६०
१००१	२३	गीतावली– ले० ब्रह्मानन्द चट्टो० कल०, १८५९ ई० पृ० ४८

६–भ० गीता* उड़िया-भाषा

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
१००२	१	भ० गीता (महाभारत-अन्तर्गता; रचनाकाल १४३५ से १४६९ई०) आदि कवि शूद्र मुनि शारलादासकृत
१००३	२	भ० गीता–ले० कवि बलरामदास कायस्थ, पुरी (रचनाकाल १५०० ई०)
१००४	३	भ० गीता–टी० आचार्य हरिदास–उत्कल अनु० (श्रीधरी सह) } पता–शिवदत्तराय भोलानाथ साह, लाइन्स गेट, पुरी
१००५	४	भ० गीता–ले० जगबन्धुसिंह वकील (पद्य) } पता–शिवदत्तराय भोलानाथ साह, लाइन्स गेट, पुरी
१००६	५	भ० गीता–ले० पं० त्रिलोचन मिश्र, भूतपूर्व डिप्टी इन्सपेक्टर आफ स्कूल्स, सम्बलपुर (उड़ीसा)
१००७	६	भ० गीता–ले० पं० बिहारीलाल काश्मीरी, कटक

७–भ० गीता * तामिल-भाषा

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
१००८	१	भ० गीता ले० महामहो० चेटलुर नरसिंहाचारी स्वामी (विशिष्टाद्वैतमतानुयायी व्याख्या) पता–निगम परिमल आफिस, आलकुशमन्दिरम्, माउंट रोड, मद्रास (मुद्रित)
१००९	२	भ० गीता ले० एम. आर. जम्बूनाथ पता–चूडान कं०,१४ पल्लीयाप्पान स्ट्रीट, साउकार पेठ मद्रास

८–भ० गीता * तेलगु-भाषा

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
१०१०	१	भ० गीता (तेलगु–मुद्रित) ले० टी० ई० श्रीनिवासाचार्य. पता–टी० ई० सत्गोपालाचारियर, बी० ए०. बी० एल०, एडवोकेट-तिरुप्पापुलियर
१०११	२	भ० गीता और तात्पर्य–मू० ।।)
१०१२	३	भ० गीता (मूल और शंकर-भाष्य)Original. मू०१) } पता वी०रामस्वामी शास्त्री,२९२इस्पलेनेड, मद्रास
१०१३	४	भ० गीता–सारसंकीर्तनम् मू० =) } पता वी०रामस्वामी शास्त्री,२९२इस्पलेनेड, मद्रास
१०१४	५	भ० गीता–गूढार्थदीपिका टी० परमहंस बालसुब्रह्मण्य ब्रह्मस्वामी पता–मदेती सन्यासय्या एन्ड सन्स, बुकसेलर, राजमहेन्द्री

९–भ० गीता * मलायालम्-भाषा

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
१०१५	१	भ०गीता–भाष्य अ०ए० गोविन्द पिल्लाइ,रिटायर्ड हाइकोर्ट जज.ट्रिवन्ड्रम,पता–भारतविलासम्प्रेस,ट्रीचर(S.I.)

१०–भ० गीता * उर्दू-भाषा

क्रमसं०	पु०सं०	विवरण
१०१६	१	भ० गीता- ले०श्रीतोताराम 'शायां' कवि
१०१७	२	कृष्णगीता पता–वैदिक पुस्तका०, मुरादाबाद मू० ।)
१०१८	३	भ० गीता–ले०बजरंगसहाय मु० इस्लामी प्रेस, काठका पुल, पटना सं०–१९२१ ई०

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१०१९	४	कदीम भ० गीता ग्र० सिद्धान्तभूषण श्रीनीकान्त शर्मा शास्त्री, भारत पुस्तका०, सरगुधा, माहपुर सं०—१९२५ई०
१०२०	५	भ० गीता—ले० तोलाराम, पता—लाजपतराय एंड सन्स, लाहोर मू० ।=)
१०२१	६	भ० ,, टी० मुंशी लक्ष्मीनारायण तहसीलदार, मिर्जापुर सिटी
१०२२	७	भ० ,, टी० मुंशी श्यामसुन्दरलाल, पता—नवल०, लखनऊ
१०२३	८	भ० गीता (पद्य) ले० घासीराम मू० ॥)
१०२४	९	भ० ,,—ले० फलक
१०२५	१०	भ० ,,—कृष्णज्ञान मू० १) } पता—दौलतराम एंड सन्स, लाहोरी गेट, लाहोर
१०२६	११	भ० ,,—फैजी कृत फारसी गीताका अनुवाद मू०॥)
१०२७	१२	भ० गीता अफक कृत पता—नारायणदत्त सहगल कं०, लाहोरी गेट, लाहोर मू० ।)
१०२८	१३	भ० गीता—ले० पन्नालाल प्र० हीरालाल भार्गव मु० हीरालाल प्रेस, रामनिवास बाग, जयपुर
१०२९	१४	भ० गीता सं० १—१८७७ ई० सियालकोट पृ० ७२
१०३०	१५	भ० गीता० टी० व्रजलाल हिन्दी पद्यानु०, लाहोर १८७४ ई० पृ० १०४
१०३१	१६	माहात्म्य अध्याय भ० गीता ले० व्रजलाल, बुलन्दशहर १८७६ ई० पृ० ५६
१०३२	१७	कृष्णबोध ले० मुंशी हरीराम भार्गव, जयपुर

११—भ० गीता * फारसी-भाषा

१०३३	१	भ० गीता टी० गुलशने राज
१०३४	२	भ० गीता ले० दाराशिकोह—'सिरर् ए अकबर'

12-Bh. G. * English Language.

1035	1	Bh. G. by Wilkinson.
1036	2	A general view of the doctrine of Bh. G. by M. Cousin.
1037	3	Bh. G. by J. M. Chatterji. Pub. Trubner & Co., London, Ed. 1888.
1038	4	Priority of the Vedant Sutras over the Bh. G. by Prof. T. R. Amalnerker.
1039	5	Our Social Problem of Gita. by K. S. Ramswami. From: Vani Vilas Press, Srirangam.
1040	6	An Epitom of the Bh. G.
1041	7	The Ethical ideal of the East. (According to the Gita.)
1042	8	The God and man, and how to worship the God. (According to Bh. G. } By C. V. Narsingh Rao Sahib, B. A. B. L., Triplicane. Madras. (?)
1043	9	The Philosophical doctrine to Bh. G.
1044	10	The Psychology of Bh. G.
1045	11	Study of Bh. G. By P. T. Srinivas Iyengar. From: T. P. H., Adyar, Madras.
1046	12	Bh. G. by G. W. Judge.
1047	13	The Academy of sciences by Wilhelm Von Humboldt. Ed. 1925-26. Berlin (Essay on Gita.)
1048	14	Bh. G. from "The Mahabharat and Its parts" by Adolf Noltzmann. 1893.
1049	15	Bh. G. by R. V. Khedkar (3 Chapters. Pub. In "Vedantin", Kolhapur; Rest in Mss.) From: R. V. KhedKar M. D., F. R. C. S. etc. P/o. Faridabad(Dacca)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
1050	16	Bh. G. The message of the Master, by Yogi Ramchark. From:-L. N. Fowler Co. Imperial Arcade Ludgate Circus, London. E. C. Rs. 3/- pp. 150.
1051	17	Bh. G. by Charles Wilson. From:-Francis Edwards, 83, High St. Marylebone, London. W. I. Ed. 1785. Rs. 4/8/-.
1052	18	Study of Gita, by Kannomal M. A.; Dholpur State.
1053	19	Krishna as described in Puranas and Bh. G. Re.-/3/-. } Pub. Christian Lit. Society, Madras.
1054	20	Bh. G. (Pice papers on Indian Reform) Re. -/-/3.
1055	21	Bishop Coldwell on Krishna and Bh. G. (Papers for thoughtful Hindus No. 1.) Re. /-/-9
1056	22	The introductory Essay to Bh. G. (English verses) Ed. 1875.
1057	23	Krishna & Krishnism, by Lalooram Mallik Ed. 1898.
1058	24	Bh. G. by T. Mahadew Rao with Shankar-Bhashya
		13-Bh. G. * Foreign-Language.
1059	1	Dissertation on the Gita by Wilhelm Von Humboldt, Germany. Ed. 1825.
1060	2	Weber die Bh. G by Cf. G. Humboldt, Berlin. Ed. 1823.
1061	3	Etude Sur La Bh. G. by A. Barth., German (Janv.) Ed. 1897.
1062	4	Bemer Kungen Zur Bh. G. (German Trans. by Otto Bohtlingth. Ed. 1897. Leipzig.
1063	5	Bh. G. by Languinais. Ed. 1832. Paris.
1064	6	Bh. G. (Japanese OnlyTrans. By Prof. J. Takakusu. From:-The Young East (Bookseller) Y. M. B. A. Buil. 5, San Chome, Hongo,Tokyo, Japan. Rs.2/
1065	7	Dei Bh. G. by Oppermann.
1066	8	Die Philosophie der Bh. G. By Subba Rao.
		१४--अन्य-गीता
१०६७	१	हरि गीता
१०६८	२	कपि गीता
१०६९	३	व्यास गीता (कूर्मपुराणान्तर्गता)
१०७०	४	उतथ्य गीता (महाभारत राजधर्म पर्व अ० ९०-९१)
१०७१	५	वामदेव गीता (,, ,, ,, ,, ९२-९३-९४)
१०७२	६	ब्रह्म गीता स्वा० विद्यारण्यकृत भाष्य सह
१०७३	७	सार गीता-नेपाली भा० टी०, पता-गोरखा-पुस्तकालय, रामघाट, काशी मू० ≠)
१०७४	८	पितृ गीता (विष्णु पु० अंश ३ अ० १४ अन्तर्गता)
१०७५	९	पितृ गीता (वराह पु० अ० ११ से २०)

क्रम सं०	पु० सं०	विवरण
१०७६	१०	रुद्र गीता (भागवत स्क० ४ अ० २४ अन्तर्गता)
१०७७	११	भिक्षु गीता (,, ,, ११ ,, २३ ,,)
१०७८	१२	भूमि गीता (,, ,, १२ ,, ३ ,,)
१०७६	१३	ब्राह्मण गीता (महाभारत-अन्तर्गता)
१०८०	१४	वृत्र गीता (,, ,,)
१०८१	१५	सूत गीता (स्कंद पु० ,,)
१०८२	१६	पञ्चरात्र गीता (गणपति कृष्णाजी प्रेस, खुला पत्रा) सं० २– मु० निर्णयसागर प्रेस, बम्बई
१०८३	१७	अष्टावक्र गीता (अङ्गरेजी) पता-कृष्णलाल, नमकमंडी, आगरा मू० ।।।)
१०८४	१८	श्रीधर्म गीता पता-जे. एम. पंड्या कं०, गिर्गेस स्ट्रीट, बम्बई मू० २॥)
१०८५	१९	उत्तर गीता पट्चक्र (बङ्गला) पता—तारा पुस्तकालय, १०६ अपर चितपुर रोड, कलकत्ता मू० ।।।)
१०८६	२०	प्रणय मंजरी या प्रेम गीता–ले० प्र० मणिलाल मोहनलाल पादराकर, पादरा पृष्ठ २१
१०८७	२१	महात्माजीकी उत्तर गीता (मराठी) मू० ॥)
१०८८	२२	सनातन गीता (बं०) पता-रुवी पुस्तका०, ३३३ अपर चितपुर रोड, कल० मू० ≶)
१०८६	२३	प्रणव गीता (बं०)
१०६०	२४	राम गीता (उर्दू) पता नवल०, लखनऊ मू० –)
१०६१	२५	अवधूत गीता (अङ्गरेजी) ले० कन्नोमल एम० ए० पता-आर्य पब्लिशिंग, कालेज स्ट्रीट, कल० मू० १)
		अन्य-गीता ※ उड़िया-भाषा
१०६२	२६	कपटपाशा गीता मू० ≡) — पता—अरुणोदय प्रेस, कटक
१०६३	२७	पापहर ,, ,, –)।
१०६४	२८	ज्ञान-प्रदीप ,, ,, =)
१०६५	२९	ध्वनिमञ्जरी ,, ,,)॥
१०६६	३०	नहुष ,, ,, –)
१०६७	३१	ब्रह्मबोध ,, ,, =)
१०६८	३२	भक्तगीता शत्रुजित ,, ,, –)।
१०६६	३३	अनन्तगोह ,, ,, –)।
११००	३४	अमृतसागर ,, ,, ≡)
११०१	३५	आत्मबोध ,, ,, ।)
११०२	३६	भगवती ,, ,, –)॥
११०३	३७	भिक्षु ,, ,,)॥
११०४	३८	राम ,, ,, –)
११०५	३९	हरिभक्ति ,,

परिशिष्ट नं० ५

गीता-संग्रह करनेवालोंके सुभीतेके लिये, प्रधानतया जिन भाषाओंका गीता-साहित्य जहाँ मिलता है, उन चुने हुए कुछ पुस्तक-विक्रेताओंके नाम, पते लिखे जाते हैं—(संग्रहीत ग्रन्थोंकी सूचीमें जिनका पूरा पता न छपा हो, वे भी निम्नलिखित पुस्तक-विक्रेताओंके पास मिल सकती हैं।)

भाषाका नाम †	पुस्तक-विक्रेता
सं०, हि०, अं०,* ...	१-मेहरचन्द लक्ष्मणदास, सैदमिट्ठा, लाहोर
सं० हि०, अं०, * ...	२-मोतीलाल बनारसीदास, सैदमिट्ठा, लाहोर
सं०, हि०	३-जयकृष्णदास हरिदास गुप्ता, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, काशी
सं०, हि० ...	४-हिन्दी-पुस्तक एजेन्सी, बड़ाबाजार, कलकत्ता
,, ,,	५-मास्टर खेलाड़ीलाल, संस्कृत-बुक डिपो, काशी
,, ,,	६-गीता-बुकडिपो, हिन्दू-संघामण्डल, तुलछरीजीका मन्दिर जोधपुर सिटी
सं०, हि०, मेवाड़ी ...	७-ठा० श्रीचतुरसिंह, करजालीकी हवेली, उदयपुर, मेवाड़
सं०, हि० गु०, म०, ...	८-पं० नारायण मूलजी, झवेरबाग, बम्बई २
सं०, गु०, म० ...	९-तुकाराम पुंडलीक शेट्ये, माधवबाग, बम्बई
गु० म० ...	१०-जे० एम० पंड्या एंड कं०, प्रिंसेस स्ट्रीट, बम्बई २
म० ...	११-बालकृष्ण लक्ष्मण पाठक, मोतीबाजार, बम्बई २
गु०, म०, अं०	१२-एन० एम० त्रिपाठी कं०, कालबादेवी, बम्बई २
गु०	१३-महादेव रामचन्द्र जगुष्टे, अहमदाबाद
बं०, अं०	१४-महेश पुस्तकालय, ११।१२ कार्नवालेस स्ट्रीट, कलकत्ता
सं०, बं०, अं०	१५-संस्कृत-पुस्तकालय, ५८ कार्नवालिस स्ट्रीट, कलकत्ता
उड़िया	१६-अरुणोदय प्रेस, कटक
कनाड़ी ...	१७-शंकर कर्नाटक पुस्तक-भण्डार, धारवाड़
,,	१८-एम० एस० राय एंड कं०, बंगलोर
हि०, उ०, फा०,*	१९-नारायणदास जंगलीमल, दिल्ली
,, ,, ,,	२० दौलतराम एंड सन्स, लाहोरी गेट, लाहोर
,, ,, ,,	२१-नारायणदत्त सहगल एंड संस, लाहोरी गेट, लाहोर
सिन्धी	२२-पं० तेजूराम शर्मा, सनातनधर्म-सभा, कराची, सिन्ध
अं०, ता०, ते०, *.	23-T. S. Natesa Sastriar & Co., Mayavarm. (S. I.)
सं०, म०, अं०, *	24-Oriental Book Agency, 15 Sukerwar Peth, Poona.
ता०, ते०, अं०	25-V. Ramswamy Sastrulu & Sons, 292 Esplanade, Madras.
अं०,	26-Theosophical Pubeishing Society, Adyar, Madras.
अं०, सं०, *	27-Probsthain & Co., 41 Great Russell St, London.
,, ,, ,,	28-Luzac & Co., 46 ,, ,, ,, ,,
,, ,, ,,	29-Kegan Paul, Trench Trubnor & Co., London.
,, ,, ,,	30-Bjorck & Borjesson, Drottninggatan 62, Stockholm, Sweeden.
,, ,, ,,	31-C. Frtzes Kungl. Hovbokhandel, Fredsjatan 2, Stockholm.
,, ,, ,,	32-Otto Harrassowitz, 14 Querstrasse, Berlin, Germany.

† सं०=संस्कृत, हि०=हिन्दी, म०=मराठी, गु०=गुजराती, बं०=बंगला, ता०=तामिल, ते०=तेलगु, उ०=उर्दू, फा०=फारसी, अं०=अंग्रेजी, *=Rare or Out of Print.

अन्तिम निवेदन !

गीता-पुस्तकालयमें संगृहीत ग्रन्थोंके अतिरिक्त, परिशिष्ट-प्रकरणके सब अनुपलब्ध ग्रन्थोंके सम्बन्धमें सर्व प्रकारकी सूचनाएँ, गीता-प्रेमी-सज्जनोंको निम्नलिखित पतेपर भेजनी चाहिये। इस सूचीके या किसी भी प्रकारकी गीताके सम्बन्धमें जो कुछ पूछताछ करनी हो, वह भी इसी पतेसे करें।

मंत्री—**गीता-पुस्तकालय,**

३० बाँसतल्ला गली,

कलकत्ता।

* हरिः ॐ तत्सत् *

गीताप्रेस गोरखपुरकी गीतायें

गीता-मूल, पदच्छेद, अन्वय, साधारणभाषाटीका, टिप्पणी, प्रधान और सूक्ष्मविषय एवं त्यागसे भगवत्प्राप्ति-सहित, मोटाटाइप, मजबूत कागज, सुन्दर कपड़ेकी जिल्द, ५७० पृष्ठ ४ बहुरंगे चित्र मूल्य ... १।)

गीता-प्रायः सभी विषय १।) वालीके समान, विशेषता यह है कि श्लोकोंके सिरेपर भावार्थ छपा हुआ है, साइज और टाइप कुछ छोटे पृष्ठ ४६८, मूल्य ॥≈) और सजिल्द ... ।॥≈)

गीता-साधारणभाषाटीका, टिप्पणी, प्रधानविषय और त्यागसे भगवत्प्राप्तिसहित, सचित्र ३५२ पृष्ठ मूल्य ≈)॥ सजिल्द ... ... ≋)॥

गीता-यह २०×३० सोलह पेजी गीता मोटे टाइपमें छापी गई है विषय ढाई आने मूल्यवाली गीताके ही रखे गये हैं। टाइप बड़े होनेसे यह पुस्तक स्त्रियों और बूढ़ोंके लिये अधिक उपयोगी हो गयी है। पृष्ठ३१२, मूल्य ॥)

गीता-केवल भाषा, मोटा टाइप, सचित्र मूल्य ।) और सजिल्द ... ।≤)

गीता-मूल, मोटे अक्षरवाली, सचित्र मूल्य ।-) और सजिल्द ... ।≋)

गीता-मूल, विष्णुसहस्रनामसहित, सचित्र और सजिल्द ... ≈)

गीता-मूल, ताबीजी साइज, २×२ ½ इञ्ची सजिल्द ... ≠)

गीतोक्त सांख्ययोग और निष्कामकर्मयोग- ... -)

गीता-का सूक्ष्मविषय ... ... -)।

गीता-केवल द्वितीय अध्याय भाषाटीका ... ...)।

गीताके कुछ जानने योग्य विषय-सुन्दर मोटे टाइपमें पृष्ठ-संख्या ४३ -)॥

गीताङ्क-पृष्ठ-संख्या ५०६ चित्र-संख्या १७० मूल्य २॥≈) सजिल्द ... ३≈)

श्रीमद्भगवद्गीता गुजराती भाषामें

सभी विषय १।) वालीके समान मूल्य ... १।)

श्रीमद्भगवद्गीता बंगला भाषामें

मूल, पदच्छेद, अन्वय, साधारणभाषा और टिप्पणियोंसहित (यह १।) वाली गीताका उल्था है) पृष्ठ ५४०, चित्र ४ मूल्य १) सजिल्द ... ... १।)

बड़ा सूचीपत्र मुफ्त मँगाइये।

महामना मालवीयजीकी अभिलाषा

मेरा विश्वास है कि मनुष्य-जातिके इतिहासमें सबसे उत्कृष्ट ज्ञान और अलौकिक शक्ति-सम्पन्न पुरुष भगवान् श्रीकृष्ण हुए हैं। मेरा दूसरा विश्वास यह है कि पृथ्वीमण्डलकी प्रचलित भाषाओंमें उन भगवान् श्रीकृष्णकी कही हुई भगवद्गीताके समान छोटे वपुमें इतना विपुल ज्ञानपूर्ण कोई दूसरा ग्रन्थ नहीं है।

वेद और उपनिषदोंका सार, इस लोक और परलोक दोनोंमें मंगलमय मार्गका दिखानेवाला, कर्म, ज्ञान और भक्तिके तीनों मार्गोंद्वारा मनुष्यको परम श्रेयके साधनका उपदेश करनेवाला, सबसे ऊँचे ज्ञान, सबसे विमल भक्ति, सबसे उज्ज्वल कर्म, यम, नियम, त्रिविध तप, अहिंसा, सत्य और दयाके उपदेशके साथ-साथ धर्मके लिये धर्मका अवलम्बन कर, अधर्मको त्यागकर युद्ध करनेका उपदेश करनेवाला, यह अद्भुत ग्रन्थ जिसमें १८ छोटी अध्यायोंमें इतना सत्य, इतना ज्ञान, इतने ऊँचे गम्भीर सात्त्विक उपदेश भरे हैं, जो मनुष्यमात्रको नीची-से-नीची दशासे उठाकर देवताओंके स्थानमें बैठा देनेकी शक्ति रखते हैं। मेरे ज्ञानमें पृथ्वीमण्डलपर ऐसा कोई दूसरा ग्रन्थ नहीं है जैसा भगवद्गीता है। गीता धर्मकी निधि है। केवल हिन्दुओंकी ही नहीं, किन्तु सारे जगत्के मनुष्योंकी निधि है। जगत्के अनेक देशोंके विद्वानोंने इसको पढ़कर लोककी उत्पत्ति स्थिति और संहार करनेवाले परम पुरुषका शुद्ध सर्वोत्कृष्ट ज्ञान और उनके चरणोंमें निर्मल निष्काम परमा भक्ति प्राप्त की है। वे पुरुष और स्त्री बड़े भाग्यवान हैं जिनको इस संसारके अन्धकारसे भरे घने मार्गोंमें प्रकाश दिखानेवाला यह छोटा किन्तु अक्षय स्नेहसे पूर्ण धर्म-प्रदीप प्राप्त हुआ है। जिनको यह धर्म-प्रदीप (धर्मकी लालटेन) प्राप्त है उनका यह भी धर्म है कि वे मनुष्यमात्रको इस परम पवित्र ग्रन्थका लाभ पहुँचानेका प्रयत्न करें।

मेरी यह अभिलाषा और जगदाधार जगदीशसे प्रार्थना है कि मैं अपने जीवनमें यह समाचार सुन लूँ कि बड़ेसे बड़ेसे लेकर छोटेसे-छोटेतक प्रत्येक हिन्दू-सन्तानके घरमें एक भगवद्गीताकी पोथी भगवान्की मूर्तिके समान भक्ति और भावनाके साथ रक्खी जाती है। और मैं यह भी सुनूँ कि और और धर्मोंके माननेवाले इस देशके तथा पृथ्वीमण्डलके और सब देशोंके निवासियोंमें भी भगवद्गीताके प्रचारका इस कार्यके महत्त्वके उपयुक्त सुविचारित और भक्ति, ज्ञान और धनसे सुसमर्थित प्रबन्ध हो गया है॥ श्रीकृष्णः प्रीणातु॥

मदनमोहन मालवीय